बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा INTERNET पर जारी उच्च माध्यमिक परीक्षा 2024 के लिए

TARGET

# INTERNET MODEL PAPER

## WITH OMR ANSWER SHEET

## 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए

11.12.2023 को INTERNET पर जारी प्रश्न-पत्र एवं उनके हल के साथ

# 2024

# ARTS

50 % Objective +50 % Subjective

संकलित विषय

- इतिहास (History)
- मनोविज्ञान (Psychology)
- समाजशास्त्र (Sociology)
- राजनीतिशास्त्र (Pol. Science)
- अर्थशास्त्र (Economics)
- भूगोल (Geography)
- गृहविज्ञान (Home Science)
- ENGLISH - 100
- हिन्दी - 100

आशीष पब्लिकेशन

Price : Rs. 140/-

TARGET INTERNET MODEL PAPER CLASS - XII[th] ARTS 2024

*प्रकाशक:*

**आशीष पब्लिकेशन**

खजांची रोड, पटना – 800 004

Mobile : 8987230259

E-mail : ashishpublicationpatna@gmail.com

Website : www.ashishpublication.in

© प्रकाशक

*टाइपसेटर:*

न्यू कम्प्यूटर, पटना

*मुद्रक:*

नवयुग ऑफसेट

विशेष : पुस्तक को मुद्रित करते समय सामग्री के संबंध में यथासंभव सावधानी बरती गई है। फिर भी, यदि कुछ त्रुटियाँ रह गई हो, तो इसके लिए प्रकाशक उत्तरदायी नहीं है।

# CONTENT


- इतिहास (History). ..... 1–11
- राजनीतिशास्त्र (Political Science). ..... 12–24
- समाजशास्त्र (Sociology). ..... 25–35
- मनोविज्ञान (Psychology). ..... 36–43
- भूगोल (Geography). ..... 44–51
- गृह विज्ञान (Home Science). ..... 52–58
- अर्थशास्त्र (Economics). ..... 59–69
- हिन्दी ( 100 अंक ). ..... 70–81
- English (100 Marks). ..... 82–92

# इतिहास (HISTORY)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

समय : 3 घंटे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

**परीक्षार्थी के लिए निर्देश :**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : खण्ड-'अ' एवं खण्ड-'ब'।
6. खण्ड-अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. खण्ड-ब में 30 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है। आपको 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों का ही उत्तर देना है। अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR-उत्तर पुस्तिका पर चिह्नित करें।**

**50 × 1 = 50**

**1.** पुरातत्व के अन्तर्गत इनमें से कौन नहीं है ?
(A) साहित्य (B) सिक्के
(C) अभिलेख (D) भग्नावशेष

**2.** दयाराम साहनी ने कहाँ उत्खनन करवाया था ?
(A) मोहनजोदड़ो (B) हड़प्पा
(C) कालीबंगा (D) लोथल

**3.** हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा नगर कौन था ?
(A) मोहनजोदड़ो (B) कालीबंगा
(C) लोथल (D) रंगपुर

**4.** मोहनजोदड़ो किस नदी के किनारे स्थित है ?
(A) सतलज (B) सरस्वती
(C) रावी (D) सिन्धु

**5.** लोथल कहाँ स्थित है ?
(A) गुजरात (B) पश्चिम बंगाल
(C) राजस्थान (D) पंजाब

**6.** कलकत्ता में एशियाटिक सोसायटी की स्थापना किसने की ?
(A) कनिंघम (B) फ्लीट
(C) डी॰ सी॰ सरकार (D) विलियम जोन्स

**7.** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम डायरेक्टर जनरल कौन थे?
(A) ए॰ कनिंघम (B) जॉन मार्शल
(C) आर॰ ई॰ एम॰ व्हीलर (D) डी॰ सी॰ सरकार

**8.** 'मुद्राराक्षस' किसने रचित किया ?
(A) कौटिल्य (B) कल्हण
(C) विशाखदत्त (D) पाणिनी

**9.** प्रयाग प्रशस्ति में किसकी उपलब्धियों का उल्लेख है ?
(A) अशोक (B) कनिष्क
(C) चन्द्रगुप्त प्रथम (D) समुद्रगुप्त

**10.** अशोक के कलिंग युद्ध का उल्लेख किस शिलालेख में मिलता है ?
(A) प्रथम (B) पाँचवें
(C) दसवें (D) तेरहवें

**11.** प्राचीन भारतीय इतिहास का कौन-सा काल स्वर्णयुग के नाम से जाना जाता है ?
(A) मौर्यकाल (B) गुप्त काल
(C) शुंग काल (D) कुषाण काल

**12.** अभिज्ञान शाकुन्तलम् के रचनाकार हैं :
(A) कालिदास (B) बाणभट्ट
(C) अश्वघोष (D) कौटिल्य

**13.** सोलह महाजनपदों में सबसे शक्तिशाली महाजनपद कौन था ?
(A) मगध (B) अवन्ति
(C) कोसल (D) गांधार

**14.** एलोरा में कैलाश मंदिर किस राजवंश ने बनवाया ?
(A) चोल (B) पल्लव
(C) चालुक्य (D) राष्ट्रकूट

**15.** महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र के मैदान में कितने दिन चला ?
(A) 10 दिन (B) 12 दिन
(C) 18 दिन (D) 20 दिन

**16.** महाभारत की रचना किस भाषा में हुई ?
(A) पालि (B) प्राकृत
(C) हिन्दी (D) संस्कृत

**17.** वेद व्यास ने किस महाकाव्य की रचना की ?
(A) महाभारत
(B) रामायण
(C) (A) एवं (B) दोनों
(D) (A) एवं (B) में से कोई नहीं

**18.** वेदों की संख्या कितनी है ?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः

**19.** नालन्दा विश्वविद्यालय को नष्ट किसने किया ?
(A) अलाउद्दीन खिलजी (B) बख्तियार खिलजी
(C) बाबर (D) इब्राहिम लोदी

**20.** सांची मध्य प्रदेश के किस जिले में स्थित है ?
(A) विदिशा (B) रायसेन
(C) सागर (D) भोपाल

**21.** महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कहाँ हुई ?
(A) लुम्बिनी (B) बोधगया
(C) सारनाथ (D) कुशीनगर

**22.** विनय पिट्क किस धर्म से संबंधित है ?
(A) जैन धर्म (B) बौद्ध धर्म
(C) हिन्दू धर्म (D) शैव धर्म

**23.** जैनधर्म के 24वें तीर्थंकर कौन थे ?
(A) ऋभदेव (B) आदिनाथ
(C) पार्श्वनाथ (D) महावीर स्वामी

**24.** महिला संत कराईकल का संबंध किस धर्म से है ?
(A) हिन्दू धर्म (B) जैन धर्म
(C) बौद्ध धर्म (D) शैव धर्म

**25.** दिगम्बर एवं श्वेताम्बर का संबंध किस धर्म से है ?
(A) हिन्दू धर्म (B) सिख धर्म
(C) बौद्ध धर्म (D) जैन धर्म

**26.** मुगल काल में चलने वाला सोने का सिक्का कौन था ?
(A) रुपया (B) जीतल
(C) इलाही (D) दाम

**27.** जहाँगीर का शासनकाल क्या था ?
(A) 1556–1605 ई॰ (B) 1605–1627 ई॰
(C) 1627–1658 ई॰ (D) 1658–1707 ई॰

**28.** ''अकबरनामा'' का अंग्रेजी अनुवाद किसने किया ?
(A) हेनरी बेवरीज (B) हेनरी ब्लॉकमैन
(C) एच॰ एस॰ जैरेट (D) इनमें से सभी

**29.** बाबरनामा किसने लिखा ?
(A) अलबरूनी (B) इब्नबतूता
(C) बाबर (D) अबुल फज़ल

**30.** टोडरमल कौन था ?
(A) अकबर का रक्षा मंत्री (B) अकबर का वित्त मंत्री
(C) अकबर का दास (D) अकबर का सिपाही

**31.** तम्बाकू के उपयोग पर किस शासक ने प्रतिबंध लगाया ?
(A) अकबर (B) बाबर
(C) जहाँगीर (D) शाहजहाँ

**32.** गुलबदन बेगम ने किस पुस्तक को लिखा था ?
(A) बाबरनामा (B) अकबरनामा
(C) हुमायूँनामा (D) पादशाहनामा

**33.** शेरशाह सूरी ने किस मुगल शासक को परास्त किया ?
(A) हुमायूँ (B) अकबर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब

**34.** 1529 में घाघरा का युद्ध किसके बीच लड़ा गया ?
(A) बाबर–इब्राहिम लोदी (B) बाबर–राणा सांगा
(C) बाबर–महमूद खाँ लोदी (D) शेरशाह–हुमायूँ

**35.** अकबर का संरक्षक कौन था ?
(A) बैरम खाँ (B) अब्दुल लतीफ
(C) भगवान दास (D) मान सिंह

**36.** फतेहपुर सीकरी के 'बुलन्द दरवाज़ा' का निर्माण किसने करवाया ?
(A) बाबर (B) अकबर
(C) औरंगजेब (D) शाहजहाँ

**37.** पाँचवे सिख गुरु अर्जुन देव को मृत्युदंड किसने दिया ?
(A) बाबर (B) अकबर
(C) हुमायूँ (D) जहाँगीर

**38.** दिल्ली सल्तनत के किस शासक ने अपनी राजधानी आगरा बनायी ?
(A) इब्राहिम लोदी (B) बहलोल खाँ लोदी
(C) सिकन्दर लोदी (D) कुतुबुद्दीन ऐबक

**39.** फतेहपुर सीकरी में अकबर ने इबादतखाना कब बनवाया था ?
(A) 1562 ई॰ (B) 1563 ई॰
(C) 1575 ई॰ (D) 1579 ई॰

**40.** सुलह-ए-कुल की नीति किसने अपनायी ?
(A) बाबर (B) हुमायूँ
(C) अकबर (D) शाहजहाँ

**41.** हरिहर एवं बुक्का ने विजयनगर की स्थापना कब की ?
(A) 1326 ई॰ (B) 1336 ई॰
(C) 1339 ई॰ (D) 1356 ई॰

**42.** तेनालीराम का सम्बन्ध किस राजवंश से था ?
(A) विजयनगर (B) बीजापुर
(C) मुगल (D) बहमनी

**43.** विजयनगर साम्राज्य का पहला शासक कौन था ?
(A) हरिहर (B) बुक्का
(C) वीर नरसिंह (D) कृष्ण देव

**44.** 'आमुक्तमाल्याद' किसने लिखा ?
(A) हरिहर-1 (B) बुक्का
(C) सदाशिव राय (D) इनमें से कोई नहीं

**45.** विरूपाक्ष का मंदिर कहाँ स्थित है ?
(A) हम्पी (B) चिदाम्बरम
(C) बेलूर (D) श्रीरंगम

**46.** विजयनगर आने वाला पहला विदेशी यात्री कौन था ?
(A) निकोलो कोण्टी (B) अब्दुर्रज्ज़ाक़
(C) डेमिंगौ पेइस (D) फर्नाओ नूनीज

**47.** सदाशिवराय विजयनगर साम्राज्य में किस वंश का शासक था ?
(A) संगम वंश (B) सालुव वंश
(C) तुलुव वंश (D) आरवीडू वंश

**48.** महिला संत अंडाल किसकी उपासिका थी ?
(A) शिव (B) दुर्गा
(C) विष्णु (D) प्रकृति

**49.** कबीर का जन्म कहाँ हुआ ?
(A) काशी (B) इलाहाबाद
(C) लखनऊ (D) दिल्ली

**50.** खालसा पंथ की स्थापना किसने की ?
(A) गुरु नानक देव (B) गुरु अर्जुन देव
(C) गुरु गोविन्द सिंह (D) गुरु तेग बहादुर

**51.** चैतन्य महाप्रभु ने किसकी अराधना की ?
(A) राम (B) कृष्ण
(C) विष्णु (D) शिव

**52.** महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन के प्रर्वतक कौन थे ?
(A) नामदेव (B) तुकाराम
(C) रामदास (D) ज्ञानेश्वर

**53.** चिश्ती सिलसिला के प्रवर्तक ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह कहाँ है ?
(A) दिल्ली (B) आगरा
(C) अजमेर (D) फतेहपुर सीकरी

**54.** 'तहकीक-ए-हिन्द' पुस्तक किसने लिखी है ?
(A) अलबरुनी (B) इब्नबतुता
(C) मेगास्थनीज (D) अब्दुर्रज्ज़ाक

**55.** विदेशी यात्री टैवर्नियर पेशे से क्या था ?
(A) चिकित्सक (B) संगीतकार
(C) जौहरी (D) घोड़ों का व्यापारी

**56.** यूनानी शासक सेल्यूकस का राजदूत कौन था ?
(A) मेगास्थनीज (B) फाह्यान
(C) ह्वेनसांग (D) अलबरुनी

**57.** मार्कोपोलो किस राष्ट्र का निवासी था ?
(A) इटली (B) चीन
(C) मोरक्को (D) ईरान

**58.** अलबरुनी ने अपनी पुस्तक क़िताब-उल-हिन्द किस भाषा में लिखी है ?
(A) अंग्रेजी (B) फारसी
(C) हिन्दी (D) अरबी

**59.** इब्नबतूता को दिल्ली का क़ाजी किसने नियुक्त किया था ?
(A) बलबन (B) मुहम्मद-बिन-तुगलक
(C) इल्तुतमिश (D) अलाउद्दीन खिलजी

**60.** जीन बैप्टिस्ट टैवर्नियर ने भारत की यात्रा कितनी बार की ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 6

**61.** किस गर्वनर जनरल ने हड़प नीति (व्यपगत नीति) अपनायी ?
(A) वारेन हेस्टिंग्स (B) विलियम बेंटिक
(C) लॉर्ड वेलेस्ली (D) लॉर्ड डलहौजी

**62.** बंगाल में स्थायी बंदोबस्त कब लागू किया गया ?
(A) 1790 ई॰ (B) 1793 ई॰
(C) 1798 ई॰ (D) 1805 ई॰

**63.** दामिन-इ-कोह क्या था ?
(A) भू-भाग (B) उपाधि
(C) तलवार (D) इनमें से कोई नहीं

**64.** दक्कन दंगा आयोग कब गठित हुआ ?
(A) 1875 ई॰ (B) 1880 ई॰
(C) 1885 ई॰ (D) इनमें से कोई नहीं

**65.** फ्रांसिस बुकानन के विवरण किस जनजाति से संबंधित है ?
(A) गौड़ (B) संथाल
(C) कोल (D) हम्मार

**66.** कार्नवालिस कोड कब बनाया गया था ?
(A) 1775 ई॰ (B) 1793 ई॰
(C) 1797 ई॰ (D) 1805 ई॰

**67.** संथाल विद्रोह कब हुआ ?
(A) 1832 ई॰ (B) 1841 ई॰
(C) 1851 ई॰ (D) 1855 ई॰

**68.** बुद्धो भगत ने किस विद्रोह का नेतृत्व किया ?
(A) खासी विद्रोह (B) भील विद्रोह
(C) संथाल विद्रोह (D) कोल विद्रोह

**69.** दिल्ली से 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया ?
(A) बहादुरशाह ज़फर (B) नाना साहेब
(C) लियाकत अली (D) शेख रमजान

**70.** पीर अली ने 1857 के विद्रोह में कहाँ का कमान संभाला ?
(A) कानपुर (B) अवध
(C) जगदीशपुर (D) पटना

**71.** बहादुरशाह जफ़र को अंग्रेजों ने कहाँ निर्वासित कर दिया था ?
(A) सिंगापुर (B) लंदन
(C) वेनिस (D) रंगून

**72.** रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु कहाँ हुई ?
(A) झाँसी (B) मेरठ
(C) ग्वालियर (D) लखनऊ

**73.** 1857 के विद्रोह की पूर्व निर्धारित तिथि क्या थी ?
(A) 10 मई 1857 (B) 11 मई 1857
(C) 31 मई 1857 (D) इनमें से कोई नहीं

**74.** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई ?
(A) 1885 ई॰ (B) 1887 ई॰
(C) 1889 ई॰ (D) 1892 ई॰

**75.** 1857 की क्रांति के समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री कौन था ?
(A) सर रॉबर्ट पील (B) ग्लैडस्टोन
(C) डिजरैली (D) पामर्स्टन

**76.** लक्ष्मीबाई के पति का नाम क्या था ?
(A) गंगाधर राव (B) दामोदर राव
(C) आनन्द राव (D) मोरोपन्त

**77.** जार्ज पंचम और उनकी पत्नी के स्वागत के लिए बनाये गये भवन का नाम क्या था ?
(A) गेटवे इंडिया (B) इंडिया गेट
(C) विक्टोरिया टर्मिनस (D) एलफिंस्टन सर्किल

**78.** कैप्टन हॉकिन्स किस मुग़ल शासक के दरबार में आया था ?
(A) हुमायूँ (B) शाहजहाँ
(C) औरंगज़ेब (D) जहाँगीर

**79.** रेग्युलेटिंग ऐक्ट किस वर्ष पारित हुआ ?
(A) 1773 ई॰ (B) 1774 ई॰
(C) 1803 ई॰ (D) 1858 ई॰

**80.** भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली कब स्थानान्तरित हुई ?
(A) 1896 ई॰ (B) 1902 ई॰
(C) 1911 ई॰ (D) 1919 ई॰

**81.** विक्टोरिया टर्मिनस किस स्थापत्य शैली का उदाहरण है ?
(A) नव-गॉथिक (B) इण्डो-सारसोनिक
(C) नव-शास्त्रीय (D) इनमें से कोई नहीं

**82.** 1919 में गाँधीजी ने किस आंदोलन का नेतृत्व किया ?
(A) असहयोग आंदोलन (B) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(C) ख़िलाफत आंदोलन (D) भारत छोड़ो आंदोलन

**83.** महात्मा गाँधी का मूल पेशा क्या था ?
(A) चिकित्सक (B) राजनीतिज्ञ
(C) वकील (D) शिक्षक

**84.** गांधी जी ने अपनी उच्च शिक्षा कहाँ से प्राप्त की ?
(A) लंदन (B) साउथ अफ्रीका
(C) कलकत्ता (D) बम्बई

**85.** साइमन कमीशन भारत कब आया ?
(A) 1925 ई॰ (B) 1928 ई॰
(C) 1932 ई॰ (D) 1935 ई॰

**86.** महात्मा गांधी ने भारत में अपना पहला आंदोलन कहाँ शुरू किया ?
(A) बारदोली (B) चम्पारण
(C) दाण्डी (D) वर्धा

**87.** दाण्डी किस राज्य में है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार
(C) गुजरात (D) पंजाब

**88.** महात्मा गांधी के बचपन का नाम क्या था ?
(A) तनु (B) मुनिया
(C) केसर (D) गोविन्द

**89.** 'सर' की उपाधि किसने लौटायी ?
(A) महात्मा गाँधी (B) बाल गंगाधर तिलक
(C) रवीन्द्रनाथ टैगोर (D) जवाहरलाल नेहरू

**90.** भारत छोड़ो आंदोलन कब हुआ ?
(A) 1920 ई॰ (B) 1930 ई॰
(C) 1942 ई॰ (D) 1947 ई॰

**91.** माउण्टबेटन योजना कब प्रस्तुत की गई ?
(A) 3 जुन 1947 ई॰ (B) 26 जनवरी 1947 ई॰
(C) 15 अगस्त 1947 ई॰ (D) 20 फरवरी 1947 ई॰

**92.** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक कौन थे ?
(A) ए॰ओ॰ ह्यूम (B) राजगोपालचारी
(C) एनी बेसेन्ट (D) विजयालक्ष्मी पंडित

**93.** सुभाषचन्द्र बोस ने कहाँ पर आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया ?
(A) मलाया (B) वर्मा
(C) थाइलैण्ड (D) सिंगापुर

**94.** पाकिस्तान ने अपना प्रथम स्वाधीनता दिवस कब मनाया ?
(A) 15 अगस्त 1947 (B) 14 अगस्त 1947
(C) 26 जनवरी 1947 (D) 26 जनवरी 1950

**95.** गांधी जी को गोली कहाँ मारी गई ?
(A) नोआखली (B) पोरबन्दर
(C) नई दिल्ली (D) साबरमती

**96.** स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे ?
(A) डॉ॰ बी॰ आर॰ अम्बेडकर (B) महात्मा गाँधी
(C) सरदार वल्लभ भाई पटेल (D) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद

**97.** भारतीय संविधान कब लागू किया गया ?
(A) 26 नवम्बर 1949 (B) 24 जनवरी 1950
(C) 26 नवम्बर 1950 (D) 26 जनवरी 1950

**98.** पाकिस्तान का पहला प्रधानमंत्री कौन था ?
(A) मुहम्मद अली जिन्ना (B) इकबाल अहमद
(C) मौलाना आज़ाद (D) इनमें से कोई नहीं

**99.** 'जय जवान जय किसान' का नारा किसने दिया ?
(A) जवाहरलाल नेहरू (B) लाल बहादुर शास्त्री
(C) भगत सिंह (D) स्वामी दयानन्द सरस्वती

**100.** हमारे राष्ट्रगान के रचयिता कौन हैं ?
(A) मुहम्मद इकबाल (B) बंकिम चन्द्र चटर्जी
(C) रवीन्द्रनाथ टैगोर (D) राम प्रसाद बिस्मिल

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 30 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 15 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है।**
**15 × 2 = 30**

**1.** उत्खनन से आप क्या समझते हैं ?
**2.** हड़प्पा लिपि के बारे में आप क्या जानते हैं ?
**3.** वेद कितने हैं ? उनके नाम लिखें।
**4.** अशोक के अभिलेख कहाँ प्राप्त हुए ? किन्हीं चार स्थानों के नाम लिखें।
**5.** 16 महाजनपदों में से किन्हीं चार का नाम लिखें।
**6.** फाह्यान कौन था ? वह किस शासक के काल में भारत आया ?
**7.** दिगम्बर एवं श्वेताम्बर कौन कहलाये ?
**8.** बुद्ध के चार आर्य सत्य क्या थे ?
**9.** 'त्रिपिटक' से आप क्या समझते हैं ?
**10.** अकबर के काल में 'दस्तुर' क्या था ?
**11.** मुगलकालीन दो सिक्कों का नाम लिखें।
**12.** विश्व के सात आश्चर्यों में से दो का नाम लिखें।
**13.** टोडरमल कौन था ?
**14.** विजयनगर साम्राज्य में किन चार राजवंशों ने शासन किया ? नाम बतायें।
**15.** कमल महल की दो विशेषताएँ लिखें।
**16.** वज्रयान के बारे में आप क्या जानते हैं ?
**17.** कबीर कौन थे ? उनकी रचना का नाम लिखें।
**18.** अलबरूनी कौन था ?
**19.** 'किताब-उल-हिन्द' के बारे में आप क्या जानते हैं ? दो विशेषताएँ लिखें।
**20.** उपनिवेशवाद का अर्थ क्या है ?
**21.** रैयतीबाड़ी बंदोबस्त क्या था ?
**22.** 1857 की क्रांति के सैनिक कारण बताएँ।
**23.** मंगल पांडे का संक्षिप्त परिचय लिखें।
**24.** सिविल लाईन्स की क्या विशेषता थी।
**25.** लॉटरी कमिटी क्या थी ?
**26.** गांधी जी द्वारा चलाये गये चार आंदोलनों के नाम लिखें।
**27.** खेड़ा सत्याग्रह किससे संबंधित था और कब शुरू हुआ ?
**28.** असहयोग आंदोलन के चार कार्यक्रम लिखें।
**29.** क्रिप्स मिशन के दो सदस्यों के नाम लिखें।
**30.** भारतीय संविधान की दो विशेषताएँ लिखें।

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 38 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित है।**
**4 × 5 = 20**

**31.** हड़प्पा सभ्यता के पतन के मुख्य कारणों का वर्णन करें।
**32.** महात्मा बुद्ध की जीवनी एवं उपदेशों का वर्णन करें।
**33.** अकबर को एक 'राष्ट्रीय सम्राट' क्यों कहा जाता है ?
**34.** भक्ति आंदोलन पर एक संक्षिप्त निबंध लिखें।
**35.** कैबिनेट मिशन योजना क्या थी ? विवेचना करें।
**36.** भारत छोड़ो आंदोलन की व्याख्या करें।
**37.** स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गाँधी की भूमिका पर प्रकाश डालें।
**38.** भारत विभाजन के लिए उत्तरदायी कारणों का वर्णन करें।

## व्याख्यासहित उत्तर

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### OMR ANSWER-SHEET

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 71. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 72. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 73. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 74. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 75. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 76. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 77. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 78. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 79. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 80. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 81. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 82. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 83. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 84. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 85. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 86. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 87. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 88. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 89. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 90. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 91. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 92. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 93. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 94. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 95. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 96. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 97. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 98. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 99. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 100. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

### ANSWERS

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (D) | 2. (B) | 3. (A) | 4. (D) | 5. (A) |
| 6. (D) | 7. (A) | 8. (C) | 9. (D) | 10. (C) |
| 11. (B) | 12. (A) | 13. (A) | 14. (D) | 15. (C) |
| 16. (D) | 17. (C) | 18. (B) | 19. (B) | 20. (B) |
| 21. (B) | 22. (B) | 23. (D) | 24. (C) | 25. (D) |
| 26. (C) | 27. (B) | 28. (A) | 29. (C) | 30. (B) |
| 31. (C) | 32. (C) | 33. (A) | 34. (B) | 35. (A) |
| 36. (B) | 37. (D) | 38. (C) | 39. (C) | 40. (C) |
| 41. (B) | 42. (A) | 43. (A) | 44. (C) | 45. (A) |
| 46. (C) | 47. (C) | 48. (A) | 49. (A) | 50. (C) |
| 51. (D) | 52. (D) | 53. (C) | 54. (A) | 55. (C) |
| 56. (A) | 57. (A) | 58. (D) | 59. (B) | 60. (D) |
| 61. (D) | 62. (B) | 63. (A) | 64. (A) | 65. (B) |
| 66. (C) | 67. (D) | 68. (C) | 69. (A) | 70. (D) |
| 71. (D) | 72. (C) | 73. (A) | 74. (A) | 75. (D) |
| 76. (A) | 77. (A) | 78. (D) | 79. (A) | 80. (C) |
| 81. (A) | 82. (C) | 83. (C) | 84. (A) | 85. (B) |
| 86. (B) | 87. (C) | 88. (B) | 89. (C) | 90. (C) |
| 91. (A) | 92. (A) | 93. (D) | 94. (B) | 95. (C) |
| 96. (D) | 97. (D) | 98. (A) | 99. (B) | 100. (C) |

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** उत्खनन का अर्थ है खुदाई या खुदाई की प्रक्रिया, जिसका उपयोग विशेष रूप से पुरातत्व में किया जाता है। इस प्रक्रिया में, पुरातत्वविद पृथ्वी की सतह के नीचे दबे हुए अवशेषों, जैसे कि प्राचीन इमारतों, कलाकृतियों, और अन्य मानव निर्मित संरचनाओं को खोजने और अध्ययन करने के लिए मिट्टी की परतों को सावधानीपूर्वक हटाते हैं। यह इतिहास और प्राचीन सभ्यताओं के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण विधि है।

**2.** हड़प्पा लिपि जिसे सिंधु लिपि या सिंधु-सरस्वती लिपि भी कहा जाता है, प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि है। इस सभ्यता का विकास लगभग 3300 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व के बीच हुआ था, जो आधुनिक भारत और पाकिस्तान के क्षेत्रों में फैली हुई थी।

**विशेषताएँ :**

**(i) लिपि की प्रकृति**—हड़प्पा लिपि में लगभग 40 से 600 तक विभिन्न प्रकार के चिह्न पाए जाते हैं। इसकी प्रकृति और ध्वन्यात्मक विशेषताएँ अभी तक रहस्यमय हैं क्योंकि इसे पूरी तरह से डिकोड नहीं किया जा सका है।

**(ii) खोज और उपयोग**—यह लिपि मुख्य रूप से मोहरों, मिट्टी के बर्तनों, धातु की वस्तुओं और अन्य सामग्रियों पर उत्कीर्णित पाई गई है।

**(iii) अनुसंधान और व्याख्या**—हड़प्पा लिपि को समझने का प्रयास विद्वानों द्वारा किया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट सफलता नहीं मिली है। इसे पढ़ने के लिए एक संदर्भ भाषा या बाइलिंगुअल इस्क्रिप्शन की कमी है, जैसा कि रोसेटा स्टोन ने मिस्र की हायरोग्लिफिक्स के लिए किया था।

इस लिपि के अध्ययन से सिंधु घाटी सभ्यता के सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक जीवन की अधिक जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद है।

**3.** वेद चार हैं, और उनके नाम निम्नलिखित हैं—

(i) ऋग्वेद (Rigveda) (ii) सामवेद (Samaveda)
(iii) यजुर्वेद (Yajurveda) (iv) अथर्ववेद (Atharvaveda)

**4.** सम्राट अशोक के अभिलेख भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न स्थानों पर प्राप्त हुए हैं। उनमें से चार प्रमुख स्थान निम्नलिखित हैं—

(i) सारनाथ (Sarnath)—उत्तर प्रदेश
(ii) सांची (Sanchi)—मध्य प्रदेश
(iii) धौली (Dhauli)—ओडिशा
(iv) भरहुत (Bharhut)—मध्य प्रदेश

**5.** 16 महाजनपदों में से चार के नाम इस प्रकार हैं—

(i) मगध (Maghadha) (ii) कोसल (Kosal)
(iii) वत्स (Vatsa) (iv) अवंति (Avanti)

**6.** फाह्यान एक चीनी बौद्ध भिक्षु और यात्री थे, जिन्होंने 5वीं शताब्दी में भारत की यात्रा की थी। वह भारत गुप्त साम्राज्य के काल में आए थे, जो उस समय अपनी सांस्कृतिक और राजनीतिक चरम सीमा पर था। फाह्यान की यात्रा लगभग 399 से 414 ईस्वी के बीच हुई थी। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य बौद्ध शास्त्रों और धार्मिक ग्रंथों की प्रतियाँ प्राप्त करना और बौद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा करना था। उनकी यात्रा का विवरण उनके यात्रा वृतांत 'फो-कुओ-ची' (Fe-Kuo-Chi) में मिलता है।

**7.** दिगंबर और श्वेतांबर जैन धर्म की दो मुख्य शाखाएँ हैं। ये दोनों सम्प्रदाय जैन धर्म के मूल सिद्धान्तों का पालन करते हैं, लेकिन उनके धार्मिक प्रथाओं, मूर्तिपूजा, वस्त्र धारण करने की परंपराओं और शास्त्रों की व्याख्या में कुछ महत्वपूर्ण अंतर है।

**दिगंबर**—'दिगंबर' का शाब्दिक अर्थ है 'आकाश वस्त्री'। दिगंबर साधु निर्वस्त्र रहते हैं, यह मानते हुए कि पूर्ण त्याग में शारीरिक वस्त्रों का परित्याग भी शामिल है। वे मोक्ष की प्राप्ति के लिए पूर्ण अपरिग्रह (निर्ममता) और सांसारिक बंधनों से मुक्ति पर बल देते हैं।

**श्वेतांबर**—'श्वेतांबर' का अर्थ है 'श्वेत वस्त्र धारण करने वाले'। श्वेतांबर साधु और साध्वियाँ सफेद वस्त्र पहनते हैं। वे धार्मिक प्रथाओं और ग्रंथों की व्याख्या में दिगंबरों से कुछ भिन्नताएँ रखते हैं।

इन दोनों सम्प्रदायों की उत्पत्ति ईसा की पहली शताब्दी के आसपास मानी जाती है, और ये जैन धर्म क अंदर हुए एक बड़े धार्मिक विभाजन का परिणाम हैं।

**8.** बुद्ध के चार आर्य सत्य बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांत है। ये चार सत्य निम्नलिखित हैं—

**(i) दुःख का आर्य सत्य**—यह सत्य बताता है कि जीवन में दुःख है। दुःख जन्म बीमारी, मृत्यु, प्रियजनों से वियोग, अप्रिय वस्तुओं का सामना करना और इच्छित वस्तुओं की प्राप्ति में असमर्थता से उत्पन्न होता है।

**(ii) दुःख का समुदाय आर्य सत्य**—इसके अनुसार, दुःख का कारण तृष्णा या आसक्ति है, जो कि विषयों के प्रति अनियंत्रित इच्छा और लोभ से उत्पन्न होती है।

**(iii) दुःख का निरोध आर्य सत्य**—यह बताता है कि दुःख का निरोध संभव है। तृष्णा की समाप्ति से दुःख का निरोध होता है, जिससे निर्वाण की प्राप्ति होती है।

**(iv) दुःख निरोध का मार्ग आर्य सत्य**—यह सत्य दुःख के निरोध के लिए एक मार्ग प्रदान करता है, जिसे अष्टांगिक मार्ग या आठवीं सही राह कहा जाता है। यह मार्ग सहीदृष्टिकोण, सही विकल्प, सही वाणी, सही कर्म, सही जीविका, सही व्यायाम, सही स्मृति और सही समाधि पर आधारित है।

**9. त्रिपिटक**—यह बौद्ध धर्म के तीन मुख्य ग्रंथों का समूह है, जो बौद्ध धर्म की शिक्षाओं और सिद्धांतों को संग्रहित करते हैं। 'त्रिपिटक' का शाब्दिक अर्थ होता है 'तीन टोकरियाँ' या 'तीन बास्केट'। इसमें निम्नलिखित तीन भाग शामिल हैं—

**(i) सूत्रपिटक** *(Sutta Pitaka)*—इसमें बुद्ध के उपदेश और संवाद संग्रहित हैं। यहाँ पर बुद्ध द्वारा दिए गए विभिन्न उपदेशों और धार्मिक विचारों को संकलित किया गया है।

**(ii) विनय पिटक** *(Vinaya Pitaka)*—यह भाग बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुओं के लिए नियमों और प्रक्रियाओं का वर्णन करता है। यहाँ पर संघ के आचार-विचार और अनुशासन संबंधी नियम बताए गए हैं।

**(iii) अभिधम्म पिटक** *(Abhidhamma Pitaka)*—यह बौद्ध दर्शन और मेटाफिजिक्स (मौलिक सिद्धांतों) का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यहाँ पर बौद्ध शिक्षाओं के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत और तार्किक विश्लेषण किया गया है।

त्रिपिटक थेरवाद बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा मान्य और सम्मानित ग्रंथ हैं। ये ग्रंथ मूल रूप से पालि भाषा में लिखे गए थे।

**10.** अकबर के काल में 'दस्तूर' शब्द का प्रयोग मुख्य रूप से विधि, नियम, प्रथा या प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए किया जाता था। विशेष रूप से, यह उस समय की राज्य और प्रशासनिक व्यवस्थाओं, रीति-नीतियों और परंपराओं को दर्शाता है।

अकबर के शासन काल में उन्होंने कई सुधार किए, जिनमें प्रशासनिक और राजकीय नीतियों में बदलाव शामिल थे। इनमें से कुछ सुधारों को 'दस्तूर' के रूप में देखा जा सकता है, जैसे कि राजस्व संग्रहण की व्यवस्था, सैन्य संगठन और धार्मिक नीतियाँ। उनके समय में, दस्तूर का अर्थ उन नियमों और प्रक्रियाओं से था जिन्हें राज्य की संचालन प्रक्रिया के लिए अपनाया गया था।

इसलिए, 'दस्तूर' शब्द अकबर के काल में एक व्यापक शब्द था जिसका इस्तेमाल विधियों, परंपराओं और प्रशासनिक प्रथाओं को संदर्भित करने के लिए किया जाता था।

**11.** मुगल काल में अनेक प्रकार के सिक्के जारी किए गए थे, जिनमें से दो प्रमुख सिक्के ये हैं—

**(i) रुपया**—मुगल साम्राज्य के दौरान रुपया सिक्का काफी प्रचलित था। शेरशाह सूरी द्वारा पहली बार जारी किया गया, यह चाँदी का सिक्का था और बाद में मुगल सम्राटों द्वारा भी इसे अपनाया गया।

**(ii) दम**—दम एक प्रकार का मुगल सिक्का था जो मुख्य रूप से तांबे से बना होता था। अकबर के शासनकाल में इसे प्रचलन में लाया गया था। यह उस समय के छोटे मूल्यवर्ग के लेन-देन के लिए प्रयोग किया जाता था।

इन सिक्कों का उपयोग मुगल साम्राज्य में व्यापार और वाणिज्य के लिए किया जाता था और इन्होंने उस समय की आर्थिक प्रणाली में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

**12.** विश्व के सात आश्चर्यों में से दो प्रमुख हैं—

**(i) ताजमहल ( भारत )**—यह एक प्रसिद्ध मकबरा है जो भारत में स्थित है। मुगल सम्राट शाहजहाँ ने इसे अपनी प्रिय बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था।

**(ii) चीन की महान दीवार**—यह दुनिया की सबसे लंबी दीवार है और इसे चीन के उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा के लिए बनाया गया था। यह विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी प्रसिद्ध है।

ये दोनों आश्चर्य अपनी वास्तुकला, इतिहास और सांस्कृतिक महत्त्व के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

**13.** राजा टोडरमल मुगल सम्राट अकबर के दरबार के एक प्रमुख सदस्य थे। उन्हें मुख्यत: उनके वित्तीय और राजस्व संबंधी सुधारों के लिए जाना जाता है। टोडरमल ने अकबर के अधीन 'दाहसाला' प्रणाली या जब्त सिस्टम की शुरुआत की जो भूमि कर संग्रहण की एक प्रभावी विधि थी।

इस प्रणाली में, भूमि की उपज का औसत मूल्यांकन किया जाता था और उसके आधार पर कर निर्धारित किया जाता था। यह प्रणाली भारतीय कृषि और राजस्व प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण सुधार थी और इसने भूमि कर संग्रहण में न्यायसंगतता और स्थिरता लाई। टोडरमल ने अपने अन्य सुधारों के माध्यम से भी मुगल प्रशासन को मजबूत किया और वह मुगल साम्राज्य के इतिहास से एक प्रमुख व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं।

**14.** विजयनगर साम्राज्य में मुख्यत: चार राजवंशों ने शासन किया, जिनके नाम इस प्रकार हैं—

(i) **संगम वंश**—इस वंश की स्थापना विजयनगर साम्राज्य के संस्थापकों, हरिहर और बुक्का द्वारा की गई थी।

(ii) **सालुक वंश**—इस वंश के शासकों ने विजयनगर साम्राज्य में अपना शासन स्थापित किया।

(iii) **तुलुव वंश**—इस वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय थे, जिन्होंने विजयनगर साम्राज्य को अपने शासनकाल के दौरान विस्तार और समृद्धि प्रदान की।

(iv) **अरविडु वंश**—यह विजयनगर साम्राज्य का अंतिम वंश था, जिसने साम्राज्य के पतन तक शासन किया।

इन वंशों के शासनकाल में विजयनगर साम्राज्य ने अपनी राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के उच्चतम शिखरों को छुआ।

**15.** 'कमल महल' विजयनगर साम्राज्य के अंतर्गत हम्पी में स्थित एक प्रमुख स्थापत्य है। इसकी दो मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) **कमल के आकार की छत**—कमल महल की सबसे अनोखी विशेषता इसकी छत है, जो कमल के फूल की आकृति जैसी बनाई गई है। इस विशेष डिजाइन के कारण, यह महल अपनी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है।

(ii) **स्थापत्य शैली**—कमल महल विजयनगर कालीन स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसकी डिजाइन और संरचना में हिंदू इस्लामिक स्थापत्य शैली के मिश्रण को देखा जा सकता है, जो उस समय की संस्कृति और कलात्मक विविधता को दर्शाता है।

यह महल हम्पी के ऐतिहासिक स्थलों में से एक है और इसकी सौंदर्यता और विशिष्ट स्थापत्य शैली पर्यटकों और इतिहास प्रेमियों को आकर्षित करती है।

**16. वज्रयान**—बौद्ध धर्म के इतिहास में वज्रयान का उल्लेख महायान के आनुमानिक चिन्तन से व्यक्तिगत जीवन में बौद्ध विचारों के पालन तक यात्रा के लिए किया गया।

**17.** संत कबीर एक प्रमुख भक्ति काल के संत और कवि थे, जो 15वीं सदी में भारत में रहते थे। वे हिंदू और मुस्लिम धार्मिक परंपराओं के प्रति आलोचनात्मक थे और उन्होंने सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक एकता का संदेश दिया।

कबीर की प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं—

(i) **कबीर के दोहे**—इनके दोहे सबसे प्रसिद्ध है, जिनमें उन्होंने जीवन, धर्म और समाज पर गहरे विचार व्यक्त किए हैं।

(ii) **साखी**—कबीर की साखियाँ भी काफी प्रसिद्ध हैं, जो उनके आध्यात्मिक अनुभवों और दार्शनिक विचारों को दर्शाती है।

(iii) **पद**—ये गीतात्मक रचनाएँ हैं, जो कबीर के आध्यात्मिक संदेशों को संगीत के माध्यम से प्रकट करती है।

कबीर की रचनाएँ सीधी, सरल और गहरी होती हैं, और उन्होंने अपने संदेशों को आम लोगों तक पहुँचाने के लिए आम बोलचाल की भाषा का इस्तेमाल किया। उनकी रचनाएँ भक्ति आंदोलन के लिए महत्वपूर्ण योगदान मानी जाती है।

**18.** अलबरूनी, जिनका पूरा नाम अबू रेहान मुहम्मद इब्न अहमद, अलबरूनी था, एक प्रसिद्ध फारसी विद्वान और ज्ञानी थे, जो 11वीं सदी में हुए थे। वे विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र और इतिहास में निपुण थे। अलबरूनी ने भारत पर एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ 'तहकीक-ए-हिन्द' (अर्थात् 'भारत की जांच') लिखा, जिसमें उन्होंने भारतीय धर्म, दर्शन, ज्योतिष, गणित और अन्य विज्ञानों का विशद विवरण दिया।

उनका यह ग्रंथ भारतीय संस्कृति और समाज के बारे में एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्रोत माना जाता है। अलबरूनी को अक्सर भारतीय ज्ञान और विज्ञान के अध्ययन में उनकी गहरी रुचि और योगदान के लिए याद किया जाता है। वे उस समय के सबसे विद्वान विदेशी लेखकों में से एक थे, जिन्होंने भारतीय समाज और संस्कृति को विस्तार से समझा और लिखा।

**19.** 'किताब उल हिंद' एक प्रमुख ऐतिहासिक कृति है, जिसे 11वीं सदी के महान अरब यात्री और विद्वान अल बिरुनी ने लिखा था। इस पुस्तक की दो प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) **भारतीय संस्कृति का व्यापक वर्णन**—अल-बरुनी ने अपनी यात्रा के दौरान भारतीय संस्कृति, धर्म, दर्शन, ज्योतिष, गणित और विज्ञान का गहन अध्ययन किया था। उन्होंने इस किताब में भारतीय जीवन शैली, शिक्षा प्रणाली और धार्मिक मान्यताओं का बहुत ही विस्तृत और वस्तुनिष्ठ विवरण प्रदान किया है।

(ii) **वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण**—अल-बरुनी ने भारतीय विज्ञान और गणित के प्रति एक वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने भारतीय खगोल विज्ञान और गणित की उन्नति को समझा और इसे अपनी किताब में उल्लेखित किया। उनका यह कार्य मध्यकालीन विज्ञान के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ के रूप में माना जाता है।

इस पुस्तक के माध्यम से अल-बरूनी ने भारतीय सभ्यता के प्रति अपनी समझ और सम्मान को प्रदर्शित किया, जो कि उस समय के लिए अद्वितीय था।

**20.** उपनिवेशवाद का अर्थ है किसी देश द्वारा अन्य देशों या क्षेत्रों पर राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण स्थापित करना। इसमें विजेता राष्ट्र उपनिवेशों के संसाधनों का दोहन करता है और अपनी संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था लागू करता है।

**21.** रैयताबाड़ी बंदोबस्त एक प्रकार की जमीनी कर प्रणाली थी, जिसे 19वीं सदी के प्रारंभ में ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने भारत के कुछ हिस्सों, मुख्यत: मद्रास प्रेसिडेंसी और बॉम्बे प्रेसिडेंसी में लागू किया था। इस व्यवस्था में, सीधे रैयत या किसान से भूमि कर लिया जाता था।

इस बंदोबस्त की खासियत यह थी कि यहाँ प्रत्येक किसान को उसकी जोती हुई जमीन का स्वतंत्र मालिक माना जाता था और वह सीधे सरकार को कर अदा करता था। इस प्रणाली के मुख्य उद्देश्य भूमि के उत्पादन पर आधारित एक निश्चित राशि के रूप में कर एकत्र करना था। हालांकि, इस व्यवस्था के कारण कई बार किसानों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ पड़ा और इसने कृषि प्रथाओं पर भी प्रभाव डाला।

**22.** 1857 की क्रांति के सैनिक कारण निम्नलिखित थे—

**(i) असंतोष और अपमान**—भारतीय सैनिकों को ब्रिटिश सैनिकों की तुलना में कम वेतन और खराब पदोन्नति के अवसर मिलते थे, जिससे उनमें गहरा असंतोष और अपमान का भाव था।

**(ii) धार्मिक आस्थाओं का उल्लंघन**—एनफील्ड P–53 राइफल की कारतूसों के उपयोग में गाय और सूअर की चर्बी का होने की अफवाह ने हिन्दू और मुस्लिम सैनिकों की धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुँचाई थी।

**(iii) विदेशी सेवा का नियम**—ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू किया गया नया विदेशी सेवा का नियम, जिसमें भारतीय सैनिकों को समुद्र पार लड़ाई में भाग लेना आवश्यक था, ने भी उनमें असंतोष को बढ़ाया क्योंकि इसे उनकी धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध माना जाता था।

**23.** मंगल पांडे एक भारतीय सिपाही थे जिन्होंने 1857 की क्रांति की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे 1827 में भारत के उत्तर प्रदेश में जन्मे थे। 1849 में, वे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की भारतीय सेवा में भर्ती हुए।

1857 में, मंगल पांडे ने बैरकपुर में विद्रोह किया, जिसे आमतौर पर 1857 की क्रांति की पहली कार्रवाई माना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश अधिकारियों पर हमला किया, जिससे बाकी सैनिकों में भी विद्रोह की भावना जागृत हुई। उनका यह कदम बाद में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक बन गया।

मंगल पांडे को इस विद्रोह के लिए 8 अप्रैल 1857 को फांसी दी गई थी। उनकी इस कार्रवाई ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक नया अध्याय खोला और वे एक नायक के रूप में सम्मानित किए गए।

**24.** सिविल लाइंस ब्रिटिश राज के दौरान भारत में बनाए गए एक विशेष प्रकार के नगरीय क्षेत्र थे। इनकी मुख्य विशेषता यह थी कि ये क्षेत्र शहरों के मध्य या आसपास स्थित होते थे और मुख्य रूप से सरकारी अधिकारियों, उच्च श्रेणी के नागरिकों और अभिजात वर्ग के लिए आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित किए गए थे। ये क्षेत्र आमतौर पर व्यापक और खुले हुए होते थे, विशाल बंगलों और बड़े बगीचों के साथ, जो उन्हें शहरी भीड़-भाड़ और गरीबी से अलग करते थे।

**25.** लॉटरी कमेटी ब्रिटिश भारत में एक वित्तीय उपक्रम था, जिसे 1817 में बंबई (अब मुंबई) में स्थापित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए धन जुटाना था। यह कमेटी लॉटरी का आयोजन करती थी और इससे प्राप्त आय का उपयोग सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक ढांचों के निर्माण या मरम्मत के लिए किया जाता था। यह एक प्रकार की जन-वित पोषण प्रणाली थी जिसका उपयोग ब्रिटिश सरकार ने अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने के लिए किया।

**26.** महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए प्रमुख आंदोलनों में निम्नलिखित शामिल हैं—

(i) चंपारण सत्याग्रह (1917)
(ii) खेड़ा सत्याग्रह (1918)
(iii) असहयोग आंदोलन (1920–1922)
(iv) दांडी मार्च या नमक सत्याग्रह (1930)

**27.** खेड़ा सत्याग्रह भारतीय किसानों के आर्थिक संकट और अन्यायपूर्ण कर वसूली के विरोध में एक आंदोलन था। यह आंदोलन 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में शुरु हुआ था।

इस समय खेड़ा जिले में अकाल पड़ा था, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने फिर भी किसानों से पूरा लगान वसूलने का निर्णय लिया था । इसके विरोध में महात्मा गाधी ने यह सत्याग्रह शुरू किया, जिसमें किसानों का न्यायसंगत और उचित कर निर्धारण की मांग की गई थी। इस आंदोलन ने गांधी जी को भारतीय जनता के बीच एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित किया।

**28.** असहयोग आंदोलन, जो 1920 से 1922 तक चला, में महात्मा गांधी द्वारा प्रस्तावित कई कार्यक्रम थे। इस आंदोलन के मुख्य कार्यक्रमों में निम्नलिखित शामिल थे—

**(i) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार**—इसमें ब्रिटिश उत्पादित वस्तुओं का बहिष्कार शामिल था, जिससे भारतीयों को स्वदेशी उत्पादों की ओर अग्रसर करने का प्रयास किया गया।

**(ii) सरकारी स्कूलों और कॉलेजों का बहिष्कार**—ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली के विरोध में भारतीय छात्रों और शिक्षकों को सरकारी स्कूलों और कॉलेजों का बहिष्कार करने के लिए कहा गया, और साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों की स्थापना की गई।

**(iii) न्यायालयों का बहिष्कार**—ब्रिटिश न्याय प्रणाली के विरोध में वकीलों और नागरिकों से ब्रिटिश न्यायालयों का बहिष्कार करने को कहा गया था।

**(iv) सरकारी सेवाओं का बहिष्कार**—इसमें भारतीय जनता को सरकारी सेवाओं, जैसे पुलिस, सेना और नौकरशाही से इस्तीफा देने और उनसे दूर रहने की अपील की गई थी।

**29.** क्रिप्स मिशन, जो मार्च 1942 में भारत आया था, उसके दो प्रमुख सदस्य थे—

**(i) सर स्टैफर्ड क्रिप्स**—वह एक प्रमुख ब्रिटिश राजनीतिज्ञ थे और इस मिशन के प्रमुख थे।

**(ii) ए॰ वी॰ अलेक्जेंडर**—वह ब्रिटिश नौसेना के प्रथम लॉर्ड थे।

इस मिशन का उद्देश्य भारतीय नेताओं को द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश प्रयासों का समर्थन करने के लिए राजी करना था बदले में स्वतंत्रता के बाद सीमित स्वायत्तता का वादा करते हुए। हालांकि, इस मिशन के प्रस्ताव भारतीय नेताओं द्वारा अस्वीकार कर दिए गए थे।

**30.** भारतीय संविधान की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं—

**(i) संघीय ढांचा साथ ही एकात्मक प्रवृत्ति**—भारतीय संविधान एक संघीय ढांचा प्रदान करता है, जिनसे केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन होता है। हालांकि, इसमें केंद्रीय सरकार को अधिक शक्तियाँ प्राप्त हैं, जो इसे एकात्मक प्रवृत्ति की ओर झुकाव वाला बनाती है।

**(ii) मौलिक अधिकार**—भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का प्रावधान है, जो हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, और विधिक संरक्षण प्रदान करते हैं। ये अधिकार नागरिकों के लिए बुनियादी अधिकारों के रूप में कार्य करते हैं।

**31.** हड़प्पा सभ्यता के पतन के मुख्य कारणों की चर्चा निम्नलिखित रूप से की जा सकती है—

**(i) विदेशी आक्रमण**—मोहनजोदड़ों से मिले साक्ष्यों (नरकंकालों के अवशेष, यत्र-तत्र बिखरी अस्थियाँ, आभूषण इत्यादि) के आधार पर कुछ विद्वनों ने सुझाव दिया कि इस नगर का विनाश आक्रमणकारियों ने किया। इस आक्रमणकारियों ने हड़प्पाई राज्य को नष्ट कर दिया। **ऋग्वेद** का सहारा लेकर **ह्वीलर** इन आक्रमणकारियों को आर्य मानते है एवं हड़प्पाई किलो को नष्ट करने के लिए इंद्र (पुरंदर) को उत्तरदायी मानते है। **ह्वीलर** महोदय के इस तर्क को आधुनिक विद्वान स्वीकार नहीं करते है।

**(ii) प्राकृतिक कारण**—हड़प्पा सभ्यता के पतन के लिए प्राकृतिक कारणों को भी उत्तरदायी माना गया है। प्राकृतिक कारणों जैसे बड़े पैमाने पर आग का लगना, बाढ़ का प्रकोप, नदियों की जलधारा में परिवर्तन, विवर्तनिक हलचलों, जलवायवी परिवर्तनों, भूमि की आर्द्रता में कमी तथा

शुष्कता में विस्तार एवं बड़े स्तर पर जंगलों की कटाई ने सभ्यता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। बड़े पैमाने पर मलेरिया अथवा प्लेग जैसी महामारी में जनसंख्या का बड़ा भाग नष्ट हो गया। इनमें कुछ कारण कुछ विशेष स्थलों के पतन के कारण बन सकते हैं, परन्तु इनमें संपूर्ण सभ्यता नष्ट नहीं हुई।

**(iii) प्रशासनिक शिथिलता**—ऐसा प्रतीत होता है कि विकसित हड़प्पा सभ्यता के अंतिम चरण तक आते-आते प्रशासनिक संयंत्र ढीला और कमजोर पड़ गया एवं राज्य का अंत हो गया। इसी के परिणामस्वरूप नगर-निर्माण योजना और भौतिक जीवन में प्रयुक्त वस्तुओं के स्वरूप में परिवर्तन आ गया। शहरीपन का स्थान देहातीपन ने ले लिया।

**(iv) आर्थिक कारण**—हड़प्पा सभ्यता के पतन का सबसे प्रमुख कारण आर्थिक था। कृषि उत्पादन में कमी आई तथा उद्योग-धंधों एवं व्यापार में भी गिरावट आई। सभ्यता के अंतिम चरण में राजनीतिक एवं अन्य कारणों से अंतरदेशीय एवं विदेशी व्यापार समाप्त हो गया जो सिंधु अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार था। आर्थिक निष्क्रियता ने भी अर्थव्यवस्था को दुर्बल बना दिया। लंबे समय तक प्रयुक्त उपकरणों में कोई तकनीकी परिवर्तन नहीं किया गया। फलतः वे अपनी उपयोगिता खो बैठे। इन कारणों से विकसित हड़प्पा नगरों का स्थान उत्तरकालीन हड़प्पा बस्तियों ने ले लिया।

**32.** बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध थे। उनका जन्म नेपाल के कपिलवस्तु नामक नगर में राजा शुद्धोधन के यहाँ हुआ। उनकी माता का नाम महामाया था। महात्मा बुद्ध का बचपन का नाम सिद्धार्थ था। उनका विवाह-राजकुमारी यशोधरा से हुआ। उनके यहाँ एक पुत्र का जन्म हुआ जिसका नाम राहुल रखा गया। संसार में दुःख ही दुःख देखकर उन्होंने घर का त्याग कर दिया और सत्य की खोज में निकल पड़े। उन्होंने ज्ञान-प्राप्ति के लिए घोर तपस्या की। अंत में वे सब कुछ छोड़कर गया के समीप एक वृक्ष के नीचे बैठ गये। यही उन्हें सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हुई। इसके बाद उनका नाम 'बुद्ध' पड़ गया।

ज्ञान-प्राप्ति के पश्चात् बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया। यहाँ उनके पाँच शिष्य बन गये। इसके बाद उनके शिष्यों की संख्या लगातार बढ़ने लगी।

**बौद्ध धर्मों की शिक्षाएँ—चार मौलिक सिद्धांत और अष्टमार्ग**—बुद्ध की शिक्षा के चार मौलिक सिद्धांत है—

(i) दुनिया एक दुःखों का घर है।
(ii) इन दुःखों का कारण वासनाएँ अथवा इच्छाएँ है।
(iii) इन वासनाओं को मार देने से दुःख दूर हो सकते है।
(iv) इन वासनाओं का अन्त करने के लिए मनुष्य को अष्टमार्ग पर चलना चाहिए।

**अष्टमार्ग में निम्नलिखित आठ सिद्धांत हैं**—

(i) सम्यक् (शुद्धि) दृष्टि (ii) सम्यक् संकल्प
(iii) सम्यक् वचन (iv) सम्यक् आचरण
(v) सम्यक् जीवन (vi) सम्यक् प्रयत्न
(vii) सम्यक् स्मृति और (viii) सम्यक् समाधि

इस मार्ग को मध्य मार्ग भी कहते हैं, क्योंकि बुद्ध एक ओर तो ब्राह्मणों के भोगविलास के जीवन से घृणा करते थे और दूसरी ओर जैनियों के घर तप के जीवन के विरुद्ध थे। अतः वे इन दोनों के मध्य मार्ग अर्थात् सम्यक् जीवन व्यतीत करने पर जोर देते थे।

**(i) अहिंसा**—बुद्ध ने महावीर स्वामी की भाँति अहिंसा अर्थात् जीवों को कष्ट न पहुँचाने पर काफी जोर दिया। उनका यह विचार था कि मनुष्य को न तो पशुओं का वध करना चाहिए और न ही उन्हें तंग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य को प्रत्येक जीवधारी से प्रेम करना चाहिए, परन्तु महावीर की भाँति उन्होंने इस बात पर प्रचार नहीं किया कि वृक्षों, पत्थरों में जान होती है।

**(iii) यज्ञ बलि और कर्मकाण्ड में अविश्वास**—महावीर की भाँति महात्मा बुद्ध की यज्ञ और उनमें दी जानेवाली पशुओं की बलि में कोई विश्वास न था। वे तो वेदों और ब्राह्मणों की श्रेष्ठता को भी नहीं मानते थे। उनके विचारानुसार यह बाह्य आडम्बर की चीजें निर्वाण प्राप्ति के लिए बिल्कुल निरर्थक है, इसलिए ऐसी चीजों का उन्होंने विरोध किया।

**(iv) निर्वाण**—बुद्ध के अनुसार जीवन का मुख्य लक्ष्य अच्छा जीवन व्यतीत करके निर्वाण प्राप्त करना है। कोई भी व्यक्ति चाहे वह ब्राह्मण हो अथवा शूद्र अच्छा जीवन व्यतीत करके मानसिक शांति प्राप्त कर सकता है। इसे बौद्ध धर्म वाले निर्वाण कहते हैं जब व्यक्ति जीवन-मरण के इस चक्कर से छूट जाता है।

**(v) कर्म सिद्धांत**—महात्मा बुद्ध कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांत को मानते थे। वे कहते थे कि संसार का एक मुख्य नियम है कि व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसी के अनुसार उसे फल मिलता है। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों के फल से नहीं बच सकता।

**(vi) शुद्धाचरण पर जोर**—महात्मा बुद्ध ने जीवन को पवित्र बनाने पर बहुत जोर दिया। उनका ध्यान, मत वाणी और कर्म की सच्चाई तथा पवित्रता की ओर अधिक था। जीवों पर दया करना, सत्य बोलना, चोरी और व्याभिचार से बचना, दूसरों की निन्दा न करना आदि तथ्यों को उनके उपदेश का सारांश कहा सकता है।

**33.** अकबर ने भारत में मुगल राज्य को स्थायित्व प्रदान किया। सैनिक अभियानों की लंबी श्रृंखला के पश्चात् अकबर ने अफगान शक्ति को निर्मूल किया, राजपूत राज्यों को अपने प्रभाव में लाया तथा गुजरात एवं दक्षिण के राज्यों पर विजय प्राप्त की। काबुल, कश्मीर, सिंध, बलूचिस्तान और कंदहार भी उसके अधीन हो गए। इस प्रकार, अकबर ने हिंदूकुश पर्वत तक अपने साम्राज्य की सीमा का विस्तार किया। ईरान के सफावियों और तूरान या मध्य एशिया के उजबेकों पर भी उसने नियंत्रण बनाए रखा।

सैनिक अभियानों के अतिरिक्त अकबर का शासनकाल नए राजनीतिक चिंतन, प्रशासनिक संगठन और सांस्कृतिक विकास के लिए भी उल्लेखनीय है। राजपूत राज्यों की मित्रता और सहयोग का लाभ उठाकर उसने साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया। प्रशासनिक व्यवस्था का नए सिरे से गठन किया गया। जागीरदारी और मनसबदारी व्यवस्था मुगल प्रशासन की नींव बन गई। उसने धार्मिक सहिष्णुता की नीति अपनाई और जजिया वापस ले लिया। फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना बनवाया गया। 1579 में महजर की घोषणा कर अकबर ने इमाम की स्थिति प्राप्त कर ली। 1582 में तौहीद-ए-इलाही अथवा दीन-ए-इलाही की स्थापना की गई। उसने सुलह-ए-कुल की नीति अपनाई। साहित्य, स्थापत्य एवं कला का विकास भी अकबर के समय में हुआ। अकबर को राष्ट्रीय सम्राट का दर्जा दिया गया है।

**34. भक्ति आन्दोलन**—भक्ति आन्दोलन एकेश्वरवाद एवं ईश्वर के प्रति समर्पण पर बल देता है। इसने भारतीय समाज को सैद्धांतिक विश्वासों कर्मकांडों, जातिवाद तथा साम्प्रदायिकता, घृणा और अन्य सामाजिक बुराईयों से मुक्त कराया। इसने रहस्यवादी भावना से व्यक्ति एवं समाज के उन्नति में योगदान दिया। भक्ति मार्ग को महत्व देते हुए अन्धविश्वास एवं कर्मकांड से मुक्त रहने के लिए प्रेरित किया। भक्ति की दो पद्धतियाँ-निर्गुण और

सगुण अत्यंत प्रचलित हुई। ईश्वर के निराकार स्वरूप को निर्गुण एवं मूर्त स्वरूप को सगुण भक्ति माना गया। इसका मूल भाव प्रेम और उदारता था। कबीर, गुरुनानक, रविदास, दादू, रामानन्द, सूरदास, मीरा, चैतन्य, शंकर आदि प्रमुख भक्ति आन्दोलन के संत थे।

**35.** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली व उसकी लेबर पार्टी भारत की राजनीतिक समस्याओं को यथाशीघ्र हल करना चाहती थी। अत: उसने मार्च, 1946 में भारत में अपनी कैबिनेट के तीन मंत्रियों पैथिक लॉरेंस, सर स्टेफर्ड क्रिप्स तथा ए० वी० एलेक्जेंडर को ऐसा संविधान बनाने के लिए भारत भेजा, जो देश में सभी दलों को मान्य हो। पैथिक लॉरेन्स उस समय भारत मंत्री थे। उन्हें भारत से सच्ची सहानुभूति थी। उन्होंने आते ही स्पष्ट शब्दों में कहा—"मैं स्वतंत्रता प्राप्ति में भारत की सहायता करने आया हूँ।" कैबिनेट मिशन मुसलमानों के लिए पाकिस्तान का एक अलग राज्य बनाने के विरुद्ध था। इस मिशन ने भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की कांग्रेस बुलाई किन्तु यह समझौता वार्ता भी पूर्ण रूप से असफल रही। कांग्रेस देश को संगठित रखना चाहती थी, किन्तु मुस्लिम लीग उसके टुकड़े करने पर तुली हुई थी। मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की माँग को न्यायोचित नहीं माना गया। अन्त में कैबिनेट मिशन ने 16 मई, 1946 ई० को निम्नलिखित सिफारिशें की—

(i) ब्रिटिश इंडिया के प्रान्तों तथा देशी रियासतों को मिलाकर एक भारतीय संघ बनाया जाएगा जिसे केवल प्रतीक्षा, विदेशी मामले तथा संचार साधनों के विभाग दिए जायेंगे।

(ii) संघ की कार्यपालिका तथा विधानमंडल में प्रान्तों तथा रियासतों के प्रतिनिधि होंगे।

(iii) विधानमंडल में साम्प्रदायिक प्रश्नों का निर्णय केवल सदन के सदस्यों के बहुमत से ही नहीं किया जाएगा बल्कि हिन्दू तथा मुसलमान सदस्यों के अलग-अलग बहुमत लेने भी आवश्यक होंगे।

(iv) तीन विभागों को छोड़कर अन्य सभी विभाग प्रान्तों के अधिकार में होंगं।

(v) भारतीय संविधान को बनाने के लिए एक संविधान सभा की व्यवस्था की जायेगी, जिसमें विभिन्न प्रान्तों, रियासतों तथा जातियों के सदस्य उनकी जनसंख्या के अनुसार लिए जायेंगे।

(vi) संविधान सभा में कुल 389 सदस्य होंगे जिनमें से 292 सदस्य प्रान्तों से, 4 सदस्य चीफ कमिश्नरी प्रान्तों से तथा 93 सदस्य भारतीय रियासतों के प्रतिनिधि होगें।

(vii) प्रत्येक प्रांत से उसकी जनसंख्या के आधार पर दस लाख की जनसंख्या पर एक सदस्य के हिसाब से प्रतिनिधि चुनने थे।

(viii) संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से होना था और इसके लिए केवल तीन प्रकार की व्यवस्था थी—(a) सामान्य स्थान, (b) मुस्लिम स्थान, (c) सिक्ख स्थान।

(ix) संविधान सभा में सरकार द्वारा कोई सदस्य मनोनीत नहीं किया जाना था।

(x) सभी प्रान्तों को तीन वर्गों में बाँटा गया था—
  (a) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बम्बई, मद्रास, बिहार व उड़ीसा अर्थात् हिन्दू बहुसंख्यक प्रांत।
  (b) पंजाब, सिन्ध व उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रान्त अर्थात् पश्चिम के मुस्लिम बहुसंख्यक प्रांत तथा
  (c) असम व बंगाल अर्थात् पूर्व के बहुसंख्य प्रांत।

(xi) जब तक एक नए संविधान का निर्माण हो, उस समय तक केन्द्र में विभिन्न राजनीतिक दलों की एक अन्तरिम सरकार बनाई जाए। इसमें 13 सदस्य हों जिनमें 6 कांग्रेसी, 5 मुस्लिम लीग, 1 भारतीय ईसाई व 1 पारसी हो।

(xii) अन्तरिम सरकार के सारे विभाग भारतीय मंत्रियों के अधीन हो।

मुस्लिम लीग इन सिफारिशों से पूर्णत: असंतुष्ट थी, फिर भी कैबिनेट मिशन ने इंग्लैण्ड लौटने से पूर्व कांग्रेस व मुस्लिम लीग को संविधान सभा के सदस्यों को चुनने तथा अन्तरिम सरकार बनने के लिए तैयार कर लिया गया।

**36.** क्रिप्स मिशन की असफलता, जापान की बढ़ती हुई सफलता एवं युद्ध के कारण बढ़ती कीमतों व जरूरी वस्तुओं की कमी से जनता बहुत दु:खी थी और अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध असंतोष बढ़ रहा था। महात्मा गाँधी इस बात का अनुभव कर रहे थे कि तीव्र आंदोलन की आवश्यक है। अत: 8 अगस्त, 1942 को बम्बई अधिवेशन में 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव में जन आंदोलन और अहिंसात्मक सत्याग्रह की बात कही गई। 9 अगस्त, 1942 को सूर्योदय से पूर्व कांग्रेस के सभी नेताओं को जेल में डाल दिया गया। नेतृत्व विहिनता के बाद भी यह आंदोलन चलता रहा। गिरफ्तारी के समाचार से जनता ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। दिन-प्रतिदिन इसका वेग बढ़ता ही जा रहा था।

निश्चित रूप से इतना कहा जा सकता है कि भले ही भारत छोड़ो आंदोलन अपने प्रमुख उद्देश्य, अंग्रेजों को भारत से निष्कासित करने में असफल रहा परन्तु इसके परिणाम दूरगामी रहे। इतिहास की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण रहा। डॉ० ए० सी० बनर्जी के शब्दों में "इस आंदोलन के परिणामस्वयप अधिराज्य की पुरानी माँग सर्वथा समाप्त हो गई और इसका स्थान पूर्ण स्वतंत्रता की माँग ने ले लिया।"

**37.** भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में जितना योगदान गाँधीजी का था, निश्चित रूप से किसी अन्य भारतीय का नहीं था। यदि गाँधीजी को स्वाधीनता संघर्ष की बुरी कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। सन् 1919 से 1947 तक वे भारत की राजनीति पर इस प्रकार छाये रहे तो कि बहुत से इतिहासकारों ने इस काल को 'गाँधी युग' का नाम दिया है।

उन्होंने विभिन्न आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया जिनका विवरण निम्नलिखित है—

**(i) असहयोग आंदोलन**—जब कभी भी अंग्रेजी सरकार ने भारत के लोगों के हितों की अनदेखी की, गाँधीजी ने सदैव लोगों को कहा कि वे अंग्रेजों को सहयोग न दें। उनका विचार था कि यदि भारतीय अंग्रेजों का साथ नहीं देंगे तो अंग्रेज सरकार वहाँ कैसे टिक सकेगी। उनके कहने पर अनेक भारतीयों ने चाहे वे क्लर्क थे, वकील थे या कारीगर सबने अपना काम करना छोड़ दिया। विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में जाना बंद कर दिया। फिर सभी वर्ग स्वतंत्रता की लड़ाई में कूद पड़े।

**(ii) सविनय अवज्ञा आन्दोलन**—1928 में साइमन कमीशन भारत आया। भारतीयों के विरोध के बावजूद कमीशन ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी। इस पर गाँधीजी ने निराश होकर सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। गाँधीजी ने नमक कानून को तोड़ा। इस पर गाँधीजी को अपने सहयोगियों के साथ जेल जाना पड़ा। सन् 1934 में वह आन्दोलन समाप्त हो गया।

**(iii) भारत छोड़ो आन्दोलन**—सन् 1942 में गाँधीजी ने 'भारत छोड़ो' आन्दोलन चलाया। अंग्रेजों ने इसे दबाना चाहा परन्तु वह भारतीय जनता की आवाज को न दबा सके। गाँधीजी ने पूर्ण आशा एवं विश्वास से कहा—

**''या तो होगा भारत स्वतंत्र, कुछ दिवस-रात के प्रहरों पर।**
**या शव बन लहरेगा, शरीर, मेरा समुद्र की लहरों पर॥''**

**(iv) सत्याग्रह आंदोलन**—महात्मा गाँधी का प्रथम हथियार अहिंसा था तथा दूसरा बड़ा हथियार सत्याग्रह आंदोलन था। अपनी बात को मनवाने के लिए महात्मा गाँधी धरना देते थे या कुछ दिन का उपवास रख लेते थे या अपना विरोध प्रकट करने के लिए ऐसा कोई और ढंग अपना लेते थे। कई बार वे मौन व्रत भी रख लेते थे। इन बातों से जहाँ सारे विश्व का ध्यान भारत की ओर आकर्षित हो जाता था, वहाँ अंग्रेजी सरकार भी काँप उठती थी।

**(v) अहिंसा**—अपनी बात को मनवाने के लिए महात्मा गाँधी किसी लड़ाई-झगड़े या ईंट का जवाब पत्थर से देने की नीति पर विश्वास नहीं करते थे। वे सारे कार्य शांति से करने में विश्वास रखते थे। वे जानते थे कि अंग्रेजी सरकार के पास बड़ी शक्ति है और भारतीय लोग अपनी शक्ति से उकसा मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए अंग्रेजी सरकार को जीतने के लिए उन्होंने अहिंसाा और शांति की नीति अपनाई। इस नीति के सामने अंत में अंग्रेजी जैसी शक्तिशाली सरकार को भी झुकना पड़ा।

**(vi) स्वदेशी आंदोलन**—अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए महात्मा गाँधीजी ने एक अन्य हथियार निकाला। वही हथियार था स्वदेशी आंदोलन। वे अच्छी तरह जानते थे कि अंग्रेज एक व्यापारिक जाति है वे भारत में व्यापारी बनकर ही आए थे। यदि उन्हें भारत में व्यापारिक लाभ नहीं रहेगा तो वह स्वयं ही भारत छोड़ जाएँगे। इसलिए महात्मा गाँधी ने अपने देशवासियों को बाहरी माल का बहिष्कार करने की सलाह दी। उनके कहने पर ही भारतीयों ने जहाँ विदेशी माल का प्रयोग बंद कर दिया, वहीं उन्होंने विदेशी माल की होली भी जलाई। अब जब अपने देश की चीजें प्रयोग होने लगी तो भारतीय कारखाने चलने लगे। भारतीय मजदूरों को काम मिलने लगा और भारत का पैसा भारत में ही रहने लगा। इस तरह भारत की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी।

**(vii) हिंदू-मुस्लिम एकता**—अंग्रेजों ने भारतीयों या एक-दूसरे से अलग रखने के उद्देश्य से कई प्रयास किए, परन्तु गाँधीजी उन्हें एकजूट रखने के उद्देश्य से प्रयास करते रहे।

**38.** कई नेताओं के न चाहने पर भी भारत विभाजन को रोका नहीं जा सका। इसके लिए निम्नलिखित कारक उत्तरदायी थे—

(i) अनेक विद्वान विभाजन के लिए मुहम्मद अली जिन्ना के 'दो पृथक् राष्ट्र' सिद्धान्त को उत्तरदायी मानते हैं। जिन्ना के अनुसार, हिन्दू और मुसलमान 'दो पृथक राष्ट्र' थे जिनमें सहयोग और सौहार्द असंभव था।

(ii) सन् 1909 के कानून के मुसलमानों के लिए निर्वाचन का अधिकार देकर अंग्रेजों ने उन्हें हिन्दुओं से अलग करने का प्रयास किया। 'फूट डालो और शासन करो' की नीति से मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की माँग थी और तेजी से बढ़ती गई।

(iii) कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के साथ सदा समझौता करने की नीति अपनाई। इससे मुस्लिम लोग को यह आशा हो गई कि यदि वह अपनी माँग पर डटी रही, तो एक न एक दिन पाकिस्तान की माँग मान ली जाएगी।

(iv) मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना के हठधर्मिता के कारण हिन्दू-मुस्लिम दंगे भड़क उठे, अत: विवश होकर भारत का विभाजन स्वीकार कर लिया गया।

(v) साम्प्रदायिक दंगों ने स्थान-स्थान पर नेताओं और जनता को अत्याचार बंद करने को लाचार कर दिया था, अन्यथा पूरा देश रक्त के सागर में डूब जाता।

(vi) सन् 1946 में अन्तरिम सरकार में शामिल होने पर मुस्लिम लीग ने कांग्रेस की योजनाओं में रुकावट डालनी प्रारम्भ कर दी। कांग्रेस के नेताओं को भी लगने लगा कि वे मुस्लिम लीग पार्टी के साथ मिलकर सरकार नहीं चला पाएँगे।

(vii) यह काँग्रेस और मुस्लिम लीग तथा हिन्दू-मुसलमान जनता की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं का भी परिणाम था। ब्रिटिश सरकार काँग्रेसी नेताओं, जिन्ना और मुस्लिम लीग के नेताओं, सबों ने चाहे-अनचाहे वैसी परिस्थितियाँ उत्पन्न कर दी जिसमें इसे टालना असंभव हो गया। यह एक ऐतिहासिक प्रक्रिया थी। इसके लिए न तो ब्रिटिश सरकार, न काँग्रेस अथवा मुस्लिम लीग को पूर्णरूपेण उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

(viii) लार्ड माउंटबेटन भारत में राजनैतिक समस्याओं को सुलझाने के लिए यहाँ का वायसराय बनकर आया था। उसने अपने प्रभाव से कांग्रेस पार्टी को विभाजन के लिए तैयार कर लिया था।

इन परिस्थितियों में हम कह सकते है कि भारत का विभाजन अनिवार्य था।

❑❑❑

# राजनीतिशास्त्र (POLITICAL SCIENCE)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

समय : 3 घंटे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

**परीक्षार्थी के लिए निर्देश :**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (1० अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : **खण्ड-'अ'** एवं **खण्ड-'ब'**।
6. **खण्ड-अ** में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में 30 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 100 में से केवल 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न का चयन करें। चुने गए प्रश्न के सही विकल्प को चिह्नित कर OMR ANSWER-SHEET में रंजित करें।** **50 × 1 = 50**

**1.** दक्षेस का मुख्यालय कहाँ अवस्थित है ?
(A) इस्लामाबाद (B) काठमांडू
(C) नई दिल्ली (D) कोलम्बो

**2.** भारत-पाकिस्तान का युद्ध कब हुआ ?
(A) 1977 (B) 1972
(C) 1962 (D) 1971

**3.** संयुक्त राष्ट्रसंघ के वर्तमान महासचिव कौन हैं ?
(A) बान की मून (B) जार्ज साम्पीयो
(C) एटोनियो गुटेरस (D) मारियो सोरस

**4.** संयुक्त राष्ट्रसंघ के किस अंग को 1994 में निलंबित कर दिया गया ?
(A) सचिवालय (B) महासभा
(C) सुरक्षा परिषद (D) ट्रस्टीशिप काउंसिल

**5.** संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे ?
(A) सरदार पटेल (B) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
(C) जवाहरलाल नेहरू (D) डॉ० बी० आर० अम्बेदकर

**6.** किस राजनीतिक दल ने संविधान सभा की बैठकों का बहिष्कार किया ?
(A) मुस्लिम लीग (B) कम्युनिस्ट दल
(C) हिन्दू महासभा (D) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

**7.** किस संशोधन के द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पथ निरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया?
(A) 85 वाँ (B) 44 वाँ
(C) 42 वाँ (D) 15 वाँ

**8.** संविधान निर्माण करने में संविधान सभा को कितना समय लगा ?
(A) 2 वर्ष (B) 4 वर्ष
(C) 3 वर्ष (D) 2 वर्ष 11 माह 18 दिन

**9.** किसने कहा ''भारतीय संविधान वकीलों का स्वर्ग है'' ?
(A) प्रो० आइवर जेनिंग (B) के० सी० वियर
(C) डॉ० बी० आर० अम्बेदकर (D) महात्मा गाँधी

**10.** भारतीय संविधान कब लागू हुआ ?
(A) 14 अगस्त 1947 (B) 26 जनवरी 1950
(C) 2 फरवरी 1952 (D) 1 जनवरी 1948

**11.** वर्तमान में भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियाँ हैं ?
(A) 14 (B) 6
(C) 12 (D) 10

**12.** कौन सा अधिकार अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करता है ?
(A) धर्म का अधिकार (B) स्वतन्त्रता का अधिकार
(C) समता का अधिकार (D) संस्कृति और शिक्षा

**13.** संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है ?
(A) अनुच्छेद 14 (B) अनुच्छेद 12
(C) अनुच्छेद 17 (D) अनुच्छेद 18

**14.** संविधान के किस संशोधन द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटा दिया गया ?
(A) 44 वाँ (B) 45 वाँ
(C) 46 वाँ (D) 47 वाँ

**15.** मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए रिट कौन जारी करेगा ?
(A) सर्वोच्च न्यायालय (B) संसद
(C) निर्वाचन आयोग (D) राष्ट्रपति

**16.** भारतीय निर्वाचन आयोग में कितने सदस्य हैं ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

**17.** निम्नलिखित में से किस निकाय को भारतीय संविधान का संरक्षक या प्रहरी माना जाता है ?
(A) राष्ट्रपति (B) सर्वोच्च न्यायालय
(C) निर्वाचन आयोग (D) इनमें से कोई नहीं

**18.** किस अनुच्छेद के तहत राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है ?
(A) 352 (B) 356
(C) 360 (D) 380

**19.** मन्त्री परिषद् सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होता है ?
(A) राष्ट्रपति (B) सर्वोच्च न्यायालय
(C) लोकसभा (D) राज्यसभा

**20.** चुनाव आयोग का वर्णन भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में है ?
(A) 312 (B) 324
(C) 325 (D) 368

**21.** किस राज्य के विधानमण्डल में विधान परिषद् नहीं है ?
(A) बिहार (B) उत्तर प्रदेश
(C) कर्नाटक (D) राजस्थान

**22.** संसद की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है ?
(A) उपराष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) राष्ट्रपति (D) लोकसभा का अध्यक्ष

**23.** राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल क्या होता है ?
(A) 5 वर्ष (B) 6 वर्ष
(C) 7 वर्ष (D) 8 वर्ष

**24.** लोकसभा में संघशासित प्रदेशों से कितने सदस्य हो सकते हैं ?
(A) 20 (B) 22
(C) 45 (D) 18

**25.** उच्च न्यायालय के न्यायधीशों की सेवानिवृति आयु कितनी है ?
(A) 60 वर्ष (B) 62 वर्ष
(C) 64 वर्ष (D) 65 वर्ष

**26.** भारत में उच्च न्यायालयों की संख्या कितनी है ?
(A) 25 (B) 24
(C) 22 (D) 26

**27.** संविधान की किस अनुसूची में केन्द्र और राज्य के बीच शक्ति का विभाजन किया गया है ?
(A) 4th (B) 7th
(C) 9th (D) 10th

**28.** पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है ?
(A) 26 जनवरी (B) 15 अगस्त
(C) 24 अप्रैल (D) 14 नवम्बर

**29.** 73वाँ एवं 74वाँ संविधान संशोधान कब लागू हुआ ?
(A) 1985 (B) 2001
(C) 2003 (D) 1993

**30.** भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संशोधन की प्रक्रिया का वर्णन है ?
(A) 356 (B) 306
(C) 301 (D) 368

**31.** राज्यों के पुनर्गठन आयोग का अध्यक्ष कौन था ?
(A) कुंजरू (B) जी॰ बी॰ पंत
(C) न्यायमूर्ति फजल अली (D) पन्निकर

**32.** भाषाई आधार पर सबसे पहले किस राज्य की रचना हुई ?
(A) मध्य प्रदेश (B) अरूणाचल प्रदेश
(C) उत्तर प्रदेश (D) आन्ध्र प्रदेश

**33.** भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री कौन थे ?
(A) सरदार बल्लभ भाई पटेल (B) चौधारी चरण सिंह
(C) मोरारजी देसाई (D) चन्द्रशेखर

**34.** ताशकंद समझौता कब हुआ था ?
(A) 1966 (B) 1965
(C) 1967 (D) 1970

**35.** कांग्रेस के युवातुर्कों में किसे जाना जाता था ?
(A) मोरारजी देसाई (B) चन्द्रशेखर
(C) कामराज (D) लाल बहादुर शास्त्री

**36.** स्वतंत्र भारत में आम चुनाव पहली बार कब हुए ?
(A) 1947 (B) 1950
(C) 1952 (D) 1977

**37.** भारत के प्रथम कानून मंत्री कौन थे ?
(A) कृपलानी (B) बी॰ आर॰ अम्बेदकर
(C) राजेन्द्र प्रसाद (D) सरदार पटेल

**38.** भारत में कौन सी दलीय व्यवस्था वर्तमान में मौजूद है ?
(A) एकदलीय (B) द्विदलीय
(C) बहुदलीय (D) इनमें से कोई नहीं

**39.** योजना आयोग को भंग कर कौन सा आयोग बना ?
(A) वित्त आयोग (B) विकास आयोग
(C) राज्य वित्त अयोग (D) नीति आयोग

**40.** राष्ट्रीय विकास परिषद् का अध्यक्ष कौन होता है ?
(A) वित्त मंत्री (B) राष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री (D) मुख्य न्यायधीश

**41.** निम्न में से किस युद्ध के परिणामस्वरूप एक नये देश का जन्म हुआ?
(A) भारत–चीन युद्ध (B) भारत–पाक युद्ध
(C) कारगिल युद्ध (D) इनमें से कोई नहीं

**42.** पंचशील समझौता किन दो देशों के बीच हस्ताक्षरित हुआ था ?
(A) भारत और चीन (B) भारत और पाकिस्तान
(C) भारत और रूस (D) भारत और अमेरिका

**43.** सन् 1972 में भारत और पाकिस्तान के बीच किस समझौते पर हस्ताक्षर हुए ?
(A) लाहौर समझौता (B) शिमला समझौता
(C) दिल्ली समझौता (D) कराची समझौता

**44.** अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के कारण किस प्रधानमंत्री ने त्यागपत्र दिया था ?
(A) पंडित जवाहर लाल नेहरू (B) वी॰ पी॰ सिंह
(C) चन्द्रशेखर (D) चौधारी चरण सिंह

**45.** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष कौन थीं ?
(A) इंदिरा गाँधी (B) सरोजिनी नायडू
(C) एनी बेसेंट (D) इनमें से कोई नहीं

**46.** भारत का राष्ट्रपति किसके द्वारा चुना जाता है ?
(A) लोक सभा (B) निर्वाचक मंडल
(C) राज्यसभा (D) विधानसभा

**47.** किस वर्ष जनता पार्टी का केन्द्र में शासन स्थापित हुआ ?
(A) 1977 (B) 1975
(C) 1980 (D) 1978

**48.** भारत में सम्पूर्ण क्रान्ति की घोषणा किसने की ?
(A) विनोबा भावे (B) जय प्रकाश नारायण
(C) कृपलानी (D) राजनाराय

**49.** 1975 में आपातकाल की घोषणा करने वाले राष्ट्रपति का नाम क्या है ?
(A) जाकिर हुसैन (B) ज्ञानी जैल सिंह
(C) फखरूद्दीन अली अहमद (D) इनमें से कोई नहीं

**50.** बोडालैण्ड स्वायत्तशासी परिषद् किस राज्य में है ?
(A) असम (B) नागालैण्ड
(C) अरूणाचल प्रदेश (D) मेघालय

**51.** पूर्वोत्तर भारत के सात बहनों में से कौन सा राज्य शामिल नहीं है ?
(A) पश्चिम बंगाल (B) नागालैंड
(C) मिजोरम (D) मेघालय

**52.** प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष कौन थे ?
(A) वी॰ पी॰ सिंह (B) काका साहेब कालेलकर
(C) बी॰ आर॰ अम्बेदकर (D) इनमें से कोई नहीं

**53.** किस प्रधानमंत्री ने मण्डल आयोग की सिफारिशों को लागू किया ?
(A) इंदिरा गाँधी (B) राजीव गाँधी
(C) अटल बिहारी वाजपेयी (D) वी. पी. सिंह

**54.** कौन सा संविधान संशोधन शहरी स्थानीय शासन से जुड़ा है ?
(A) 74 वाँ (B) 75 वाँ
(C) 72 वाँ (D) 73 वाँ

**55.** किस प्रधानमंत्री ने 1991 में ''पूरब की ओर देखो' की नीति का आरम्भ किया ?
(A) राजीव गाँधी (B) आइ॰ के॰ गुजराल
(C) पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव (D) वी॰ पी॰ सिंह

**56.** सूचना का अधिकार किस वर्ष लागू किया गया ?
(A) 2001 (B) 2006
(C) 2004 (D) 2005

**57.** दलित पैंथर्स नामक भारतीय संगठन की स्थापना भारत के किस राज्य में हुई ?
(A) राजस्थान (B) उत्तर प्रदेश
(C) महाराष्ट्र (D) मध्य प्रदेश

**58.** बलवंतराय मेहता समिति ने अपने प्रतिवेदन में कितने स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश की ?
(A) एक स्तरीय (B) दो-स्तरीय
(C) त्रि-स्तरीय (D) इनमें से कोई नहीं

**59.** प्रथम गुट-निरपेक्ष सम्मेलन के अध्यक्ष कौन थे ?
(A) सुकर्णो (B) जवाहर लाल नेहरू
(C) मार्शल टीटो (D) अब्दुल नासिर

**60.** भारत ने पहला सफल परमाणु परीक्षण कब किया ?
(A) 1974 (B) 1960
(C) 1998 (D) 2023

**61.** मैकमोहन रेखा कहाँ स्थित है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) जम्मू कश्मीर
(C) अरूणाचल प्रदेश (D) असम

**62.** निम्नलिखि में कौन सा देश शार्क का सदस्य नहीं है ?
(A) भारत (B) भूटान
(C) नेपाल (D) म्यांमार

**63.** सार्क का प्रथम सम्मेलन किस देश में हुआ था ?
(A) पाकिस्तान (B) बांग्लादेश
(C) भारत (D) नेपाल

**64.** अर्न्तराष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहाँ है ?
(A) जिनेवा (B) न्यूयार्क
(C) बर्लिन (D) हेग

**65.** भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद मौलिक कर्त्तव्यों सें संबंधित है ?
(A) 50 A (B) 51 A
(C) 52 A (D) 53 A

**66.** भारतीय संविधान में कुल कितने मौलिक कर्तव्य हैं ?
(A) 10 (B) 11
(C) 12 (D) 13

**67.** भारतीय संविधान के किस भाग में नीति-निर्देशक तत्व का उल्लेख है ?
(A) दूसरे (B) तीसरे
(C) चौथे (D) पाँचवे

**68.** 19 वें अनुच्छेद में नागरिकों की कुल कितनी स्वतंत्रताएँ वर्णित हैं ?
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8

**69.** राज्य में मुख्यमंत्री की नियुक्ति कौन करता है ?
(A) प्रधानमंत्री
(B) राज्यपाल
(C) राष्ट्रपति
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

**70.** राष्ट्रपति राज्यसभा के कितने सदस्यों को मनोनीत करता है ?
(A) 5 (B) 7
(C) 11 (D) 12

**71.** राज्य की सरकार का वास्तविक प्रमुख कौन होता है ?
(A) राज्यपाल (B) मुख्यमंत्री
(C) उच्च न्यायाधीश (D) इनमें से कोई नहीं

**72.** बिहार विधान परिषद् में कितने सदस्यों को राज्यपाल मनोनित कर सकता है ?
(A) $\frac{1}{3}$ (B) $\frac{1}{6}$
(C) $\frac{1}{12}$ (D) $\frac{1}{8}$

**73.** भारत में किसी मृत्युदण्ड पाये अपराधी को क्षमादान प्रदान करने की शक्ति किसे प्राप्त है?
(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री
(D) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

**74.** राज्यसभा का सदस्य होने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु कितनी है ?
(A) 21 (B) 25
(C) 30 (D) 35

**75.** लोकसभा का विघटन कौन करता है ?
(A) प्रधानमंत्री
(B) राष्ट्रपति
(C) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(D) इनमें से कोई नहीं

**76.** भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है ?
(A) अनुच्छेद 122 (B) अनुच्छेद 123
(C) अनुच्छेद 124 (D) अनुच्छेद 125

**77.** लोकसभा के सदस्य कितने वर्षों के लिए निर्वाचित होते हैं ?
(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) 7

**78.** लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(A) जयप्रकाश नारायण (B) जी॰ वी॰ मावलंकर
(C) बलिराम भगत (D) शिवराज पाटिल

**79.** भारत के चुनाव आयोग को किस सूची में रखा गया है ?
(A) संघ सूची (B) राज्य सूची
(C) समवर्ती सूची (D) इनमें से कोई नहीं

**80.** भारतीय संविधान के प्रस्तावना में कितने प्रकार का न्याय का वर्णन है ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

**81.** भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने का अधिकार किसे है ?
(A) सर्वोच्च न्यायालय (B) चुनाव आयोग
(C) संसद (D) नीति आयोग

**82.** संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना कब हुई थी ?
(A) 1940 (B) 1945
(C) 1960 (D) 1962

**83.** संयुक्त राष्ट्रसंघ के कितने अंग हैं ?
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8

**84.** निम्नलितिख में से कौन सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं है ?
(A) फ्रांस (B) चीन
(C) जर्मनी (D) ब्रिटेन

**85.** सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्यों की संख्या कितनी है ?
(A) 8 (B) 10
(C) 12 (D) 14

**86.** संयुक्त राष्ट्रसंघ का मुख्यालय कहाँ है ?
(A) पेरिस (B) न्यूयार्क
(C) लंदन (D) रोम

**87.** विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय कहाँ है ?
(A) न्यूयार्क (B) जिनेवा
(C) बर्लिन (D) पेरिस

**88.** गुट निरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन कब हुआ ?
(A) 1958 (B) 1960
(C) 1961 (D) 1962

**89.** किस शहर में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का पहला सम्मेलन आयोजित हुआ ?
(A) बेलग्रेड (B) न्यू दिल्ली
(C) काठमांडू (D) ढाका

**90.** गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उन्नीसवाँ सम्मेलन 2024 में किस देश में होने जा रहा है?
(A) बांग्लादेश (B) ईरान
(C) भारत (D) यूगांडा

**91.** सार्क (दक्षेस) के कितने सदस्य देश हैं ?
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8

**92.** शार्क (दक्षेस) का अंतिम सदस्य कौन है ?
(A) पाकिस्तान (B) नेपाल
(C) भूटान (D) अफगानिस्तान

**93.** सार्क (दक्षेस) की स्थापना किस वर्ष हुई थी ?
(A) 1980 (B) 1985
(C) 1986 (D) 1988

**94.** बिहार विधान सभा मे कितने सदस्य हैं ?
(A) 240 (B) 243
(C) 245 (D) 250

**95.** संविधान का 42वाँ संशोधन किस वर्ष पास हुआ था ?
(A) 1975 (B) 1976
(C) 1977 (D) 1978

**96.** भारतीय संविधान का कौन सा संशोधन दल-बदल विरोधी कानून से संबंधित है ?
(A) 50 वाँ (B) 52 वाँ
(C) 53 वाँ (D) 55 वाँ

**97.** भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत वित्तीय आपातकाल लगाया जाता है ?
(A) 352 (B) 356
(C) 358 (D) 360

**98.** निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद ''जीवन के अधिकार'' से संबंधित है ?
(A) अनुच्छेद 14 (B) अनुच्छेद 15
(C) अनुच्छेद 18 (D) अनुच्छेद 21

**99.** 1975 की राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के समय भारत के प्रधानमंत्री कौन थे ?
(A) राजीव गाँधी (B) अटल बिहारी वाजपेयी
(C) इंदिरा गाँधी (D) मोरारजी देसाई

**100.** भारत में कुल कितने राज्य है ?
(A) 25 (B) 26
(C) 27 (D) 28

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 30 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 15 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है। 15 × 2 = 30**

1. सुरक्षा परिषद् में विशेषाधिकार (वीटो) का क्या अर्थ है ?
2. विश्व व्यापार संगठन के क्या दो उद्देश्य है ?
3. नक्सलवाद के किन्हीं दो कारण बताएँ।
4. अविश्वास प्रस्ताव से आप क्या समझते हैं ?
5. गुट निरपेक्ष आंदोलन की दो उपलब्धियाँ बताएँ।
6. सार्क (दक्षेस) के पक्ष में दो तर्क दें।
7. भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की क्या भूमिका है ?
8. भारतीय संविधान में दिए गये स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की दो विशेषताएँ लिखें।
9. भारतीय चुनाव आयोग के दो कार्यों का वर्णन करें।
10. राज्य सभा की दो विशिष्ट शक्तियाँ बताएँ।
11. भारत में मानवाधिकार की स्थिति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
12. भारत के प्रधानमंत्री के किन्हीं दो शक्तियों का वर्णन करें।
13. संयुक्त राष्ट्रसंघ के दो उद्देश्य लिखें।
14. भारत के संदर्भ में सहयोग संघवाद को समझाएँ।
15. भारतीय संसदीय व्यवस्था की दो विशेषताएँ क्या है ?
16. भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालें।
17. राजतन्त्र और गणतन्त्र में क्या अन्तर है ?
18. भारत और चीन के 1962 के युद्ध के किन्हीं दो परिणामों का वर्णन कीजिए।
19. क्षेत्रवाद क्या है ?
20. गठबन्धन राजनीति का भारतीय लोकतन्त्र में क्या महत्व है ?
21. भारतीय संविधान की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन करें।
22. पंचायती राज के दो उद्देश्य बताएँ।
23. भारतीय संविधान के 73वें संशोधन का महत्व क्या है ?
24. भारतीय संघ व्यवस्था के दो लक्षण बताएँ।
25. सर्वोच्च न्यायालय को संविधान का संरक्षक क्यों माना जाता है ?
26. लोकसभा के वित्तीय शक्ति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
27. भारतीय संविधान में दिए गए किन्हीं दो मौलिक कर्त्तव्य बताएँ।
28. भारतीय संविधान के प्रस्तावना का क्या महत्त्व है ?
29. भारतीय राष्ट्रपति के वीटो शक्ति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
30. नीति निर्देशक तत्त्वों की दो विशेषताएँ बताएँ।

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 38 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित है।**
**4 × 5 = 20**

31. भारत के प्रधानमंत्री के कार्य एवं शक्ति की आलोचनात्मक व्याख्या करें।
32. भारतीय संविधान में दिए गये मौलिक अधिकारों का वर्णन करें।
33. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के संगठन एवं क्षेत्राधिकारों की विवेचना करें।
34. भारत-पाकिस्तान संबंधो पर संक्षिप्त लेख लिखें।
35. संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर एक निबन्ध लिखें।
36. समकालीन विश्व में गुट-निरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता की विवेचना करें।
37. भारतीय राष्ट्रपति के आपातकालीन शक्तियों पर एक निबन्ध लिखें।
38. भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका की विवेचना करें।

## व्याख्यासहित उत्तर

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### OMR ANSWER-SHEET

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 71. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 72. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 73. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 74. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 75. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 76. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 77. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 78. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 79. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 80. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 81. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 82. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 83. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 84. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 85. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 86. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 87. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 88. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 89. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 90. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 91. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 92. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 93. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 94. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 95. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 96. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 97. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 98. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 99. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 100. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

## ANSWER

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (B) | 2. (D) | 3. (C) | 4. (D) | 5. (B) |
| 6. (A) | 7. (C) | 8. (D) | 9. (A) | 10. (B) |
| 11. (C) | 12. (D) | 13. (C) | 14. (A) | 15. (A) |
| 16. (B) | 17. (B) | 18. (B) | 19. (C) | 20. (B) |
| 21. (D) | 22. (D) | 23. (B) | 24. (A) | 25. (B) |
| 26. (A) | 27. (B) | 28. (B) | 29. (D) | 30. (D) |
| 31. (C) | 32. (D) | 33. (A) | 34. (A) | 35. (B) |
| 36. (C) | 37. (B) | 38. (C) | 39. (D) | 40. (C) |
| 41. (B) | 42. (A) | 43. (B) | 44. (B) | 45. (C) |
| 46. (B) | 47. (A) | 48. (B) | 49. (C) | 50. (A) |
| 51. (A) | 52. (B) | 53. (D) | 54. (A) | 55. (C) |
| 56. (D) | 57. (C) | 58. (C) | 59. (C) | 60. (A) |
| 61. (C) | 62. (D) | 63. (B) | 64. (D) | 65. (B) |
| 66. (B) | 67. (C) | 68. (B) | 69. (B) | 70. (D) |
| 71. (B) | 72. (B) | 73. (A) | 74. (C) | 75. (B) |
| 76. (B) | 77. (B) | 78. (B) | 79. (A) | 80. (B) |
| 81. (C) | 82. (B) | 83. (D) | 84. (C) | 85. (B) |
| 86. (B) | 87. (B) | 88. (C) | 89. (A) | 90. (D) |
| 91. (D) | 92. (D) | 93. (B) | 94. (B) | 95. (B) |
| 96. (B) | 97. (D) | 98. (D) | 99. (C) | 100. (D) |

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटों का अधिकार एक विशेष शक्ति है जो परिषद के पाँच स्थायी सदस्यों—अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यूनाइटेड किंगडम को प्राप्त है। यह अधिकार उन्हें यह क्षमता प्रदान करता है कि वे किसी भी प्रस्ताव या निर्णय को अवरुद्ध कर सके, भले ही अन्य सभी सदस्य देश उसके पक्ष में हो। इसका अर्थ यह है कि अगर कोई एक स्थायी सदस्य वीटो का उपयोग करता है तो प्रस्ताव पास नहीं हो सकता, चाहे बाकी के सदस्य कितने भी सहमत क्यो न हो। यह व्यवस्था सुरक्षा परिषद के निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में इन पाँच देशों को अत्यधिक प्रभावशाली बनाती है।

**2.** विश्व व्यापार संगठन (WTO) के मुख्य उद्देश्यों में शामिल है—

**(i) व्यापार में स्वतंत्रता को बढ़ावा देना**—WTO का एक प्रमुख उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बाधाओं को कम करना और व्यापार की स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य व्यापारिक प्रथाओं को अधिक उदार और निष्पक्ष बनाना है।

**(ii) विवाद निपटान**—WTO अपने सदस्य देशों के बीच व्यापार संबंधी विवादों को सुलझाने का एक मच प्रदान करता है। इसकी विवाद निपटान प्रणाली सदस्यों के बीच व्यापारिक मतभेदों को सुलझाने के लिए एक पारदर्शी और संस्थागत तरीका प्रदान करती है।

ये उद्देश्य वैश्विक व्यापार को अधिक सुगम और न्यायसंगत बनाने में मदद करते हैं।

**3.** नक्सलवाद के दो निम्न कारण इस प्रकार से है :

**(i) सामाजिक-आर्थिक असमानता**—भारत में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक असमानता नक्सलवाद के प्रमुख कारणों में से एक है। गरीबी, बेरोजगारी और जमीनी अधिकारी की कमी, खासर आदिवासी समुदायों में, ने इस आंदोलन को बल प्रदान किया है।

**(ii) राजनीतिक उपेक्षा और प्रशासनिक विफलताएँ**—नक्सली आंदोलनों का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण राजनीतिक उपेक्षा और प्रशासनिक विफलताएँ हैं। कई नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं का अभाव और विकास के अवसरों की कमी, साथ ही साथ भ्रष्टाचार और स्थानीय शासन में कमजोरियाँ, इस आंदोलन को उत्तेजित करते हैं।

ये कारण नक्सलवाद के प्रसार में योगदान देने वाले मूलभूत पहलुओं में से हैं।

**4.** अविश्वास प्रस्ताव एक संसदीय तंत्र है जो विधायिका के सदस्यों को यह अधिकार देता है कि वे चालू सरकार के प्रति अपना विश्वास व्यक्त न करके, उसके विरुद्ध मतदान करें। यह प्रस्ताव तब प्रस्तुत किया जाता है जब सदन के सदस्यों का एक खंड यह मानता है कि सरकार अपनी नीतियों और कार्यों के माध्यम से सदन का विश्वास खो चुकी है।

यदि अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, यानी सदन के अधिकांश सदस्य इसे पक्ष में मतदान करते हैं, तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक तरीके से सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करती है और यह दर्शाती है कि सरकार संसद के बहुमत के विश्वास पर निर्भर है।

**5. गुटनिरपेक्ष आंदोलन** *(Non-Aligned Movement, NAM)* की मुख्य दो उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं—

**(i) शीत युद्ध के दौरान तटस्थता का प्रचार**—गुटनिरपेक्ष आंदोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि इसने शीत युद्ध के समय दो महाशक्तियों, यानी अमेरिका और सोवियत संघ के बीच चल रहे वैचारिक संघर्ष से अलग रहने का विकल्प प्रदान किया। इसने अनेक नए स्वतंत्र राष्ट्रों को इस विवाद से दूर रहने और अपने विकास पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना दी।

**(ii) उपनिवेशवाद और रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष**—NAM ने उपनिवेशवाद, रंगभेद और अन्याय के विरुद्ध वैश्विक संघर्ष में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आंदोलन ने अफ्रीका और एशिया के देशों के लिए उपनिवेशवाद से मुक्ति और आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन किया।

ये उपलब्धियाँ गुटनिरपेक्ष आंदोलन की वैश्विक राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

**6.** सार्क (SAARC—South Asian Association for Regional Cooperation) के पक्ष में निम्नलिखित दो तर्क दिए जा सकते हैं—

**(i) क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण को बढ़ावा**—सार्क क्षत्रीय सहयोग और दक्षिण एशिया के देशों के बीच एकीकरण को मजबूत करता है। यह संगठन विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, संस्कृति, विकास, व्यापार और पर्यावरण में सहयोग को प्रोत्साहित करता है, जो क्षेत्रीय समृद्धि और स्थिरता के लिए आवश्यक है।

**(ii) आर्थिक विकास और व्यापार**—सार्क अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक विकास और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने का एक माध्यम प्रदान करता है। इससे क्षेत्रीय व्यापार और निवेश में वृद्धि होती है, जिससे सदस्य देशों की आर्थिक प्रगति और लोगों की जीवन स्तर में सुधार होता है।

इन तर्कों के आधार पर, सार्क को दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सहयोग और विकास के लिए एक महत्त्वपूर्ण संस्था माना जा सकता है।

**7.** भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण और विविध है—

**(i) क्षेत्रीय हितों का प्रतिनिधित्व**—क्षेत्रीय दल किसी विशेष क्षेत्र या समुदाय के हितों और मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाते हैं। ये दल

स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता देते हैं और क्षेत्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति करते हैं।

**(ii) संघीय ढांचे को मजबूती प्रदान करना**—भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की परिस्थिति संघीय ढांचे को मजबूत करती है। ये दल केंद्र और राज्यों के बीच सत्ता के संतुलन को बनाए रखने में मदद करते हैं।

**(iii) गठबंधन की राजनीति**—वर्तमान में, क्षेत्रीय दल अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेषकर गठबंधन सरकारों में। उनका समर्थन कई बार केंद्रीय सरकार के गठन और स्थिरता के लिए निर्णायक होता है।

**(iv) विविधता और बहुलतावाद को बढ़ावा**—क्षेत्रीय दल भारतीय राजनीति में विविधता और बहुलतावाद को बढ़ावा देते हैं। वे भारत की विविध सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय पहचानों को राजनीतिक मंच प्रदान करते हैं।

इन भूमिकाओं के माध्यम से, क्षेत्रीय दल भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक और संघीय स्वरूप को मजबूत करते हैं।

**8.** भारतीय संविधान में दिए गए स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की दो महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ हैं—

**(i) व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की गारंटी**—स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार भारतीय नागरिकों को बोलने, लिखने, विचारों को व्यक्त करने, सभाएँ आयोजित करने, संघों या समुदायों का हिस्सा बनने और जहाँ चाहे वहाँ घूमने-फिरने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

**(ii) सीमाएँ और राज्य का हस्तक्षेप**—इस मौलिक अधिकार की एक अन्य विशेषता यह है कि ये स्वतंत्रताएँ असीमित नहीं है। संविधान राज्य को इन स्वतंत्रताओं पर कुछ सीमाएँ लगाने का अधिकार देता है, जैसे कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता और दूसरों के अधिकारों की रक्षा के लिए।

ये विशेषताएँ सुनिश्चित करती हैं कि जबकि व्यक्तिगत स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, इसे उचित सीमाओं के भीतर रखा जाता है ताकि समाज का समय हित सुनिश्चित हो सके।

**9.** भारतीय चुनाव आयोग के दो मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं—

**(i) चुनावों का संचालन और नियंत्रण**—भारतीय चुनाव आयोग का प्रमुख कार्य भारत में विभिन्न चुनावों, जैसे कि संसदीय चुनाव, विधानसभा चुनाव और पंचायती चुनावों का संचालन, नियंत्रण और निगरानी करना है। आयोग चुनावी कार्यक्रम तय करता है, नियम बनाता है और चुनावों के दौरान सुचारू और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

**(ii) मतदाता सूचियों का प्रबंधन**—चुनाव आयोग भारत के सभी मतदाताओं की सूचियों का प्रबंधन और अद्यतन करने का जिम्मा भी उठाता है। इसमें नए मतदाताओं का पंजीकरण, मतदाता सूचियों में संशोधन और अद्यतन और मतदाता पहचान पत्रों का निर्गमन शामिल है।

ये कार्य भारतीय लोकतंत्र के सुचारू और प्रभावी कार्यान्वयन में चुनाव आयोग की केंद्रीय भूमिका को दर्शाते हैं।

**10.** राज्यसभा, जिसे भारतीय संसद का उच्च सदन कहा जाता है, की दो विशिष्ट शक्तियाँ इस प्रकार हैं-

**(i) संशोधन और संविधान विधेयकों पर विचार**—राज्यसभा के पास संविधान संशोधन विधायकों पर विचार करने की शक्ति होती है, और इसमें लोकसभा के समान अधिकार होते हैं। संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दोनों सदनों की समान सहमति आवश्यक होती है।

**(ii) राज्यों के हितों का प्रतिनिधित्व**—राज्यसभा की एक अन्य विशिष्ट शक्ति भारतीय संघ में राज्यों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके सदस्य विभिन्न राज्यों से चुने जाते हैं, और इसलिए वे राज्य सरकारों के दृष्टिकोण और हितों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करते हैं।

ये शक्तियाँ राज्यसभा को भारतीय संसदीय प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका प्रदान करती हैं, जिसमें वह राष्ट्रीय नीति निर्माण प्रक्रिया में राज्यों की आवाज को सुनिश्चित करती है।

**11.** भारत में मानवाधिकार की स्थिति जटिल और विविध है। एक ओर, भारतीय विधान और कानूनी ढांचा मानवाधिकारों की रक्षा और सम्मान के लिए व्यापक प्रावधान प्रदान करते हैं। मौलिक अधिकारों के रूप में संविधान में व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की गारंटी दी गई है।

फिर भी, वास्तविक परिस्थितियों में, मानवाधिकारों का उल्लंघन अभी भी एक चुनौती है। गरीबी, लिंग और जाति आधारित भेदभाव, पुलिस की बर्बरता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो समय-समय पर सामने आते रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और घरेलू विकास की आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाने की चुनौती भी है। आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे अक्सर मानवाधिकार के प्रश्नों के साथ जुड़े होते हैं।

समग्र रूप से, भारत में मानवाधिकारों की स्थिति एक निरंतर विकसित हो रही प्रक्रिया है, जिसमें संवैधानिक संरक्षण, न्यायिक हस्तक्षेप, सरकारी नीतियों और सामाजिक चेतना के माध्यम से उन्नति की जा रही है।

**12.** भारत के प्रधानमंत्री की दो प्रमुख शक्तियाँ निम्नलिखित हैं—

**(i) सरकार के नेतृत्व और प्रशासनिक नियंत्रण**—प्रधानमंत्री भारत सरकार के प्रमुख होते हैं और सरकार के सभी प्रशासनिक गतिविधियों का नेतृत्व करते हैं। वे केंद्रीय मंत्रिपरिषद के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मंत्रियों की नियुक्ति में राष्ट्रपति को सलाह देते हैं। प्रधानमंत्री की यह शक्ति सरकारी नीतियों और दिशा-निर्देशों के निर्माण और क्रियान्वयन में केंद्रीय होती है।

**(ii) संसद में प्रतिनिधित्व और नीति निर्धारण**—प्रधानमंत्री संसद में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं और संसदीय बहसों में सक्रिय भाग लेते हैं। वे नए विधेयकों और नीतियों का प्रस्ताव करते हैं और उनके क्रियान्वयन की दिशा तय करते हैं। इस शक्ति के माध्यम से प्रधानमंत्री देश की विधायी और नीतिगत प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

इन शक्तियों के माध्यम से, प्रधानमंी भारतीय लोकतंत्र में एक केंद्रीय और निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

**13.** संयुक्त राष्ट्र संघ (United Nations UN) के दो मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

**(i) विश्व शांति और सुरक्षा का संरक्षण**—संयुकत राष्ट्र संघ का प्राथमिक उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखना है। यह विभिन्न देशों के बीच संघर्षों को रोकने, संघर्ष समाधान में मध्यस्थता करने और शंति निर्माण तथा शांति बनाए रखने के उपायों के माध्यम से इस उद्देश्य को प्राप्त करता है।

**(ii) सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना**—संयुक्त राष्ट्र संघ सदस्य देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है। इसमें गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार और सतत

विकास लक्ष्यों की प्राप्ति जैसे उद्देश्य शामिल है। UN विभिन्न कार्यक्रमों, नीतियों और साझेदारियों के माध्यम से इन लक्ष्यों को सरकार करने में मदद करता है।

ये उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संघ की वैश्विक भूमिका और उसके विश्व स्तर पर सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं।

**14.** सहयोग संघवाद भारतीय संविधान की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है जो भारत के संघीय ढांचे को विशिष्ट बनाती है इसका आशय निम्नलिखित हैं—

**(i) केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग**—सहयोग संघवाद में, केंद्र सरकार और राज्य सरकारें मिलकर काम करती हैं, जिससे राष्ट्रीय नीतियाँ और कार्यक्रमों का कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इसमें वित्तीय संसाधनों नीति निर्माण और प्रशासनिक मामलों में सहयोग शामिल है।

**(ii) लचीलापन और अनुकूलन**—सहयोग संघवाद भारतीय संघीय प्रणाली को अनुकूलित और लचीला बनाता है। यह विविध और बहु-सांस्कृतिक भारतीय समाज की जरूरतों के अनुसार केंद्र और राज्यों को उनकी नीतियों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तालमेल बिठाने में मदद करता हैं ।

**(iii) संघीय संस्थानों की भूमिका**—इस प्रकार के संघवाद में, संघीय संस्थान जैसे कि वित्त आयोग, अंतर-राज्य परिषद और राष्ट्रीय विकास परिषद सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने का काम करते हैं।

सहयोग संघवाद भारत को एक ऐसी संघीय प्रणाली प्रदान करता है जो राज्यों की विविधता और स्वायत्तता का सम्मान करते हुए, केंद्रीय एकता और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सहयोग और समन्वय को महत्व देती है।

**15.** भारतीय संसदीय व्यवस्था की दो प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

**(i) द्विसदनीय प्रणाली** *(Bicameral Legislature)*—भारतीय संसद द्विसदनीय है, जिसका अर्थ है कि यह दो सदन से मिलकर बनती है-लोकसभा (निम्न सदन) और राज्यसभा (उच्च सदन)। लोकसभा सीधे जनता द्वारा चुनी जाती है, जबकि राज्यसभा के सदस्य विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं द्वारा चुने जाते हैं। यह व्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों और समूहों के हितों को प्रतिनिधित्व प्रदान करती है।

**(ii) सरकार की संसदीय जिम्मेदारी**—भारतीय संसदीय प्रणाली में सरकार (मंत्रिपरिषद्) संसद के प्रति उत्तरदायी होती है। यह मतलब है कि प्रधानमंत्री और अन्य मंत्री संसदीय सदस्य होने चाहिए और उन्हें लोकसभा में बहुमत से समर्थन प्राप्त होना चाहिए। यदि लोकसभा में बहुमत खो दिया जाता है, तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। यह व्यवस्था सरकार को जवाबदेह और लोकतांत्रिक बनाती है।

ये विशेषताएँ संसदीय प्रणाली को विशिष्ट बनाती है और इसे एक स्थिर और प्रभावी लोकतांत्रिक ढांचे के रूप में स्थापित करती है।

**16.** भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। 73वें संविधान संशोधन के बाद महिलाओं के लिए पंचायती राज संस्थाओं में कम से कम 33% आरक्षण की व्यवस्था की गई। इससे महिलाओं को स्थानीय सरकार में प्रतिनिधित्व मिला और उन्हें सामुदायिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार मिला। महिल सरपंच और पंचों ने स्थानीय स्तर पर समाज के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है।

**17.** राजतंत्र और गणतंत्र में मुख्य अंतर शासन प्रणाली और सत्ता के नियंत्रण के तरीके में होता है—

**(i) राजतंत्र** *(Monarch)*—राजतंत्र में, शासन का अधिकार एक राजा या महाराजा के पास होता है। यह अधिकार आमतौर पर वंशानुगत होता है, यानी राजा या महारानी अपने उत्तराधिकारी को शासन सौंपते हैं। राजतंत्र में राजा का अधिकार सर्वोपरि होता है और वह राज्य का प्रमुख होता है।

**(ii) गणतंत्र** *(Republic)*—गणतंत्र में, शासन का अधिकार जनता के हाथ में होता है। जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है, जो नके हित में निर्णय लेते हैं। इस प्रकार के शासन में, राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री राज्य का प्रमुख होता है और उन्हें सीमित समय के लिए चुना जाता है।

संक्षेप में, राजतंत्र वंशानुगत शासन पर आधारित होता है जबकि गणतंत्र जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के द्वारा चलाया जाता है।

**18.** 1962 के भारत-चीन युद्ध के परिणामों में कई महत्त्वपूर्ण घटनाएँ शामिल हैं। इस युद्ध के दो प्रमुख परिणाम इस प्रकार हैं—

**(i) सीमा विवाद और भू-राजनीतिक परिणाम**—इस युद्ध के बाद, भारत और चीन के बीच सीमा विवाद और भी गहरा हो गया। भारत ने अक्साई चिन क्षेत्र में चीनी नियंत्रण को मान्यता नहीं दी, जबकि चीन अरूणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत के रूप में देखता है। इस युद्ध ने भारत-चीन संबंधों में एक लंबे समय के लि तनाव पैदा कर दिया।

**(ii) रक्षा और सैन्य नीति में परिवर्तन**—युद्ध के परिणामस्वरूप भारत ने अपनी रक्षा और सैन्य नीतियों में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन किए। इसने भारत को अपनी सैन्य क्षमता और रक्षा तैयारियों को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा भारत ने अन्य देशों, विशेष रूप से सोवियत संघ और बाद में रूस के साथ सैन्य और रणनीतिक संबंधों के मजबूत किया।

इन परिणामों ने भारतीय उपमहाद्वीप और व्यापक एशियाई क्षेत्र में रणनीतिक और सैन्य संतुलन को प्रभावित किया।

**19.** क्षेत्रवाद एक ऐसी विचारधारा या आंदोलन है जो किस विशेष क्षेत्र की सांस्कृतिक, आर्थिक या प्रशासनिक स्वतंत्रता या प्राथमिकता पर जोर देता है। इसमें निम्नलिखित पहलू शामिल हो सकते हैं—

**(i) सांस्कृतिक पहचान**—क्षेत्रवाद अक्सर एक क्षेत्र की अनूठी सांस्कृतिक पहचान पर जोर देता हे, जिसमें भाषा, परंपरा और इतिहास शामिल हो सकते हैं।

**(ii) राजनीतिक और प्रशासनिक स्वायत्तता**—कई बार, क्षेत्रवादी आंदोलन अधिक राजनीतिक और प्रशासनिक स्वायत्तता की मांग करते हैं, जिससे वे अपने क्षेत्रीय हितों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकें।

**(iii) आर्थिक हित**—कुछ क्षेत्रवादी आंदोलन क्षेत्रीय आर्थिक हितों को प्रमोट करते हैं, जैसे कि स्थानीय उद्योगों का समर्थन या क्षेत्रीय संसाधनों पर अधिक नियंत्रण।

क्षेत्रवाद अलग-अलग देशों और समाजों में विभिन्न रूपों में प्रकट होता है और इसका प्रभाव राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकीकरण पर पड़ सकता है।

**20.** गठबंधन राजनीति का भारतीय लोकतंत्र में महत्त्वपूर्ण स्थान है, और इसने देश की राजनीतिक व्यवस्था में कई प्रमुख प्रभाव डाले हैं।

**(i) बहुलतावादी व्यवस्था को मजबूती**—गठबंधल राजनीति भारत के बहुलतावादी समाज का प्रतिनिधित्व करती है, जहाँ विभिन्न जातीय, क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक समूहों के हितों को संतुलित किया जाता है।

**(ii) क्षेत्रीय दलों का उदय**—गठबंधन राजनीति ने क्षेत्रीय दलों को महत्वपूर्ण बनाया है, जिससे उनकी स्थानीय समस्याओं और मुद्दों पर अधिक ध्यान देने की क्षमता बढ़ी है।

**(iii) समझौता और सहयोग**—गठबंधन सरकारें समझौता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देती है, क्योंकि विभिन्न दलों को साथ मिलाकर काम करना पड़ता है।

**(iv) विविधता में एकता**—गठबंधन राजनीति भारत की विविधता में एकता के सिद्धांत को दर्शाती है, जहाँ विभिन्न विचारधाराओं और पृष्ठभूमियों के दल साथ में कार्य करते हैं।

**(v) लोकतंत्रीकरण और जवाबदेही**—गठबंधन राजनीति लोकसंघीय को बढ़ावा देती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी एक दल अत्यधिक शक्ति पर नियंत्रण न रखे, जिससे जवाबदेही बढ़ती है।

इस प्रकार, गठबंधन राजनीति ने भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी, प्रतिनिधित्वकारी।

**21.** भारतीय संविधान की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं—

**(i) संघीय ढांचे के साथ एकात्मक तत्त्व**—भारतीय संविधान एक संघीय ढांचा प्रदान करता है जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन होता है। हालांकि, यह एकात्मक तत्व भी रखता है, जहाँ केंद्र सरकार को असाधारण परिस्थितियों में अधिक शक्तियाँ होती है।

**(ii) मौलिक अधिकार और धर्मनिरपेक्षता**—भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का विशेष प्रावधान है, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इसके अलावा, यह भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के रूप में स्थापित करता है, जहाँ सभी धर्मों को समान सम्मान और स्वतंत्रता प्राप्त होती है।

**22.** पंचायती राज प्रणाली के दो मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं—

**(i) स्थानीय स्वशासन को प्रोत्साहित करना**—पंचायती राज प्रणाली का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर स्वशासन को मजबूत करना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में निवासियों को अपने स्थानीय मामलों में सीधे भागीदारी और निर्णय लेने की शक्ति मिलती है।

**(ii) सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना**—पंचायती राज का दूसरा मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह प्रणाली स्थानीय स्तर पर विकास की योजनाओं को बनाने और लागू करने में स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करती है।

**23.** भारतीय संविधान के 73वें संशोधन का महत्त्व इस इस प्रकार हैं—

**(i) पंचायती राज संस्थाओं का संवैधानिक स्थान**—इस संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को भारतीय संविधान में स्थान दिया, जिससे वे संस्थाएँ और अधिक वैध और मजबूत बनी।

**(ii) स्थानीय स्वशासन को बढ़ावा**—इस संशोधन ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को बढ़ावा दिया, जिससे ग्राम पंचायतों को अधिक शक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ मिलीं।

**(iii) महिलाओं और अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए आरक्षण**—इस संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं और अनुसूचित जाति/जनजाति के सदस्यों के लिए निश्चित आरक्षण सुनिश्चित किया, जिससे इन समूहों की बेहतर प्रतिनिधित्व हुई।

**24.** भारतीय संघ व्यवस्था के दो मुख्य लक्षण इसप्रकार है—

**(i) द्वैध शासन प्रणाली** *(Dual Polity)*—भारतीय संघ में केंद्र और राज्यों की दो स्तरीय शासन प्रणाली होती है। प्रत्येक के अपने कार्यकारी, विधायिका और न्यायपालिका होती है। यह संरचना संविधान में निर्धारित है और इसे बदलना कठिन होता है।

**(ii) शक्तियों का विभाजन** *Division of Powers)*—भारतीय संघ में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन है, जो केंद्रीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के माध्यम से निर्धारित होता है। इससे प्रत्येक स्तर पर स्वतंत्र शासन सुनिश्चित होता है, साथ ही कुछ मामलों में दोनों के बीच सहयोग भी होता है।

ये लक्षण भारतीय संघ को एक विशिष्ट और लचीली संघीय व्यवस्था बनाते हैं, जो देश के विविधता और विशालता के अनुरूप है।

**25.** सर्वोच्च न्यायालय को भारतीय संविधान का संरक्षक माना जाता है क्योंकि:

**(i) संवैधानिक मामलों का निर्णय**—सर्वोच्च न्यायालय संविधान से संबंधित मामलों में अंतिम निर्णय लेता है। यह संविधान की व्याख्या करता है और सुनिश्चित करता है कि सभी कानून और नीतियाँ संविधान के अनुरूप हो।

**(ii) मौलिक अधिकारों का संरक्षण**—सर्वोच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों का संरक्षक है। यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है और यदि कोई कानून या सरकारी कार्यवाही इन अधिकारों का उल्लंघन करती है, तो इसे चुनौती दी जा सकती है।

**(iii) न्यायिक समीक्षा** *(Judicial Review)*—सर्वोच्च न्यायालय के पास न्यायिक समीक्षा की शक्ति होती है जिसके तहत वह किसी भी कानून या नीति की संवैधानिकता की जाँच कर सकता है। यदि कोई कानून संविधान के विरुद्ध पाया जाता है, तो उसे अमान्य घोषित किया जा सकता है।

इस प्रकार, सर्वोच्च न्यायालय संविधान की रक्षा करता है और सुनिश्चित करता है कि उसके आदर्शों और सिद्धांतों का पालन किया जाए।

**26.** लोकसभा की वित्तीय शक्तियाँ इस प्रकार—

**(i) बजट पारित करना**—लोकसभा को बजट पारित करने की प्रमुख शक्ति होती है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को लोकसभा की मंजूरी के बिना लागू नहीं किया जा सकता।

**(ii) कर और वित्तीय विधेयकों का प्रारंभ**—किसी भी नए कर को लगाने या मौजूदा कर में परिवर्तन करने का प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। राज्यसभा इन विधेयकों में संशोधन नहीं कर सकती, केवल सिफारिशों कर सकती है।

इन शक्तियों के माध्यम से, लोकसभा भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय प्रबंधन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

**27.** भारतीय संविधान में निर्दिष्ट मौलिक कर्त्तव्यों में से दो है—

**(i) संविधान का सम्मान और उसके आदर्शों का पालन करना**—यह मौलिक कर्त्तव्य हर भारतीय नागरिक को संविधान का सम्मान करने और उसके आदर्शों का पालन करने का आग्रह करता है।

**(ii) राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय मान का सम्मान करना**—यह मौलिक कर्त्तव्य नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय मान के प्रति सम्मान दिखाने के लिए कहता है।

ये कर्त्तव्य नागरिकों को अपने देश के प्रति जिम्मेदारी और सम्मान की भावना रखने के लिए प्रेरित करते हैं।

**28.** भारतीय संविधान की प्रस्तावना का महत्त्व इस प्रकार है—

**(1) संविधान का आधार**—प्रस्तावना संविधान के आधारभूत सिद्धांतों और आदर्शों को प्रस्तुत करती है, जैसे कि समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना।

**(ii) राष्ट्र के उद्देश्यों का निर्देशन**—प्रस्तावना राष्ट्र के लक्ष्यों और उद्देश्यों को दर्शाती है, जैसे कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की प्रतिष्ठा।

**(iii) संविधान की प्रकृति को परिभाषित करना**—प्रस्तावना भारतीय संविधान की प्रकृति को परिभाषित करती है, जो इसे जनता की इच्छा और सहमति पर आधारित बताती है।

**(iv) न्यायिक समीक्षा का आधार**—न्यायालय अक्सर प्रस्तावना का उपयोग संविधान की व्याख्या में एक संदर्भ के रूप में करते हैं।

इस प्रकार, प्रस्तावना भारतीय संविधान का एक महत्त्वपूर्ण और प्रेरणादायक हिस्सा है, जो भारतीय राज्य की नीति और दर्शन को दर्शाता है।

**29.** भारतीय राष्ट्रपति की वीटो शक्ति एक महत्त्वपूर्ण संवैधानिक शक्ति है जो उन्हें संसद द्वारा पारित विधेयकों के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करने का अधिकार देती है। इसमें मुख्यत: तीन प्रकार की वीटो शक्तियाँ शामिल हैं—

**(i) सामान्य वीटो** *(Absolute Veto)*—राष्ट्रपति किसी भी विधेयक को अस्वीकार कर सकते हैं। यह शक्ति उन्हें कुछ विशेष परिस्थितियों में प्राप्त होती है, जैसे कि मंत्रिमंडल द्वारा सुझाया गया विधेयक जिसे बाद में मंत्रिमंडल में वापस ले लिया हो।

**(ii) स्थगन वीटो** *(Suspensive Veto)*—इसके अंतर्गत, राष्ट्रपति विधेयक को संसद में पुनर्विचार के लिए वापस भेज सकते हैं। यदि संसद विधेयक को दोबारा पास करती है, तो राष्ट्रपति को इसे मंजूरी देनी पड़ती है।

**(iii) जेब वीटो** *(Pocket Veto)*—इसमें राष्ट्रपति विधेयक पर कोई कार्रवाई नहीं करते, न तो स्वीकार करते हैं और न ही अस्वीकार। भारतीय संविधान राष्ट्रपति को विधेयक का हस्ताक्षर करने के लिए कोई समय सीमा नहीं देता है।

ये वीटो शक्तियाँ राष्ट्रपति को संसदीय प्रक्रिया में एक नियंत्रण और संतुलन का कार्य प्रदान करती है।

**30.** नीति निर्देशक तत्त्वों की दो मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

**(i)** नीति निर्देशक तत्त्व कानूनी रूप से प्रवर्तनीय नहीं होते हैं, अर्थात् इन्हें अदालतों में लागू नहीं किया जा सकता है।

**(ii)** ये राज्य के लिए मार्गदर्शन के सिद्धांत होते हैं, जिनका पालन करना आवश्यक तो है, लेकिन ये कानूनी अधिकारों की तरह अनिवार्य नहीं होते।

**31.** भारत के प्रधानमंत्री की कार्य और शक्तियाँ संविधान और राजनीतिक परम्पराओं के अनुसार होती है ।

सबसे महत्त्वपूर्ण शक्ति यह है कि प्रधानमंत्री केंद्रीय मंत्रिमंडल का नेता होता है । वह मंत्रिमंडल के सदस्यों का चयन करता है और उन्हें विभिन्न पोर्टफोलियो आवंटित करता है । इससे उन्हें सरकारी नीतियों और निर्णयों पर प्रभावी नियंत्रण मिलता है ।

प्रधानमंत्री भारतीय संसद के प्रमुख सदस्य होते हैं और उनकी उपस्थिति और भूमिका विधायी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण होती है । वह संसद में बिलों और नीतियों का प्रस्ताव रखते हैं और उनके पास अधिनियमित करने की शक्ति होती है ।

एक आलोचना यह है कि शक्तिशाली प्रधानमंत्री अपने पद का उपयोग कर संसदीय प्रक्रिया को कमजोर कर सकते हैं, जैसे कि अध्यादेशों के अत्यधिक उपयोग से । यह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक हो सकता है, क्योंकि इससे संसदीय बहस और विचार-विमर्श में कमी आती है ।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री की केंद्रीयकृत शक्ति संघीय ढाँचे के संतुलन को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे राज्य सरकारों की स्वायत्तता कम हो सकती है ।

अंतत: भारतीय प्रधानमंत्री की शक्तियाँ बहुत व्यापक हैं, लेकिन इसका प्रयोग और उसके परिणाम राजनीतिक नेतृत्व और संविधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर करते हैं ।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं । इससे उन्हें विदेश नीति और रक्षा मामलों में महत्त्वपूर्ण भूमिका मिलती है । हालाँकि, इसके साथ ही आलोचना यह भी है कि यदि प्रधानमंत्री की दृष्टि संकीर्ण हो, तो यह देश की बाह्य नीतियों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है ।

एक और महत्त्वपूर्ण आलोचना यह है कि प्रधानमंत्री की शक्ति का केंद्रीयकरण अन्य संस्थाओं की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि प्रधानमंत्री अपने निजी या पार्टी के हितों को सर्वोपरि रखते हैं, तो यह न्यायिक, प्रशासनिक और विधायी स्वतंत्रता पर असर डाल सकता है ।

**32.** भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकार भारतीय नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता के मूलभूत सिद्धांतों को सुनिश्चित करते हैं। ये अधिकार अनुच्छेद 12 से 35 तक वर्णित हैं।

**(i) समानता का अधिकार** (अनुच्छेद 14 से 18)—यह अधिकार सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और कानून में समान संरक्षण प्रदन करता है। इसमें जाति, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव की मनाही शामिल है।

**(ii) स्वतंत्रता का अधिकार** (अनुच्छेद 19 से 22)—इसमें भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने का अधिकार, संघ बनाने का अधिकार, देश भर में आवाजाही करने का अधिकार, निवास चुनने का अधिकार और व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय चुनने का अधिकार शामिल है।

**(iii) शोषण के विरुद्ध अधिकार** (अनुच्छेद 23 और 24)—यह बालश्रम और मानव तस्करी के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है।

**(iv) धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार** (अनुच्छेद 25 से 28)—यह अधिकार सभी धर्मों को अपने धार्मिक प्रथाओं, पूजा और धार्मिक समारोहों को स्वतंत्रतापूर्वक मनाने की अनुमति देता है।

**(v) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार** (अनुच्छेद 29 और 30)—ये अधिकार अल्पसंख्यक समुदायों को अपनी संस्कृति भाषा और पाठ्यक्रम की रक्षा करने का अधिकार प्रदान करते हैं। इसके अंतर्गत अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने का अधिकार भी शामिल है।

**(vi) संवैधानिक उपचारों का अधिकार** (अनुच्छेद 32)—यह अधिकार नागरिकों को सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट्स में मौलिक अधिकारों के हनन के खिलाफ अपील करने की शक्ति प्रदान करता है। डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने इसे संविधान का 'हृदय और आत्मा' कहा था।

ये मौलिक अधिकार संविधान द्वारा संरक्षित है और उन्हें सिर्फ संविधान

संशोधन द्वारा ही बदला जा सकता है। हालांकि, ये अधिकार असीमित नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यवस्था, नैतिकता, स्वास्थ्य और अन्य लोगों के अधिकारों के हितों के आधार पर उति प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इस तरह, भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों के माध्यम से व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करता है।

**33. भारत के सर्वोच्च न्यायालय का गठन**—संविधान के अनुसार भारत में एक सर्वोच्च न्यायालय की व्यवस्था की गई है। सर्वोच्च न्यायालय भारत का सर्वोच्च न्यायालय है। शेष सभी न्यायालय इसके अधीन हैं। इसके फैसले भारतीय भू-भाग के अन्य सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी हैं तथा इसके द्वारा दिए गए निर्णय सम्पूर्ण देश में लागू होते हैं। इसके संगठन का विवेचन निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत किया गया है—

**(i) न्यायाधीशों की संख्या**—सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या समय-समय पर बदलती रही है। वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा 30 अन्य न्यायाधीश कार्यरत हैं।

**(ii) योग्यताएँ**—सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए संविधान में निम्न योग्यताएँ निर्धारित की हैं—(क) वह भारत का नागरिक हो। (ख) वह कम-से-कम 5 वर्ष तक किसी उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रह चुका हो, या कम-से-कम 10 वर्ष तक किसी एक उच्च न्यायालय या लगातार दो या दो से अधिक न्यायालयों में एडवोकेट रह चुका हो।

या, राष्ट्रपति के विचार में वह कानून का ज्ञाता हो।

**(iii) कार्यकाल**—सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। सामान्यत: राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्त करता है।

सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश अन्य चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों की सलाह से प्रस्तावित नामों में से की जाती है।

**(iv) न्यायाधीशों को पद से हटाना**—सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को संसद सिद्ध कदाचार अथवा अक्षमता के आधार पर मतदान करने वाले सदस्यों के पृथक्-पृथक् सदन द्वारा 2/3 बहुमत तथा कुल सदस्य संख्या के बहुमत से महाभियोग का प्रस्ताव पारित कर हटा सकती है। ऐसा प्रस्ताव पारित कर संसद राष्ट्रपति को भेजता है और राष्ट्रपति तब उसे पद से हटा सकता है।

**(v) वेतन-भत्ते**—सर्वोच्च न्यायालय के वेतन-भत्ते समय-समय पर विधि द्वारा निर्धारित किए जाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें वाहन भत्ता तथा रहने के लिए मुफ्त सरकारी मकान भी प्राप्त होता है। केवल वित्तीय संकट के काल को छोड़कर और किसी भी स्थिति में न्यायाधीशों के वेतन व भत्ते में कटौती नहीं की जा सकती।

**सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार एवं शक्तियाँ**—सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है—

**(a) प्रारंभिक क्षेत्राधिकार**—सर्वोच्च न्यायालय के प्रारंभिक क्षेत्राधिकार को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—

**(क) मौलिक क्षेत्राधिकार**—सर्वोच्च न्यायालय के मौलिक प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत वे विवाद आते हैं जो केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही सुने जा सकते हैं। यथा—(1) यदि दो या दो से अधिक राज्य सरकारों के मध्य आपस में कोई विवाद उत्पन्न हो जाए तो वह मुकदमा केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही सुना जायेगा। (2) यदि किसी विषय पर केन्द्रीय सरकार तथा एक या एक से अधिक राज्यों के बीच कोई मतभेद उत्पन्न हो जाए तो वह मुकदमा भी सीधा सर्वोच्च न्यायालय में ही पेश किया जाएगा।

**(ख) मौलिक अधिकारों की रक्षा से सम्बन्धित प्रारंभिक क्षेत्राधिकार**—मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर कोई भी व्यक्ति न्याय पाने के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय अपने विशेष आदेश रिट के रूप में दे सकता है। इन रिटों के माध्यम से न्यायालय कार्यपालिका को कुछ करने या न करने का आदेश दे सकता है।

**(b) अपीलीय क्षेत्राधिकार**—सर्वोच्च न्यायालय भारत का अन्तिम अपीलीय न्यायालय है। यह उच्च न्यायालयों के निर्णयों के विरुद्ध अपीलें सुन सकता है। सर्वोच्च न्यायालय में निम्नलिखित तीन प्रकार के अपीलें स्वीकार की जाती हैं—

**(क) संवैधानिक विषय से सम्बन्धित मुकदमें**—यदि उच्च न्यायालय एक प्रमाण-पत्र दे दे कि उसके विचारानुसार किसी मुकदमे में संविधान के किसी अनुच्छेद की व्याख्या सम्बन्धी महत्वपूर्ण प्रश्न अन्तर्निहित है तो ऐसे मुकदमों की अपीली सर्वोच्च न्यायालय सुन सकता है।

**(ख) दीवानी अपीलीय क्षेत्राधिकार**—दीवानी मुकदमें सम्पत्ति सम्बन्धी होते हैं। उच्च न्यायालयों द्वारा दीवानी मुकदमों में दिए गए निर्णयों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है। लेकिन यह अपील केवल उन्हीं निर्णयों के विरुद्ध की जा सकती है जिनमें सार्वजनिक महत्व का कोई कानूनी प्रश्न अन्तर्निहित हो और जिसकी व्याख्या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जानी आवश्यक है।

**(ग) फौजदारी अपीलीय क्षेत्राधिकार**—सर्वोच्च न्यायालय निम्न प्रकार के फौजदारी मुकदमों की अपीलें सुन सकता है—

(अ) उच्च न्यायालय ने निम्न न्यायालय से मुकदमा अपने पास मँगाकर अपराधी को मृत्यु-दण्ड दिया हो।

(ब) जब उच्च न्यायालय ने किसी ऐसे अपराधी को मृत्यु-दण्ड दिया हो जिसे निम्न न्यायालय ने बरी कर दिया हो।

(स) जब उच्च न्यायालय यह प्रमाणित कर दे कि किसी मामले के सम्बन्ध में कोई अपील सर्वोच्च न्यायालय के सुने जाने के योग्य है।

**(c) सलाह सम्बन्धी क्षेत्राधिकार**—भारत का राष्ट्रपति लोकहित या संविधान की व्याख्या से सम्बन्धित किसी विषय को सर्वोच्च न्यायालय के पास परामर्श के लिए भेज सकता है। लेकिन न तो सर्वोच्च न्यायालय ऐसे किसी विषय पर सलाह देने के लिए बाध्य है और न ही राष्ट्रपति न्यायालय की सलाह मानने के लिए बाध्य है।

**(d) संविधान के व्याख्याता के रूप में**—संविधान के किसी भी अनुच्छेद के सम्बन्ध में व्याख्या करने का अन्तिम अधिकार सर्वोच्च न्यायालय के पास है कि संविधान के किसी अनुच्छेद का सही अर्थ क्या है।

**(e) अभिलेख न्यायालय**—सर्वोच्च न्यायालय को संविधान द्वारा अभिलेख न्यायालय बनाया गया है। अभिलेख न्यायालय का अर्थ ऐसे न्यायालय से है जिसके निर्णय सभी न्यायालयों को मानने पड़ते हैं तथा उसके निर्णय अन्य न्यायालयों में नजीर के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं। इस न्यायालय को अपनी अवमानना के लिए किसी को भी दण्ड देने का अधिकार प्राप्त है।

**(f) न्यायिक पुनरावलोकन का अधिकार**—सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक पुनरावलोकन के अधिकार के अन्तर्गत व्यवस्थापिका के उन कानूनों को और कार्यपालिका के उन आदेशों को अवैध घोषित कर सकता है जो कि संविधान के विरुद्ध हो।

**34.** 1947 में भारत के विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र राष्ट्र अस्तित्व में आये। इन दोनों देशों के सम्बन्धों की शुरूआत ही पारस्परिक घृणा, द्वेष, ईर्ष्या तथा अविश्वास के वातावरण में हुई। दोनों देशों के सम्बन्धों में राजनीति और कूटनीति बहुत कम, भूगोल और इतिहास अधिक हावी है। इन देशों के ऊपर आज भी विभाजन का मनोविज्ञान हावी है। अतः राजनीतिक विकास की दृष्टि से दोनों देशों में सम्बन्ध आज भी उसी जगह खड़े हैं, जहाँ 1947 को थे।

पाकिस्तान के जन्म के साथ ही भारत के प्रति पाक-शासकों के मन में ईर्ष्या एवं नफरत का जन्म हुआ। अतः प्रारम्भ से ही पाकिस्तान के शासकों की मानसिकता भारत-विरोधी एवं नकारात्मक रही है। दूसरी तरफ, भारत ने पाकिस्तान के जन्म को एक अप्रिय, किन्तु ऐतिहासिक घटना स्वीकार कर उसके साथ अच्छे पड़ोसी का सम्बन्ध बनाना चाहा। पाकिस्तान द्वारा भारत पर आक्रमण के फलस्वरूप दोनों देशों के बीच 1948, 1965 तथा 1971 में युद्ध हो चुके हैं। इन तीनों युद्धों में पाकिस्तान मात खा चुका है। दोनों देशों के बीच जनवरी, 1966 में ताशकन्द समझौता तथा जुलाई 1972 में शिमला समझौता हुआ, ताकि आपसी विवाद बल द्वारा नहीं, बल्कि वार्ता द्वारा हल किया जा सके। फरवरी 1999 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दोनों देशों के सम्बन्ध सुधारने के लिए लाहौर समझौता किया और दोनों देशों के बीच बस सेवा भी शुरू की। लेकिन, बदले में पाकिस्तान ने मई, 1999 में उग्रवादियों को बड़े पैमाने पर कारगिल में घुसपैठ कराया। भारतीय सैनिकों द्वारा उन उग्रवादियों को कारगिल से खदेड़ दिया गया, लेकिन दोनों देशों के बीच नया तनाव उत्पन्न हो गया।

अप्रैल, 2005 में पाकिस्तानी राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ क्रिकेट की आड़ में कश्मीर एजेन्डे को लेकर भारत पहुँचे। भारत ने उनसे शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आतंकवाद रोकने का आग्रह किया और स्पष्ट कर दिया कि सीमाओं में किसी प्रकार के बदलाव का सवाल ही नहीं है। फरवरी, 2007 में भारत-पाक संयुक्त आयोग की पाँचवीं बैठक में भाग लेने के उद्देश्य से पाक विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने भारत की यात्रा की। इस अवसर पर एटमी हादसे रोकने के लिए भारत-पाक में करार हुआ तथा दोनों देशों ने पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग करने का फैसल किया।

26 नवम्बर, 2008 को मुंबई के ताज होटल पर पाक आतंकवादियों ने हमला कर दिया। जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गए तथा भारत-पाक वार्ता बन्द हो गयी। फरवरी, 2010 में दोनों देशों के विदेश सचिवों की बैठक नई दिल्ली में दोनों देशों के सम्बन्ध सुधारने हेतु हुई, लेकिन इस बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला। जुलाई, 2011 को पाक विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारत की यात्रा की तथा भारतीय विदेश मंत्री एस०एम० कृष्णा से वार्ता कीं दोनों विदेश मंत्रियों ने नियंत्रण रेखा के आर-पार आवाजाही बढ़ाकर व्यापार, पर्यटन और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ कश्मीर पर विश्वास बहाली के लिए अतिरिक्त उपाय अपनाने का फैसला किया।

इस प्रकार, उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सम्बन्ध कभी स्थिर नहीं रहे, क्योंकि दोनों देशों के स्वार्थ बहुत अंशों में एक-दूसरे के विपरीत है। दोनों देशों के बीच कश्मीर एक ऐसी समस्या है, जिसके कारण उनमें सम्बन्ध सुधारने की सम्भावना दूर तक दिखायी नहीं देती।

**35.** संयुक्त राष्ट्रसंघ का मूल्य उद्देश्य विश्व में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना तथा इस उद्देश्य की पूर्त्ति के लिए जहाँ कहीं भी सशस्त्र आक्रमण हो, वहाँ सुरक्षा के लिए कार्यवाही करना है। संघ अपने उद्देश्यों की पूर्त्ति करने में काफी हद तक सफल भी रहा है। विश्व में शांति स्थापित करने में संयुक्त राष्ट्रसंघ के द्वारा जो कार्य किए गए हैं, उनमें निम्नलिखित प्रमुख हैं—

**(i) कोरिया की समस्या**—25 जून, 1950 को संयुक्त राष्ट्रसंघ को सूचना मिली कि उत्तरी कोरिया की सेनाओं ने दक्षिणी कोरिया पर आक्रमण किया है। उसी दिन सुरक्षा परिषद् की बैठक हुई तथा परिषद् द्वारा युद्ध-विराम की माँग की गयी। युद्ध-विराम नहीं होने पर परिषद् ने सैनिक कार्यवाही की आज्ञा दी और युद्ध रोकने के लिए सेनाएँ भेज दी। 27 जुलाई, 1953 को युद्ध की विराम-संधि पर हस्ताक्षर होने के बाद परिषद् की सैनिक कार्यवाही समाप्त हुई।

**(ii) स्वेज नहर की समस्या**—जब 1956 में मिस्र ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण किया, तो ब्रिटेन, फ्रांस तथा इजराइल ने मिलकर मिस्र पर आक्रमण कर दिया। महासभा के एक प्रस्ताव के कारण ब्रिटेन तथा फ्रांस से अपनी सेनाएँ हटायी। कुछ प्रतिबंधों के कारण मार्च, 1957 को इजराइल ने भी कुछ शर्तों के साथ सेनाएँ हटाना स्वीकार किया। इस प्रकार, मिस्र में युद्ध बन्द करने तथा विदेशी सेवाएँ हटाने में संघ को पूरी सफलता मिली।

**(iii) कुवैत की समस्या**—इराक ने 2 अगस्त, 1990 को कुवैत पर आक्रमण कर उसे अपने राष्ट्र का एक प्रान्त घोषित कर दिया। संयुक्त राष्ट्रसंघ की देखरेख में मित्र-राष्ट्रों की सेना ने कुवैत को 1991 में इराक से मुक्त कराया। यह संघ की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थी।

**(iv) इण्डोनेशिया की समस्या**—द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इण्डोनेशिया को अपने अधिकार क्षेत्र में करने के लिए हॉलैण्ड तथा ब्रिटेन में युद्ध चल रहा था। दूसरी तरफ, इण्डोनेशिया अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा था। सुरक्षा परिषद् के हस्तक्षेप के बाद युद्ध समाप्त हुआ तथा इण्डोनेशिया को स्वतंत्रता मिली।

**(v) निःशस्त्रीकरण के लिए प्रयास**—निःशस्त्रीकरण की दिशा में भी संघ को उल्लेखनीय सफलता मिली है। इसने रासायनिक हथियारों तथा जहरीली गैसों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। इस प्रकार, संघ ने विश्व में शस्त्रीकरण की प्रतियोगिता पर अंकुश लगाने का काम किया है।

**36.** मेरे विचारानुसार गुटनिरपेक्ष आन्दोलन आज की प्रासंगिक है। सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व एक ध्रुवीय बन चुका है। गुटनिरपेक्ष देश मिलकर काम करें तो वे एक ताकत बन सकते हैं। यह देश अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति, सुरक्षा, समृद्धि के लिए एक जुट होकर सामूहिक रूप से कार्य कर सकते हैं। नवोदित राष्ट्रों का राजनीतिक और आर्थिक विकास एक-दूसरे के सहयोग पर निर्भर है।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में अमेरिका के प्रभाव से मुक्त रहने के लिए गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों का आपसी सहयोग और भी अधिक आवश्यक है। गुटनिरपेक्ष आन्दोलन विश्व के शक्तिशाली देशों से उनकी रक्षा के लिए आवश्यक है। गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के माध्यम से निरस्त्रीकरण की आवाज उठाई जा रही है जो गुटनिरपेक्ष देशों को सुरक्षा प्रदान करती है।

अधिकतर गुटनिरपेक्ष देश विकासशील या अविकसित देश हैं। सभी अपनी-अपनी आर्थिक समस्यों से जूझ रहे हैं। यह संगठन एक मंच के रूप में आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित कर सकता है।

**निष्कर्षत:** हम कह सकते हैं कि अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति, सुरक्षा, समृद्धि के लिए गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की प्रासंगिकता आज भी है और भविष्य में भी बनी रहेगी।

**37.** राष्ट्रपति को साधारण काल की शक्तियों के साथ-साथ आपातकालीन शक्तियाँ भी प्रदान की गई हैं। ये शक्तियाँ संविधान के अनुच्छेद 352, 356 व 360 में दी गई हैं।

**संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकालीन स्थिति की घोषणा—**राष्ट्रपति युद्ध, बाहरी आक्रमण व आन्तरिक विद्रोह की स्थिति में अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकालीन स्थिति की घोषणा कर सकता है। सविधान के 44वें संशोधन में यह निश्चित किया गया है कि राष्ट्रपति ऐसी घोषणा मंत्रीमण्डल की लिखित सिफारिश पर ही करेगा जिसको 30 दिनों के अन्दर संसद की स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक होगा अन्यथा आदेश रद्द हो जाएगा। 44वें संशोधन से पूर्व आन्तरिक झगड़े शब्द थे जिसको 44वें संविधान संशोधन में आन्तरिक विद्रोह किया गया। एक समय में यह घोषणा छह महीने तक जारी रह सकती है।

**प्रभाव—**अनुच्छेद 352 के तहत की गई आपातकालीन स्थिति की घोषणा के निम्न प्रभाव होंगे—

(i) आपातकालीन स्थिति की घोषणा के बाद संघात्मक स्वरूप समाप्त होकर एकात्मक हो जाता है व देश का शासन राष्ट्रपति के हाथों में आ जाता है।

(ii) राज्य सूची में दिए गए विषयों पर कानून बनाने का अधिकार संसद के पास आ जाता है।

(iii) संघीय सरकार राज्य सरकारों को किसी भी प्रकार का आवश्यक आदेश दे सकती है।

(iv) आपातकालीन स्थिति में संसद लोकसभा का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ा सकती है।

(v) आपातकालीन स्थिति की घोषणा का एक और महत्वूपर्ण प्रभाव यह होता है कि तीसरे भाग में दिए मौलिक अधिकार अर्थात् अनुच्छेद 19 में दिए गए अधिकार स्थगित हो जाते हैं।

(vi) राष्ट्रपति संघ व राज्यों के बीच राजस्व के बँटवारे में इच्छानुसार परिवर्तन कर सकता है। यह घोषणा 1965, 1971 व 1975 ई० में की गई।

**संविधान के अनुच्छेद 356 के आधार पर घोषणा—**जब राष्ट्रपति को राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर या बिना रिपोर्ट के किसी अन्य आधार पर यह विश्वास हो जाता है कि किसी राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो गई है या राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति है या संवैधानिक मशीनरी फेल हो गई है या संविधान के अनुसार सरकार नहीं चलाई जा रही है तो वह संविधान के अनुच्छेद 356 के अनुसार वहाँ पर राष्ट्रपति शासन के लागू करने की घोषणा कर सकता है। इस घोषणा को दो माह के अन्दर संसद की स्वीकृति आवश्यक है। ऐसी घोषणा को तीन वर्ष तक लागू किया जा सकता है व विशेष परिस्थिति में इस घोषणा को तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। 1991 ई० में चन्द्रशेखर सरकार ने तमिलनाडू में राज्यपाल की रिपोर्ट के बिना ही वहाँ राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

**घोषणा का प्रभाव—**

(i) राज्य की विधान शक्तियों का प्रयोग संसद की स्वीकृति से किया जाएगा।

(ii) केन्द्र सरकार के हाथों में राज्य का प्रशासन आ जाता है।

(iii) राज्य का मन्त्रीमण्डल भंग हो जाता है और राज्य के प्रशासनिक कार्यों को वह राज्यपाल या अन्य किसी अधिकारी को सौंप देता है।

(iv) राष्ट्रपति शासन की घोषणा से राज्य की आन्तरिक स्वायत्तता समाप्त हो जाती है।

(v) राज्य की विधानसभा भंग हो जाती है या स्थगित हो जाती है तो उसकी शक्तियाँ संसद के पास आ जाती हैं। हाल ही में झारखण्ड में राजनीतिक अस्थिरता के कारण राष्ट्रपति शासन लगाए गए।

**38.** भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका का विश्लेषण करना जटिल है, क्योंकि यह देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे में गहराई से समाहित है। जाति प्रणाली, जो एक पारंपरिक सामाजिक वर्गीकरण है, ने भारतीय समाज को विभिन्न समूहों में विभाजित किया है, जिसका प्रभाव राजनीतिक प्रक्रियाओं पर भी पड़ता है।

राजनीतिक दल अक्सर जाति आधारित समर्थन का उपयोग करते हैं। वे विशिष्ट जातियों या जाति समूहों का आकर्षित करने के लिए नीतियाँ और वादे बनाते हैं। यह न केवल चुनावी रणनीतियों में, बल्कि सरकारी नीति और कार्यक्रमों के निर्माण में भी प्रतिबिंबित होता है।

जाति आधारित आरक्षण प्रणाली ने राजनीति में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्रणाली निम्न जातियों और आदिवासी समुदायों को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान करती है, जिससे इन समुदायों को सशक्तिकरण मिलता है हालांकि, यह अक्सर विवादास्पद रहा है और राजनीतिक विमर्श का एक प्रमुख बिदु बन गया है।

जाति भी चुनावी राजनीति में एक प्रमुख कारक है। उम्मीदवारों का चयन अक्सर उनकी जाति के आधार पर होता है, ताकि निश्चित जाति समूहों से वोट प्राप्त किए जा सकें। इसके अलावा, जातिगत पहचान का उपयोग राजनीतिक नारों और अभियानों में किया जाता है, जो विशिष्ट जाति समूहों के साथ आकर्षण और जुड़ाव पैदा करने के लिए होता है। यह जातिगत राजनीति, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, परिणामों को प्रभावित कर सकती है।

जाति आधारित राजनीति का एक और पहलू विभिन्न जाति समूहों के बीच सामाजिक न्याय का मुद्दा है। दलित और अन्य पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए नीतियाँ और कार्यक्रम राजनीतिक एजेंडे में प्रमुखता से शामिल होते हैं। इससे जाति आधारित असमानताओं को कम करने में मदद मिलती है, लेकिन यह विभिन्न समूहों के बीच तनाव का कारण भी बन सकता है।

विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा जाति समूहों के समर्थन को आकर्षित करने के लिए अक्सर जाति आधारित राजनीतिक गठबंधन बनाए जाते हैं। ये गठबंधन समय-समय पर बदलते रहते हैं और राजनीतिक शक्ति के संतुलन को प्रभावित करते हैं।

अंत में, जाति आधारित राजनीति भारतीय लोकतंत्र के लिए एक दोहरी तलवार है। एक ओर, यह अल्पसंख्यक और हाशिए के समुदायों को राजनीतिक प्रक्रिया में आवाज देता है। दूसरी ओर, यह समाज में जातिगत विभाजन को गहरा सकता है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को अधिक जातिगत बना सकता है।

❑❑❑

# समाजशास्त्र (SOCIOLOGY)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

समय : 3 घंटे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

**परीक्षार्थी के लिए निर्देश :**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (1० अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : **खण्ड-'अ'** एवं **खण्ड-'ब'**।
6. **खण्ड-अ** में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में 30 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 100 में से केवल 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न का चयन करें। चुने गए प्रश्न के सही विकल्प को चिह्नित कर OMR ANSWER-SHEET में रंजित करें।** **50 × 1 = 50**

**1.** अगस्त कॉम्ट के गुरु कौन थे?
(A) सेंट साइमन (B) मार्क्स
(C) प्लेटो (D) लॉक

**2.** निम्नलिखित में से कौन गैर सरकारी संगठन नहीं है?
(A) राजनीतिक दल (B) हित समूह
(C) प्रेस (D) न्यायपालिका

**3.** सर हेनरी मैन का नाम किससे संबंधित है?
(A) पितृसत्तात्मक सिद्धान्त (B) मातृसत्तात्मक सिद्धान्त
(C) यौन-साम्राज्यवाद सिद्धान्त (D) नवस्थानीय सिद्धान्त

**4.** निम्नलिखित में से किस देश को प्रजातंत्र का घर माना जाता है?
(A) स्विटजरलैंड (B) अमेरिका
(C) भारत (D) कनाडा

**5.** किस जनजाति की जनसंख्या निरन्तर गिरती जा रही है?
(A) मीना (B) गाँव
(C) ऑन्नी (D) मुंडा

**6.** प्रथागत कानून किन समाजों में मुख्यत: पाया जाता है?
(A) औद्योगिक समाजों में (B) जटिल समाजों में
(C) आदिम एवं कृषक समाजों में
(D) आधुनिक समाजों में

**7.** जनजाति का एक उदाहरण हो सकता है:
(A) परिवार (B) संस्था
(C) समुदाय (D) जाति

**8.** 'कास्टा' शब्द से उद्धरित कास्ट का अर्थ होता है:
(A) शुद्धता एवं प्रदूषण (B) अन्तर-विवाही
(C) संस्कृति (D) जटिल वंशानुगत गुण

**9.** किन्होंने कहा कि 'धर्म अलौकिक शक्ति में विश्वास है'?
(A) फ्रेजर (B) टायलर
(C) वेबर (D) दुर्खीम

**10.** निम्न में से कौन धर्म ईश्वर केन्द्रित नहीं है?
(A) हिन्दूवाद (B) ईसाईयत
(C) बौद्ध (D) इस्लाम

**11.** बिहार विधान सभा में कितने सदस्य होते हैं?
(A) 243 (B) 241
(C) 249 (D) 245

**12.** बिहार के किस मुख्यमंत्री ने बालिकाओं के लिए स्नातक में नि:शुल्क शिक्षा का कानून बनाया है?
(A) नीतीश कुमार (B) जीतन राम मांझी
(C) लालू प्रसाद (D) जगन्नाथ मिश्र

**13.** किस वर्ष 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' स्कीम की शुरुआत की गई थी?
(A) 2014 (B) 2015
(C) 2016 (D) 2017

**14.** किस योजना के तहत स्नातक पास लड़कियों को **25,000** रु० की छात्रवृत्ति दी जाती है?
(A) कन्या उत्थान योजना (B) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
(C) जननी योजना (D) सबला योजना

**15.** मनरेगा योजना के तहत एक व्यस्क को ग्रामीण क्षेत्र में एक साल में कितने दिनों के रोजगार गारन्टी दी जाती है?
(A) 50 (B) 75
(C) 100 (D) 125

**16.** **2011** जनगणना के अनुसार भारत में पुरुष-स्त्री अनुपात क्या है?
(A) 1000–835 (B) 1000–940
(C) 1000–850 (D) 1000–895

**17.** मद्यपान का क्या उपचार है?
(A) अस्पताल में विषाक्तता (B) परिवार की भूमिका
(C) स्व-अभिप्रेरणा (D) उपर्युक्त सभी

**18.** निम्न में से कौन वक्तव्य सही है?
(A) एच. आई. वी. एड्स का कारण होता है
(B) एड्स एच. आई. वी. के कारण होता है
(C) एच. आई. वी. और एड्स एक ही समय में होता है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**19.** समाजशास्त्र का जनक किसे माना जाता है?
(A) स्पेन्सर (B) दुर्खीम
(C) कॉम्ट (D) पैरेटो

**20.** किस दिन राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है?
(A) 31 अक्टूबर (B) 30 अक्टूबर
(C) 11 अक्टूबर (D) 14 अक्टूबर

**21.** बिहार में भारतीय प्रबंधन किस शहर में अवस्थित है?
(A) गया (B) पटना
(C) दरभंगा (D) आरा

**22.** भारत के जलपुरुष के नाम से किन्हें जाना जाता है?
(A) संजय सिंह (B) अजित सिंह
(C) अजय सिंह (D) राजेन्द्र सिंह

**23.** 'डॉल्फिन मैन ऑफ इण्डिया' के नाम से कौन मशहूर है?
(A) रविन्द्र कुमार सिन्हा (B) महेन्द्र कुमार सिन्हा
(C) राजेन्द्र कुमार सिन्हा (D) राकेश कुमार सिन्हा

**24.** बिहार में किसान संघ की स्थापना किसने की थी?
(A) राजेन्द्र प्रसाद (B) राजकुमार शुक्ल
(C) सहजानन्द सरस्वती (D) जयप्रकाश नारायण

**25.** विशाखा अधिनियम किस मुद्दे से सम्बन्धित है?
(A) यौन उत्पीड़न (B) घरेलू हिंसा
(C) अस्पृश्यता (D) मानव तस्करी

**26.** पोस्को अधिनियम, किस वर्ष लागू हुआ?
(A) 2009 (B) 2010
(C) 2011 (D) 2012

**27.** किन्होंने कहा कि 'समाज संघर्ष पर विजय प्राप्त किया हुआ सहयोग है'?
(A) मैकाइवर एवं पेज (B) जॉनसन
(C) बियरस्टीड (D) मार्क्स

**28.** गारों की पहाड़ियों में हाजोंग आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य क्या था?
(A) लगान कम करने के लिए (B) मंदिरों में भ्रष्टाचार
(C) राजनैतिक नेता की गिरफ्तारी (D) हिंसा

**29.** मध्याह्न भोजन योजना सबसे पहले किस राज्य में शुरू की गई थी?
(A) बिहार (B) उत्तर प्रदेश
(C) पंजाब (D) तमिलनाडु

**30.** किस आयु समूह के लोग अटल पेंशन योजना का लाभ उठा सकते हैं?
(A) 16–40 (B) 15–40
(C) 20–40 (D) 25–40

**31.** ग्राम सभा की बैठक बुलाने के लिए कौन जिम्मेदार है?
(A) ग्राम पंचायत का पंच (B) ग्राम सभा का अध्यक्ष
(C) ग्राम पंचायत का सचिव (D) ग्राम प्रमुख

**32.** खातों में वार्षिक विवरण और पंचायत की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करना किनका मुख्य कार्य है?
(A) ग्राम पंचायत (B) जिला पंचायत
(C) ग्राम सभा (D) कलेक्टर

**33.** पंचायती राज व्यवस्था का मूल उद्देश्य निम्नलिखित में से किसे सुनिश्चित करना है?
(A) विकास में लोगों की भागीदारी
(B) राजनीतिक जवाबदेही
(C) लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण
(D) आर्थिक ध्रुवीकरण

**34.** पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है?
(A) 15 जून (B) 26 नवम्बर
(C) 24 अप्रैल (D) 2 अक्टूबर

**35.** किन्होंने भौतिक एवं अनैतिक संस्कृति की अवधारणा दी है?
(A) टायलर (B) ऑगबर्न
(C) क्रोबर (D) हर्षकोविट्स

**36.** निम्न में से सिन्धु घाटी सभ्यता किससे जुड़ी है?
(A) ग्रामीण सभ्यता (B) नगरीय सभ्यता
(C) औद्योगिक सभ्यता (D) धार्मिक सभ्यता

**37.** जिला परिषद को कौन भंग कर सकता है?
(A) जिला पंचायत अध्यक्ष (B) राज्य सरकार
(C) केन्द्र सरकार (D) पंचायत समिति के अध्यक्ष

**38.** 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम की शुरुआत कब हुई?
(A) नवंबर 2012 (B) जनवरी 2014
(C) सितंबर 2014 (D) सितम्बर 2016

**39.** 'प्रत्यक्षवाद' का सिद्धान्त किन्होंने प्रतिपादित किया?
(A) दुर्खीम (B) स्पेन्सर
(C) वेबर (D) क्राम्ट

**40.** प्रधानमंत्री उज्जवला योजना निम्न में किससे संबंधित है?
(A) कौशल प्रदान करना (B) वित्तीय समावेशन
(C) एल. पी. जी. कनेक्शन (D) बिजली कनेक्शन

**41.** कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय किस वर्ष शुरु किया गया था?
(A) 2003 (B) 2004
(C) 2005 (D) 1992

**42.** सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खोलने के लिए पात्र लड़की की अधिकतम आयु क्या है?
(A) 7 साल (B) 8 साल
(C) 9 साल (D) 10 साल

**43.** निम्नलिखित में से किस योजना का उद्देश्य बालिकाओं के विकास से है?
(A) विद्या लक्ष्मी योजना
(B) प्रधानमंत्री शिशु विकास योजना
(C) प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना
(D) प्रधानमंत्री बालिका सुरक्षा योजना

**44.** अग्निपथ भर्ती योजना का संबंध किस नौकरी से है?
(A) सैनिक (B) पुलिस
(C) होमगार्ड (D) अवकारी

**45.** जोरोन्टोलॉजी किसका विज्ञान है?
(A) बच्चों (B) वृद्धों
(C) युवा (D) महिला

**46.** आई. टी. अधिनियम, **2000** की किस धारा में साइबर अपराध को परिभाषित किया गया है?
(A) 66 A (B) 67 A
(C) 69 A (D) 151

**47.** भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में जनजातियों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान है?
(A) 335 (B) 244
(C) 15 (D) 341

**48.** निम्न में से कौन सामाजिक नियंत्रण का औपचारिक साधन है?
(A) प्रथा (B) कानून
(C) जनरीतियाँ (D) जनरूढ़ियों

**49.** निम्न में से कौन नगरों में अपराध का मुख्य कारण है?
(A) पक्की सड़क (B) अच्छी संचार व्यवस्था
(C) भौतिक समृद्धि (D) स्लम बस्तियाँ

**50.** किन्होंने प्रगति को भौतिक एवं नैतिक प्रगति के रूप में वर्गीकृत किया है?
(A) कॉट (B) मर्टन
(C) मार्क्स (D) दुर्खीम

**51.** किन्होंने पश्चिमीकरण की अवधारणा दी है?
(A) कॉम्ट (B) योगेन्द्र सिंह
(C) इरावती कर्वे (D) एम. एन. श्रीनिवास

**52.** निम्नांकित में से कौन प्राथमिक समूह का उदाहरण है?
(A) परिवार (B) राजनीतिक पार्टी
(C) क्लब (D) छात्र संघ

**53.** 'ह्यूमन सोसायटी' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(A) गिन्सबर्ग (B) ऑगबर्न
(C) मैकाईवर (D) किंग्सले डेविस

**54.** आशा कार्यकर्त्ता को कितना मानदेय मिलता है?
(A) 1000 (B) 2000
(C) 2500 (D) 3000

**55.** पुरुषार्थ का अंतिम लक्ष्य क्या है?
(A) कर्म (B) धर्म
(C) मोक्ष (D) काम

**56.** निम्न में से कौन सामाजिक विकास की विशेषता नहीं है?
(A) कुशलता (B) उत्पादकता
(C) जटिलता (D) मानवता

**57.** निम्नलिखित में कौन हिन्दू समाज को चार भागों में विभक्त करता है?
(A) वर्ण व्यवस्था (B) आश्रम व्यवस्था
(C) जाति व्यवस्था (D) वर्ग व्यवस्था

**58.** शिक्षक दिवस कब मनाया जात है?
(A) 5 सितम्बर (B) 7 सितम्बर
(C) 2 अक्टूबर (D) 14 नवम्बर

**59.** हिन्दू समाज में कितने यज्ञों की चर्चा की गई है?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

**60.** किसने कहा ''समाजशास्त्र और मानवशास्त्र जुड़वां बहने हैं''?
(A) आर. ब्राऊन (B) क्रोबर
(C) मैलिनोवस्की (D) जिसबर्ट

**61.** श्रम विभाजन का सम्बन्ध किस तरह की एकता से है?
(A) सावयवी एकता (B) आर्थिक एकता
(C) यांत्रिक एकता (D) सामाजिक एकता

**62.** घुमकुरिया निम्न में से किससे जुड़ा है?
(A) परिवार (B) युवागृह
(C) धर्म (D) कृषि

**63.** विवेकानन्द के जन्मदिन को किस रूप में मनाया जाता है?
(A) संन्यास दिवस (B) युवा दिवस
(C) हिन्दू दिवस (D) राष्ट्र दिवस

**64.** कृषि के लिए कौन-सा परिवार अनुकूल है?
(A) संयुक्त परिवार (B) विस्तारित परिवार
(C) एकल परिवार (D) नव स्थानीय परिवार

**65.** निम्न में से कौन प्रजननता को प्रभावित करने वाले कारक नहीं है?
(A) जैविकीय (B) सामाजिक
(C) मनोरंजन (D) धार्मिक

**66.** निम्नलिखित में से कौन सा निर्धनता का कारक नहीं है?
(A) अशिक्षा (B) जाति व्यवस्था
(C) भ्रष्टाचार (D) बेहतर स्वास्थ्य

**67.** महात्मा गाँधी के राजनीतिक गुरु कौन थे?
(A) गोपाल कृष्ण गोखले (B) दयानंद सरस्वती
(C) रविन्द्रनाथ टैगोर (D) जवाहरलाल नेहरू

**68.** भारत में कौन एक उच्च प्रजनन दर के लिए जिम्मेदार नही है?
(A) बाल विवाह (B) शिक्षा का अभाव
(C) गर्म जलवायु (D) विलम्ब विवाह

**69.** जनजातीय विकास के लिए किसने ''राष्ट्रीय पार्क नीति'' का सिद्धान्त दिया?
(A) वैरियर एल्बिन (B) स्पेन्सर
(C) जी. एस. घुरिये (D) मर्टन

**70.** किन्होंने कहा, ''कार्य अराधना है''?
(A) महात्मा गाँधी (B) विवेकानन्द
(C) अरविन्दो (D) वेबर

**71.** निम्नलिखित में कौन 'विराट नगर' है?
(A) बैंगलोर (B) भागलपुर
(C) पटना (D) मदुरई

**72.** हमारे देश का सबसे बड़ा मलिन बस्ती किस राज्य में अवस्थित है?
(A) महाराष्ट्र (B) बिहार
(C) उत्तर प्रदेश (D) तमिलनाडु

**73.** नगरपालिका की स्थापना के लिए न्यूनतम जनसंख्या कितनी होनी चाहिए?
(A) 20,000 (B) 15,000
(C) 10,000 (D) 35,000

**74.** आई. सी. डी. एस. किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए शुरू किया गया था?
(A) 0–6 (B) 7–8
(C) 8–10 (D) 9–12

**75.** मुखिया के लिए कितना मानदेय निर्धारित है?
(A) 3000 (B) 4000
(C) 2500 (D) 5000

**76.** निम्न में से कौन आदिवासी त्यौहार है?
(A) सरहुल (B) छठ
(C) होली (D) बकरीद

**77.** गंदी बस्ती किस समाज में पाया जाता है?
(A) ग्रामीण समाज (B) नगरीय समाज
(C) लघु समाज (D) उपनगरीय समाज

**78.** किस वर्ष इन्दिरा गाँधी मातृत्व योजना की शुरुआत की गई थी?
(A) 2008 (B) 2010
(C) 2012 (D) 2015

**79.** किस वर्ष महिला सशक्तिकरण की राष्ट्रीय मिशन शुरु की गई थी?
(A) 15 अगस्त 2010 (B) 15 अगस्त 2011
(C) 15 अक्टूबर 2010 (D) 15 अक्टूबर 2011

**80.** किस वर्ष महिला हेल्प लाइन की शुरुआत की गई थी?
(A) 2012 (B) 2015
(C) 2017 (D) 2018

**81.** भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन थी?
(A) प्रतिभा पाटिल (B) मीरा कुमार
(C) द्रौपदी मुर्मु (D) सुषमा स्वराज

**82.** कौन-सी जनजाति बंगाल की खाड़ी के द्वीप पर निवास करती है?
(A) खासा (B) कुकी
(C) जुआंगी (D) जखा

**83.** मिनी जनजाति किस प्रदेश में पायी जाती है?
(A) बिहार (B) तेलंगाना
(C) केरल (D) अरुणाचल प्रदेश

**84.** नगरीय समाजशास्त्र की पहली पाठशाला कौन है?
(A) शिकागो स्कूल (B) फ्रैंकफर्ट स्कूल
(C) पेरिस स्कूल (D) मुम्बई स्कूल

**85.** निम्न में से कौन समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत नहीं आता है?
(A) परिवार नियोजन (B) पोषण
(C) स्वास्थ्य शिक्षा (D) टीकाकरण

**86.** निम्न में कौन उराँव जनजाति की भाषा है?
(A) मुण्डारी (B) कुरूख
(C) तेलगु (D) नागपुरिया

**87.** ''सबला योजना'' केन्द्रित है?
(A) असहाय महिलाओं पर (B) किशोरियों पर
(C) मातृत्व लाभ (D) इनमें से सभी

**88.** निम्न में कौन मृत्युदर में वृद्धि के लिए उत्तरदायी आर्थिक कारक है?
(A) बाल विवाह (B) बाढ़
(C) महामारी (D) बेरोजगारी

**89.** 'टोटम' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख कब हुआ?
(A) 1795 (B) 1791
(C) 1895 (D) 1891

**90.** मुण्डा जनजाति के युवागृह का क्या नाम है?
(A) सोलानी डीगो (B) घुमकूरिया
(C) गितिओरा (D) गोतुल

**91.** निम्न में से कौन मुण्डा जनजाति की परिवार व्यवस्था है?
(A) पितृसत्तात्मक परिवार (B) मातृसत्तात्मक परिवार
(C) दोनों A और B (D) नवस्थानीय परिवार

**92.** भारत में निम्नलिखित में से कौन-सा घटक क्षेत्रीय असमानताओं के लिए उत्तरदायी है?
(A) जनसंख्या वृद्धि (B) लिंग अनुपात
(C) आर्थिक विकास (D) धार्मिक विकास

**93.** शिक्षित बेरोजगारी के लिए कौन-सा कारक जिम्मेदार है?
(A) कृषि का परम्परागत तरीका (B) दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली
(C) असंगठित कृषि (D) जनसंख्या

**94.** ग्रामीण-नगरीय सातत्य की अवधारणा किसने दी है?
(A) ए. आरे. देसाई (B) सोरोकिन
(C) रेडफील्ड (D) श्यामाचरण दुबे

**95.** राष्ट्रवाद का अर्थ है—
(A) सामान्य सामाजिक पृष्ठभूमि (B) सामान्य जातिगत पृष्ठभूमि
(C) सामान्य भौगोलिक पृष्ठभूमि (D) सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि

**96.** अगस्त कॉम्ट के अनुसार निम्न में से कौन तीन स्तरों के नियम का भाग नहीं है?
(A) काल्पनिक स्तर (B) गुणात्मक स्तर
(C) रूपान्तरित स्तर (D) सकारात्मक स्तर

**97.** किसने कहा, ''समाज शास्त्र एक विज्ञान है''
(A) मार्क्स (B) सीमेल
(C) वेबर (D) दुखीम

**98.** प्रिंसिपल्स ऑफ सोशियोलॉजी पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(A) ईमाइल दुर्खीम (B) पी. वी. यंग
(C) स्पेंसर (D) कॉम्ट

**99.** किन्होंने संस्कृति को पर्यावरण का मानव निर्मित भाग कहाँ है?
(A) फ्रेजर (B) ऑगबर्न
(C) हर्षकोविट्स (D) टायलर

**100.** 'भाई' नातेदारी के किस श्रेणी के अन्तर्गत आता है?
(A) प्राथमिक नातेदारी (B) द्वितीयक नातेदारी
(C) तृतीयक नातेदारी (D) चतुर्थक नातेदारी

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 30 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 15 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है।**
**15 × 2 = 30**

**1.** वर्ग की दो मुख्य विशेषताओं की विवेचना करें।
**2.** बालिका शिशु की समस्याओं का वर्णन करें।
**3.** मुख्यमंत्री पोशाक योजना क्या है?
**4.** लिंग एवं यौन में अंतर स्पष्ट करें।
**5.** धर्मनिरपेक्षता क्या है?
**6.** अल्पसंख्यक किसे कहा जाता है?
**7.** जनसंचार के चार साधनों को लिखें।
**8.** जनजाति को परिभाषित करें।
**9.** औषधि दुरुपयोग से आप क्या समझते हैं?
**10.** सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के दो उदाहरणों को लिखें।
**11.** उदारीकरण से आप क्या समझते हैं?
**12.** तीन तलाक की अवधारणा को स्पष्ट करें।
**13.** बचपन बचाओं आन्दोलन पर प्रकाश डालें।
**14.** द्वैतियक नातेदारी क्या है?
**15.** महर के महत्त्व की विवेचना करें।
**16.** जाति की दो विशेषताओं का वर्णन करें।
**17.** बाल तस्करी से आप क्या समझते हैं?
**18.** हिन्दू विवाह के दो उद्देश्यों का उल्लेख करें।
**19.** अर्द्ध बेरोजगारी क्या है?
**20.** एच. आई. वी. से आप क्या समझते हैं?
**21.** राष्ट्रीय एकता क्या है?
**22.** प्रजापत्य विवाह को परिभाषित करें।
**23.** परिहार नातेदारी को स्पष्ट करें।
**24.** अंतर्विवाह को परिभाषित करें।
**25.** सांस्कृतिक एकता क्या है?
**26.** नगरीकरण से आप क्या समझते हैं?
**27.** मुखिया के कार्यों की विवेचना करें।
**28.** नगर परिषद क्या है?
**29.** ब्रह्मचर्य आश्रम के चार कर्त्तव्यों पर प्रकाश डालें।
**30.** सामाजिक स्तरीकरण के चार आधारों को लिखें।

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 38 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित है।**
**4 × 5 = 20**

**31.** पंचायती राज के संगठन एवं कार्यों की विवेचना करें।
**32.** सामाजिक परिवर्तन में वैश्वीकरण के प्रभावों की विवेचना करें।
**33.** अन्य पिछड़ा वर्गों की समस्याओं का उल्लेख करें।
**34.** बाल श्रमिक की समस्या पर एक निबंध लिखें।
**35.** भारतीय समाज एवं संस्कृति की विशेषताओं की विवेचना करें।
**36.** जनजातीय समाज में जीवन साथी प्राप्त करने के तरीकों की विवेचना करें।
**37.** जाति एवं वर्ग में अंतर स्पष्ट करें।
**38.** भारत में बेरोजगारी के कारणों का उल्लेख करें।

## व्याख्यासहित उत्तर

### खण्ड – अ

### OMR ANSWER-SHEET

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 71. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 72. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 73. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 74. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 75. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 76. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 77. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 78. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 79. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 80. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 81. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 82. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 83. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 84. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 85. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 86. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 87. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 88. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 89. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 90. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 91. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 92. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 93. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 94. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 95. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 96. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 97. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 98. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 99. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 100. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

### ANSWER

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (A) | 2. (D) | 3. (A) | 4. (C) | 5. (C) |
| 6. (C) | 7. (C) | 8. (B) | 9. (B) | 10. (C) |
| 11. (A) | 12. (A) | 13. (B) | 14. (A) | 15. (C) |
| 16. (B) | 17. (D) | 18. (A) | 19. (C) | 20. (A) |
| 21. (A) | 22. (D) | 23. (A) | 24. (C) | 25. (A) |
| 26. (C) | 27. (D) | 28. (D) | 29. (D) | 30. (A) |
| 31. (C) | 32. (C) | 33. (A) | 34. (C) | 35. (B) |
| 36. (B) | 37. (B) | 38. (C) | 39. (D) | 40. (C) |
| 41. (C) | 42. (D) | 43. (C) | 44. (A) | 45. (B) |
| 46. (A) | 47. (A) | 48. (B) | 49. (D) | 50. (A) |
| 51. (D) | 52. (A) | 53. (C) | 54. (B) | 55. (C) |
| 56. (D) | 57. (A) | 58. (A) | 59. (C) | 60. (B) |
| 61. (A) | 62. (B) | 63. (B) | 64. (A) | 65. (C) |
| 66. (D) | 67. (A) | 68. (D) | 69. (A) | 70. (A) |
| 71. (A) | 72. (A) | 73. (A) | 74. (A) | 75. (A) |
| 76. (A) | 77. (B) | 78. (B) | 79. (A) | 80. (B) |
| 81. (A) | 82. (D) | 83. (A) | 84. (A) | 85. (D) |
| 86. (B) | 87. (D) | 88. (D) | 89. (C) | 90. (B) |
| 91. (A) | 92. (C) | 93. (B) | 94. (D) | 95. (A) |
| 96. (C) | 97. (D) | 98. (C) | 99. (B) | 100. (A) |

### खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** 'वर्ण' का संदर्भ अक्सर भारतीय सामाजिक व्यवस्था के एक प्रमुख घटक से होता है। इस संदर्भ में, 'वर्ण' की दो मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

**(i) सामाजिक विभाजन** *(Social Stratification)*—वर्ण व्यवस्था एक प्रकार का सामाजिक विभाजन है जो व्यक्तियों और समूहों को उनके जन्म के आधार पर विभिन्न सामाजिक स्तरों में विभाजित करती है। इसमें चार प्रमुख वर्ण होते हैं—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। प्रत्येक वर्ण विशेष धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक कार्यों से जुड़ा होता है।

**(ii) जातीयता और पेशेवर भूमिकाएँ** *(Ethnicity and Occupational Roles)*—वर्ण व्यवस्था में, व्यक्तियों की पहचान और पेशेवर भूमिकाएँ अक्सर उनके वर्ण से जुड़ी होती है। उदाहरण के लिए ब्राह्मण वर्ण से जुड़े लोगों को पुजारी और शिक्षक के रूप में देखा जाता है, जबकि क्षत्रिय राजनीति और सैन्य में भूमिकाएँ निभाते हैं। ये भमिकाएँ और पहचान अक्सर पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती हैं, जिससे वर्ण व्यवस्था में सामाजिक स्थिरता और स्थायित्व बना रहता है।

ये विशेषताएँ समाजशास्त्र में वर्ण व्यवस्था के विवेचन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

**2.** बालिका शिशुओं की समस्याएँ विभिन्न सामाजिक और आर्थिक कारणों से जुड़ी होती हैं—

**(i) लिंग-आधारित भेदभाव**—बालिका शिशुओं का सामना अक्सर लिंग-आधारित भेदभाव से होता है, जिसमें शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता शामिल है।

**(ii) बाल विवाह और शोषण**—बालिका शिशुओं को बाल विवाह और अन्य प्रकार के शोषण का खतरा भी होता है, जो उनके स्वास्थ्य और विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

**(iii)** 'मुख्यमंत्री पोशाक योजना' भारत के कुछ राज्यों में लागू की गई एक सरकारी योजना है, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों को निःशुल्क या सब्सिडी दर पर स्कूली पोशाक प्रदान करना है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को शिक्षा की ओर प्रोत्साहित

करना और उन्हें स्कूल आने के लिए प्रेरित करना है। यह योजना शिक्षा में समानता लाने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के स्कूल छोड़ने की दर को कम करने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

**4.** लिंग (Sex) और जेंडर (Gender) के बीच का अंतर इस प्रकार है—

**(i) लिंग** *(Sex)*—यह जैविक श्रेणी है जो जननांगों, हार्मोनों और जैविक विशेषताओं के आधार पर व्यक्तियों को पुरुष और महिला में वर्गीकृत करती है। यह जन्म के समय निर्धारित होती है और आमतौर पर स्थिर होती है।

**(ii) जेंडर** *(Gender)*—यह सामाजिक और सांस्कृतिक श्रेणी है जो लिंग आधारित भूमिकाओं, व्यवहारों, उम्मीदों और पहचानों को परिभाषित करती है। जेंडर व्यक्ति की सामाजिक पहचान और उसके समाज में लिंग के प्रति धारणाओं पर आधारित होता है और यह बदल सकता है।

इन दोनों के बीच मुख्य अंतर यह है कि लिंग जैविक है जबकि जेंडर सामाजिक और सांस्कृतिक है।

**5.** धर्मनिरपेक्षता एक ऐसी अवधारणा है जो राज्य और धर्म के बीच की स्वतंत्रता और तटस्थता को दर्शाती है। इसका अर्थ है कि राज्य किसी भी धार्मिक समूह या विश्वास प्रणाली के प्रति पक्षपात नहीं करता और सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता हे चाहे उनका धार्मिक विश्वास कुछ भी हो। यह सिद्धांत विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच सामंजस्य और समझौते को बढ़ावा देता है, साथ ही धार्मिक विविधता को स्वीकार करता है।

**6.** अल्पसंख्यक वह समूह होता है जो किसी विशेष क्षेत्र या देश में जनसंख्या, धार्मिक, भाषाई, नस्लीय, सांस्कृतिक या अन्य आधार पर मुख्यधारा या प्रमुख समूह की तुलना में संख्या में कम होता है। इन्हें अक्सर विशेष अधिकार और संरक्षण प्रदान किये जाते हैं ताकि उनके हितों की रक्षा हो सके।

**7.** जनसंचार के चार प्रमुख साधन इस प्रकार हैं—

**(i) टेलीविजन**—यह व्यापक रूप से प्रचलित और प्रभावशाली माध्यम है, जो दृश्य और श्रव्य सामग्री के माध्यम से सूचना और मनोरंजन प्रस्तुत करता है।

**(ii) रेडियो**—यह श्रव्य माध्यम है जो संगीत, समाचार, चर्चा और अन्य जानकारियों को प्रसारित करता है।

**(iii) अखबार और पत्रिकाएँ**—ये प्रिंट मीडिया के उदाहरण हैं जो समाचार, विचार और विश्लेषण प्रकाशित करते हैं।

**(iv) इंटरनेट और सोशल मीडिया**—ये डिजिटल माध्यम है जो सूचना, सामाजिक संपर्क और मनोरंजन प्रदान करते हैं और व्यापक पहुँच और त्वरित संचार की सुविधा देते हैं।

**8.** जनजाति एक सामाजिक समूह है जिसके सदस्य एक साझा पहचान, संस्कृति, भाषा और अक्सर एक साझा क्षेत्रीय बंधन से जुड़े होते हैं। समूह आमतौर पर पारंपरिक जीवन शैली, सामाजिक संरचना और अक्सर स्वायत्त या अर्ध-स्वायत्त शासन व्यवस्था का पालन करते हैं। जनजातियाँ अपने अनूठे रीति-रिवाजों, परंपराओं और कभी-कभी अपने निजी आर्थिक प्रथाओं के लिए जानी जाती है।

**9.** 'औषधि दुरुपयोग' से आशय ऐसी स्थिति से है जहाँ व्यक्ति दवाओं या नशीले पदार्थों का गैर-चिकित्सय, अनुचित या हानिकारक तरीके से उपयोग करता है। यह दुरुपयोग व्यक्ति के स्वास्थ्य, सामाजिक संबंधों और कार्यक्षमता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और इसे सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्या माना जाता है।

**10.** सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के दो उदाहरण इस प्रकार हैं—

**(i) रिश्वतखोरी**—यह तब होता है जब सरकारी अधिकारी या कर्मचारी निजी लाभ के लिए अवैध रूप से धन या अन्य लाभ स्वीकार करते हैं। इससे नीतियों और निर्णयों में पक्षपात और अन्याय होता है।

**(ii) नेपोटिज्म**—यह तब होता है जब सरकारी या सार्वजनिक पदों पर योग्यता की बजाय रिश्तेदारों या मित्रों को प्राथमिकता दी जाती है। इससे संस्थागत पारदर्शिता और दक्षता प्रभावित होती है।

**11.** उदारीकरण का अर्थ है नीतियों और प्रक्रियाओं का समावेश जो अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक नियमों में अधिक स्वतंत्रता और लचीलापन लाते हैं। इसमें बाजार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना, व्यापारिक बाधाओं को कम करना, निजी क्षेत्र के लिए अधिक अवसर और स्तंत्रता प्रदान करना और सरकारी नियंत्रण को सीमित करना शामिल है। इसका उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना होता है।

**12.** 'तीन तलाक' इस्लाम विवाह विधि में एक प्रथा है, जिसमें पति अपनी पत्नी को तीन बार 'तलाक' कहकर विवाह को समाप्त कर सकता है। यह प्रक्रिया तलाक-ए-बिद्दत से जानी जाती है और यह विशेष रूप से सुन्नी मुसलमानों में प्रचलित है।

तीन तलाक की प्रक्रिया इस प्रकार है—

**(i) उच्चारण**—पति अपनी पत्नी को एक बार में तीन बार ''तलाक'' कहता है। यह मौखिक रूप से या कभी-कभी लिखित रूप में भी किया जा सकता है।

**(ii) अंतिमता**—एक बार जब पति यह उच्चारण कर देता है, तो विवाह तुरंत और अंतिम रूप से समाप्त हो जाता है।

**(iii) पुनर्विवाह की पाबंदियाँ**—तलाक के बाद, यदि पति-पत्नी फिर से विवाह करना चाहते हैं, तो पत्नी को पहले किसी अन्य पुरुष से विाह करना होता है, उस विवाह को समाप्त करना होता है, और तभी वह अपने मूल पति से फिर से विवाह कर सकती है। यह प्रक्रिया 'हलाला' के नाम से जानी जाती है।

**13.** निकाह, जो इस्लामी विवाह की प्रक्रिया है, कई महत्त्वपूर्ण शर्तों पर आधारित है। यहाँ दो प्रमुख शर्तें दी गई हैं—

**(i) सहमति ( इजाब और कबूल )**—निकाह में सबसे महत्त्वपूर्ण शर्त वर और वधू दोनों की स्वतंत्र और स्पष्ट सहमति है। इस्लाम में, विवाह को दोनों पक्षों की स्वेच्छा और सहमति से संपन्न किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया में वर की ओर से 'इजाब' (प्रस्ताव) और वधू की ओर से 'कबूल' (स्वीकृति) शामिल है।

**(ii) मेहर ( दहेज )**—मेहर वह राशि या संपति है जो वर द्वारा विवाह के समय वधू को दी जाती है। यह इस्लामी विवाह की एक बुनियादी शर्त है और इसे वधू का अधिकार माना जाता है। मेहर नकद, संपत्ति या कोई अन्य रूप में हो सकता है, और इसे विवाह के समय या बाद में निर्धारित किया जा सकता है।

**14.** 'द्वैतियक नातेदारी' या 'फिक्शनल किनशिप' एक सामाजिक व्यवस्था है जिसमें रिश्ते या संबंध वास्तविक जैविक या कानूनी संबंधों के बजाय काल्पनिक, सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर बनाए जाते हैं। इस प्रकार की नातेदारी में लोग एक-दूसरे के साथ ऐसे संबंधों का निर्माण करते हैं जो जैविक या विधिक रिश्तों की तरह गहरें और महत्त्वपूर्ण होते हैं, लेकिन वे वास्तविकता में खून के रिश्ते नहीं होते।

**15.** मेहर, जो इस्लामी विवाह में एक अनिवार्य वित्तीय दायित्व है, का महत्त्व निम्नलिखित प्रकार से समझा जा सकता है—

**(i) वधू के प्रति सम्मान**—मेहर वधू के प्रति पति के सम्मान और संकल्प का प्रतीक है। यह दिखाता है कि पति वधू की भावनात्मक और वित्तीय सुरक्षा के प्रति गंभीर है।

**(ii) वित्तीय सुरक्षा**—मेहर वधू को एक प्रकार की वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। विवाह के समय या उसके बाद, यह राशि या संपत्ति सीधे वधू को दी जाती है, जिससे से आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है।

**(iii) वैवाहिक प्रतिबद्धता**—मेहर वैवाहिक प्रतिबद्धता का एक प्रतीक है। यह दर्शाता है कि पति विवाह को गंभीरता से लेता है और उसके प्रति जिम्मेदारी महसूस करता है।

**(iv) सामाजिक और कानूनी मान्यता**—इस्लाम में, मेहर विवाह की एक कानूनी और सामाजिक रूप से मान्यता प्राप्त शर्त है, जिसे पूरा करना अनिवार्य है।

**(v) वधू के अधिकारों की रक्षा**—मेहर वधू के अधिकारों की रक्षा करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उसे विवाह के दौरान और उसके बाद उचित वित्तीय समर्थन प्राप्त हो।

**16.** जाति व्यवस्था, जो मुख्य रूप से भारतीय समाज में पाई जाती है, की दो मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

**(i) वंशानुगत विभाजन**—जाति एक वंशानुगत प्रणाली है, जिसमें व्यक्ति की जाति उसके जन्म के आधार पर निर्धारित होती है। इस प्रणाली में व्यक्तियों को उनके वंश और परिवार के आधार पर विशिष्ट सामाजिक समूहों में रखा जाता है, और यह स्थिति उनके जीवन भर स्थायी रहती है।

**(ii) व्यावसायिक विशिष्टता**—पारंपरिक जाति व्यवस्था में, प्रत्येक जाति का संबंध विशेष व्यावसायिक कार्यों से होता है। यानी, जाति के सदस्यों से अपेक्षित होता है कि वे अपनी जाति से जुड़े पारंपरिक व्यवसायों या कार्यों को ही अपनाएँ। इससे सामाजिक स्थिरता बनी रहती है, लेकिन यह व्यक्तिगत विकास और सामाजिक गतिशीलता को सीमित करता है।

**17.** बाल तस्करी एक गंभीर अपराध है जिसमें बच्चों को उनकी मर्जी के बिना या धोखे से उनके मूल स्थान से दूसरे स्थानों पर ले जाया जाता है ताकि उन्हें शोषण के उद्देश्य से उपयोग किया जा सके। इसमें बाल श्रम यौन शोषण, बाल विवाह और अवैध अंग प्रत्यारोपण जैसे उद्देश्य शामिल हो सकते हैं। बाल तस्करी न केवल बच्चों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है, बल्कि उनके विकास, सुरक्षा और कल्याण पर भी गंभीर प्रभाव डालती है।

**18.** हिंदू विवाह के दो मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

**(i) धर्म का पालन**–हिंदू विवाह में धर्म का पालन करने और आध्यात्मिक लक्ष्यों को पूरा करने की धारणा महत्त्वपूर्ण होती है। यह विवाह दो व्यक्तियों को न केवल जीवन साथी के रूप में, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक साथी के रूप में भी जोड़ता है।

**(ii) परिवार और वंश की निरंतरता**—हिंदू विवाह परिवार और वंश की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। इसके माध्यम से वंशानुक्रम और सामाजिक संरचना को आगे बढ़ाया जाता है, जो समाज में स्थिरता और संरचना को बनाए रखने में मदद करता है।

**19.** अर्द्ध बेरोजगारी एक ऐसी अवस्था है जहाँ लोगों को काम तो मिला होता है, लेकिन वह काम उनकी पूर्ण क्षमता या पूर्ण समय के लिए नहीं होता। इसमें ऐसे लोग शामिल होते हैं जो अधिक समय तक या अधिक कुशलता के साथ काम करने के इच्छुक होते हैं, लेकिन उन्हें केवल आंशिक रोजगार या कम समय के लिए काम मिलता है। यह अक्सर कृषि क्षेत्र या अनौपचारिक क्षेत्र में देखा जाता है जहाँ लोगों का कार्यभार कम होता है और वे पूरी तरह से अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाते।

**20.** एच.आई.वी. यानी **मानव इम्यूनोडेफिसिएंसी वायरस,** एक वायरल है जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है। यह वायरस विशेष रूप से CD4 + T सेल्स को निशाना बनाकर उन्हें नष्ट करता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्त्वपूर्ण होते हैं। एचआईवी संक्रमण का उचित उपचार न होने पर यह एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिसिएंसी सिंड्रोम) में बदल सकता है, जो एक गंभीर रोग है जिसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम हो जाती है और व्यक्ति विभिन्न संक्रमणों और रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है।

**21.** राष्ट्रीय एकता एक ऐसी अवस्था है जहाँ एक देश के नागरिक विभिन्न जातीय, सांस्कृतिक, धार्मिक और क्षेत्रीय भिन्नताओं के बावजूद एक साथ मिलकर राष्ट्रीय पहचान और समर्थन की भावना को साक्षा करते हैं। यह एकता देश की आंतरिक स्थिरता, विकास और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करती है।

**22.** प्रजापत्य विवाह हिन्दू धर्म के आठ प्रकार के विवाहों में से एक है। इस प्रकार के विवाह में, वधू के पिता उसे वर को देते हैं बिना किसी दहेज की अपेक्षा के और विवाह धार्मिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होता है। यह विवाह दोनों पक्षों की सहमति और धार्मिक नियमों का पालन करते हुए किया जाता है।

**23.** 'परिहार नातेदारी' या **'अवॉइडेंस किनशिप'** सामाजिक अंतक्रिया का एक रूप है जहाँ कुछ नातेदारों के बीच आपसी संपर्क को जानबूझकर सीमित या टाला जाता है। यह प्रथा कुछ संस्कृतियों में पाई जाती है और इसके पीछे विभिन्न कारण हो सकते हैं, जैसे शालीनता, सम्मान या धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएँ। उदाहरण के लिए, कुछ समाजों में, दामाद और सास के बीच सीधा संवाद नहीं होता, या भाई-बहन के बीच विशिष्ट आयु के बाद संपर्क को सीमित किया जाता है। यह प्रथा सामाजिक संरचना और संबंधों को नियंत्रित करने का एक तरीका है।

**24.** 'अंतर्विवाह' या 'इंट्रा-मैरिज' एक ऐसी विवाह प्रथा है जिसमें विवाह एक ही सामाजिक, जातीय या धार्मिक समूह के भीतर होता है। इस प्रकार के विवाह में, दोनों विवाहित जोड़े एक ही समूह, जाति, धर्म या संस्कृति के होते हैं। अंतर्विवाह समाज के भीतर सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों, रीति-रिवाजों और परंपराओं को सरक्षित और स्थिर रखने का एक माध्यम होता है। इसके विपरीत, जब विवाह अलग-अलग समूहों के बीच होता है उसे 'बहिर्विवाह' या 'इंटर-मैरिज' कहा जाता है।

**25.** सांस्कृतिक एकता या 'Cultural Unity', एक ऐसी अवस्था या प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक समूह, जातियाँ, उप-संस्कृतियाँ अपने विभिन्नताओं के बावजूद एक साझा सांस्कृतिक पहचान या मूल्यों को साझा करती है। इसमें संगीत, कला, धर्म, भाषा, रीति-रिवाज और अन्य सांस्कृतिक प्रथाओं के माध्यम से एकता और समझ का विकास होता है। सांस्कृतिक एकता समाज में सद्भाव और समझदारी को बढ़ावा देती है और यह विविधता में एकता का प्रतीक हो सकती है।

**26.** नगरीकरण एक सामाजिक और आर्थिक प्रक्रिया है जिसमें लोगों का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करता है। इस प्रक्रिया के कारण शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या और आधारभूत संरचनाओं में वृद्धि होती है। नगरीकरण के परिणामस्वरूप शहरी आबादी वृद्धि, शहरी संस्कृति का विकास और आर्थिक गतिविधियों का केंद्रीयकरण होता है। यह अक्सर शिक्षा, रोजगार के अवसरों और बेहतर जीवनशैली

की तलाश में होता है, लेकिन इससे शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व, यातायात, प्रदूषण और आवास की समस्याएँ भी बढ़ सकती है।

**27.** मुखिया, जो एक ग्रामीण या सामुदायिक नेता होता है के कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं—

**(i) नेतृत्व और प्रतिनिधित्व**—मुखिया समुदाय या गाँव का प्रतिनिधित्व करता है और समुदाय के नेता के रूप में कार्य करता है।

**(ii) निर्णय लेना**—वह समुदाय या गाँव के महत्त्वपूर्ण निर्णयों में भाग लेता है, जैसे जमीन उपयोग, श्रम वितरण और सामाजिक मुद्दों पर निर्णय लेना।

**(iii) संघर्ष समाधान**—मुखिया समुदाय के भीतर उत्पन्न होने वाले संघर्षों का समाधान करता है और मध्यस्थता का कार्य करता है।

**(iv) सामुदायिक कल्याण**—मुखिया समुदाय के भीतर उत्पन्न होने वाले संघर्षों का समाधान करता है और मध्यस्थता का कार्य करता हैं

**(v) सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन**—सरकारी योजनाओं और नीतियों का गाँव में क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

**(vi) प्रतिनिधित्व और संवाद**—समुदाय की आवश्यकताओं और मांगों को उच्च स्तरीय प्रशासनिक और सरकारी निकायों तक पहुँचाना।

**28.** नगर परिषद्, जिसे अंग्रेजी में "Municipal Council" कहा जाता है, एक प्रकार का स्थानीय सरकारी निकाय होता है जो भारत के छोटे और मध्यम आकार के शहरों या कस्बों में प्रशासनिक और नागरिक सेवाएँ प्रदान करता है। नगर परिषद् के मुख्य कार्यों में शामिल है—

**(i) बुनियादी सुविधाओं का प्रबंधन**—जैसे पानी की आपूर्ति, सीवरेज, सड़क निर्माण और रखरखाव, नगर साफ-सफाई और कूड़ा प्रबंधन।

**(ii) नगर विकास और योजना**—शहरी विकास योजनाएँ बनाना और लागू करना, जैसे आवास नीतियाँ, ट्रैफिक प्रबंधन और नगर नियोजन।

**(iii) स्थानीय कराधान और बजट**—स्थानीय कर संग्रहण और बजट का प्रबंधन करना, जिससे नगर परिषद अपनी सेवाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटा सके।

**(iv) सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम**—सामुदायिक स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और समर्थन।

**(v) पर्यावरण संरक्षण**—पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के लिए कदम उठाना।

**29.** ब्रह्मचर्य आश्रम हिन्दू धर्म के चार आश्रमों (जीवन के चार चरणों) में से पहला है, जिसमें व्यक्ति के जीवन के प्रारंभिक वर्षों की बात की जाती है। इस आश्रम के चार मुख्य कर्तव्य निम्नलिखित हैं—

**(i) ब्रह्मचर्य ( सेलिबेसी )**—इस चरण में व्यक्ति को ब्रह्मचर्य का पालन करना होता है, जिसका अर्थ है ब्रह्म (ज्ञान) की खोज मगं लिंगिक और भौतिक इच्छाओं से दूर रहना।

**(ii) शिक्षा और ज्ञान की प्राप्ति**—ब्रह्मचर्य आश्रम के दौरान, व्यक्ति को शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने पर जोर देना चाहिए। यह अध्ययन, गुरु की शिक्षाओं का अनुसरण और धार्मिक तथा लौकिक ज्ञान सीखने का समय होता है।

**(iii) अनुशासन और संयम**—इस चरण में अनुशासन और संयम का बहुत महत्त्व होता है। व्यक्ति को अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखना और नैतिक मूल्यों का पालन करना चाहिए। इसमें समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और धन जैसी आदतों का विकास शामिल है।

**(iv) गुरु की सेवा**—ब्रह्मचर्य आश्रम में व्यक्ति को अपने गुरु की सेवा करनी चाहिए। यह गुरु के प्रति समर्पण और आदर दिखाने का एक माध्यम है। गुरु की सेवा से व्यक्ति विनम्रता, कर्त्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भावना सीखता है।

**30.** सामाजिक स्तरीकरण के चार प्रमुख आधार इस प्रकार से हैं—

**(i) जाति**—यह विशेष रूप से भारतीय समाज में देखा जाता है, जहाँ जन्म के आधार पर व्यक्तियों को विशेष सामाजिक समूहों में विभाजित किया जाता है।

**(ii) वर्ग**—आर्थिक स्थिति, शिक्षा, नौकरी की प्रकृति और संपत्ति के आधार पर व्यक्तियों का वर्गीकरण।

**(iii) लिंग**—सामाजिक स्तरीकरण में लिंग की एक महत्त्वपूर्ण आधार है, जहाँ पुरुषों और महिलाओं के बीच भिन्नताएँ और अधिकारों में असमानता हो सकती है।

**(iv) जातीयता**—यह आधार रेस, नस्ल और सांस्कृतिक पहचान पर आधारित है, जहाँ विभिन्न जातीय समूहों को अलग-अलग सामाजिक स्तर प्रदान किए जाते हैं।

**31.** पंचायती राज भारतीय शासन प्रणाली के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से के रूप में कार्य करते हैं।

**1. संगठन**—

- पंचायती राज तीन स्तरों पर संगठित होता है: ग्राम पंचायत (गांव के स्तर पर), पंचायत समिति (ब्लॉक के स्तर पर) और जिला परिषद (जिला स्तर पर)।
- इसमें चुने हुए प्रतिनिधि और अधिकारी शामिल होते हैं।
- पंचायती राज की संरचना और कार्य भारतीय संविधान के 73वें संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा नियंत्रित होते हैं।

**2. कार्य:**

- **ग्रामीण विकास**—यह ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यक्रमों की योजना बनाने और क्रियान्वित करने में सहायता करता है।
- **स्थानीय स्वशासन**—पंचायती राज स्थानीय स्वशासन का एक मा यम है, जहां स्थानीय लोग अपने इलाके के विकास के लि सीधे तौर पर निर्णय ले सकते हैं।
- **आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय**—यह सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और समाज के कमजोर वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का कार्य करता है।

**32. भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन**—आम जनता से लेकर अर्थशास्त्रियों तक के बीच एक भ्रान्ति है कि हम 'नियोजित अर्थव्यवस्था' से 'मुक्त बाजारा' (Laissez faire) की ओर जा रहे हैं। भूमण्डलीकरण के युग में नई आर्थिक नीति के अन्तर्गत प्रस्तावित सुधारों की भूमिका निश्चित रूप से बढ़ी है, बाजार-शक्ति को अधिक निर्णायक माना गया है और नौकरशाहों एवं राजनीतिज्ञों का प्रभाव कम हुआ है। परन्तु इसका यह मतलब नहीं कि सरकार ने अपने दायित्वों से मुक्त कर लिया है उसने हस्तक्षेप करना बन्द कर दिया है। दरअसल, सरकार कुछ क्षेत्रों में छूट देकर कुछ दूसरों में अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान आर्थिक सुधारों का उद्देश्य 'औचित्यपूर्ण हस्तक्षेप है कि मुक्त व्यापार।'

इस भ्रान्ति के संदर्भ में वास्ताविकता तो यह है कि सुधार-प्रतिक्रिया के अन्त में सरकार के दायित्व और भी बढ़ जाएँगे। राजकोषीय एवं मौद्रिक प्रबन्धन, शिक्षा, जनस्वास्थ्य, व्यपार, प्रबन्धन, 'गैट' के अन्तर्गत बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय-समझौते, विज्ञान एवं तकनीक, अनुसंधान एवं विकास, वित्तीय क्षेत्र का नियमन, पर्यावरण-संरक्षण इत्यादि ऐसे अनेक विषय हैं, जिन्हें

बाजार या 'मुक्त व्यापार' नीति पर नहीं छोड़ा जा सकता है और न वर्तमान सुधारों के अन्तर्गत सरकार ऐसा कर रही है।

एक और भ्रान्ति इस भूमण्डलीकरण व उदारीकरण के प्रति है कि हमें 'विकास' के नाम पर 'गरीबी निवारण' की उपेक्षा कर रहे हैं। ऐसा मानने वालों का कहना है कि गरीबी उन्मूलन के गरीबी-निवारण कार्यक्रम की जरूरत है न कि विकास की। यह एक अविवेकपूर्ण सुझाव तो है ही, राजकोषीय घाटे का कारण भी है। वस्तुतः विकास से रोजगार का सृजन होगा, लोग लाभप्रद व्यवसाय में लगेंगे और इस प्रकार गरीबी अपने-आप हट जाएगी। यह एक अप्रत्यक्ष किन्तु अधिक प्रभावी गरीबी-निवारण का तरीका है।

इस सन्दर्भ में एक और बात सामने आई है कि हमारे सुधार-कार्यक्रम विदेशी दबाव से यानी भूमण्डलीकरण से प्ररित-प्रभावित हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं कि भुगतान सन्तुलन की समस्या ने ही हमें आर्थिक सुधारों की दिशा में तत्काल कदम उठाने के लिए बाध्य किया, परन्तु इसका यह मतलब नहीं कि आर्थिक सुधार हमारी जरूरत नहीं थी। बल्कि, इसे भावात्मक रूप में लिया जाना चाहिए, क्योंकि यदि वैसे दबाव की स्थिति नहीं बनती, तो हम शायद पहले की तरह ही धीमी चाल में चलते रहते।

भूमण्डलीकरण व आर्थिक उदारीकरण की वर्तमान प्रक्रिया की सफलता के लिए कुछ आवश्यक शर्त्तें हैं। सबसे पहले तो जो कुछ भ्रान्तियाँ हैं, उनका निराकरण हो-आम जनता से लेकर बुद्धिजीवी तक। फिर, सुधारों के प्रति सरकार की वचनबद्धता की स्पष्ट एवं नियमित स्वीकारोक्ति भी आवश्यक है, जिससे सम्बद्ध व्यक्तियों या संस्थाओं में संशय की स्थिति पैदा न हो। और, जब आर्थिक सुधारों का दौर चल पड़ा है, तो उसका संवेग बनाए रखना चाहिए। अन्यथा, इनकी गति धीमी पड़ते ही आलोचकों को अवसर मिल जाएगा। किसी क्षेत्र-विशेष को इससे अधिक लाभ या नुकसान नहीं होना चाहिए। राष्ट्र-निर्माण में सबको समान अंशदान करना चाहिए।

वस्तुतः आर्थिक सुधारों को कठोर उपायों के रूप में नहीं देखना चाहिए, ये आर्थिक सुधार खुली मानसिकता एवं लचीलेपन से प्रेरित हैं, जिनका उद्देश्य परिवर्तनशील आर्थिक परिवेश में जनता के हितों की रक्षा करना है।

**33.** भारतीय समाज में 'अन्य पिछड़ा वर्ग' (OBC) के रूप में पहचाने गए समुदाय विविध सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का सामना करते हैं। इन समस्याओं का उल्लेखनीय विवेचन निम्नलिखित हैं—

**(i) शैक्षिक पिछड़ापन**—इस वर्ग के कई समुदायों में शैक्षिक स्तर काफी निम्न है। उच्च शिक्षा तक पहुँच की कमी, शैक्षिक संस्थानों में उपेक्षा और अवसरों की कमी इस समस्या के प्रमुख कारण है।

**(ii) आर्थिक चुनौतियाँ**—आर्थिक रूप से अनेक OBC समुदाय निम्न आय वर्ग में आते हैं। उन्हें समुचित रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच, निम्न वेतन और असुरक्षित श्रमिक वर्ग में कार्य करने की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

**(iii) सामाजिक भेदभाव**—सामाजिक रूप से, OBC समुदायों को कई बार उच्च जातियों द्वारा भेदभाव और स्टिग्मा का सामना करना पड़ता है। यह उनके सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रभावित करता है।

**(iv) राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी**—राजनीतिक दृष्टिकोण से, OBC समुदायों का प्रतिनिधित्व कम होता है। उनकी आवाजें और मांगें अक्सर राजनीतिक प्रक्रियाओं में पर्याप्त रूप से नहीं सुनी जाती है।

**(v) स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच**—स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में भी OBC समुदायों को कई बार उचित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच का सामना करना पड़ता है। इसके कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी अधिक जोखिम और बीमारियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर होती है जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ अपर्याप्त होती हैं।

**(vi) सांस्कृतिक और पहचान संबंधी चुनौतियाँ**—अनेक OBC समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को बनाए रखने में संघर्ष करते हैं। आधुनिकीकरण और सामाजिक परिवर्तन के चलते उनकी संस्कृति पर दबाव पड़ता है।

**(vii) आवास और बुनियादी ढांचे की कमी**—अनेक OBC समुदाय गरीबी के चलते उपयुक्त आवास और बुनियादी ढांचे की सुविधाओं से वंचित रहते हैं। उन्हें साफ पानी बिजली और स्वच्छता की बुनियादी सुविधाएँ प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

**(viii) आजीविका और रोजगार के अवसरों की सीमा**—आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण, इन समुदायों के लिए आजीविका और रोजगार के अवसर सीमित होते हैं। वे अक्सर अनौपचारिक क्षेत्र या कम वेतन वाले रोजगार में काम करते हैं।

**(ix) लैंगिक असमानता**—OBC समुदायों में महिलाओं और लड़कियों को लैंगिक असमानता, शिक्षा में कम पहुंच और सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

**34. बाल श्रमिक की समस्या पर निबंध**—बाल श्रम एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो समाज के मूलभूत सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों को चुनौती देती है। यह न केवल बच्चों के विकास और उनके भविष्य पर एक गहरा नकारात्मक प्रभाव डालती है, बल्कि यह समाज के विकास को भी बाधित करती है।

बाल श्रम की समस्या के मूल में गरीबी, शिक्षा की कमी और सामाजिक असमानता जैसे कारक होते हैं। गरीब परिवारों में बच्चे अक्सर आर्थिक मजबूरी के कारण श्रमिक के रूप में कार्य करते हैं। यह उनके शैक्षिक विकास को रोकता है और उन्हें एक चक्रवृद्धि गरीबी के चक्र में फँसाता है।

इसके अलावा, बाल श्रम बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। खतरनाक और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता हैघ यह उन्हें सामाजिक रूप से भी वंचित करता है, क्योंकि उन्हें बचपन की खुशियों और खेलने-कूदने के अवसरों से वंचित रखा जाता है।

सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कई पहल की है। इसमें शिक्षा को बढ़ावा देना, बाल श्रम के खिलाफ कानूनी उपाय और जागरूकता अभियान शामिल है। हालांकि, इन प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ किया जाने की जरूरत है ताकि बाल श्रम की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

एक महत्त्वपूर्ण कदम है शिक्षा के प्रति पहुँच और गुणवत्ता में सुधार करना। यह न केवल बच्चों को बाल श्रम से दूर रखता है, बल्कि इन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार भ करता है। इसके अलावा, गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से भी बाल श्रम को कम करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक जागरूकता और शिक्षा भी इस समस्या के समाधान में केंद्रीय भूमिका निभाती है। लोगों को बाल श्रम के नकारात्मक प्रभावों और इसके बच्चों के जीवन पर पड़ने वाले दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में शिक्षित

करना आवश्यक है। समुदायों को इस समस्या के प्रति संवेदनशील बनाने और सक्रिय रूप से इसके खिलाफ कार्य करने के लिए प्रेरित करना महत्त्वपूर्ण है।

अंततः बाल श्रम की समस्या का समाधान केवल सरकारी पहल और कानूनों से ही नहीं, बल्कि समाज के हर स्तर पर जागरूकता, शिक्षा और सहयोग से संभव है। इसके एक सामूहिक प्रयास के रूप में देखना होगा जिसमें समुदाय, सरकार और विभिन्न संगठन समन्वित रूप से काम करें।

**35. भारतीय समाज एवं संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं—**

**(i) लचीलापन एवं सहिष्णुता**—भारतीय संस्कृति की सहिष्णु प्रकृति ने उसे दीर्घ आयु और स्थायित्व प्रदान किया है। संसार की किसी भी संस्कृति में शायद ही इतनी सहनशीलता हो, जितनी भारतीय संस्कृति में पाई जाती है।

**(ii) निरन्तरता**—भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषत यह है कि हजारों वर्षों के बाद भी यह संस्कृति आज भी अपने मूल स्वरूप में जीवित है, जबकि मिस्र, यूनान और रोम की संस्कृति अपने मूल स्वरूप को लगभग विस्मृत कर चुकी है।

**(iii) प्राचीनता**—भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनता संस्कृतियों में से एक है। मध्यप्रदेश के भीमबेटका में पाये गये शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई तथा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पूरातात्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत भूमि आदि मानव की प्राचीनतम कार्य भूमि रही है।

**(iv) ग्रहणशीलता**—भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता एवं उदारता के कारण उसमें एक ग्रहणशीलता प्रवृत्ति को विकसित होने का अवसर मिला। वस्तुतः जिस संस्कृति में लोकतंत्र एवं स्थायित्व के आधार व्यापक हो उस संस्कृति में सहनशीलता की प्रकृति स्वाभाविक रूप से उत्पन्न हो जाती है।

**36.** जनजातीय समाजों में जीवनसाथी प्राप्त करने के तरीके उनकी सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक संरचनाओं और लोकाचारों पर आधारित होते हैं। ये तरीके अक्सर विविध और अनूठे होते हैं और विभिन्न जनजातियों में भिन्न हो सकते हैं। निम्नलिखित कुछ प्रमुख तरीके हैं जो जनजातीय समाजों ने जीवनसाथी चुनने के लिए प्रयोग किए जाते हैं—

**(i) वैवाहिक समारोह और उत्सव**—कई जनजातियाँ विशेष त्योहारों और समारोहों के दौरान जीवनसाथी चुनने की प्रक्रिया चुनने की प्रक्रिया अपनाती हैं। स दौरान युवा पुरुष और महिलाएँ एक-दूसरे से मिलते हैं, नृत्य करते हैं, और सामाजिक संबंध बनाते हैं।

**(ii) विवाह व्यवस्था**—कुछ जनजातियों से, विवाह के लिए जोड़े का चुनाव माता-पिता या वरिष्ठ सदस्यों द्वारा किया जाता है। इसमें पारिवारिक सहमति और सामाजिक मेल-जोल का महत्त्व होता है।

**(iii) ब्राइड प्राइस या दहेज प्रथा**—कुछ जनजातियों में, विवाह के लिए दुल्हन के परिवार को दुल्हे के परिवार द्वारा कुछ सरकार का दहेज या उपहार देने की प्रथा होती है। यह सामाजिक स्थिति और आर्थिक स्थिति का प्रतीक हो सकता है।

**(iv) एलोपमेंट (पलायन) या प्रेम विवाह**—कुछ जनजातीय समाजों में युवा जोड़े अपनी पसंद के आधार पर विवाह करने के लिए घर से भाग जाते हैं। इस प्रकार का विवाह अक्सर तब होता है जब परिवार या समुदाय की सहमति नहीं होती और युवा जोड़े अपने निर्णय को स्वयं लागू करने के लिए इस तरह का कदम उठाते हैं।

**(v) सामाजिक आदान-प्रदान**—कुछ जनजातीय समाजों में विवाह सामाजिक आदान-प्रदान का हिस्सा होता है, जहाँ दो परिवार या समुदाय एक दूसरे से जुड़ते हैं। इसमें विवाह के माध्यम से सामाजिक संबंधों को मजबूती दी जाती है।

**(vi) मैचमेकिंग और मध्यस्थता**—कुछ जनजातियों में, विशेष व्यक्ति या मध्यस्थ की भूमिका होती है जो उपयुक्त जोड़े का चयन करने में मदद करते हैं। यह व्यक्ति दोनों परिवारों के बीच विवाह संबंधी वार्तालाप को सुगम बनाता है।

**(vii) आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह**—कई जनजातियाँ अपने अनूठे रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह करती है। इनमें सामूहिक विवाह विशेष रिवाजों के साथ विवाह समारोह आदि शामिल हो सकते हैं।

**(viii) अन्तर्जातीय विवाह**—कुछ जनजातीय समुदाय अन्तर्जातीय विवाह को प्रोत्साहित करते हैं जहाँ विभिन्न जनजातियों के बीच विवाह होते हैं। यह अक्सर दो अलग-अलग समदुायों के बीच सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है।

इन विभिन्न तरीकों में, जीवनसाथी चुनने की प्रक्रिया न केवल एक व्यक्तिगत चुनाव है।

**37. जाति और वर्ग में अन्तर**—जाति और वर्ग में निम्नलिखित अन्तर हैं—

(i) जाति जन्म से ही निर्धारित होती है, जबकि वर्ग व्यक्ति की योग्यता तथा कर्म से निर्धारित होती है।

(ii) जाति बदली नहीं जा सकती, व्यक्ति जिस जाति में पैदा होता है, जीवनभर उसी जाति में रहता है, जबकि वर्ग आसानी से बदला जा सकता है। व्यक्ति एक वर्ग से दूसरे वर्ग में आसानी से जा सकता है।

(iii) जाति में सामाजिक गतिशीलता बहुत सीमित होती है। व्यक्ति अपनी सामाजिक स्थिति में एक निश्चित सीमा के अन्दर ही परिवर्तन कर सकता है, जबकि वर्ग में सामाजिक गतिशीलता बहुत अधिक तथा असीमित होती है।

(iv) जाति-व्यवस्था में व्यक्ति की सामाजिक स्थिति प्रदत्त होती है, जबकि वर्ग-व्यवस्था में व्यक्ति की सामाजिक स्थिति अर्जित होती है।

(v) जाति में व्यवसाय पूर्व निर्धारित तथा निश्चित होते हैं, जबकि वर्गों के व्यवसाय पूर्व निर्धारित तथा निश्चित नहीं होते।

(vi) जाति एक अन्तर्विवाही समूह है, अर्थात् एक जाति के लोग अपनी ही जाति के अन्दर विवाह कर सकते हैं, जबकि वर्ग के सदस्यों पर ऐसा कोई वैवाहिक बन्धन नहीं होता। वर्ग के सदस्य अपने स्तर के लोगों में भी विवाह कर सकते हैं।

(vii) जाति रूढ़िवादी तथा परम्परावादी है, जबकि वर्ग प्रतिवादी तथा आधुनिकता से अधिक प्रभावित होता है।

(viii) जाति पर धर्म का बहुत अधिक प्रभाव होता है। भारत की जाति व्यवस्था हिन्दू धर्म का ही एक अंग है, जबकि वर्ग पर धर्म का प्रभाव नहीं होता। वर्ग व्यवस्था की उत्पत्ति किसी धर्म से नहीं हुई।

(ix) जाति पर आर्थिक कारकों का बहुत प्रभाव पड़ा है, जबकि वर्ग मुख्य रूप से आर्थिक कारकों से प्रभावित होता है।

**38.** भारत में बेरोजगारी के कई कारण हैं, जो इस बड़े और विविध देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना को प्रतिबिंबित करते हैं। निम्नलिखित कुछ मुख्य कारण इस प्रकार से हैं—

**(i) जनसंख्या वृद्धि**—भारत की बढ़ती जनसंख्या रोजगार के अवसरों पर दबाव डालती है। युवा आबादी की बड़ी संख्या के लिए पर्याप्त रोजगार सृजित करना एक चुनौती है।

**(ii) शिक्षा और कौशल का अभाव**—भारत में शिक्षा की कमी और व्यावसायिक कौशल की अपर्याप्तता भी बेरोजगारी का एक कारण है। कई युवा शिक्षित होने के बावजूद उद्योग द्वारा मांगे जाने वाले कौशलों से वंचित हैं।

**(iii) आर्थिक विकास की असमानता**—आर्थिक विकास के लाभ सभी क्षेत्रों और समुदायों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। कुछ क्षेत्रों में उच्च विकास दर के बावजूद अन्य क्षेत्रों में विकास की कमी बेरोजगारी को बढ़ाती है।

**(iv) औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में संरचनात्मक बदलाव**—भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगी और सेवा क्षेत्रों के बीच संरचनात्मक बदलाव भी बेरोजगारी को प्रभावित करता है। पारंपरिक उद्योगों में नौकरियों की कमी और नए क्षेत्रों में कौशल की मांग बदल रही है।

**(v) श्रम बाजार की अक्षमताएँ**—भारतीय श्रम बाजार में कई अक्षमताएँ हैं, जैसे कि काम के नियमन में जटिलताएँ, अनौपचारिक क्षेत्र में अधिक नौकरियाँ और श्रमिकों के अधिकारों की कमी। ये सभी कारक बेरोजगारी या अस्थायी रोजगार की स्थितियों को बढ़ाते हैं।

**(vi) तकनीकी परिवर्तन**—तकनीकी प्रगति और ऑटोमेशन ने कई पारंपरिक नौकरियों को अप्रचलित बना दिया है। जिन श्रमिों के पास नई तकनीकी कौशल की कमी है, वे अक्सर बेरोजगार हो जाते हैं।

**(vii) अर्थव्यवस्था के ढांचागत सीमाएँ**—भारतीय अर्थव्यवस्था में ढांचागत सीमाएँ जैसे कि अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, निवेश में कमी और उद्योगों में विविधता की कमी भी रोजगार सृजन को प्रभावित करती हैं।

**(viii) कृषि क्षेत्र की चुनौतियाँ**—भारत में एक बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर करती है, लेकिन इस क्षेत्र में उत्पादकता की कमी, छोटे और विखंडित खेल और मौसम पर निर्भरता रोजगार के असरों को सीमित करती है।

**(ix) आर्थिक नीतियों में परिवर्तन**—सरकारी नीतियों में परिवर्तन और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे कारक भी रोजगार सृजन को प्रभावित करते हैं।

**(x) जेंडर असमानता**—महिलाओं और अन्य जेंडर समूहों के लिए रोजगार के अवसरों में अमानता भी बेरोजगारी के मुद्दे को बढ़ाती है।

■■■

# मनोविज्ञान (PSYCHOLOGY)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

**समय : 3 घंटा 15 मिनट ]** **[ पूर्णांक : 70**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (1० अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : **खण्ड-'अ'** एवं **खण्ड-'ब'**।
6. **खण्ड-अ** में 70 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 35 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 35 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 35 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में 20 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 70 में से केवल 35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न का चयन करें। चुने गए प्रश्न के सही विकल्प को चिह्नित कर OMR ANSWER-SHEET में रंजित करें।** **35 × 1 = 35**

**1.** मन के आकारात्मक पहलू हैं :
(A) अहं (B) परांह
(C) चेतन (D) इनमें से कोई नहीं

**2.** मनोलैंगिक विकास के सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया ?
(A) कैटेल (B) फ्रायड
(C) युंग (D) आलपोर्ट

**3.** बुद्धि के द्वि-कारक सिद्धांत के प्रतिपादक कौन हैं ?
(A) स्पीयरमैन (B) लेजारस
(C) थर्स्टन (D) इनमें से कोई नहीं

**4.** संस्कृति मुक्त बुद्धि परीक्षण है :-
(A) बिने-साइमन बुद्धि परीक्षण (B) वेश्लर बुद्धि परीक्षण
(C) कैटेल बुद्धि परीक्षण (D) इनमें से सभी

**5.** तनाव का मुख्य श्रोत निम्नांकित में से कौन है ?
(A) अभिप्रेरकों का संघर्ष (B) तनावपूर्ण घटनाएँ
(C) कार्य दबाव (D) इनमें से सभी

**6.** "कोई भी शत-प्रतिशत सामान्य नहीं है" - निम्नलिखित में से किसका विचार है ?
(A) कोलमैन (B) फ्रायड
(C) फेस्टिंगर (D) पेज

**7.** द्वि-ध्रुवीय विकार के दो ध्रुव हैं :
(A) मनोग्रस्ति तथा बाध्यता (B) उन्मादी तथा विषादी
(C) सामान्य तथा असामान्य (D) इनमें से कोई नहीं

**8.** इनमें से कौन मादक द्रव्य नहीं है ?
(A) कॉफी (B) कोकेन
(C) अफीम (D) स्मैक

**9.** 'स्नायुविकृति' पद का प्रयोग सबसे पहले किसने किया ?
(A) विलियम कूलेन (B) फ्रायड
(C) विलियम जेम्स (D) जी० एस० हाल

**10.** संज्ञानात्मक-व्यवहारात्मक उपागम पर आधारित है :
(A) विचार तथा व्यवहार (B) व्यवहार
(C) मनोदशा (D) इनमें से कोई नहीं

**11.** पतंजलि के प्रसिद्ध योग-सूत्र में योग के मार्ग हैं :
(A) 4 (B) 6
(C) 8 (D) 9

**12.** सीखने के सिद्धांत का प्रयोग होता है -
(A) व्यवहार चिकित्सा में (B) मनोविश्लेषण चिकित्सा में
(C) (A) तथा (B) दोनों में (D) इनमें से कोई नहीं

**13.** पूर्वाग्रह एक प्रकार है :
(A) मनोवृत्ति (B) प्रेरणा
(C) संवेग (D) इनमें से कोई नहीं

**14.** मनोवृत्ति परिवर्तन के द्विस्तरीय संप्रन्यय को किसने प्रस्तुत किया है ?
(A) फिट्ज-हाइडर (B) लियॉन फेस्टिंगर
(C) कार्ल स्मिथ (D) एस० एम० मोहसिन

**15.** महाविद्यालय एक उदाहरण है :
(A) अनौपचारिक समूह (B) औपचारिक समूह
(C) आकस्मिक समूह (D) इनमें से कोई नहीं

**16.** सामाजिक समूह के निम्नलिखित किस प्रकार में सर्वाधिक एकता होती है ?
(A) अंत: समूह (B) बाह्य समूह
(C) गतिशील समूह (D) इनमें से कोई नहीं

**17.** अन्तरराष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा दिवस मनाया जाता है -
(A) 2 जून (B) 5 सितम्बर
(C) 13 अक्टूबर (D) 5 नवम्बर

**18.** शुद्ध जल का पी॰ एच॰ मान है :
(A) 6 (B) 5
(C) 7 (D) इनमें से कोई नहीं

**19.** कुण्ठा-आक्रमण सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया ?
(A) डोलार्ड एवं अन्य (B) बन्डूरा
(C) जिलमैन (D) इनमें से कोई नहीं

**20.** स्याही धब्बा परीक्षण को किसने विकसित किया ?
(A) रोशार्क (B) रोजर्स
(C) शेल्डन (D) इनमें से कोई नहीं

**21.** कथानक आत्मबोध परीक्षण में सादा कार्ड की संख्या कितनी होती है ?
(A) दो (B) एक
(C) तीन (D) चार

**22.** टाईप-'ए' एवं टाईप-'ब' व्यक्तित्व का प्रतिपादन किसने किया ?
(A) फ्रीडमैन (B) फ्रायड
(C) बिने (D) इनमें से कोई नहीं

**23.** संवेगात्मक बुद्धि पद का परिचय किसके द्वारा कराया गया ?
(A) वुड तथा वुड (B) सैलोवे तथा मेयर
(C) गोलमैन (D) जेम्स बार्ड

**24.** स्टैनफोर्ड-बिने स्केल का प्रथम संशोधन वर्ष है -
(A) 1916 (B) 1960
(C) 1922 (D) इनमें से कोई नहीं

**25.** जी॰ ए॰ एस॰ की किस अवस्था में व्यक्ति बीमार हो जाता है ?
(A) चेतावनी (B) प्रतिरोध
(C) परिश्रांति (D) इनमें से कोई नहीं

**26.** निम्नलिखित में से कौन मनोविकृति है ?
(A) भय (B) मनोविदालता
(C) व्यक्तित्व विकृति (D) इनमें से कोई नहीं

**27.** स्वप्न माना जाता है :
(A) एक व्यामोह (B) एक विपर्यय
(C) एक विभ्रम (D) इनमें से कोई नहीं

**28.** बाजार या सार्वजनिक स्थलों से अयुक्ति संगत भय को कहते हैं :
(A) एक्रोफोबिया (B) क्लाउस्ट्रोफोबिया
(C) एगोराफोबिया (D) एरेक्नोफोबिया

**29.** परामर्शन के तत्व हैं -
(A) परामर्शदाता (B) परामर्शन के उद्देश्य
(C) परामर्शी (D) उपरोक्त सभी

**30.** भारतीय मनीषी पतंजलि का नाम सम्बद्ध है :
(A) मनोचिकित्सा से (B) परामर्श से
(C) स्वप्न विश्लेषण से (D) योग से

**31.** गेस्टाल्ट चिकित्सा का प्रतिपादन किया :
(A) फ्रेडेरिक मोनिज (B) कार्ल रोजर्स
(C) इगास मोनिज (D) इनमें से कोई नहीं

**32.** सड़क, बाँध आदि उदाहरण है -
(A) निर्मित पर्यावरण (B) प्राकृतिक पर्यावरण
(C) (A) और (B) दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

**33.** 5 जून को निम्नांकित में से कौन दिवस मनाया जाता है ?
(A) विश्व साक्षरता दिवस (B) विश्व एड्स दिवस
(C) विश्व पर्यावरण दिवस (D) विश्व मातृत्व दिवस

**34.** निम्न में से कौन मानव निर्मित आपदा है ?
(A) युद्ध (B) महामारी
(C) सुनामी (D) इनमें कुछ भी नहीं

**35.** मनोवृति निर्माण को प्रभावित करनेवाले कारक हैं -
(A) परिवार और स्कूल वातावरण
(B) संदर्भ समूह
(C) व्यक्तिगत अनुभव
(D) इनमें से सभी

**36.** केलमैन के अनुसार सामाजिक प्रभाव का कौन एक प्रकार नहीं है ?
(A) अनुपालन (B) आज्ञापालन
(C) पहचान (D) अनुकूलनशीलता

**37.** चाटुकारिता, पारस्परिकता तथा बहु अनुरोध प्रविधियाँ हैं :
(A) अनुरूपता (B) अनुपालन
(C) आज्ञापालन (D) इनमें से कोई नहीं

**38.** समूह संरचना का तात्पर्य है
(A) समूह का आकार (B) समूह की प्रभावशीलता
(C) समूह का लक्ष्य (D) इनमें से सभी

**39.** क्रेश्मर के अनुसार किस प्रकार का व्यक्तित्व साइक्लोआड प्रकार है ?
(A) स्थूलकाय प्रकार (B) कृशकाय प्रकार
(C) पुष्टकाय प्रकार (D) मिश्रकाय प्रकार

**40.** निम्नलिखित में से कौन प्रतिरक्षा मनोरचना है ?
(A) दमन (B) शमन
(C) प्रक्षेपण (D) इनमें से सभी

**41.** किसने कहा कि ''सीखने की योग्यता बुद्धि है'' ?
(A) बकिंघम (B) बिने
(C) चार्ल्स स्पीयरमैन (D) इनमें से कोई नहीं

**42.** मानसिक आयु के संप्रन्यय का प्रतिपादन किसने किया ?
(A) बिने (B) स्टर्न
(B) गार्डनर (D) इनमें से कोई नहीं

**43.** दबाव प्रतिरोधी व्यक्तित्व में कौन विशेषता नहीं पायी जाती है ?
(A) प्रतिबद्धता (B) दुश्चिंता
(C) चुनौति (D) नियत्रंण

**44.** किसने सर्वप्रथम स्वीकार किया कि द्वन्द एवं अन्तर्वैयक्तिक सम्बंधों में बाधा मानसिक विकारों के महत्वपूर्ण कारण हैं ?
(A) जॉन वेयर (B) हिपोक्रेटस
(C) सुकरात (D) गैलन

**45.** इनमें से कौन दुश्चिंता विकार है ?
(A) व्यामोही विकृति (B) मनोग्रस्ति बाध्यता विकृति
(C) उत्साह विषात विकृति (D) इनमें से कोई नहीं

**46.** इनमें से कौन भावात्मक विकृति है ?
(A) स्थिर व्यामोह (B) मनोविकृति विषाद रोग
(C) उत्साह-विषाद मनोविकृति (D) प्रत्यावर्तित विषादी रोग

**47.** क्लायंट-केन्द्रित चिकित्सा का दूसरा नाम है :
(A) अनिदेशित चिकित्सा (B) निदेशित चिकित्सा
(C) लोगो चिकित्सा (D) गेस्टाल्ट चिकित्सा

**48.** इनमें से कौन मनोविश्लेषण विधि से सम्बंधित नहीं है ?
(A) स्वप्न विश्लेषण (B) मुक्त साहचर्य
(C) मॉडलिंग (D) स्थानान्तरण की अवस्था

**49.** स्थिर-व्यामोह की मुख्य विशेषताएँ हैं
(A) निषेधात्मक (B) व्यामोह
(C) चिन्ता (D) विभ्रम

**50.** कोलाहल की विशेषता में किसे शामिल नहीं किया जा सकता है ?
(A) तीव्रता (B) पूर्वानुमेयता
(C) नियत्रंण योग्यता (D) क्रमबद्ध

**51.** भोपाल गैस त्रासदी कब हुई थी ?
(A) 1982 (B) 1984
(C) 1986 (D) 1988

**52.** साक्षात्कार का उद्देश्य है –
(A) आमने-सामने के संपर्क से सूचना प्राप्त करना
(B) परिकल्पनाओं का श्रोत
(C) गुणात्मक तथ्यों को प्राप्त करना
(D) इनमें से सभी

**53.** निम्नलिखित में से कौन परामर्शदाता का गुण है ?
(A) सुनने की योग्यता (B) परानुभूति
(C) ज्ञानशक्ति (D) इनमें से सभी

**54.** एक प्रभावी मनोवैज्ञानिक बनने के लिए किस तरह के कौशलों की जरूरत होती है ?
(A) सामान्य कौशल (B) प्रेक्षणात्मक कौशल
(C) विशिष्ट कौशल (D) इनमें से सभी

**55.** रूढ़ियुक्तियाँ पद का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया ?
(A) वॉलटर लिपमैन (B) जेम्स डेवर
(C) आँगबर्न (D) गुडमैन

**56.** सामाजिक समूह के निर्मित होने के लिए सबसे आवश्यक शर्त है :
(A) समान विश्वास (B) समान धर्म
(C) समान भाषा (D) समान लक्ष्य

**57.** उच्चतम संगठित समूह है –
(A) देश (B) परिवार
(C) सेना (D) औद्योगिक संगठन

**58.** फ्रायड के अनुसार, व्यक्तित्व की संरचना की मौलिक इकाई है :
(A) मूलप्रवृति (B) शीलगुण
(C) चित्तप्रवृति (D) कामुकता

**59.** अहम्-लिबडो का अर्थ है :
(A) आत्म प्रेम (B) वस्तु लिबिडो
(C) इगो मनोग्रन्थि (D) अहम् सिनटोनिक

**60.** बुद्धि लब्धि का सूत्र है :
(A) $\frac{\text{C.A.}}{\text{M.A.}} \times 100$ (B) $\frac{\text{M.A.}}{\text{C.A.}} \times 100$
(C) M.A. × C.A. × 100 (D) $\frac{100}{\text{M.A.}} \times \text{C.A.}$

**61.** निम्नलिखित में से कौन सर्जनात्मक चिन्तन की अवस्था नहीं है ?
(A) उद्भवन (B) सत्यापन
(C) तैयारी (D) धारण

**62.** निम्नलिखित में से कौन विशिष्ट बालक नहीं है ?
(A) प्रतिभाशाली बालक (B) मानसिक दुर्बल बालक
(C) विकलांग बालक (D) सामान्य बालक

**63.** 'दूसरों के आइनें में झाँकने का भाव' किस कौशल को दर्शाता है ?
(A) सहानुभूति (B) समानुभूति
(C) आत्म अनुशासन (D) प्रेक्षण कौशल

**64.** विघटित चिंतन, विभ्रम तथा व्यामोह मुख्य लक्षण हैं :
(A) मनोविदालिता का (B) हिस्टीरिया का
(C) कायाप्रारूप का (D) इनमें से कोई नहीं

**65.** बोलनें की भूलें तथा नामों का भूलना है :
(A) मानसिक संघर्ष
(B) दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ
(C) मानसिक मनोरचनाएँ
(D) मनोलैंगिक विकास

**66.** अम्लीय वर्षा के तत्व है :
(A) $NO_2$ और $SO_2$ (B) $CO_2$ और CO
(C) $NO_2$ और $NO_3$ (D) $CO_2$ और $NO_2$

**67.** इनमें से कौन सी एक गैस ग्रीन हाउस गैस नहीं है ?
(A) $CH_4$ (B) $CO_2$
(C) $N_2$ (D) इनमें से कोई नहीं

**68.** मानसिक विकृति के वर्गीकरण की नवीनतम पद्धति है :
(A) डी॰एस॰एम॰ IV (B) डी॰सी॰एम॰टी॰आर॰
(C) डी॰एस॰एम॰ V.TR (D) इनमें से कोई नहीं

**69.** किसी समूह का सार तत्व है :
(A) सदस्यों के बीच विभिन्नता
(B) सदस्यों के बीच समानता
(C) सदस्यों के बीच अन्तनिर्भरता
(D) सदस्यों के बीच भावनात्मक सम्बंध

**70.** मनोलैंगिक विकास की अवस्थाएँ हैं :
(A) चार (B) छः
(C) दस (D) पाँच

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 20 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 15 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है। 10 × 2 = 20**
**निम्नलिखित को परिभाषित करें—**

**1.** अभिक्षमता से आप क्या समझते हैं ?
**2.** सृजनात्मक बुद्धि क्या है ?
**3.** इदम् की क्या विशेषताएँ है ?
**4.** शीलगुण से आप क्या समझते हैं ?
**5.** स्वास्थ्य की परिभाषा दें।
**6.** रोग भ्रम क्या है ?
**7.** औटिज्म क्या है ?
**8.** मॉडलिंग क्या है ?
**9.** मेडिटेसन क्या है ?
**10.** अनुरूपता को परिभाषित करें।
**11.** औपचारिक समूह को परिभाषित करें।
**12.** आज्ञापालन क्या है ?
**13.** निर्धनता को परिभाषित करें।
**14.** कुण्ठा-आक्रमण क्या है ?
**15.** पर्यावरण क्या है ?
**16.** परामर्श कौशल के मुख्य तत्वों के नाम लिखें।
**17.** साक्षात्कार की परिभाषा दें।
**18.** शेल्डन के व्यक्तित्व-प्रकार को लिखें।
**19.** चिंता मनोविकार क्या है।
**20.** स्वतंत्र साहचर्य क्या है ?

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 21 से 26 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित है। 3 × 5 = 15**

**21.** प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताओं का वर्णन करें।
**22.** मानव व्यवहार पर प्रदुषण के प्रभावों का वर्णन करें।
**23.** मनोभाव मनोविकृति के लक्षणों का वर्णन करें।
**24.** योग क्या है ? योग के आठ मार्ग का वर्णन करें।
**25.** मनोवृत्ति परिवर्त्तन में हाइडर के संतुलन सिद्धांत की व्याख्या करें।
**26.** निर्धनता को दूर करने के उपाय सुझावें।

## व्याख्यासहित उत्तर

### खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**OMR ANSWER-SHEET**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

**ANSWER**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (C) | 2. (B) | 3. (A) | 4. (C) | 5. (D) |
| 6. (D) | 7. (B) | 8. (D) | 9. (A) | 10. (A) |
| 11. (C) | 12. (A) | 13. (A) | 14. (D) | 15. (B) |
| 16. (A) | 17. (C) | 18. (C) | 19. (A) | 20. (A) |
| 21. (B) | 22. (A) | 23. (B) | 24. (A) | 25. (C) |
| 26. (B) | 27. (D) | 28. (C) | 29. (D) | 30. (D) |
| 31. (A) | 32. (A) | 33. (C) | 34. (A) | 35. (D) |
| 36. (B) | 37. (A) | 38. (A) | 39. (A) | 40. (D) |
| 41. (A) | 42. (A) | 43. (B) | 44. (B) | 45. (B) |
| 46. (C) | 47. (A) | 48. (C) | 49. (B) | 50. (D) |
| 51. (B) | 52. (D) | 53. (D) | 54. (D) | 55. (A) |
| 56. (D) | 57. (C) | 58. (A) | 59. (A) | 60. (C) |
| 61. (D) | 62. (D) | 63. (B) | 64. (A) | 65. (B) |
| 66. (A) | 67. (C) | 68. (C) | 69. (C) | 70. (D) |

### खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** किसी विशेष क्षेत्र की विशेष योग्यता को अभिक्षमता कहते हैं। अभिक्षमता विशेषताओं का एक ऐसा समायोजन है जो व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षण के उपरांत किसी विशेष क्षेत्र के ज्ञान अथवा कौशल के अर्जन की क्षमता को प्रदर्शित करता है। जैसे- यदि हमें गणित की किसी समस्या का समाधान ढूँढ़ना होता है तो हम किसी गणित के जानकार व्यक्ति से सहायता लेते हैं। लेकिन, यदि किसी कविता (हिन्दी) में कोई कठिनाई होती है तो इसके लिए हम हिन्दी के जानकार व्यक्ति से पूछते हैं।

**2.** 'सृजनात्मक बुद्धि' का अर्थ है 'creative intelligence' या 'रचनात्मक सोच'। यह वह क्षमता होती है जो किसी व्यक्ति को नए विचारों समाधों और अभिनव दृष्टिकोणों को विकसित करने में सक्षम बनाती है। सृजनात्मक बुद्धि नवाचर, कल्पना और मौलिकता से जुड़ी होती है और यह व्यक्तिगत, शैक्षिक और पेशेवर विकास में महत्त्वपूर्ण होती है।

**3. इदम्** (Id)—यह मानव मानस का सबसे प्राथमिक और प्राकृतिक भाग है, जो जन्म से ही मौजूद होता है। इदम् आवेगों और बुनियादी जरूरतों पर केंद्रित होता है, जैसे भोजन, नींद और यौन इच्छाएँ। इसमें सभी जैविक आवश्यकताएँ और इच्छाएँ शामिल होती हैं।

**इदम की विशेषताएँ :**

- **आवेग-प्रेरित** *(Impulse-driven)*—इदम् आवेगों और जरूरतों से प्रेरित होती है।
- **सुख-सिद्धांत** *(Pleasure Principle)*—इदम् तत्काल संतोष और आनंद की तलाश में रहती है।
- **अचेतन** *(Unconscious)*—इदम् की गतिविधियाँ मुख्य रूप से अचेतन स्तर पर होती है।
- **यथार्थ-विमुख** *(Reality-Averse)*—इदम् यथार्थ की परवाह किए बिना काम करती है।

इदम् की विशेषताएँ व्यक्ति के व्यवहार और उसकी प्रेरणाओं को समझने में महत्त्वपूर्ण होती हैं। यह बताती है कि कैसे मनुष्य के प्रारंभिक जैविक और अचेतन आवश्यकताएँ उसके व्यवहार और सोच पर प्रभाव डालती है।

**4.** व्यक्ति के विशिष्ट लक्षण अथवा शीलगुण से तात्पर्य व्यक्ति के किसी खास गुण जैसे-हँसमुख होना, आत्मविश्वासी होना, उत्साही होना आदि से है जो व्यक्ति के कार्यों में अपने-आप प्रकट होता है तथा जो कुछ समय के लिए उसके स्वभाव अंग बनकर स्थिर रहता है।

**5.** स्वास्थ्य से तात्पर्य एक ताकतवर, मजबूत शरीर ही नहीं है यद्यपि यह जीवन के लिए आवश्यक है । हम स्वास्थ्य का वर्णन शारीरिक निरोगता तथा मानसिक निरोगता दोनों के संबंध में करते हैं । शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के अनुभव पर स्वास्थ्य जिसका अंग्रेजी पर्यायवाची शब्द health है जिसके अर्थ है पूर्ण, भलाचंगा, पवित्र, स्वास्थ्य, सदपूर्णता, पवित्रता, स्वच्छता इत्यादि से संबंधित रहा है। WHO के अनुसार, 'स्वास्थ्यपूर्ण दैहिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कल्याण की दशा है न कि केवल रोग के अनुपस्थित होने की दशा ।'

**टेवर** के अनुसार, ''स्वास्थ्य व्यक्ति की वह स्वथ्य स्थिति है जिसमें शरीर और मन सामान्यतया सक्रिय होकर सभी कार्य करते हैं ।''

**6. 'रोग भ्रम'** *(Illness Anxiety Disorder)*—एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को लगातार यह चिंता रहती है कि वह गंभीर बीमारी से पीड़ित है या हो सकता है, भले ही मेडिकल जांच में कोई रोग नहीं पाया जाता हो। इसे पहले हाइपोकॉन्ड्रियासिस कहा जाता था।

रोग भरम की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) **अत्यधिक चिंता और भय**—व्यक्ति को लगातार डर रहता है कि उसे कोई गंभीर बीमारी है या होगी।

(ii) **शारीरिक लक्षणों के प्रति अत्यधिक सजगता**—सामान्य शारीरिक संवेदनाओं या हल्के लक्षणों को भी वे गंभीर बीमारी के रूप में व्याख्यायित करते हैं।

(iii) **चिकित्सकीय जांच के प्रति आसक्ति या भय**—कुछ लोग बार-बार चिकित्सा परीक्षण करवाते हैं, जबकि अन्य डॉक्टरों के पास जाने से बचते हैं, डरते हैं कि उन्हें बुरी खबर मिल सकती है।

(iv) **अत्यधिक शोध और जानकारी की खोज**—इंटरनेट या अन्य स्रोतों पर लगातार स्वास्थ्य संबंधी जानकारी खोजना।

(v) **दैनिक जीवन पर प्रभाव**—यह चिंता उनके दैनिक जीवनख काम और रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

**7.** ऑटिज्म, जिसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्ड (ASD) के नाम से भी जाना जाता है, मनोविज्ञान में एक विकासात्मक विकार है। यह बचपन में शुरू होता है और जीवन भर चलता है। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर विभिन्न व्यक्तियों में अलग-अलग तरीके से प्रकट हो सकता है और इसकी गंभीतरा भी व्यक्ति दर व्यक्ति भिन्न होती है।

**8.** 'मॉडलिंग' एक प्रकार की सीखने की प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति दूसरों के व्यवहार का अनुकरण करते हैं। यह सामाजिक सीखने के सिद्धांत का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसे अल्बर्ट बंटूरा ने विकसित किया था।

**9.** मेडिटेशन एक मानसिक अभ्यास है जो मन को शांत करने और आत्म जागरूकता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह विश्वभर में विभिन्न संस्कृतियों और धार्मिक परंपराओं में प्रचलित है। मेडिटेशन के माध्यम से, व्यक्ति अपने मन को एक विशेष विचार, वस्तु या गतिविधि पर केंद्रित करके अंतर्मुखी शांति और आत्म-चेतना की अवस्था प्राप्त करता है।

**10.** अनुरूपता (Conformity) का अर्थ है एक व्यक्ति का समूह के मानदंडों, विश्वासों, व्यवहारों और अपेक्षाओं के अनुरूप अपने व्यवहार या विचारों को बदलना। यह एक सामाजिक प्रभाव की प्रक्रिया है जहाँ व्यक्ति समूह के साथ सामंजस्य बनाने के लिए उसके नियमों और रीति-रिवाजों को अपनाते हैं।

**11.** एक औपचारिक समूह वह होता है जो संगठित संरचना, नियत नियमों और विशिष्ट उद्देश्यों के साथ बनाया गया होता है। इस प्रकार के समूह में नियुक्त नेतृत्व, विभिन्न भूमिकाएँ औरस्पष्ट उद्देश्य या लक्ष्य होते हैं। उदाहरणों में कार्यस्थल की टीमें, संगठनात्मक कमेटियाँ और शैक्षिक समूह शामिल हैं।

**12.** प्राय: अनुपालन किसी ऐसी अनुदेश या आदेश के प्रति दर्शाया जाता है जो कि माता-पिता, अध्यापक, बड़े भाई या बहन तथा पुलिसकर्मी के द्वारा निर्गत होता है, इसी व्यवहार को आज्ञापालन कहा जाता है । यह जानना सरल होता है कि लोग क्यों आज्ञापालन का प्रदर्शन करते हैं । अधिकांशत: यह इसलिए होता है क्योंकि यदि हम आज्ञा का पालन नहीं करेंगे तो किसी प्रकार का दण्ड मिल सकता है । कभी-कभी यह इस कारण से होता है क्योंकि व्यक्ति की यह धारणा होती है कि आप्त व्यक्ति की आज्ञा को मानना चाहिए।

**13.** मानव समुदाय की एक ऐसी दशा जिसमें आवश्यक वस्तुओं जैसे भोजन, वस्त्र एवं आवास का अभाव पाया जाता है उसे निर्धनता कहा जाता है।

निर्धनता को प्रमुखत: आर्थिक अर्थ में ही परिभाषित करते हैं तथा उसका मापन आय, पोषण तथा जीवन की मूल आवश्यकताओं से है।

**14.** आक्रमण किसी एक व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति को हानि पहुँचाने के आशय से किया जाता है । इसे वास्तविक क्रियाओं या कटु वचनों या आलोचना द्वारा अथवा दूसरों के प्रति शत्रुतापूर्ण भावनाओं द्वारा भी प्रदर्शित किया जा सकता है । दूसरे व्यक्ति या वस्तु के प्रति बलपूर्वक या विनाशकारी व्यवहार को हिंसा कहा जाता है । कुछ मनोवैज्ञानिक तथ्यों के द्वारा आक्रमण एवं हिंसा में इस आधार पर भेद किया जाता है कि आक्रमण में दूसरे व्यक्ति को हानि पहुँचाने या चोट पहुँचाने के आशय से ऐसा व्यवहार किया जाता है, जबकि हिंसा में यह आशय हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता है । उदाहरण के लिए, किसी भी दंगे में रेल-बस या दूसरी सार्वजनिक सम्पत्ति की तोड़-फोड़ या जलाना हिंसा व आक्रमण दोनों ही कहलाते हैं । जब आप किसी भी व्यक्ति को नापसंद करते हैं और उसकी किसी भी वस्तु को क्षति पहुँचाते हैं तो आपका यह व्यवहार उस व्यक्ति के प्रति आक्रमण कहलाएगा ।

**15.** पर्यावरण वह प्राकृतिक और मानव-निर्मित दुनिया है जो हमें घेरे हुए हैं, जिसमें वायु, पानी, जमीन, जीव-जंतु, पेड़-पौधे और अन्य जीवित प्राणी शामिल हैं। यह हमारे जीवन और स्वास्थ्य के लिए मूलभूत और आवश्यक है।

**16.** परामर्श कौशल में मनोविज्ञान के मुख्य तत्वों में शामिल हैं—

1. सहानुभूति (Empathy)
2. सुनने की क्षमता (Active Listening)
3. समर्थन (Supportiveness)
4. गोपनीयता (Cofidentiality)
5. सकारात्मक प्रतिक्रिया (Positive Reinforcement)
6. खुलापन और ईमानदारी (Oennness and Honesty)
7. समस्या समाधान की क्षमता (Problem-solving Skills)
8. आत्म-जागरूकता (Self-awareness)
9. सीमाएँ स्थापित करना (Boundary Setting)
10. अनुकूलन क्षमता (Adaptability)

**17.** साक्षात्कार एक औपचारिक बातचीत की प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति (साक्षात्कारकर्ता) दूसरे व्यक्ति (साक्षात्कारार्थी) से प्रश्न पूछता है ताकि उसकी योग्यता, विचार, अनुभव और राय का मूल्यांकन किया जा सकें इसका उपयोग नौकरी, शिक्षा, शोध और मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में जानकारी एकत्रित करने या उम्मीदवारों का चयन करने के लिए किया जाता है।

**18.** मनोविज्ञान में शेल्डन द्वारा प्रतिपादित व्यक्तित्त्व के प्रारूप सर्वविदित है। शारीरिक बनावट और स्वभाव को आधार बनाते हुए शेल्डन ने **गोलाकृतिक, आयताकृतिक** और **लंबाकृतिक** जैसे व्यक्तित्त्व के प्रारूप को प्रस्तावित किया है। **गोलाकृतिक प्रारूप** वाले व्यक्ति, मोटे, मृदुल और गोल होते हैं। स्वभाव से वे लोग शिथिल और सामाजिक या मिलनसार होते हैं। **आयताकृतिक प्रारूप** वाले लोग मजबूत पेशीसमूह एवं सुगठित शरीर वाले होते हैं जो देखने में आयताकार होते हैं। ऐसे व्यक्ति अर्जस्वी एवं साहसी होते हैं। **लंबाकृतिक प्रारूप** वाले पतले, लंबे और सुकुमार होते हैं। ऐसे व्यक्ति कुशाग्रबुद्धि वाले, कलात्मक और अंतर्मुखी होते हैं। यहाँ ध्यातव्य है कि व्यक्ति के ये शारीरिक प्रारूप सरल किन्तु व्यक्तियों के व्यवहारों की भविष्यवाणी करने में सीमित उपयोगिता वाले हैं। वस्तुत: व्यक्तित्त्व ये प्रारूप रूढ़ धारणाओं की तरह है जो लोग उपयोग करते हैं।

युंग ने व्यक्तित्त्व का एक अन्य प्रारूप विज्ञान प्रस्तावित किया है जिसमें लोगों को उन्होंने अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी दो वर्गों में वर्गीकृत किया है। यह प्रारूप व्यापक रूप से स्वीकार किए गए हैं। इसके अनुसार अंतर्मुखी वह लोग होते हैं जो अकेला रहना पसंद करते हैं, दूसरों से बचते हैं, सांवेगिक द्वंद्वों से पलायन करते हैं और शर्मीले होते हैं। दूसरी ओर, बहिर्मुखी वह लोग होते हैं जो सामाजिक तथा बहिर्गामी होते हैं और ऐसे व्यवसायों का चयन करते हैं जिसमें लोगों से वे प्रत्यक्ष रूप से संपर्क बनाए रख सकें लोगों के बीच में रहते हुए तथा सामाजिक कार्यों को करते हुए वे दबावों के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं।

**19.** असामान्य मनोविज्ञान में चिंता एवं इससे उत्पन्न मानसिक विकृतियों पर सर्वाधिक ध्यान दिया गया है। इस तरह की चिंता से कई तरह के मानसिक विकृतियों की उत्पति होती है, जिसे पहले एक सामान्य नैदानिक श्रेणी में रखा गया।

DSM-IV (TR) में चिंता विकृति से तात्पर्य वैसी विकृति से होता है जिसमें क्लांइट या रोगी में अवास्तविक चिंता एवं अतार्किक डर की मात्रा इतनी अधिक होती है कि उससे उसका सामान्य जिन्दगी का व्यवहार अपअनुकूलित हो जाता है तथा इसे व्यक्ति अपनी चिंता की अभिव्यक्ति बिल्कुल ही स्पष्ट ढंग से करता है।

**20.** मनोविज्ञान में, 'स्वतंत्र साहचर्य' (Independent Co-variation) एक ऐसी अवधारणा है जहाँ व्यक्ति दो या अधिक घटनाओं के बीच सहसंबंध का अनुमान लगाता है आधारित उसके अपने अनुभवों और पर्यवेक्षणों पर। यह विचार करता है कि कैसे एक व्यक्ति उन घटनाओं के बीच संबंधों को समझता है जो वास्तव में स्वतंत्र रूप से घटित होती है, लेकिन जिन्हें व्यक्ति सहसंबंध मानता है। यह धारणा कई बार गलत संबंधों को जन्म दे सकती है, जैसे कि अंधविश्वास या गलत कारण-प्रभाव के निष्कर्ष।

**21.** प्रतिभाशाली बालक वैसे बालक को कहते हैं जिनकी बुद्धि-लब्धि औसत बालकों से अधिक होता है। **गोडार्ड, टरमैन, मेरिल** ने बतलाया जिनकी बुद्धि लब्धि 140 से या उससे अधिक होती है उसे प्रतिभाशाली बालक कहते हैं। **गोडर्ड** के अनुसार, 130 बुद्धिलब्धि वाले बालक को प्रतिभाशाली बालक कहते हैं। **हॉलिंगवर्थ** के अनुसार प्रतिभाशाली बालकों की योग्यता और क्षमता अपने आयु-स्तर के बालकों से श्रेष्ठ होती है।

प्रतिभाशाली बालकों की पहचान मुख्य रूप से निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर किया जाता है–

**(i) मानसिक शीलगुण**—मानसिक शीलगुण के आधार पर प्रतिभाशाली बालकों की पहचान किया जा सकता है। प्रतिभाशाली बालकों की बुद्धि-लब्धि की न्यूनतम सीमा 120 मानी गई है जबकि सामान्य की बुद्धि-लब्धि उच्चतम सीमा 190 है।

**(ii) शारीरिक शीलगुण**—शारीरिक शीलगुण के आधार पर भी प्रतिभाशाली बालकों की पहचान किया जा सकता है। प्रतिभाशाली बालकों का शारीरिक गठन भी औसत बच्चों से अच्छा होता है। जन्म के समय से ही औसत बच्चों से एक पाउण्ड भारी और डेढ़ इंच लंबे होते हैं। वे जल्द ही चलना शुरू कर देते हैं।

**(iii) सामाजिक एवं संवेगात्मक शीलगुण**—सामाजिक एवं संवेगात्मक शीलगुण के आधार पर प्रभावशाली बच्चों की पहचान किया जा सकता है, उसमें नेतृत्व का गुण भी पाया जाता है। ऐसे बालक अपने शिक्षण के अलावा वाद-विवाद, खेलकूद इत्यादि में भी भाग लेते हैं।

**(iv) आर्थिक और सामाजिक स्तर**—आर्थिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिभाशाली बालकों की पहचान किया जा सकता है, सर्वेक्षण के आधार से यह पता चलता है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से सुदृढ़ (मजबूत) परिवार में प्रतिभाशाली बालक अधिक पाए जाते हैं।

**(v) शिक्षण एवं शिक्षा**—शिक्षण एवं शिक्षा के आधार पर भी प्रतिभाशाली बालकों की पहचान किया जा सकता है। प्रतिभाशाली बालक स्कूल जाने से पहले ही पढ़ना लिखना सीख जाते हैं। प्रतिभाशाली बालक अपने पाठ्यक्रम से अधिक विषयों में भी रुचि रखते हैं, उनमें आत्म मूल्यांकन योग्यता अधिक होती है।

इस प्रकार, प्रतिभाशाली बालक के उपर्युक्त यही लक्षण होते हैं, जिनके आधार पर इन्हें आसानी से पहचाना जा सकता है और ये लक्षण बचपन से ही दिखाई पड़ने लगते हैं, खास कर बुद्धि के आधार पर प्रतिभाशाली बालकों की पहचान आसानी से किया जा सकता है।

प्रतिभाशाली बालक वैसे बालक को कहा जाता है जिनकी I.Q. औसत बालकों से अधिक होती है। टरमैन तथा मेरिल के अनुसार, जिसकी बुद्धिलब्धि 140 या उससे अधिक होती है तो उसे हम प्रतिभाशाली बालक कहते हैं। गोडार्ड के अनुसार, 130 I.Q. वाले बालक को प्रतिभाशाली बालक कहा जाता है। **हॉलिंगवर्थ** के अनुसार, प्रतिभाशाली बालकों की योग्यता और क्षमता अपने आयु-स्तर के बालकों से श्रेष्ठ होती है।

प्रतिभाशाली बालकों की मुख्य रूप से निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं–

(i) प्रतिभाशाली बालकों की बुद्धि सामान्य बालकों की अपेक्षा ज्यादा होती है।

(ii) प्रतिभाशाली बालकों के I.Q. ज्यादा होने के साथ-साथ साधारणत: उनका शारीरिक गठन औसत बच्चों से अच्छा होता है।

(iii) प्रतिभाशाली बालकों में सामाजिक और संवेगात्मक परिपक्वता अधिक होती है।

(iv) प्रतिभाशाली बालकों में नेतृत्व गुण भी अधिक पाया जाता है।

**22.** मानव व्यवहार पर प्रदूषण की समस्या एक नई समस्या नहीं है। पहले सरकार का ध्यान इस और नहीं गया था, लेकिन आज खासकर शहरी क्षेत्रों में सरकार इस और काफी सचेत है। प्रदूषण को भी मुख्य रूप से दो भागों में बाँटा गया है– (i) वायु प्रदूषण एवं (ii) जल प्रदूषण।

**(i) वायु प्रदूषण**—शहरी क्षेत्रों में विशेषकर महानगरों में वायु प्रदूषण की समस्या एक गंभीर समस्या है। वाहनों से फैलने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए CNG गैस का उपयोग किया जा रहा है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कल-कारखानों को हटाने के लिए न्यायालय ने आदेश दिया है। आगरा में ताजमहल को कल-कारखानों से उठने वाले धुआँ से बचाने के लिए उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया है कि ताजमहल के इर्द-गिर्द जितने भी कल-कारखाने हैं, उसे हटा दिया जाए। प्रदूषण से व्यक्ति के ऊपर दूरगामी एवं तात्कालिक प्रभाव पड़ता है। इसके कारण शारीरिक क्षति होती है। इसमें कई प्रकार के शारीरिक रोग होने की संभावना बढ़ जाती है, जिसके कारण मनुष्य की कार्य क्षमता घट जाती है। वायु प्रदूषण के कारण व्यक्ति के ऊपर मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी पड़ता है।

**(ii) जल प्रदूषण**—जल प्रदूषण का प्रभाव भी व्यक्ति के व्यवहार पर पड़ता है। आजकल जनसंख्या में इतनी वृद्धि हो गई है कि स्वच्छ पानी की आपूर्ति संभव नहीं है। पीने का पानी दूषित हो रहा है। जगह-जगह में पानी का पाइप फट गया है। दूषित पानी पीने के कारण व्यक्ति कई तरह के रोगों जैसे पीलिया रोग आदि से ग्रसित हो जाता है, जिसके फलस्वरूप व्यक्ति में शारीरिक कमजोरी, चिड़चिड़ापन इत्यादि आ जाती है।

इस प्रकार प्रदूषण भी मानव व्यवहार को काफी प्रभावित करता है।

**23.** इस विकार में व्यक्ति की संवेगात्मक अवस्था में रूकावट उत्पन्न हो जाती है। व्यक्ति में सबसे ज्यादा अवसाद भावदशा विकार होता है। इसमें व्यक्ति के अन्दर नकारात्मक भावनाएँ उत्पन्न हो जाती हैं। कभी-कभी व्यक्ति पर अवसाद इस कदर हावी हो जाता है कि वह मृत्यु तक करने की सोच लेता है। यह एक प्रकार का विकार है जिसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार पर पड़ता है।

सामान्य तौर पर व्यक्ति इस अवसाद से तब ही ग्रस्त होता है जब उसके दिल पर कोई गहरी चोट लगी हो।

मुख्य भावदशा विकार में तीन प्रकार के विकार होते हैं–

**(i) अवसादी विकार**—इस प्रकार के रोगियों में उदास होने, चिन्ता में डूबे रहने, शारीरिक तथा मानसिक क्रियाओं की कमी, अकर्मण्यता, अपराधी प्रवृत्ति आदि के लक्षण पाए जाते हैं।

**(ii) उन्मादी विकार**—उन्मादी विकार में रोगी हर समय खुश दिखाई देता है। वह हर समय सन्तुष्ट तथा चुस्त दिखाई पड़ता है। वह प्राय: नाचना, गाना, दोड़ना, बातचीत करना, बड़बड़ाना, चिल्लाना आदि हरकतें करना ज्यादा पसन्द करता है।

**(iii) द्विध्रुवीय भावात्मक विकार**—मनोदशा विकारों को इस मनोव्याधिकीय श्रेणी में रखने के लिए यह आवश्यक है कि उसमें उत्साह और अवसाद दोनों के आक्षेप हों। एक बार उत्साह के आक्षेप के साथ-साथ अवसादी आक्षेप होता है। कुछ रोगियों में उत्साही (उन्मादी) आक्षेप एकदम से प्रकट हो जाते हैं तथा दो सप्ताह से छ: माह तक रहते हैं। इसके मध्य भी व्यक्ति पूर्ण रूप से ठीक रहता है। अवसाद आक्षेप या तो इसके तुरन्त बाद ही हो जाते हैं या कभी-कभी हो सकते हैं। अवसादी आक्षेपों में रोग के लक्षणों को गंभीरता कम या ज्यादा होती रहती है।

**24.** योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रगति के लिए किया जाता है। इसका उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा का सामंजस्य स्थापित करना है। योग के आठ मार्ग, जिसे अष्टांग योग भी कहा जाता है, पतंजलि द्वारा प्रतिपादित किए गए थे और इसमें निम्नलिखित आठ अंग शामिल हैं—

**(i) यम** *(Yama)*—यह सामाजिक आचरण से संबंधित है और इसमें अहिंसा (अहिंसा), सत्य (सत्यवचन), अस्लेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (इंद्रिय नियंत्रण) और अपरिग्रह (लोभ न करना) शामिल है।

**(ii) नियम** *(Niyama)*—यह व्यक्तिगत अनुशासन से संबंधित है और इसमें शौच (पवित्रता), संतोष (संतोष), तप (तपस्या), स्वाध्याय (आत्म-अध्ययन) और ईश्वर-प्राणिधान (ईश्वर के प्रति समर्पण)शामिल हैं।

**(iii) आसन** *(Asana)*—यह शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास है जो शरीर की दृढ़ता, लचीलापन और स्वास्थ्य में सुधार करता है।

**(iv) प्राणायाम** *(Pranayama)*—इसमें श्वास की विभिन्न तकनीके शामिल है जो मन को शांत करने और ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाने में मदद करती है।

**(v) प्रत्याहार** *(Pratyahara)*—यह इंद्रियों को बहारी वस्तुओं से वापस लेने का अभ्यास है, जिससे आंतरिक आत्म-साक्षात्कार की ओर अग्रसर हो सकें।

**(vi) धारणा** *(Dharana)*—यह मन को एक बिंदु या विचार पर केंद्रित करने का अभ्यास है, जिससे एकाग्रता कीशक्ति विकसित होती है।

**(vii) ध्यान** *(Dhyana)*—यह गहन ध्यान और चिंतन की अवस्था है, जहाँ मन एक निरंतर प्रवाह में ध्यान के विषय पर केंद्रित रहता है। इस अवस्था में व्यक्ति आंतरिक शांति और स्थिरता का अनुभव करता है।

**(viii) समाधि** *(Samadhi)*—यह योग की अंतिम अवस्था है, जहाँ व्यक्ति एक साथ चेतना की उच्चतम अवस्था में पहुँचता है। इस अवस्था में, व्यक्ति का आत्म-बोध समाप्त हो जाता है और वह अनुभव करता है कि उसकी आत्मा और विश्व की आत्मा और विश्व की चेतना एक है। इस अवस्था में, व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत पहचान से परे एक सार्वभौमिक अस्तित्व के साथ पूर्ण एकता का अनुभव करता है। समाधि योग का उचतम लक्ष्य है और इसे आत्म-ज्ञान या मोक्ष क अवस्था माना जाता है।

इन आठ अंगों के माध्यम से, योग व्यक्ति को न केवल शारीरिक स्वास्थ्य और लचीलापन प्रदान करता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्म-नियंत्रण और आंतरिक ज्ञान भी विकसित करता है। यह एक व्यापक दर्शन और जीवन जीने की कला के रूप में कार्य करता हे, जो न केवल व्यक्तिगत उन्नति पर बल देता है, बल्कि समय आध्याथ्तमक उन्नति पर भी जोर देता है।

**25. फ्रिट्ज हाइडर** के द्वारा प्रस्तावित संतुलन का संप्रत्यय, जिसे कभी-कभी **पी.ओ.एक्स** त्रिकोण के रूप में व्यक्त किया जाता है, अभिवृत्ति के तीन घटकों या पक्षों को निरूपित करता है। इसमें **पी** वह व्यक्ति है जिसकी अभिवृत्ति का अध्ययन किया जाना, **ओ** एक दूसरा व्यक्ति है तथा **एक्स** एक विषयवस्तु है, जिसके प्रति अभिव्यक्ति का अध्ययन करना है। यह भी संभव है कि ये तीनों व्यक्ति ही हों यदि **पी-ओ** अभिवृत्ति के बीच एक असंतुलन की अवस्था होती है तो अभिवृत्ति में संतुलन की दिशा में परिवर्तन होता है।

जब तीनों भुजाएँ सकारात्मक हों अथवा दो भुजाएँ नकारात्मक एवं एक भुजा सकारात्मक हो तो संतुलन की स्थिति होती है।

एक उदाहरण द्वारा इसे स्पष्ट किया जा सकता है। मान लिया कि एक व्यक्ति **( पी )** की दहेज के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति है, दूसरा व्यक्ति **( ओ )** का दहेज के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति है तथा दहेज अभिवृत्ति की विषय वस्तु **( एक्स )** है। **( पी )** अपने पुत्र का विवाह **( ओ )** की पुत्री से करने की योजना बना रहा है। अर्थात् **पी-एक्स** सकारात्मक, **ओ-एक्स** नकारात्मक तथा **ओ-पी** सकारात्मक है। इस प्रकार बने त्रिकोण में एक नकारात्मक तथा दो सकारात्मक अभिवृत्ति है जो असंतुलन की स्थिति है। अत: संतुलन के लिए तीनों में से किसी एक अभिवृत्ति में परिवर्तन करना होगा। अर्थात् तीनों सकारात्मक या दो नकारात्मक एवं एक सकारात्मक संबंध बनाना पड़ेगा।

**26.** गरीबी या निर्धनता को दूर करने के निम्नलिखित उपाय हैं–

**(i) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण–** गरीबी या निर्धनता को दूर करने के लिए सरकार कई आवश्यक कदम उठा सकती है–

(क) बाल-विवाह पर रोक लगाया जा सकता है।

(ख) परिवार नियोजन कराने वालों को सकारात्मक प्रोत्साहन और परिवार नियोजन नहीं कराने वालों को नकारात्मक प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

(ग) दूरदर्शन, सिनेमा, रेडियो आदि माध्यमों से विशेष रूप से देहात के पुरुषों तथा स्त्रियों को परिवार नियोजन के लाभों से अवगत कराया जा सकता है।

(घ) परिवार नियोजन के सुलभ साधनों को उपलब्ध कराया जा सकता है।

**(ii) सम्पति का न्यायसंगत वितरण**—गरीबी उन्मूलन के लिए यह भी एक आवश्यक उपाय है कि धन या सम्पत्ति का विभाजन धनी तथा

गरीब लोगों के बीच न्यायसंगत रूप से किया जाए। ऐसा करने से एक लाभ तो अवश्य होगा कि धनी तथा निर्धन के बीच तेजी से बढ़ती हुई दूरी रूक जाएगी।

**(iii) रोजगार के अवसर में वृद्धि**—गरीबी या निर्धनता को दूर करने के लिए कारगर उपाय यह है कि सरकार तथा समाज के जागरूक एवं सक्षम सदस्यों को चाहिए कि रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। सरकार को चाहिए कि वह कुछ ऐसी व्यवस्था करें कि लोगों को नौकरी या व्यवसाय के रूप में रोजगार का अवसर मिले ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में उन्नति हो सकें इसी तरह समाज के सक्षम व्यक्तियों को चाहिए कि छोटे-बड़े उद्योगों की स्थापना करें ताकि जरूरतमन्द व्यक्तियों को रोजगार मिले और उन्हें अपनी निर्धनता को दूर करने का अवसर मिल सकें

**(iv) गलत विश्वासों का उन्मूलन**—निर्धनता उन्मूलन के लिए यह भी आवश्यक है कि लोगों के गलत विश्वासों का उन्मूलन किया जाए। लोगों को समझाया जाए कि प्रत्येक मानव कर्मप्रधान है। भगवान उसी की मदद करता है जो अपनी मदद स्वयं करने के लिए तैयार रहता है। महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका से भी यही शिक्षा मिलती है। इस तरह धार्मिक अन्धविश्वासों से मुक्ति मिल जाने पर व्यक्ति श्रम कर सकता है और उसकी निर्धनता का किसी दिन अन्त हो सकता है।

**(v) ग्राम उत्थान**—गरीबी को दूर करने के लिए शहर से अधिक देहात का उत्थान आवश्यक है। कारण, शहर की अपेक्षा गाँव के लोग निर्धनता के अधिक शिकार होते हैं। अत: सरकार तथा समाज के जागरूक एवं सक्षम व्यक्तियों को चाहिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी, गैर-सरकारी योजनाओं की व्यवस्था करके वहाँ के गरीब लोगों को रोजगार का अवसर दें ताकि वे अपनी निर्धनता को दूर कर सकें। यह बात सही है कि सरकार ने इस दिशा में जवाहर रोजगार योजना, महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार योजना आदि कई परियोजनाओं की व्यवस्था की है।

अत: निर्धनता को दूर करने के कई उपाय हैं जिनका उपयोग करके सामाजिक समस्या को दूर किया जा सकता है।

❑ ❑ ❑

# भूगोल (GEOGRAPHY)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

**समय : 3 घंटा 15 मिनट ]** **[ पूर्णांक : 70**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश—**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : **खण्ड-'अ'** एवं **खण्ड-'ब'**।
6. **खण्ड-अ** में 70 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 35 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 35 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 35 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में 20 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **प्रश्न संख्या 1 से 70 तक के लिए चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से सिर्फ एक सही है। चुने गए सही विकल्प को OMR-शीट पर चिह्नित करें। सिर्फ 35 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।** **35×1=35**

**1.** इनमें से 'नरमा' किससे संबंधित है ?
(A) जूट (B) कपास
(C) कहवा (D) इनमें से कोई नहीं

**2.** इनमें से कौन आर्थिक भूगोल का एक उपक्षेत्र नहीं है ?
(A) संसाधान भूगोल (B) औद्योगिक भूगोल
(C) कृषि भूगोल (D) लिंग भूगोल

**3.** किसने नवनिश्चयवाद की संकल्पना प्रस्तुत की ?
(A) रिटर (B) हम्बोल्ट
(C) ग्रिफिथ टेलर (D) सेम्पल

**4.** निम्नलिखित में से कौन विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है ?
(A) अटाकामा (B) भूमध्य रेखीय प्रदेश
(C) दक्षिण-पूर्वी एशिया (D) ध्रुवीय प्रदेश

**5.** निम्नलिखित महादेशों में से किसमें जनसंख्या वृद्धि-दर सर्वाधिक है ?
(A) अफ्रीका (B) दक्षिण अमेरिका
(C) एशिया (D) उत्तर अमेरिका

**6.** जनांकिकी एक उप-शाखा है :
(A) भूआकृति विज्ञान का (B) जनसंख्या भूगोल का
(C) जलवायु विज्ञान (D) परिवहन भूगोल का

7. इनमें से कौन मानव विकास के स्तंभ है ?
(A) समता (B) सतत पोषणीयता
(C) उत्पादकता (D) इनमें से सभी

**8.** इनमें कौन जन स्थानान्तरण का प्रतिकर्ष कारक नहीं है ?
(A) बेरोजगारी (B) महामारी
(C) जल संकट (D) रोजगार के अवसर

**9.** इनमें से कौन जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था का सूचक है ?
(A) उच्च प्रजननशीलता एवं उच्च मर्त्यता
(B) निम्न प्रजननशीलता एवं निम्न मर्त्यता
(C) (A) और (B) दोनों
(D) इनमें कोई नहीं

**10.** किस विज़य के विद्वानों ने मानव विकास सूचकांक विकसित किया है ?
(A) भौतिकी (B) भूगोल
(C) संस्कृत (D) अर्थशास्त्र

**11.** मानव विकास के लिए कौन उपागम प्रो॰ अमर्त्य सेन से जुड़ा है ?
(A) क्षमता उपागम
(B) आधारभूत आवश्यकता उपागम
(C) कल्याण उपागम
(D) आय उपागम

**12.** आरंभिक मानव अपने जीवन-यापन के लिए किन गतिविधियों पर निर्भर थे ?
(A) पर्यटन (B) चलचित्र
(C) आखेट एवं संग्रहण (D) शिक्षा

**13.** चलवासी पशुचारक निर्भर करते हैं :
(A) पशु (B) पक्षी
(C) लोहा (D) कपास

**14.** रेंडियर कहाँ पाए जाते हैं ?
(A) विषुवतीय प्रदेश (B) आर्कटिक प्रदेश
(C) भूमध्यसागरीय प्रदेश (D) इनमें कोई नहीं

**15.** सीमेंट उद्योग आधारित है :
(A) खनिज पर (B) रसायन पर
(C) जंगल पर (D) जानवर पर

**16.** इनमें से कौन औद्योगिक नगर है ?
(A) आरा (B) बोकारो
(C) अजमेर (D) लखनऊ

**17.** इनमें कौन स्लेज से संबंधित है ?
(A) ऊँट (B) रेंडियर
(C) गाय (D) इनमें कोई नहीं

**18.** भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण का प्रचालन कब हुआ था ?
(A) 1994 (B) 1995
(C) 1996 (D) 1997

**19.** निम्नलिखित में से कौन तृतीयक क्रियाकलाप है ?
(A) बुनाई (B) कृषि
(C) आखेट (D) व्यापार

**20.** किस समुद्री मार्ग पर ऑकलैण्ड अवस्थित है ?
(A) दक्षिणी अटलांटिक (B) दक्षिणी प्रशांत
(C) उत्तरी अटलांटिक (D) इनमें से कोई नहीं

**21.** किस नदी पर डुसेलडर्फ पत्तन अवस्थित है ?
(A) राइन (B) डैन्यबू
(C) सीन (D) वोल्गा

**22.** किस देश में खेत से कारखानों तक दूध की आपूर्त्ति पाइपलाइन के जरिए की जाती है ?
(A) यूक्रेन (B) भारत
(C) सूडान (D) न्यूजीलैंड

**23.** भारत में मुक्त आकाश नीति कब प्रारम्भ हुई ?
(A) 1990 (B) 1991
(C) 1992 (D) 1993

**24.** कौन संस्था प्रतिवर्ष मानव विकास रिपोर्ट का प्रकाशन करती है ?
(A) WHO (B) UNICEF
(C) UNDP (D) OPEC

**25.** गहन जीविका कृषि पाई जाती है :
(A) उत्तर पश्चिम कनाडा में (B) दक्षिण पूर्व अफ्रीका में
(C) उत्तर पूर्व रूस में (D) दक्षिण पूर्व एशिया

**26.** मिंस्क मुख्यालय है :
(A) CIS का (B) ASEAN का
(C) OPEC का (D) इनमें से कोई नहीं

**27.** आधुनिक भारत में कुल अनुसूचित भाषाएँ कितनी हैं ?
(A) 101 (B) 51
(C) 22 (D) 11

**28.** मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में कौन भाषा बोली जाती है ?
(A) किरात (B) आर्यन
(C) द्राविडियन (D) निषाद

**29.** किस प्रदेश में प्रलेखित प्राचीनतम नगरीय बस्ती पायी जाती है ?
(A) ह्वांगहो घाटी (B) नील घाटी
(C) सिंधु घाटी (D) मेसोपोटामिया

**30.** प्रयाग एक उदाहरण है :
(A) प्राचीन शहर का (B) आधुनिक शहर का
(C) मध्यकालीन शहर का (D) इनमें से कोई नहीं

**31.** इनमें कौन सांस्कृतिक शहर का उदाहरण है ?
(A) पुष्कर (B) बबीना
(C) दानापुर (D) श्रीनगर

**32.** मऊ उदाहरण है :
(A) शैक्षणिक शहर का (B) गैरिसन शहर का
(C) औद्योगिक शहर का (D) इनमें से कोई नहीं

**33.** निम्नलिखित में कौन भूमि उपयोग वर्गीकरण नहीं है ?
(A) शुद्ध बोया गया क्षेत्र (B) परती भूमि
(C) कृषि योग्य व्यर्थ भूमि (D) सीमान्त भूमि

**34.** हरित क्रांति का सम्बन्ध है :
(A) फसल से (B) मछली से
(C) वन से (D) अंडा से

**35.** इनमें से कौन कॉफी उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है ?
(A) पश्चिमी घाट (B) पूर्वी घाट
(C) सतपुड़ा पर्वत (D) हिमालय पर्वत

**36.** भरमौर जनजातीय क्षेत्र किस राज्य में है ?
(A) मध्य प्रदेश (B) हिमाचल प्रदेश
(C) आन्ध्र प्रदेश (D) अरुणालच प्रदेश

**37.** झाबुआ जिला किस राज्य में है ?
(A) बिहार (B) झारखंड
(C) मध्य प्रदेश (D) छत्तीसगढ़

**38.** इनमें से किसमें सर्वाधिक ग्रामीण आबादी है ?
(A) चंडीगढ़ (B) दादर एवं नागर हवेली
(C) लक्षद्वीप (D) दिल्ली

**39.** आस्ट्रेलिया की राजधानी कहाँ है ?
(A) पर्थ (B) केनबेरा
(C) सिडनी (D) मेलबोर्न

**40.** सनगर संकल्पना किसने दी है ?
(A) पैट्रिक गिडिज (B) जीन गोटमेन
(C) हम्बोल्ट (D) रैटजेल

**41.** झारखंड में कोयला खान कहाँ है ?
(A) राँची में (B) जमशेदपुर में
(C) झरिया में (D) इनमें से कोई नहीं

**42.** घाटशिला कहाँ है ?
(A) बिहार (B) राजस्थान
(C) झारखण्ड (D) गोवा

**43.** भारत का प्रथम तेलशोधन केन्द्र कहाँ है ?
(A) पन्ना (B) सूरत
(C) धानबाद (D) डिगबोई

**44.** इनमें कौन राष्ट्रीय राजमार्ग दिल्ली और कोलकाता को वाराणसी होकर जोड़ता है ?
(A) NH–1 (B) NH–2
(C) NH–3 (D) इनमें से कोई नहीं

**45.** दक्षिण मधय रेलवे का मुख्यालय कहाँ अवस्थित है?
(A) सिकंदराबाद (B) बेंगलुरू
(C) चेन्नई (D) हुबली

**46.** इनमें से कहाँ अनुसूचित जनजाति जनसंख्या नहीं है ?
(A) पंजाब (B) राजस्थान
(C) झारखंड (D) मध्य प्रदेश

**47.** तारापुर संबंधित है :
(A) परमाणु ऊर्जा से (B) सौर ऊर्जा से
(C) पवन ऊर्जा से (D) तापीय ऊर्जा से

**48.** इनमें कौन धार्मिक नगर है ?
(A) इटारसी (B) कांडला
(C) कटनी (D) इनमें से कोई नहीं

**49.** लौह-इस्पात केन्द्र नहीं है ?
(A) भिलाई (B) दुर्गापुर
(C) आगरा (D) बोकारो

**50.** इनमें से कौन सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र है ?
(A) कानपुर (B) नागपुर
(C) शोलापुर (D) इनमें से सभी

**51.** इनमें कौन औद्योगिक नगर नहीं है ?
(A) भद्रावती (B) कोटा
(C) सेलम (D) कानपुर

**52.** इनमें कौन भारत के पूर्वी तट पर स्थित पत्तन नहीं है ?
(A) पारादीप (B) चेन्नई
(C) कोलकाता (D) मुंबई

**53.** मीटर गेज संबंधित है :
(A) सड़क मार्ग से (B) पाइपलाइन से
(C) वायुमार्ग से (D) रेलमार्ग से

**54.** लिग्नाइट संबंधित है :
(A) लौह अयस्क से (B) ताँबा अयस्क से
(C) कोयला से (D) बॉक्साइट से

**55.** कौन स्वर्ण कॉलर वाला सेवा है ?
(A) प्राथमिक क्रिया (B) पंचम क्रिया
(C) द्वितीयक क्रिया (D) इनमें से कोई नहीं

**56.** निम्नलिखित में कौन मृदा अपरदन का कारण नहीं है ?
(A) ऋतुक्षरण (B) वनोन्मूलन
(C) चारण (D) अपवाह

**57.** इनमें से कौन अरहर (तुर) दाल के उत्पादन में अग्रणी है ?
(A) बिहार (B) ओडिशा
(C) महाराष्ट्र (D) पंजाब

**58.** कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान का संबंध है :
(A) बंगाल टाइगर (B) एक सींग वाला राइनो
(C) एशियाई शेर (D) इनमें से कोई नहीं

**59.** भरतपुर पक्षी अभयारण्य का नया नाम क्या है ?
(A) मानस अभयारण्य (B) केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान
(C) सलीमअली पक्षी अभयारण्य (D) पेरियार राष्ट्रीय उद्यान

**60.** निम्नलिखित में कौन ऊर्जा का अनवीकरणीय स्रोत है ?
(A) जल (B) ताप
(C) सौर (D) पवन

**61.** इनमें से कौन भूतापीय ऊर्जा से संबंधित है ?
(A) लाम्बा घाटी (B) पूगा घाटी
(C) भुज (D) इनमें से कोई नहीं

**62.** बंगाल रूबी का संबंध किस खनिज से है ?
(A) कोयला (B) हीरा
(C) अभ्रक (D) मैंगनीज

**63.** इनमें से कौन एक नियोजित नगर है ?
(A) चंडीगढ़ (B) मुरादाबाद
(C) आगरा (D) वाराणसी

**64.** निम्नलिखित में कौन उत्तर भारत का एक नगर नहीं है ?
(A) धानबाद (B) आगरा
(C) पुणे (D) श्रीनगर

**65.** इनमें से कौन प्रमुख चावल उत्पादक राज्य नहीं है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) पश्चिम बंगाल
(C) बिहार (D) राजस्थान

**66.** इनमें से कौन उत्तर भारत की नदी है ?
(A) पेरियार (B) कृष्णा
(C) गोमती (D) पेन्नार

**67.** अंकलेश्वर किस राज्य में है ?
(A) गुजरात (B) राजस्थान
(C) महाराष्ट्र (D) केरल

**68.** इनमें से शिवसमुद्रम का सम्बन्ध किससे है ?
(A) पेट्रोलियम से (B) जूट से
(C) जलविद्युत से (D) बॉक्साइट से

**69.** इनमें कौन प्रदूषक है ?
(A) सीसा (B) जस्ता
(C) सल्फर डाइऑक्साइड (D) ऑक्सीजन

**70.** निम्नलिखित में कौन हेपेटाइटिस का कारण है ?
(A) जल प्रदूषण (B) वायु प्रदूषण
(C) ध्वनि प्रदूषण (D) भूमि प्रदूषण

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 20 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 15 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है।**

**10 × 2 = 20**

**1.** मानवतावाद क्या है ?
**2.** अपकर्ष एवं प्रतिकर्ष कारक में अंतर कीजिए ।
**3.** उत्पादक जनसंख्या क्या है ?
**4.** सामूहिक कृषि क्या है ?
**5.** रबड़ उत्पादक किन्हीं दो देशों के नाम लिखिए।
**6.** औद्योगिक बस्ती से आप क्या समझते हैं ?
**7.** आधारभूत उद्योग को परिभाषित कीजिए।
**8.** तृतीयक क्रियाकलाप के दो उदाहरण दीजिए।
**9.** बाह्यस्त्रेतीकरण क्या है ?
**10.** सड़क परिवहन की किन्हीं दो समस्याओं का उल्लेख कीजिए।
**11.** मानव विकास के संकेतकों के नाम लिखिए।
**12.** प्रकीर्ण और सघन बस्तियों के बीच अंतर कीजिए।
**13.** व्यापारिक नगर क्या है ?
**14.** बंजर भूमि से आप क्या समझते हैं ?
**15.** भारत के दो चाय उत्पादन करने वाले राज्यों के नाम लिखिए।
**16.** पूर्वी भारत की दो नदी बेसिनों का उल्लेख कीजिए।
**17.** जलसंभर प्रबंधन क्या है ?
**18.** बायोगैस क्या है ?
**19.** भारत के दो परमाणु ऊर्जा उत्पादक राज्यों के नाम लिखिए।
**20.** सतत् पोषणीय विकास क्या है ?

■ **प्रश्न संख्या 21 से 26 दीर्घ उत्तरीय हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। $3 \times 5 = 15$**

21. भारतीय कृषि की समस्याओं का उल्लेख कीजिए।
22. उद्योगों को अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
23. समुद्री व्यापारिक मार्गों को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
24. भारत में पेट्रोलियम के उत्पादन एवं वितरण का विवरण दीजिए।
25. भारत में लोहा एवं इस्पात उद्योग के वितरण की व्याख्या कीजिए।
26. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

## व्याख्यासहित उत्तर

### खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**OMR ANSWER-SHEET**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 36. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 2. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 37. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 3. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 38. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 4. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 39. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 5. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 40. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 6. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 41. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 7. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 42. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 8. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 43. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 9. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 44. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 10. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 45. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 11. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 46. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 12. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 47. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 13. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 48. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 14. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 49. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 15. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 50. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 16. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 51. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 17. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 52. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 18. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 53. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 19. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 54. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 20. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 55. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 21. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 56. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 22. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 57. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 23. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 58. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 24. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 59. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 25. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 60. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 26. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 61. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 27. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 62. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 28. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 63. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 29. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 64. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 30. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 65. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 31. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 66. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 32. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 67. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 33. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 68. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 34. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 69. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |
| 35. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ | 70. | Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ |

**ANSWER**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (A) | 2. (D) | 3. (C) | 4. (C) | 5. (A) |
| 6. (B) | 7. (D) | 8. (D) | 9. (A) | 10. (D) |
| 11. (A) | 12. (C) | 13. (A) | 14. (B) | 15. (A) |
| 16. (B) | 17. (B) | 18. (B) | 19. (D) | 20. (B) |
| 21. (A) | 22. (D) | 23. (B) | 24. (C) | 25. (D) |
| 26. (A) | 27. (C) | 28. (D) | 29. (C) | 30. (A) |
| 31. (A) | 32. (B) | 33. (D) | 34. (A) | 35. (A) |
| 36. (B) | 37. (C) | 38. (B) | 39. (B) | 40. (B) |
| 41. (C) | 42. (C) | 43. (D) | 44. (B) | 45. (A) |
| 46. (A) | 47. (A) | 48. (D) | 49. (C) | 50. (D) |
| 51. (D) | 52. (D) | 53. (D) | 54. (C) | 55. (B) |
| 56. (A) | 57. (C) | 58. (A) | 59. (B) | 60. (B) |
| 61. (B) | 62. (D) | 63. (A) | 64. (C) | 65. (D) |
| 66. (B) | 67. (A) | 68. (C) | 69. (C) | 70. (A) |

### खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** 'मानवतावाद' भूगोल में एक दर्शन या दृष्टिकोण है जो मानव अनुभव, मानवीय संस्कृति और व्यक्तिगत पहचान को भूगोलिक अध्ययन केंद्र में रखता है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य मानवीय जीवन और सामाजिक संरचनाओं को उनके भौतिक और प्राकृतिक वातावरण के संदर्भ में समझना है। मानतवावादी भूगोलविद अक्सर ऐसे प्रश्नों पर विचार करते हैं जो मानव अनुभवों, मूल्यों और मानवीय जीवन की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को उनके भौगोलिक संदर्भ में प्रकट करते हैं। इसमें भाषा, कला, साहित्य और धर्म का भी समावेश होता है, और यह ऊन प्रभावों का अध्ययन करता है जो पर्यावरण और स्थानीय भूगोल मानवीय संस्कृति पर डालते हैं।

**2.** प्रवास के प्रतिकर्ष कारक और अपकर्ष कारक में निम्नलिखित अन्तर हैं—

(i) प्रतिकर्ष कारक के अन्तर्गत बेरोजगारी, आजीविका के साधनों की कमी, भुखमरी आदि आते हैं। जबकि अपकर्ष कारक वह स्वेच्छिक प्रवास है जब लोग नगरों में मिलने वाली सुविधाओं एवं आजीविका के बेहतर स्रोतों के प्रति आकर्षित होकर नगरों में प्रवास करते हैं।

(ii) प्रतिकर्ष कारक उद्गम स्थल पर कार्य करते हैं और लोगों को अन्यत्र जाने पर बाध्य करते हैं। जबकि अपकर्ष कारक गंतव्य स्थान में काम के बेहतर अवसर, जीवित रहने की सारी सुविधाएँ जो प्रवासी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

(iii) कृषि पर बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण खाद्यान्नों में कमी होने लगती है। जिसके कारण प्रवास प्रतिकर्ष कारक है, जबकि नगरों में अच्छे आर्थिक अवसरों, शिक्षा तथा मनोरंजन के साधनों के कारण लोग आकर्षित होते हैं।

**3.** 'उत्पादक जनसंख्या' का अर्थ है वह आबादी जो अधिक रूप से है और जो समाज के लिए आर्थिक मूल्य पैदा करती है। यह आम तौर पर उन व्यक्तियों को संदर्भित करता है जो कार्यरत है या काम की तलाश में है। विभिन्न देशों में इस आबादी की आयु सीमा आमतौर पर 15 से 64 वर्ष के बीच होती है, हालांकि यह देश के अनुसार भिन्न हो सकती है। उत्पादक जनसंख्या में नौकरीपेशा लोग, स्वरोजगारी व्यक्ति और अन्य आर्थिक रूप से सक्रिय व्यक्ति शामिल होते हैं। यह आबादी का वह हिस्सा होता है जो राष्ट्रीय आय में योगदान देता है और आर्थिक विकास को संचालित करता है।

**4.** कृषकों के एक समूह द्वारा अपने समस्त संसाधन (जैसे—भूमि, पशु धन एवं श्रम) को मिलाकर कृषि कार्य परस्पर सहयोग से करना ही सामूहिक कृषि कहलाती है ।

**5.** रबड़ उत्पादन में अग्रणी दो देश हैं-थाईलैण्ड और इंडोनेशिया। ये दोनों देश विश्व भर में रबड़ के प्रमुख निर्यातकों में से है।

**6.** 'औद्योगिक बस्ती' एक ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ विशेष रूप से उद्योगों और विनिर्माण संयंत्रों को स्थापित किया जाता है। इस तरह की बस्तियाँ आमतौर पर उन जगहों पर विकसित की जाती है जहाँ उद्योगों के लिए आवश्यक संसाधन जैसे कच्चा माल श्रम, परिवहन और बुनियादी सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध होते हैं। इसमें विभिन्न प्रकार के उद्योग जैसे कि भारी उद्योग, हल्के उद्योग और उच्च-तकनीकी उद्योग शामिल हो सकते हैं। औद्योगिक बस्तियाँ आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के महत्त्वपूर्ण केंद्र होती हैं।

**7.** आधारभूत उद्योग वे उद्योग होते हैं जो अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल या मूलभूत सेवाएँ प्रदान करते हैं। इन्हें अक्सर 'भारी उद्योग' या 'बुनियादी उद्योग' भी कहा जाता है। आधारभूत उद्योग अर्थव्यवस्था की नींव होते हैं क्योंकि वे अन्य उद्योगों को आवश्यक सामग्री और ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसमें इस्पात, सीमेंट, तेल और गै, कोयला और बिजली उत्पादन जैसे उद्योग शामिल होते हैं। ये उद्योग न केवल अन्य उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि वे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**8.** तृतीय क्रियाकलापों में सेवा क्षेत्र की गविधियाँ शामिल होती है। इस क्षेत्र के दो उदाहरण हैं—

**(i) शिक्षा**—स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षिक संस्थान शिक्षा प्रदान करते हैं।

**(ii) स्वास्थ्य सेवाएँ**—अस्पताल, क्लिनिल और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाता चिकित्सा देखभाल और उपचार सेवाएँ प्रदान करते हैं।

**9.** बाह्य-स्त्रोतिकरण वह प्रक्रिया है, जिसमें कोई देश अपने देश के रोजगार को बाहर स्थानांतरित करके कार्य को संपन्न कराता है जैसे-कॉलसेंटर जो भारत में स्थित होकर भी अमेरिकी कंपनियों का कार्य कर रहा बाह्-स्त्रोतिकरण का सबसे ज्यादा लाभ भारत एवं चीन को मिला है जहाँ पर श्रमशक्ति अपेक्षाकृत सस्ती है।

**10.** सड़क परिवहन की दो प्रमुख समस्याएँ हैं—

**(i) यातायात जाम**—शहरी क्षेत्रों में, बढ़ते वाहनों की संख्या और सीमित सड़क क्षमता के कारण अक्सर भारी यातायात जाम होते हैं जिससे समय की बर्बादी और प्रदूषण में वृद्धि होती है।

**(ii) सड़क सुरक्षा**—दुर्घटनाएँ, खराब सड़क की स्थिति और यातायात नियमों का अनुपालन न करने में सड़क सुरक्षा एक बड़ी समस्या बन जाती है, जिससे जीवन और संपत्ति का नुकसान होता है।

**11.** मानव विकास सूचकांक (Human Development Index–HDI) के मुख्य संकेतक हैं—

**(i) जीवन प्रत्याशा** *(Life Expectancy)*—एक बच्चे के जन्म के समय उसके जीवन की अपेक्षित लंबाई।

**(ii) शिक्षा** *(Education)*—औसत शिक्षा अवधि (Expected Years of Schooling) और औसत शिक्षा प्राप्ति अवधि (Mean Years of Schooling)

**(iii) प्रति व्यक्ति आय** *(Per Caita Income)*—एक देश की प्रति व्यक्ति ग्रोस नेशनल इनकम (GNI)।

**12.** प्रकीर्ण और सघन बस्तियों के मुख्य अंतर इस प्रकार हैं—

**(i) घनत्व और फैलाव** *(Density and Spread)*—

- **प्रकीर्ण बस्तियाँ**—इनमें घनत्व कम होता है और मकान एक-दूसरे से दूर-दूर स्थित होते हैं।
- **सघन बस्तियाँ**—यहाँ मकान और ढांचे एक-दूसरे के करीब स्थित होते हैं, जिससे घनत्व अधिक होता है।

**(ii) आबादी** *(Population)*—

- **प्रकीर्ण बस्तियाँ**—आमतौर पर कम आबादी वाली होती है।
- **सघन बस्तियाँ**—अधिक आबादी वाली होती है, खासकर शहरी क्षेत्रों में।

**(iii) जीवन शैली और सुविधाएँ** *(Lifestyle and Facilities)*—

- **प्रकीर्ण बस्तियाँ**—इतने अक्सर सीमित सामाजिक और आर्थिक सुविधाएँ होती हैं।
- **सघन बस्तियाँ**—यहाँ अधिक सुविधाएँ और बेहतर जीवन शैली के विकल्प उपलब्ध होते हैं।

**(iv) संसाधनों का उपयोग** *(Resources Utilization)*—

- **प्रकीर्ण बस्तियाँ**—जमीन और संसाधनों का उपयोग अधिक विस्तृत और कम घना होता है।
- **सघन बस्तियाँ**—यहाँ जमीन और संसाधनों का उपयोग अधिक घना और केंद्रित होता है।

**13.** व्यापारिक नगर वे शहर होते हैं जो मुख्य रूप से व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों पर आधारित होते हैं। इन शहरों की पहचान निम्नलिखित विशेषताओं से होती है—

**(i) व्यापारिक केंद्र**—ये नगर खरीदारी, थोक और खुदरा व्यापार, वित्तीय सेवाओं और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र होते हैं।

**(ii) अर्थव्यवस्था**—इन नगरों की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से व्यापार और सेवा क्षेत्र पर निर्भर करती है, न कि कृषि या उत्पादन पर।

**(iii) अंतरराष्ट्रीय संबंध**—व्यापारिक नगर अक्सर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वाणिज्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वे अन्य देशों के साथ व्यापारिक संबंध रखते हैं।

**(iv) यातायात और परिवर्तन**—इन नगरों में अक्सर उन्नत यातायात और परिवहन की सुविधाएँ होती हैं, जैसे कि बंदरगाह, हवाई अड्डे, रेलवे जंक्शन और राजमार्ग।

**(v) बाजार और मॉल**—ये नगर विभिन्न प्रकार के बाजारों और शॉपिंग मॉल्स के लिए प्रसिद्ध होते हैं, जहाँ स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सामान उपलब्ध होते हैं।

**14.** बंजर भूमि वह भूमि होती है जो कृषि या वनीकरण के लिए अनुपयुक्त होती है। इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं—

**(i) खराब मिट्टी की गुणवत्ता**—बंजर भूमि की मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी होती है, जिससे वह कृषि के लिए अनुपयुक्त हो जाती है।

**(ii) जब निकासी की समस्या**—इस प्रकार की भूमि में अक्सर पानी की निकासी खराब होती है, जिससे जलभराव या सूखा हो सकती है।

**(iii) कम जैव विविधता**—बंजर भूमि पर वनस्पतियों और जीवों की विविधता आमतौर पर कम होती है।

**(iv) मानवीय उपयोगिता में कमी**—इस तरह की भूमि आवासीय, वाणिज्यिक या कृषि उद्देश्यों के लिए अक्सर अनुपयुक्त होती है।

बंजर भूमि को उचित उपचार और प्रबंधन के माध्यम से कभी-कभी उपयोगी भूमि में परिवर्तित किया जा सकता है।

**15.** भारत में चाय उत्पादन करने वाले प्रमुख दो राज्य हैं—

1. असम और 2. पश्चिम बंगाल

**16.** पूर्वी भारत में दो प्रमुख नदी बेसिन हैं—

**(i) गंगा नदी बेसिन**—यह भारत की सबसे बड़ी नदी बेसिन है और पूर्वी भारत के कई राज्यों से होकर बहती है।

**(ii) ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन**—यह बेसिन भी पूर्वी भारत में महत्त्वपूर्ण है, खासकर असम और उत्तरपूर्वी राज्यों में।

**17.** जलसंभर प्रबंधन प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जल संसाधनों का संग्रहण, वितरण और उपयोग किया जाता है। इसके मुख्य पहलू हैं—

**(i) जल संग्रहण**—वर्षा जल, नदी जल और भूमिगत जल को संग्रहित करना।

**(ii) जल संरक्षण**—जल के उपयोग को कुशल और टिकाऊ बनाने के लिए उपाय।

**(iii) जल वितरण**—आवासीय, वाणिज्यिक और कृषि उपयोग के लिए जल का समुचित वितरण।

**(iv) बाढ़ प्रबंधन**—अत्यधिक वर्षा और बाढ़ के जल का प्रबंधन।

**(v) प्रदूषण नियंत्रण**—जल प्रदूषण को रोकने और नियंत्रित करने के उपाय।

यह प्रबंधन सुनिश्चित करता है कि सभी क्षेत्रों और उपयोगकर्ताओं के लिए पर्याप्त, साफ और सुरक्षित जल उपलब्ध हो।

**18.** बायोगैस एक प्रकार का जैविक ईंधन है जो जैविक पदार्थों का एनारोबिक पाचन (ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में) से उत्पन्न होता है। इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं—

**(i) संरचना**—मुख्य रूप से मीथेन ($CH_4$) और कार्बन डाइऑक्साइड ($CO_2$) से मिलकर बनता है, साथ ही थोड़ी मात्रा में अन्य गैसें हो सकती है।

**(ii) उत्पादन**—यह गोबर, किचन वेस्ट, सीवेज और कृषि अवशेषों जैसे जैविक पदार्थों से बनाया जाता है।

**(iii) पर्यावरणीय लाभ**—बायोगैस का उपयोग करने से पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को कम किया जा सकता है, जिससे पर्यावरणीय प्रदूषण में कमी आती है।

**(iv) उपयोग**—बायोगैस का उपयोग गर्मी उत्पन्न करने, बिजली उत्पादन में, और वाहनों में ईंधन के रूप में हो सकता है।

**(v)अवशेषों का उपयोग**—बायोगैस प्लांट से निकलने वाले अवशेष जैविक खाद के रूप में उपयोगी होते हैं।

**19.** भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी दो राज्य हैं—

**(i) महाराष्ट्र**—यहाँ तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थित है, जो भारत का पहला परमाणु ऊर्जा संयंतर है।

**(ii) तमिलनाडु**—कलपक्कम और कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र यहाँ स्थित है, जो महत्त्वपूर्ण ऊर्जा उत्पादन केंद्र है।

**20.** 'सतत पोषणीय विकास' (Sustainable Nutrition Development) एक ऐसा दृष्टिकोण है जो स्वास्थ्यप्रद और पोषक आहार की उपलब्धता को सुनिश्चित करते हुए पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखने पर जोर देता है। इसके मुख्य पहलू है—

**(i) पोषण सुरक्षा**—सभी लोगों को पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक आहार की उपलब्धता।

**(ii) टिकाऊ कृषि प्रथाएँ**—कृषि उत्पादन को ऐसे तरीकों से बढ़ावा देना जो पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो।

**(iii) खाद्य अपव्यय में कमी**—खाद्य उत्पादन, प्रसंस्करण, परिवहन और खपत के हर चरण में अपव्यय को कम करना।

**(iv) पारिस्थितिकी और जैव विविधता का संरक्षण**—प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और जैव विविधता को बनाए रखना।

**(v) समावेशी और समग्र विकास**—सभी समुदायों तक पोषण संबंधी संसाधनों की पहुँच सुनिश्चित करना।

**21.** कृषि के विकास के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि को प्राथमिकता दी गई है। कृषि के आधुनिकीकरण तथा पैकेज टेक्नोलॉजी के फलस्वरूप 1960–70 के दशक में हरित क्रांति आई। परन्तु इसके बावजूद भारतीय कृषि को अनेक समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। इनको चार वर्गों में वर्गीकृत किया गया है—

**(i) प्राकृतिक समस्याएँ**—भारतीय कृषि वर्षों से प्राकृतिक समस्याओं से जूझती रही है। इसमें प्राकृतिक आपदाओं जैसे—बाढ़ और सूखा, जल जमाव, परती तथा कृषि योग्य बंजर भूमि, मिट्टी अपरदन, मिट्टी का लगातार उपयोग इत्यादि भारतीय कृषि को प्रभावित कर रही है।

**(ii) आर्थिक समस्याएँ**—भारतीय कृषि के क्षेत्र में एक बड़ी समस्या पूँजी की है। यहाँ के अधिकांश किसानों की स्थिति दयनीय है। यहाँ कृषि के क्षेत्र में निवेश भी बहुत कम पाया जाता है। भारतीय कृषि में उत्पादन लागत अधिक है, जबकि उत्पादित वस्तुओं पर मूल्य कम मिलता है। यहाँ के किसानों को उचित दर से बैंकों से ऋण नहीं मिल पाता। जिसके कारण किसान कृषि में अधिक निवेश नहीं कर सकते। जिसका प्रभाव उत्पादन पर पड़ता है।

**(iii) सामाजिक समस्याएँ**—भारतीय कृषि अनेक समस्याओं से ग्रसित है। इनमें कृषिगत भूमि पर जनसंख्या का बढ़ता बोझ, भूमि सुधार कार्यक्रमों का अप्रभावशाली क्रियान्वयन, शिक्षा की कमी इत्यादि उल्लेखनीय है। जो कि भारतीय कृषि के विकास में बाधक बने हुए है।

**(iv) संरचनात्मक समस्याएँ**—भारतीय कृषि पुराने तकनीकों पर आधारित है। जिससे उत्पादन में वृद्धि नहीं किया जा सकता। यहाँ देश के मात्र 15% भाग पर ही सिंचाई की सुविधा प्राप्त है। भारत में आधुनिक समय में रासायनिक उर्वरकों, उन्नत किस्म के बीजों, ऋण सुविधा, नई विधियों पर आधारित खेती इत्यादि का अभाव है। जिससे कृषि विकास बाधित हो रहा है।

अत: यह कहा जा सकता है कि उल्लेखनीय विकास के बावजूद भारतीय कृषि अनेक समस्याओं से ग्रस्त है।

**22.** उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारक हैं—

**(i) भू-संरचना**—भारी उद्योगों की स्थापना संरचना की दृष्टि से सुदृढ़ भूमि पर होती है। भूमि की सुदृढ़ता का अर्थ भूकंप उक्त भूमि से है। उद्योगों में बड़े पैमाने पर निवेश होता है। संरचनात्मक दृष्टि से कमजोर भूमि पर उद्योगों की स्थापना निवेश के लिए खतरनाक माना गया है। समतल मैदानी भाग उद्योगों की स्थापना के लिए उपयुक्त क्षेत्र है, क्योंकि यहाँ यातायात के साधनों की उपलब्धता है।

**(ii) जलवायु**—उद्योगों की स्थापना में जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उद्योग अधिक गर्म, अधिक ठंढे तथा अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में स्थापित नहीं किए जाते। इसी कारण से उद्योगों की स्थापना मरूभूमि, ध्रूवों तथा भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में नहीं की जाती है। इतना ही नहीं सूती वस्त्र उद्योग जैसे उद्योगों के लिए समशीतोष्ण जलवायु का होना आवश्यक है। इसके उत्तम उदाहरण मुम्बई है।

**(iii) कच्चे माल**—सभी उद्योगों में कच्चा माल का प्रयोग होता है, जिसे सस्ते दर पर उपलब्ध होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं भार ह्रासमूलक कच्चा माल पर आधारित उद्योग कच्चा माल के स्रोत के समीप ही स्थित होते हैं, जैसे—लोहा इस्पात, सीमेंट और चीनी उद्योग आदि।

**(iv) श्रम**—श्रम के दो प्रकार हैं—कुशल एवं अकुशल। बिना श्रम के किसी भी उद्योग को संचालित नहीं किया जा सकता। मुम्बई एवं अहमदाबाद के सूती वस्त्र उद्योग मुख्यत: बिहार और उत्तरप्रदेश से आये श्रमिकों पर आधारित है। स्वीट्रजलैण्ड का घड़ी उद्योग कुशल श्रमिकों पर आधारित उद्योग है।

**(v) शक्ति संसाधन**—उद्योगों को चलाने के लिए शक्ति के संसाधन का होना बहुत जरूरी है। यही कारण है कि पिट्सवर्ग और जमशेदपुर का लोहा-इस्पात उद्योग ऊर्जा के स्रोतों के समीप ही स्थापित हुए हैं।

**(vi) पूँजी**—चाहे छोटे उद्योग हों या बड़े हों, इनकी स्थापना पूँजी की गतिशीलता पर ही निर्भर करती है। बिना पूँजी किसी भी उद्योग को स्थापित करना संभव नहीं है। देश के अन्दर बैंकिंग सेवाओं में विस्तार हो रहा है। फिर भी अशान्त और खतरनाक क्षेत्र में उत्पादन अनिश्चित होता है और ये पूँजी के लिए कम आकर्षक होते हैं।

**(vii) बाजार**—उद्योगों से उत्पादित माल की माँग और वहाँ के निवासियों की क्रय शक्ति को बाजार कहा जाता है। यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया वैश्विक बाजार हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के घने बसे क्षेत्र भी व्यापक बाजार हैं। ये सभी उद्योगों की स्थापना को सहायता पहुँचाते हैं।

**(viii) परिवहन एवं संचार**—कच्चे माल को कारखाने तक लाने और तैयार माल को बाजार तक पहुँचाने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ आवश्यक हैं।

**(ix) सरकारी नीति एवं प्रबन्धन**—संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार कुछ निश्चित क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करती है। देश के संसाधनों के प्रयोग से सर्वोत्तम लाभ के लिए भी विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है। इसके साथ-साथ यह जानना भी आवश्यक है कि उद्योग के लिए चुने गए स्थल अच्छे प्रबंधकों को आकर्षित करने योग्य है या नहीं।

अत: अन्त में यह कहा जा सकता है कि उद्योगों की परम्परागत अवस्थिति में उपर्युक्त कारकों का ही प्रभाव रहता है।

**23. समुद्री या सामुद्रिक जलमार्ग** *(Sea Route Ways)*—महासागरीय भाग सभी दिशाओं में मुड़ सकने वाले ऐसे महामार्ग प्रदान करते है जिनके रखरखाव के लिए किसी प्रकार का कोई व्यय नहीं करना पड़ता है। समुद्री परिवहन के प्रभावित करनेवाले मुख्य कारक इस प्रकार से है ।

(i) सामुद्रिक जलमार्ग द्वारा लम्बी दूरियों तक माल बहुत सस्ते भाड़े में लाया जा सकता है, क्योंकि महासागर प्राकृतिक राजमार्ग हैं; अत: इन्हें बनाने या रखरखाव पर किसी प्रकार का व्यय नहीं होता फिर भी जहाज अन्य वाहनों की अपेक्षा धीरे चलता है। जहाज साधारणत: 8,000 से 10,000 टन बोझा ले जा सकता है, जब कि रेल 1,500 से 4,000 टन ही बोझा ले जा सकती है।

(ii) समुद्री मार्ग सभी दिशाओं में गये हैं, अतएव आवश्यकतानुार जहाज किसी भी दिशा में जा सकते हैं क्योंकि विश्व के सभी महासागर एक-दूसरे मिले हैं, जबकि स्थल भाग एक-दूसरे से अलग हैं।

(iii) समुद्र सभी देशों के लिए खुला रहता है जिससे प्रत्येक देश के जहाज समुद्र का स्वतन्त्रतापूर्वक उपयोग कर सकते हैं। अस्तु, जहाजी कम्पनियों का व्यापार पर एकाधिकार नहीं होता। जहाजों को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ता है। अत: इसमें निरन्तर नवीनतम तकनीक का विकास अनिवार्य है।

(iv) शीघ्र खराब होने वाले पदार्थों के लिए प्रशीतन कोष्ठक, टैंकरों तथा विशेषीकृत जलयानों के विकास ने सागरीय परिवहन को अधिक उपयोगी बना दिया है।

(v) जलयानों में कंटेनरों के उपयोग ने विश्व के प्रमुख बन्दरगाहों पर नौभार निपटान को सुगम बना दिया है।

(vi) यद्यपि खुले सागरों में जहाज किसी भी दिशा में जा सकते हैं किन्तु 80% से अधिक जहाज निश्चित मार्गों पर ही चला करते हैं जो कि तूफानों एवं अन्य आपदाओं से सुरक्षित रहते है। इन मार्गों पर सुविधापूर्वक ईंधन ले सकते हैं और लम्बा चक्कर लगाने से बच जाते हैं क्योकि यथासम्भव जहाज वृहत् वृत्त मार्ग (Gret Circle Route) का अनुसरण करते हैं जो दो स्थानों के बीच सबसे कम दूरी होती है।

**24.** 'पेट्रोलियम' शब्द की उत्पत्ति Petro शैल तथा olium = oil तेल के मिलने से हुई है, अर्थात् पेट्रोलियम हाइड्रोजन और कार्बन का यौगिक है। यह ठोस, तरल या गैस के रूप में पाया जाता है। आधुनिक समाज के लिए यह एक बहुमूल्य उपहार है। इसे साफ करके मिट्टी का तेल, डीजल, पेट्रोल, गैसोलिन, मोम, स्नेहक आदि विभिन्न पदार्थ प्राप्त किए जाते हैं। इसका कोई भी अंश बर्बाद नहीं होता इसलिए इसे 'तरल सोना' (Liquid Gold) कहा जाता है। यह अनेक रासायनिक उद्योगों के लिए कच्चा माल है। वास्तव में पेट्रोलियम आधुनिक सभ्यता की रीढ़ है। जिसका स्थलीय एवं हवाई परिवहन ऊर्जा उत्पादन, सामरिक महत्व के कार्यों आदि में उपयोग किया जाता है।

भारत में 17.2 लाख वर्ग कि०मी० क्षेत्रफल पर तेल पाया जाता है। इसमें से 3 लाख 20 हजार वर्ग कि०मी० क्षेत्र पर अवसादी अपतट क्षेत्र है जो 200 मीटर की गहराई तक मिलता है।

भारत में पेट्रोलियम उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। कुछ वर्ष पूर्व यहाँ का कुल वार्षिक उत्पादन एक माह की जरूरत की पूर्ति ही कर पा रहा था और शेष का आयात करना पड़ता था।

### भारत में पेट्रोलियम उत्पादन

| वर्ष | उत्पादन |
|---|---|
| 1950–51 | 2.69 |
| 1960–61 | 5.13 |
| 1970–71 | 71.85 |
| 1980–81 | 149.25 |
| 1990–91 | 330.21 |
| 2000–01 | 324.26 |
| 2003–04 | 333.80 |

भारत 1950–51 में 2.69 लाख टन पेट्रोलियम का उत्पादन हुआ था। जिसमें लगातार वृद्धि होने से 2003–04 में यह बढ़कर 333.80 लाख टन हो गई। लेकिन अब भी भारत अपनी आवश्यकता का एक तिहाई पेट्रोलियम ही उत्पादित करता है, शेष को सऊदी अरब, कुवैत, ईरान, म्यांमार, इंडोनेशिया आदि देशों से आयात करता है। 1998–99 में भारत ने 585.9 लाख टन पेट्रोलियम का आयात किया था।

भारत सरकार ने खनिज तेल की खोज एवं उत्पादन बढ़ाने के लिए खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना की, जिसे 1994 ई० में निगम में बदल दिया गया।

**(i) ब्रह्मपुत्र घाटी**—यह देश का सबसे पुराना तेल उत्पादक क्षेत्र है, जो 1300 कि०मी० लम्बी पेटी में फैली हुई है। यहाँ के डिगबोई, सुरमा घाटी, नहरकटिया क्षेत्र, मोरन क्षेत्र आदि प्रमुख हैं।

**(ii) गुजरात तट**—यह देश का दूसरा सबसे बड़ा खनिज तेल उत्पादक क्षेत्र है। जिसका विस्तार लगभग 15000 वर्ग कि०मी० क्षेत्र पर फैला है। यह अंकलेश्वर, खम्भात और कल्लोल क्षेत्र में स्थित है।

**(iii) पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र**—यह देश का सबसे प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ लगभग 330 मिलियन टन तेल और 37000 मिलियन घन मीटर तेल प्राकृतिक गैस के भंडार की संभावना है। यहाँ के बम्बई हाई, बसीन तथा अलियानेट प्रमुख तेल क्षेत्र हैं।

**(iv) पूर्वी अपतटीय क्षेत्र**—इसमें गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियों के डेल्टा क्षेत्रों में खनिज तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार हैं।

**25.** लौह-अयस्क भारत का एक आधारभूत खनिज है। भारत में प्रतिवर्ष विश्व का लगभग 4 प्रतिशत लौह-अयस्क उत्पादित किया जाता है। भारत में उत्पादित लौह-अयस्क का लगभग 75 प्रतिशत **हेमेटाइट** (50 से 65 प्रतिशत तक लोहांश) अयस्क से तथा शेष लगभग 25 प्रतिशत **मैग्नेटाइट** (70 से 75 प्रतिशत तक लोहोश) अयस्क से प्राप्त होता है। सन् 2017–18 में भारत में विश्व का लगभग 6 प्रतिशत लौह-अयस्क उत्पादित किया तथा विश्व के लौह अयस्क देशों में भारत का चौथा स्थान रहा।

### संचित भण्डार

वर्ष 2015 मे देश में खनन योग्य मैग्नेटाइट लौह-अयस्क के संचित भण्डार 405.3 करोड़ मी. टन थे जबकि 5.3 करोड़ मी. टन हेमेटाइट अयस्क के संचित भण्डार है। स्पष्ट है कि भारत में लौह-अयस्क की उत्तम कोटि के पर्याप्त भण्डार हैं। उच्च गुणवत्ता वाली लौह-अयस्क खदानें प्रमुख रूप से देश के उत्तर-पूर्वी पठारी भागों में देश के कोयला क्षेत्रों के समीप मिलती हैं। लौह अयस्क भण्डारों की दृष्टि से भारत विश्व का एक सम्पन्न क्षेत्र है।

### लौह-अयस्क उत्पादन क्षेत्रों का वितरण

ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड तथा कर्नाटक भारत के प्रमुख लौह-अयस्क उत्पादक राज्य हैं। वर्ष 2018–19 में उक्त चारों राज्यों द्वारा देश के कुल लौह-अयस्क उत्पादन का 97.3 प्रतिशत लौह-अयस्क उत्पादित किया गया। राजस्थान तथा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा गोवा भारत के लौह-अयस्क उत्पादित करने वाले अन्य राज्य हैं। (तालिका)

**(i) ओडिशा**—ओडिशा राज्य में सुन्दरगढ़, मयूरभंग तथा क्योंझर जिलों में स्थित पहाड़ी शृंखलाओं में लौह-अयस्क के महत्त्वपूर्ण जमाव हैं। मयूरभंज जिले में गुरुमहिसानी, सुलाएपत तथा बादामपहाड़; सुन्दरगढ़ जिले में बोनाई तथा क्योंझर जिले में किरूबुरु लौह-अयस्क की महत्त्वपूर्ण खदानें हैं।

**(ii) छत्तीसगढ़**—राज्य में दुर्ग, दंतेवाड़ा और बस्तर जिलों में उच्च किस्म का लौह-अयस्क खनन किया जाता है। बस्तर जिले में बेलाडोला-राबघाट श्रेणी तथा डल्ली व दुर्ग जिले में राजहरा श्रेणी को खदानें देश कीम हत्त्वपूर्ण लौह अयस्क खदानें हैं।

**(iii) झारखण्ड**—राज्य के पूर्वी और पश्चिमी सिहभूम जिलों में नोआमंडल तथा गुआ खदानें।

**(iv) कर्नाटक**—राज्य के बेल्लारी जिले के संदूर-हास्पेट क्षेत्र, चिकमंगलूरू जिले के कुद्रेमुख तथा बाबा बूदन पहाड़ी क्षेत्र तथा शिवमोगा, चित्रदुर्ग व तुमाकुरू जिले के कुछ क्षेत्रों में लौह-अयस्क की खदानें मिलती हैं।

**26.** विशिष्ट पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में आरंभ हुआ और इसमें उत्तराखंड, मिकिर पहाड़ी और असम की उत्तरी कछार की पहाड़ियाँ, पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग जिला तथा तमिलनाडु के नीलगिरि इत्यादि को मिलाकर 15 जिले शामिल हैं। पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिए बनी राष्ट्रीय समिति ने 1981 में सिफारिश की कि देश के उन सभी पर्वतीय क्षेत्रों को पिछड़े पर्वतीय क्षेत्रों में शामिल कर लिया जाए जिनकी ऊँचाई 600 मीटर से अधिक है और जिनमें जनजातीय उपयोजना लागू नहीं है। राष्ट्रीय समिति ने पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए जो लागू नहीं है। राष्ट्रीय समिति ने पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए जो सुझाव दिए, उनमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा गया था।

- कार्यक्रम का लाभ पहाड़ी क्षेत्र के सभी लोगों तक पहुँचे।
- स्थानीय संसाधनों व प्रतिभाओं का विकास हो सके।
- पहाड़ी लोग अपनी जीविका-निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेश-उन्मुखी बनाएँ व कुछ लाभ कमाना सीखें।
- अन्त: प्रादेशिक व्यापार में पिछड़े अर्थात् पर्वतीय क्षेत्रों का शोषण न होने पाए।
- पिछड़े क्षेत्रों की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाना।
- पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखना। पहाड़ी क्षेत्रों के विकास की योजनाएँ बनाते समय उनकी स्थालाकृति, पारिस्थितिकी व सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखा गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय लोगों को पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, मृदा संरक्षण, वृक्षारोपण तथा उद्यान खेती इत्यादि का प्रशिक्षण देकर तथा उन्हें कार्यक्रमों में शामिल करके स्थानीय संसाधनों का दोहन करना था।

❑❑❑

# गृह विज्ञान (HOME SCIENCE)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

**समय : 3 घंटे 15 मिनट ]** **[ पूर्णांक : 70**

**परीक्षार्थी के लिए निर्देश :**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (1० अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : **खण्ड-'अ'** एवं **खण्ड-'ब'**।
6. **खण्ड-अ** में 70 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 35 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 35 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 35 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में 20 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 70 में से केवल 35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न का चयन करें। चुने गए प्रश्न के सही विकल्प को चिह्नित कर OMR ANSWER-SHEET में रंजित करें।** **35 × 1 = 35**

**1.** इनमें से कौन-सी ग्रंथि इन्सुलिन स्रावित करती है?
(A) पीयूष (B) थाइराइड
(C) अग्नाशय (D) एड्रिनल

**2.** इनमें से कौन मानव शरीर की सबसे छोटी ग्रंथि है?
(A) थाइराइड (B) पीयूष
(C) अग्नाशय (D) एड्रिनल

**3.** वृषण से कौन-सा हार्मोन स्रावित होता है?
(A) थाइरोक्सिन (B) एड्रिनल
(C) इन्सुलिन (D) टेस्टोस्टेरोन

**4.** कौन सी ग्रंथि रक्त के दबाव को नियंत्रित करती है?
(A) अधिवृक्क (B) थाइराइड
(C) पिट्यूटरी (D) इनमें से सभी

**5.** कौन-सा खाद्य समूह रेशे का उत्तम स्रोत है?
(A) वसा एवं तेल (B) फल एवं सब्जियाँ
(C) चीनी एवं गुड़ (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**6.** निम्न में से कौन-सी वस्तु जीवाणुओं से नष्ट नहीं होती है?
(A) गोबर (B) पौधों की पत्तियाँ
(C) खाद्य पदार्थ (D) प्लास्टिक

**7.** उर्वरक के अत्यधिक प्रयोग से होता है—
(A) मृदा प्रदूषण (B) जल प्रदूषण
(C) वायु प्रदूषण (D) उपर्युक्त सभी

**8.** इनमें से कौन अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण का कारण है?
(A) गाड़ी का हार्न (B) संगीत
(C) भाषण (D) हवाई जहाज

**9.** पेयजल रखने का सबसे सुरक्षित तरीका क्या है?
(A) मिट्टी के बर्तन (B) बाल्टी
(C) ढक्कन के साथ कंटेनर (D) ड्रम

**10.** इनमें से कौन-सी बीमारी वायु प्रदूषण के कारण नहीं होती है?
(A) क्षयरोग (B) अस्थमा
(C) हृदयरोग (D) ब्रोकाइटिस

**11.** निम्न में किस वस्तु पर **ISI** मार्क लगाया जाता है?
(A) पाउडर दूध (B) घी
(C) मक्खन (D) खाद्य तेल

**12.** इनमें से कौन सा खाद्य विषाक्तता का कारण है?
(A) संक्रमिक रसोई (B) गंदा पानी
(C) कम पका हुआ भोजन (D) उपर्युक्त सभी

**13.** इनमें से कौन-सा खाद्य संरक्षण का भौतिक तरीका नहीं है?
(A) प्रशीतन (B) निर्जलीकरण
(C) पास्चुरीकरण (D) किण्वन

**14.** निम्नलिखित में से किसे शरीर के निर्माण खंडों के रूप मे जाना जाता है?
(A) प्रोटीन (B) कार्बोहाइड्रेट
(C) विटामिन (D) खनिज

**15.** भोज्य पदार्थों में सस्ते न खाने योग्य पदार्थों के मिलावट को कहते हैं—
(A) अशुद्धता (B) मिलावट
(C) शुद्धता (D) इनमें से सभी

**16.** बच्चों के शारीरिक विकास के लिए किस पोषक तत्त्व की जरूरत होती है?
(A) विटामिन (B) वसा
(C) कार्बोहाइड्रेट (D) प्रोटीन

**17.** मुनाफाखोरी के लिए गेहूँ, चावल और बाजरा में इनमें से क्या मिलाया जाता है?

(A) डण्ठल (B) कंकड़ और पत्थर
(C) लोहे का चूर्ण (D) इनमें से सभी

**18.** इनमें से कौन वसा के स्रोत है—
(A) घी (B) सब्जियाँ
(C) दूध से बने पदार्थ (D) दालें

**19.** जल को कीटाणुरहित करने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है?
(A) चीनी (B) क्लोरीन
(C) फिनाइल (D) कार्बन डाइऑक्साइड

**20.** प्रदूषित भोजन खाने से कौन-सी बीमारी होती है?
(A) आंत्र ज्वर (B) अतिसार
(C) पेचिश (D) इनमें से सभी

**21.** पोषण की कमी से कौन-सा रोग होता है?
(A) इन्फलुएंजा (B) ब्रोंकाइटिस
(C) एनीमिया (D) मलेरिया

**22.** आई सी डी एस द्वारा कौन-सी सेवा प्रदान की जाती है?
(A) टीकाकरण (B) स्वास्थ्य जाँच
(C) परामर्श सेवाएँ (D) इनमें से सभी

**23.** शिशु के शारीरिक क्रियाकलाप का प्रथम परीक्षण है—
(A) वमन (B) दस्त
(C) रूदन (D) हँसना

**24.** किस प्रकार के वस्त्र नवजात के लिए सर्वोत्तम होता है?
(A) सामने से खुलने वाले (B) पीछे से खुलने वाले
(C) ऊपर से खुलने वाले (D) नीचे से खुलने वाले

**25.** निम्न में से कौन-सा आहार शिशु के लिए सर्वोत्तम होता है?
(A) माँ का दूध (B) डब्बा का दूध
(C) गाय का दूध (D) इनमें से सभी

**26.** निम्न में से कौन-सा गर्भावस्था परीक्षण है?
(A) मूत्र परीक्षण (B) रक्त परीक्षण
(C) A और B दोनों (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**27.** शिशु को ठोस आहार कब देना शुरू करना चाहिए?
(A) 6 महीना (B) 3 महीना
(C) 12 महीना (D) 18 महीना

**28.** स्त्रियों में अंडवाहिनी नली की संख्या कितनी होती है?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

**29.** इनमें से कौन-सा दैनिक कार्य व्यक्तिगत स्वच्छता के अंतर्गत नहीं आता है?
(A) ब्रश करना (B) स्नान करना
(C) हाथों की सफाई करना (D) बरतन धोना

**30.** इनमें से कौन गर्भावस्था के दौरान होने वाला तकलीफ है?
(A) उच्च रक्तचाप (B) जी का मिचलना
(C) बार-बार मूत्र त्याग (D) इनमें से सभी

**31.** इनमें से कौन-सा भारत में स्वास्थ्य समस्याओं का कारण है?
(A) मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (B) प्रदूषण
(C) संक्रामक रोग (D) इनमें से सभी

**32.** निम्नलिखित में कौन मध्यवर्ती रंग है?
(A) पीला (B) नीला
(C) लाला (D) केसरी

**33.** इनमें से कौन खाद्य संरक्षण का कारण है?
(A) पोषक मूल्यों में बढ़ोतरी
(B) दैनिक आहार में विविधता
(C) भोज्य पदार्थों को नष्ट होने से बचाना
(D) इनमें से सभी

**34.** आहार आयोजन से बचत होती है—
(A) ईंधन की (B) समय की
(C) ऊर्जा की (D) इनमें सभी

**35.** जल प्रदूषण किसके लिए हानिकारक है?
(A) मनुष्य (B) जानवर
(C) पानी में रहने वाले जीव (D) उपर्युक्त सभी

**36.** कृत्रिम कपड़ों से खून का धब्बा कैसे हटाया जा सकता है?
(A) ब्लीचिंग पाउडर (B) नींबू
(C) नमक (D) चीनी

**37.** रेडिमेड वस्त्र खरीदते समय क्या ध्यान देना चाहिए?
(A) कपड़े की किस्म (B) नाप
(C) मूल्य (D) इनमें से सभी

**38.** पार्टी एवं त्योहार के अवसर पर किस प्रकार के वस्त्रों का चयन करना चाहिए?
(A) विशेष रूप से डिजाईन किया गया
(B) परिसज्जात्मक
(C) आकर्षक
(D) इनमें से सभी

**39.** पेंट या वार्निश के धब्बे सहज ही छूट जाते हैं—
(A) किरासन तेल से (B) तारपीन के तेल से
(C) मिथिलेटेड स्पिरिट से (D) इनमें से सभी

**40.** निम्नलिखित में से कौन वानस्पतिक धब्बा नहीं है?
(A) कॉफी (B) मक्खन
(C) फूल (D) चाय

**41.** मानकीकरण चिह्न दर्शाता है—
(A) वस्तु की गुणवत्ता (B) मिलावट
(C) वस्तु के प्रकार (D) इनमें से कोई नहीं

**42.** मकड़ी के जाले की सफाई करनी चाहिए—
(A) प्रतिदिन (B) प्रति सप्ताह
(C) प्रतिमाह (D) प्रतिवर्ष

**43.** इनमें से कौन सजावट का सिद्धांत नहीं है?
(A) संतुलन (B) सामंजस्य
(C) विरोधाभास (D) योजना

**44.** अगर आप किसी से टकरा जाएँ तो क्या कहना चाहिए?
(A) मुझे खेद है (B) कुछ नहीं करना
(C) हँसना (D) गलती आपकी है

**45.** महिला शरीर में निषेचन कहाँ होता है?
(A) अंडाशय (B) डिंबवाही नालिका
(C) गर्भाशय (D) योनि

**46.** उपभोक्ता के शोषण का मुख्य कारण है—
(A) सूचना का अभाव (B) ज्ञान की कमी
(C) विक्रेता द्वारा मूर्ख बनाना (D) इनमें से सभी

**47.** निम्नलिखित में से कौन कीड़ों के द्वारा संवाहित रोग है?
(A) मलेरिया (B) डेंगू
(C) कालाजार (D) उपर्युक्त सभी

**48.** वस्त्र हमारे शरीर की सुरक्षा करती है—
(A) सर्दी से (B) गर्मी से
(C) वर्षा से (D) उपर्युक्त सभी

**49.** खाद्य विषाक्तता के सबसे आम लक्षण क्या हैं?
(A) मतली एवं उल्टी (B) सर दर्द
(C) बेचैनी (D) उपर्युक्त सभी

**50.** गर्भाशय के अन्दर भ्रूण का पोषण कौन करता है?
(A) गर्भनाल (B) डिंबवाहिनी
(C) झिल्ली (D) A और B दोनों

**51.** सेना रोग किसकी कमी से होता है?
(A) आयोडिन (B) लौह
(C) कैल्सियम (D) पोटेशियम

**52.** रतौंधी किस विटामिन की कमी के कारण होता है?
(A) विटामिन-ए (B) विटामिन-के
(C) विटामिन-डी (D) विटामिन-सी

**53.** निम्नलिखित में से कौन-सी प्रतिरक्षा हमारे अंदर जन्म से मौजूद है?
(A) जन्मजात प्रतिरक्षा (B) सक्रिय प्रतिरक्षा
(C) निष्क्रिय प्रतिरक्षा (D) अर्जित प्रतिरक्षा

**54.** इनमें से किसे सुरक्षात्मक पोषक तत्व के रूप में जाना जाता है?
(A) विटामिन (B) प्रोटीन
(C) कार्बोहाइड्रेट (D) वसा

**55.** निम्नलिखित में से कौन-सा रोग संक्रामक है?
(A) डिप्थीरिया (B) मधुमेह
(C) गठिया (D) कैंसर

**56.** सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कौन-सी गतिविधि चल रही है?
(A) शौचालयों का निर्माण
(B) सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना
(C) कूड़ेदानों का उपयोग
(D) इनमें से सभी

**57.** इनमें से किस खाद्य पदार्थ पर एगमार्क का चिह्न अंकित होता है?
(A) सरसो तेल (B) जैम
(C) अचार (D) शरबत

**58.** इनमें से कौन कैल्शियम का स्रोत है?
(A) दूध (B) दही
(C) पनीर (D) इनमें से सभी

**59.** वस्त्र की धुलाई में इनमें से किस गतिविधि की आवश्यकता पहले होती है?
(A) धब्बा छुड़ाना (B) आयरन करना
(C) धोना (D) मरम्मत करना

**60.** इनमें से कौन-सा निवेश आयकर में छूट प्रदान नहीं करता है?
(A) सावधि जमा (B) जीवन बीमा
(C) भविष्य निधि (D) राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र

**61.** आय एवं व्यय में संतुलन कैसे स्थापित किया जा सकता है?
(A) बजट के अनुरूप व्यय करके
(B) खर्च को कम करके
(C) पारिवारिक सहयोग से
(D) मनोरंजन पर व्यय नहीं करके

**62.** निम्नलिखित में से कौन निवेश का सबसे अच्छा साधन है?
(A) राष्ट्रीय बचत पत्र (B) सोना
(C) जमीन की खरीद (D) मकान

**63.** किसी वस्तु के जलने से कौन-सी गैस उत्पन्न होती है?
(A) ऑक्सीजन (B) कार्बन डाईऑक्साइड
(C) नाइट्रोजन (D) अमोनिया

**64.** 'स्वच्छ भारत अभियान' का टैग लाइन क्या है?
(A) सबका कदम स्वच्छता की ओर
(B) एक कदम स्वच्छता की ओर
(C) हर कदम स्वच्छता की ओर
(D) पहला कदम स्वच्छता की ओर

**65.** इनमें से कौन बचत में मदद करता है?
(A) बैंक (B) पोस्टऑफिस
(C) जीव बीमा (D) इनमें से सभी

**66.** शरीर में थकान का क्या कारण है?
(A) रक्त की कमी (B) पित की कमी
(C) ऑक्सीजन की कमी (D) कैलोरी की कमी

**67.** निम्न में से कौन प्राणिज धब्बा है?
(A) रसदार सब्जी (B) खून
(C) कॉफी (D) फूल

**68.** इनमें से कौन प्रदूषण से होने वाली बीमारी नहीं है?
(A) टाइफाइड (B) क्षयरोग
(C) पेचिस (D) हैजा

**69.** आहार योजना होनी चाहिए—
(A) व्यवहारिक (B) लचीली
(C) विविधता ली हुई (D) उपर्युक्त सभी

**70.** ध्वनि प्रदूषण के कारण हो सकते हैं—
(A) उच्च रक्तचाप (B) बहरापन
(C) अनिद्रा (D) इनमें सभी

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 20 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 10 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है। निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लगभग 40 शब्दों में लिखिए।** **10 × 2 = 20**

**1.** कठोर जल
**2.** गर्भाशय
**3.** उपभोक्ता संरक्षण
**4.** फफूँदी
**5.** जल का संरक्षण
**6.** संतुलित आहार
**7.** पारिवारिक संसाधन
**8.** गृहपयोगी वस्त्रों का चुनाव
**9.** अंडाशय
**10.** पोषक तत्त्व
**11.** धुलाई मशीन
**12.** ऊनी वस्त्रों के संग्रह
**13.** प्रोटीन के कर्य
**14.** पाश्चुराइजेशन
**15.** पुष्प सज्जा
**16.** परिवार नियोजन
**17.** धब्बों के प्रकार
**18.** गृहिणी के मासिक कार्य
**19.** कुपोषण
**20.** आंतरिक सज्जा

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 21 से 26 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर दें। अपने प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।** **3 × 5 = 15**

**21.** भोजन का हमारे जीवन में क्या महत्व है? वर्णन करें।
**22.** कपड़ों के संग्रह से पूर्व नियम क्या है?
**23.** भारत में खुले में शौचालय समस्या का समाधान क्यों मुश्किल है?
**24.** प्रजनन क्रिया में अंडवाही नलिका के योगदान का वर्णन करें।
**25.** बजट से आप क्या समझते हैं? इससे होने वाले लाभ का वर्णन करें।
**26.** अपने घर की रंग-योजना बनाते समय आप किन-किन बातों पर ध्यान देंगे?

## व्याख्यासहित उत्तर

### खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**OMR ANSWER-SHEET**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

**ANSWER**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (C) | 2. (B) | 3. (D) | 4. (A) | 5. (B) |
| 6. (D) | 7. (D) | 8. (D) | 9. (C) | 10. (A) |
| 11. (A) | 12. (D) | 13. (D) | 14. (A) | 15. (B) |
| 16. (D) | 17. (D) | 18. (A) | 19. (B) | 20. (D) |
| 21. (C) | 22. (D) | 23. (C) | 24. (A) | 25. (A) |
| 26. (C) | 27. (A) | 28. (A) | 29. (D) | 30. (D) |
| 31. (D) | 32. (A) | 33. (D) | 34. (D) | 35. (D) |
| 36. (B) | 37. (D) | 38. (D) | 39. (D) | 40. (A) |
| 41. (A) | 42. (B) | 43. (D) | 44. (A) | 45. (B) |
| 46. (D) | 47. (D) | 48. (D) | 49. (D) | 50. (A) |
| 51. (A) | 52. (A) | 53. (A) | 54. (A) | 55. (A) |
| 56. (D) | 57. (A) | 58. (D) | 59. (A) | 60. (A) |
| 61. (A) | 62. (A) | 63. (B) | 64. (A) | 65. (D) |
| 66. (D) | 67. (B) | 68. (B) | 69. (D) | 70. (D) |

### खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** कठोर जल में उच्च मात्रा में मिनरल्स जैसे कैल्शियम और मैग्नीशियम होते हैं। इसका उपयोग घरेलू कामों में नुकसानदायक हो सकता है, जैसे कि साबुन और शैंपू के लिए कम प्रभावी होगा और पानी के उपकरणों में जमाव बढ़ना। हालांकि, यह पीने के लिए सुरक्षित है और कुछ स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान कर सकता है।

**2.** गर्भाशय, महिला प्रजनन प्रणाली का मुख्य अंग, एक मांसपेशीय थैली है जो भ्रूण के विकास के लिए आदर्श स्थिति प्रदान करती है। इसकी आंतरिक परत, एंडोमेट्रियम, मासिक चक्र के दौरान नवीनीकृत होती है, जो गर्भाधान के लिए तैयारी है। गर्भावस्था के दौरान, गर्भाशय बढ़ता है और भ्रूण को सहारा देता है। इसके कार्य और स्वास्थ्य को बनाए रखना महिला स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

**3.** उपभोक्ता संरक्षण, उपभोक्ताओं के अधिकारों और हितों की रक्षा करने के लिए सरकारी नियमों और नीतियों का एक महत्त्वपूर्ण सेट है। यह गलत विज्ञापन, धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार प्रथाओं से उपभोक्ताओं की रक्षा करता है। उपभोक्ता संरक्षण में वारंटी, उत्पाद सुरक्षा और शिकायत निवारण के अधिकार शामिल हैं। इसका उद्देश्य बाजार में पारदर्शिता बढ़ाना और उपभोक्ताओं को सूचित और सुरक्षित खरीदारी निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

**4.** फफूंदी, एक प्रकार का कवक, प्राकृतिक वातावरण और घरों में आमतौर पर पाया जाता है। यह नमीयुक्त, गर्म वातावरण में बढ़ता है और जैविक पदार्थों को अपघटित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फफूंदी के कुछ प्रकार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं, जैसे कि एलर्जी और सांस संबंधी समस्याएँ पैदा करना। इसकी रोकथाम के लिए घरों में नमी को नियंत्रित करना और स्वच्छता बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

**5.** जल संरक्षण, प्राकृतिक जल संसाधनों के सतत उपयोग और सुरक्षा का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। यह जल अपव्यय को कम करने, पुनर्चक्रण और सतत जल प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने पर जोर देता है। जल संरक्षण में वर्षा जल संग्रहण, ड्रिप सिंचाई और कुशल जल उपयोग शामिल हैं। यह प्रदूषण से जल स्रोतों की रक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला करने में मदद करता है जिससे संसाधनों का संतुलन और टिकाऊ विकास सुनिश्चित होता है।

**6.** संतुलित आहार में सभी पोषक तत्त्वों की सही मात्रा शामिल होती है, जो स्वास्थ्य और उचित शारीरिक कार्य के लिए जरूरी है। यह कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन और मिनरल्स का संयोजन होता है। संतुलित आहार में ताजे फल, सब्जियाँ, अनाज, दालें, प्रोटीन और स्वस्थ वसा शामिल होते हैं। यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और दीर्घकालिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

**7.** पारिवारिक संसाधन, जैसे आर्थिक संपत्ति, सामाजिक सम्बन्ध और शैक्षिक संसाधन, परिवार की समृद्धि और सदस्यों के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आर्थिक संसाधन स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि शैक्षिक संसाधन व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के अवसर खोलते हैं। सामाजिक सम्बन्ध, जैसे मित्र और परिवार के संबंध भावनात्मक सहयोग और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं। इन संसाधनों का संतुलित उपयोग पारिवारिक कल्याण और सदस्यों के समय विकास के लिए आवश्यक है।

**8.** गृहप्रयोगी वस्त्रों का चयन करते समय आराम और उपयुक्तता प्रमुख मानदंड होते हैं। ऐसे वस्त्र चुनना चाहिए जो हल्के, सांस लेने योग्य और आसानी से धोने योग्य हो। कपास और लिनन जैसे प्राकृतिक फाइबर घरेलू

कामकाज के लिए आदर्श होते हैं क्योंकि वे त्वचा के लिए सौम्य होते हैं और अधिक पसीना सोखते हैं। रंग और डिजाइन का चयन व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है, लेकिन आमतौर पर हल्के और सुखदायक रंग प्राथमिकता दी जाती है। गृहप्रयोगी वस्त्रों में आराम और सुविधा सबसे महत्त्वपूर्ण होते हैं।

**9.** अंडाशय महिलाओं के प्रजनन तंत्र का एक अहम भाग होते हैं, जो पेल्विक क्षेत्र में स्थित होते हैं। प्रत्येक अंडाशय, अंडे उत्पन्न करता है और यौन हार्मोन एस्ट्रोजन का स्राव करता है। ये हार्मोन मासिक चक्र, गर्भावस्था और यौन विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ओव्यूलेशन के दौरान, अंडाशय से एक परिपक्व अंडा छोड़ा जाता है, जिसे शुक्राणु द्वारा निषेचित किया जा सकता है। अंडाशय संबंधी विकारों में पीसीओएस, किस्अ और कैंसर शामिल हैं, जिनका निदान और उपचार महिला स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। समुचित स्वास्थ्य देखभाल और नियमित जांच इनके स्वास्थ्य को सुनिश्चित करती है।

**10.** पोषक तत्त्व वे अवयव होते हैं जो खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं और जीवन के लिए आवश्यक होते हैं। इनमें मुख्य रूप से प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिज शामिल हैं। प्रोटीन मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत में सहायक होते हैं, कार्बोहाइड्रेट ऊर्जा का मुख्य स्रोत होते हैं और वसा ऊर्जा का संचय और हार्मोन उत्पादन में महत्वपूर्ण होते हैं। विटामिन और खनिज जैसे आयरन, कैल्शियम और जिंक शरीर के विभिन्न कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में सहायक होते हैं। एक संतुलित आहार, जिसमें ये सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में हो, स्वास्थ्य और विकास के लिए आवश्यक है।

**11.** धुलाई मशीन, आधुनिक गृहस्थी की एक अनिवार्य सुविधा, कपड़े धोने के पारंपरिक तरीके को आसान और कुशल बनाती है। इसमें विभिन्न वॉशिंग मोड़ देते हैं, जो विभिन्न प्रकार के कपड़ों के अनुरूप होते हैं, जैसे जेंटल, रेगुलर और हैवी ड्यूटी। कुछ धुलाई मशीनें स्मार्ट तकनीक से लैस होती हैं, जो पानी और बिजली की खपत को ऑप्टिमाइज करती हैं, इस प्रकार पर्यावरण के अनुकूल और अर्थव्यवस्थित होती है। नवीनतम मॉडल्स में स्टीम वॉश, वाई-फाई कनेक्टिविटी और ध्वनि कम करने वाले फीचर्स भी शामिल हैं। यह न केवल समय बचाता है बल्कि दैनिक जीवन को सरल बनाने में भी मदद करता है।

**12.** ऊनी वस्त्रों का संग्रह विशेष रूप से सर्दियों में अपनी गर्माहट और आराम के लिए पंसद किया जाता है। इसमें स्वेटर, स्कार्फ, मफलर और टोपियाँ शामिल होती हैं, जो विभिन्न रंगों, डिजाइनों और बुनाई की शैलियों में उपलब्ध होते हैं। ऊनी वस्त्र न केवल गर्मी प्रदान करते हैं बल्कि स्टाइल और विशिष्टता भी जोड़ते हैं। गुणवत्तापूर्ण ऊन, जैसे मेरिनो और कैशनियर, अतिरिक्त आराम और लक्जरी प्रदान करते हैं। सही देखभाल के साथ, ऊनी वस्त्र लंबे समय तक चलते हैं और सर्दियों के हर मौसम में फैशनेबल और प्रासंगिक बने रहते हैं।

**13.** प्रोटीन, जीवन के लिए अत्यत महत्त्वपूर्ण अणु, कई महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं। वे कोशिका संरचना और संगठन का आधार बनाते हैं, मांसपेशियों की गतिविधि में सहायता करते हैं, और शरीर के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण होते हैं। प्रोटीन एंजाइम के रूप में जैव-रसायनिक प्रतिक्रियाओं को तेज करते हैं, हार्मोन के रूप में संदेश वाहक का काम करते है और एंटीबॉडीज के रूप में रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करते हैं। वे ऑक्सीजन और पोषक तत्वों के परिवहन में भी महत्त्वपूर्ण होते हैं और शरीर के संतुलन और विकास मे सहायक होते हैं।

**14.** पास्चुरीकरण, जिसे पास्चुराइजेशन भी कहा जाता है, एक प्रक्रिया है जिसमें खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों को एक निर्धारित तापमान तक गरम किया जाता है, फिर उसे तेजी से ठंडा किया जाता है। इसप्रक्रिया का उद्देश्य उत्पादों में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं और अन्य पथोजनों को नष्ट करना है, जिससे उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ती है और खाद्य सुरक्ष सुनिश्चित होती है इस प्रक्रिया का सबसे आम उपयोग दूध और उत्पादों में होता है, लेकिन इसे फलों के रस, शराब और अनय पेय पदार्थों पर भी लागू किया जाता है। लुई पास्चर द्वारा 19वीं शताब्दी में विकसित, यह तकनीक आज भी खाद्य उद्योग में महत्त्वपूर्ण है।

**15.** 'पुष्प सज्जा' का अर्थ है फूलों की सजावट। यह कला और संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है, जिसमें विभिन्न प्रकार के फलों का उपयोग करके स्थानों, आयोजन स्थलों या त्योहारों को सजाया जाता है। पुष्प सज्जा में रंगों का चयन, फूलों की विविधता और उनकी व्यवस्था शामिल होती है, जो विशेष अवसरों जैसे शादियाँ, त्योहार, पूजा और समारोहों को अधिक आकर्षक और भावपूर्ण बनाती है। यह न केवल सौंदर्य को बढ़ाता है बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और खुशबू से वातावरण को समृद्ध करता है।

**16.** परिवार नियोजन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या दंपति यह निर्णय लेते हैं कि उन्हें कितने बच्चे चाहिए और उनके बीच की उम्र का अंतर क्या हो। इसमें गर्भनिरोधक तरीकों का उपयोग, सेक्स शिक्षा और प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी शामिल होती है। परिवार नियोजन का उद्देश्य स्वस्थ और संतुलित परिवार का निर्माण करना है, जिससे बच्चों और माता-पिता के स्वास्थ्य और विकास की जरूरतें पूरी होती है। इससे अनचाहे गर्भाधान की संख्या कम होती है, स्त्री और शिशु मृत्यु दर में कमी आती है और परिवार की आर्थिक स्थिरता बढ़ती है।

**17.** धब्बों के प्रकार उनके स्रोत, संरचना और हटाने की विधि के आधार पर विभिन्न होते हैं। कुछ प्रमुख प्रकार हैं—

**(i) प्रोटीन आधारित धब्बे**—खून, पीसना, अंडे, दूध और अन्य बॉडी फ्लूइड्स से उत्पन्न।

**(ii) तेल और वसा आधारित धब्बे**—खाने के तेल, मक्खन, ग्रीस और वनस्पति तेल से।

**(iii) कार्बोहाइड्रेट आधारित धब्बे**—फलों का रस, शराब, सॉस और मीठे पदार्थों से।

**(iv) टैनिन आधारित धब्बे**—चाय, कॉफी, वाइन और जूस से।

**(v) डाई आधारित धब्बे**—पेन इंक, हेयर डाई और कलर्ड ड्रिंक्स से।

**(vi) रसायनिक धब्बे**—पेट, ब्लीच और अन्य रासायनिक पदार्थों से।

**18.** एक गृहिणी के मासिक कार्यों में विविधता होती है और ये कार्य उनके परिवार और घर की आवश्यकताओं पर निर्भर करते हैं मासिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं—

**(i) रसोई प्रबंधन**—मासिक भोजन की योजना बनाना, खाद्य सामग्री की खरीदारी करना और भंडारण।

**(ii) घर की सफाई**—गहन सफाई जैसे खिड़कियों, पर्दो और अलमारियों की सफाई।

**(iii) बजट प्रबंधन**—मासिक बजट तैयार करना और खर्चों का हिसाब रखना।

**(iv) कपड़ों की देखभाल**—कपड़ों की धुलाई, इस्त्री और मरम्मत।

**(v) बच्चों की देखभाल**—बच्चों की पढ़ाई, गतिविधियों और स्वास्थ्य का ध्यान रखना।

**(vi) घरेलू मरम्मत और रखरखाव**—घरेलू उपकरणों और संरचना की देखभाल।

**(vii) त्योहार और सामाजिक आयोजन**—त्योहारों और सामाजिक समारोहों की तैयारी और संचालन।

**(viii) व्यक्तिगत समय प्रबंधन**—स्वयं के लिए समय निकालना और व्यक्तिगत शौक या आराम का पालन करना।

**19.** कुपोषण एक ऐसी स्थिति है जहाँ व्यक्ति को आवश्यक पोषण तत्त्व उचित मात्रा में नहीं मिल पाते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यह दो प्रकार का हो सकता है—

**(i) क्वाशिओकोर**—यह प्रोटीन की कमी से होता है। इसमें शरीर में सूजन, पतली मांसपेशियाँ और विकास में देरी जैसे लक्षण होते हैं।

**(ii) मरास्मस**—यह उचित कैलोरी की कमी के कारण होता है। इसमें अत्यधिक वजन कम होना और मांसपेशियों का क्षय होता है।

कुपोषण के अन्य रूपों में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी जैसे कि विटामिन और खनिजों की कमी भी शामिल है। यह स्थिति विशेषकर बच्चों में गंभीर समस्या हो सकती है, क्योंकि इससे उनके विकास और सामान्य स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। उचित पोषण, स्वास्थ्य सेवाएँ और स्वास्थ्य शिक्षा से कुपोषण को रोका जा सकता है।

**20.** आंतरिक सज्जा, जिसे इंटीरियर डिजाइनिंग भी कहा जाता है, एक कलात्मक और व्यवहारिक दृष्टिकोण से स्थानों की सजावट और डिजाइनिंग की प्रक्रिया है। इसमें निम्नलिखित तत्व शामिल होते हैं—

**(i) रंग संयोजन**—स्थान के अनुसार दीवारों, फर्नीचर और सजावटी सामग्री के रंगों का चयन।

**(ii) फर्नीचर और लेआउट**—कमरे के आकार और उपयोग के अनुसार फर्नीचर का चयन और व्यवस्था।

**(iii) प्रकाश व्यवस्था**—प्राकृतिक और कृत्रिम प्रकाश का संतुलन तथा इसका उपयोग।

**(iv) फैब्रिक और टेक्सचर**—पर्दे, कालीन और अन्य फैब्रिक का चयन जो स्पेस के आरामदायक बनाते हैं।

**(v) एक्सेसरीज और आर्टवर्क**—सजावटी वस्तुओं और कलाकृतियों का उपयोग, जो कमरे को व्यक्तित्व और शैली प्रदान करते हैं।

**(vi) फंक्शनलिटी**—स्थान की उपयोगिता और आराम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन का निर्माण।

**21.** भोजन हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण है, और इसका महत्व कई आयामों में विस्तृत है—

**(i) शारीरिक स्वास्थ्य**—भोजन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है, जैसे कि विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट। ये शरीर के सही कामकाज, वृद्धि और मरम्मत के लिए आवश्यक है।

**(ii) मानसिक स्वास्थ्य**—कुछ खाद्य पदार्थ मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, ओमेगा-3 फैटी एसिड और बी-विटामिन्स मस्तिष्क के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं।

**(iii) सांस्कृतिक और सामाजिक महत्त्व**—भोजन विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। उत्सव, समारोह और धार्मिक अनुष्ठान अक्सर विशेष खाद्य पदार्थों के आपास केंद्रित होते हैं।

**(iv) भावनात्मक आराम**—खाना भी एक भावनात्मक आराम प्रदान कर सकता है। कुछ लोग तनावपूर्ण या दुखद समय में अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों की ओर रुख करते हैं।

**(v) जीवन शैली और स्वास्थ्य चुनाव**—आहारी संबंधी पसंद एक व्यक्ति की जीवन शैली और स्वास्थ्य की स्थिति को प्रतिबिंबित करती है। संतुलित आहार एक स्वस्थ जीवन शैली का समर्थन करता है।

**(vi) आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव**—भोजन उत्पादन और उपभोग में विश्व अर्थ व्यवस्था और पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। कृषि उत्पादन, परिवहन, और खाद्य संसाधन के तरीके जल और भूमि संसाधनों का उपयोग करते हैं। और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं। इस प्रकार, खाद्य विकल्पों का पर्यावरणीय स्थिरता पर प्रभाव पड़ता है।

**(vii) शिक्षा और जागरूकता**—भोजन और पोषण के बारे में जागरूकता से लोग स्वस्थ आहार विकल्पों के महत्व को समझते हैं। इससे बेहतर स्वास्थ्य आदतें और खाद्य सुरक्षा में सुधार होता है।

**22.** कपड़ों के संग्रह करने से पूर्व कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक है। वस्त्रों का सही तरह उपयोग करना एक कला है। इसके अभाव में वस्त्रों में विकार आ जाते हैं तथा वे शीघ्र ही अपना आकर्षण खो देते हैं। वस्त्रों का उपयुक्त रीति से प्रयोग करने के लिए निम्नलिखित तथ्यों का ध्यान रखना चाहिए—

(i) बटन वाले वस्त्रों को प्रयोग करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सुविधानुसार बटन खुले हो।

(ii) यदि नाखून बढ़े हों तो हौजरी के वस्त्र पहनते समय विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

(iii) ऊनी वस्त्र; जैसे—स्वेटर, जर्सी आदि पहनते या उतारते समय खींचना नहीं चाहिए।

(iv) बैठते समय सावधानी से बैठे, जिससे कि वस्त्रों में सलवट आदि न पड़े।

(v) वस्त्र पहनने से पूर्व यह जाँच लें कि वस्त्र कहीं से फटा या उधड़ा तो नहीं। यदि ऐसा है तो उसे पहले ठीक कर लेना चाहिए।

(vi) जहाँ पर भी बैठें, वह स्थान व चिकनी सतह वाला या मुलायम होना चाहिए। खुरदरी सतह; जैसे—दीवार, ईंट का फर्श आदि पर बिना किसी ऊपरी बिछावन के नहीं बैठना चाहिए।

(vii) कपड़ों को बदलने से पहले सभी प्रकार के पिन, साज-सज्जा का सामान तथा पेटियाँ आदि उतार लेना चाहिए। इनसे कपड़े फट सकते हैं या इनमें छेद हो सकते हैं।

(viii) वर्षा के दिनों में छाते का प्रयोग करना चाहिए, ताकि कपड़े पानी अथवा कीचड़ से खराब न होने पाएँ।

**23.** आज भी भारत की विशालतम जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। गाँव में रहने वाले कुछ लोग रूढ़ीवादी विचार के होते हैं। वे शुद्धता और स्वच्छता की परिभाषा रूढ़ीवादी विचारधारा के आधार पर देते हैं और खुले में शौच करना हितकर मानते हैं।

आज भारत सरकार खुले में शौच के समाधान करने में लगा है लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। इस समस्या का समाधान न होने के निम्नलिखित कारण हैं—

**(i) अर्थव्यवस्था में कमी**—आज भारत में ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्रों में रह रहे लोगों के पास अर्थ की कमी है जिसके कारण लोग शौचालय नहीं बना पा रहे हैं। ग्रामीण और शहरी मजदूर पारिवारिक खर्च में ही तबाह रहते हैं।

**(ii) स्थान की कमी**—आज के भारतीय समाज एकल परिवार में रहना पसंद करते हैं। जिसके कारण पारिवारिक बँटवारा होता जा रहा है।

जिसके चलते स्थान (जगह) की कमी होती जा रही है। इसी कारण लोग चाह कर भी शौचालय का निर्माण नहीं कर पा रहे हैं।

**(iii) शिक्षा का अभाव**—आज भारत में बहुत से परिवार हैं जो अशिक्षित हैं। इस कारण शौचालय में शौच और खुले में शौच के लाभ-हानि को नहीं समझ रहे हैं और खुले में शौच करना ही हितकर समझते हैं।

**(iv) जनप्रतिनिधियों की उदासीनता**—ग्राम या नगर जनप्रतिनिधियों के द्वारा स्वच्छता और शुद्धता के प्रति कोई विशेष ध्यान नहीं है।

**24.** प्रजनन क्रिया में अंडवाही नलिका, जिसे फैलोपियन ट्यूब भी कहा जाता है, का एक महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। यह योगदान निम्नलिखित चरणों में विभाजित किया जा सकता है—

**(i) अंडोत्सर्ग** *(Ovulation)*—प्रत्येक मासिक चक्र में, एक अंडा अंडाशय से निकलता है। यह अंडा अंडवाही नलिका के एक छोर पर स्थित फिब्रिया द्वारा पकड़ा जाता है।

**(ii) निषेचन** *(Fertilization)*—अंडवाही नलिका में अंडा और शुक्राणु का मिलन होता है। यदि संभोग हुआ है, तो शुक्राणु अंडवाही नलिका के माध्यम से यात्रा करके अंडे को निषेचित करता है। निषेचन आमतौर पर अंडवाही नलिका के ऊपरी तीसरे हिस्से में होता है।

**(iii) अंडे का परिवहन** *(Egg Transport)*—निषेति अंडा धीरे-धीरे अंडवाही नलिका के माध्यम से गर्भाशय की ओर बढ़ता है। इस दौरान, यह विभाजित होना शुरू होता है और एक ब्लास्टोसिस्ट में विकसित होता है।

**(iv) गर्भाधान** *(Implantation)*—ब्लास्टोसिस्ट अंततः गर्भाशय में पहुँचता है जहाँ यह गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है।

अंडवाही नलिका न केवल अंडे और शुक्राणु के मिलन के लिए एक स्थान प्रदान करती है, बल्कि यह निषेचित अंडे को सुरक्षित और स्थिर वातावरण भी प्रदान करती है जिसमें वह विभाजित हो सकता है और गर्भाशय की ओर यात्रा कर सकता है।

**25.** 'बजट' एक वित्तीय योजना है जो एक निश्चित समयावधि के लिए आय और व्यय का अनुमान और प्रबंधन करती है। यह व्यक्तिगत, परिवारिक, व्यावसायिक या सरकारी स्तर पर हो सकती है। बजट बनाने से होने वाले लाभ निम्नलिखित हैं—

**(i) वित्तीय अनुशासन**—बजट व्यक्तियों और संगठनों को उनकी आय और व्यय पर अनुशासन बनाए रखने में मदद करता है। यह अत्यधिक खर्च और कर्ज लेने से बचाता है।

**(ii) वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति**—बजट वित्तीय लक्ष्यों जैसे कि बचत, निवेश या ऋण चुकाने की योजना बनाने में सहायक होता है।

**(iii) धन प्रबंधन**—बजट आपको अपनी आय और व्यय का बेहतर प्रबंधन करने से मदद करता है, जिससे आपको अपने धन का अधिक प्रभावी उपयोग करने का मौका मिलता है।

**(iv) आपात स्थितियों के लिए तैयारी**—बजट आपातकालीन स्थितियों के लिए धन का आरक्षण करने में मदद करता है, जैसे कि चिकित्सा आपातकाल या अचानक नौकरी छूटना।

**(v) कर्ज से मुक्ति**—व्यक्तिगत बजट लोगों को अपने कर्ज का प्रबंधन और से कम करने में मदद करता है। यह उन्हें ऋण चुकाने के लिए एक सुनियोजित रणनीति बनाने में सहायता प्रदान करता है, जिससे वे अधिक वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं।

**(vi) आर्थिक स्थिरता**—बजट के माध्यम से, व्यक्ति या संगठन आर्थिक अनिश्चितताओं का बेहतर सामना कर सकते हैं। यह उन्हें अप्रत्याशित वित्तीय परिस्थितियों में भी स्थिर रहने में मदद करता है।

**(vii) बेहतर निर्णय लेने की क्षमता**—बजट विस्तृत वित्तीय जानकारी प्रदान करता है जो व्यक्तियों और संगठनों को अधिक सूचित और प्रभावी निर्णय लेने में मदद करता है।

**26.** घर की रंग योजना बनाते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण होता है—

**(i) रंगों का संयोजन**—विभिन्न रंगों के संयोजन का चयन करते समय उनके मिश्रण और मेल को ध्यान में रखें। संतुलित और सुखदायक रंग संयोजन चुनें।

**(ii) कमरे का उपयोग**—प्रत्येक कमरे के उद्देश्य और उपयोग के आधार पर रंगों का चयन करें। उदाहरण के लिए, बेडरूम के लिए शांतिदायक और आरामदायक रंग उपयुक्त होते हैं, जबकि लिविंग रूम या रसोई के लिए अधिक जीवंत और उत्साहवर्धक रंग चुने जा सकते हैं।

**(iii) प्राकृतिक प्रकाश**—कमरे में प्राकृतिक प्रकाश की मात्रा को भी ध्यान में रखें। हल्के रंग प्राकृतिक प्रकाश को बेहतर ढंग से परावर्तित करते हैं और छोटे कमरों को बड़ा दिखा सकते हैं।

**(iv) रंगों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव**—विभिन्न रंगों का हमारे मूड और भावनाओं पर अलग प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, नीला और हरा शांति प्रदन करते हैं, जबकि पीला और नारंगी ऊर्जा और उत्साह बढ़ाते हैं।

**(v) घर की शैली और फर्नीचर**—घर की सजावट और फर्नीचर की शैली के अनुरूप रंगों का चयन करें। यह सुनिश्चित करें कि रंग आपके फर्नीचर, कला कृतियों और अन्य सजावटी वस्तुओं के साथ अच्छी तरह से मेल खाते हो।

**(vi) रंग की गहराई और संतृप्ति**—विभिन्न कमरों के लिए रंग की गहराई और संतृप्ति पर भी विचार करें। उज्ज्वल और गहरे रंग एक बोल्ड स्टेटमेंट बना सकते हैं, जबकि पेस्टल और हल्के रंग शांत और सुकून भरा माहौल बनाते हैं।

❑ ❑ ❑

# अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

## INTERNET MODEL PAPER – 1

समय : 3 घंटे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100]

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का अवश्य लिखें।)
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिए हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है : **खण्ड-'अ'** एवं **खण्ड-'ब'**।
6. **खण्ड-अ** में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गए OMR उत्तर पत्रक में दिए गए सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में 30 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है, जिनमें से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त इस खण्ड में 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, जिनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड 'अ' : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है। अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR-उत्तर पुस्तिका पर चिन्हित करें। किन्हीं 50 प्रश्नों का ही उत्तर दें।** $50 \times 1 = 50$

1. समष्टि का क्या अर्थ है ?
   (A) बड़ा (B) छोटा
   (C) सामान्य (D) इनमें से कोई नहीं
2. वैयक्तिक आर्थिक एजेंट कौन है ?
   (A) उत्पादनकर्ता (B) उपभोक्ता
   (C) मजदूर (D) इनमें सभी
3. आधुनिक अर्थशास्त्र के जनक है :
   (A) एडम स्मिथ (B) मार्शल
   (C) विष्णु गुप्त (D) अमर्त्य सेन
4. उद्यमी का कार्य क्या होता है ?
   (A) फर्म का संचालन (B) उद्यम से जुड़े जोखिम लेना
   (C) पूँजी की पूर्ति करना (D) इनमें सभी
5. जिस दर (मूल्य) पर श्रम का क्रय-विक्रय होता है, उसे क्या कहते हैं ?
   (A) ब्याज (B) लाभ
   (C) मजदूरी (D) लगान
6. समष्टि अर्थशास्त्र में आर्थिक भूमिका अदा करने वाले कौन हैं ?
   (A) राज्य
   (B) वैद्यानिक निकाय जैसे भारतीय रिजर्व बैंक
   (C) वैयक्ति निर्णयकर्त्ता
   (D) केवल (A) और (B)
7. इनमें कौन पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का अभिलक्षण नहीं है ?
   (A) संसाधनों की निजी स्वामित्य (B) बाजार अर्थव्यवस्था
   (C) योजना बनाना (D) लाभ के लिए उत्पादन
8. इनमें कौन उत्पादन का कारक है ?
   (A) सरकार (B) मुद्रा
   (C) केन्द्रीय बैंक (D) श्रम
9. इनमें कौन पारिवारिक क्षेत्रक का कार्य है ?
   (A) आय अर्जित करना (B) बचत करना
   (C) कर अदा करना (D) इनमें सभी
10. संसाधन संपन्न अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों के विषय में क्या सही है ?
    (A) ये सबसे संपन्न हैं (B) ये सबसे गरीब हैं
    (C) ये न संपन्न हैं, न विपन्न हैं (D) ये मध्य आय वाले देश हैं
11. उत्पादन का प्रवाह कैसे उत्पन्न होता है ?
    (A) संसाधन प्राप्त करके (B) संसाधन का उपयोग करके
    (C) व्यापारिक वातावरण बनाकर (D) इनमें सभी
12. अंतिम उपभोक्ता द्वारा क्रय की जाने वाली वस्तु क्या कहलाती है ?
    (A) उपभोग वस्तुएँ (B) पूँजीगत वस्तुएँ
    (C) कच्चा माल (D) इनमें से कोई नहीं
13. इनमें कौन अंतिम उपभोग वाली उपभोक्ता वस्तु है जिसका आगे रूपांतरण नहीं हो सकता ?
    (A) कपास (B) धागा
    (C) कपड़ा (D) कमीज
14. पूँजीगत वस्तुओं के उत्पादन में विस्तार से, उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में क्या परिवर्तन होगा ?
    (A) वृद्धि होगी (B) कमी होगी
    (C) कोई परिवर्तन नहीं होगा (D) इनमें से कोई नहीं
15. सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना के लिए व्यय विधि का कौन समीकरण सही है ?
    (A) GDP = C + S + G + X (B) GDP = C + I + G + X
    (C) GDP = C + I + G + M (D) GDP = C+I+G+X–M

16. यदि सरकार न हो और विदेशी व्यपार न हो अर्थात् G = T = M = X = O तो समीकरण (I–S) + (G–T) = M – X के लिए कौन कथन सही है ?
(A) I ≡ S (B) I ≡ M
(C) I ≡ G (D) I ≡ T

17. सकल घरेलू उत्पाद के मूल्यांकन में मजदूरी, ब्याज, लाभ एवं लगान को किस विधि द्वारा जोड़ा जाता है ?
(A) व्यय विधि (B) उत्पादन विधि
(C) आय विधि (D) इनमें से कोई नहीं

18. आय के वर्तुल प्रवाह में, समस्त उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं पर किया गया व्यय किसके बराबर होता है ?
(A) कारक आदयगी के
(B) समस्त उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य के
(C) लाभ के
(D) (A) एवं (B) दोनों

19. (फर्म के उत्पादन का मूल्य–फर्म द्वारा प्रयुक्त मध्यवर्त्ती वस्तुओं का मूल्य) किसके बराबर होता है ?
(A) फर्म का मूल्यविर्धत (B) निवल मूल्यवर्धित
(C) मूल्यह्रास (D) इनमें से कोई नहीं

20. यदि एक ब्रेड का मूल्य 50 रुपये हैं जिसमें 25 रुपये मूल्य का गेहूँ आगत के रूप में उपयोग किया गया है, तो बेकर का ब्रेड के उत्पादन में निवल योगदान कितने रुपये है ?
(A) 25 रुपये (B) 75 रुपये
(C) 50 रुपये (D) 100 रुपये

21. सकल घरेलू उत्पाद = ? + मूल्यह्रास
(A) सकल घरेलू उत्पाद (B) निवल घरेलू उत्पाद
(C) निवल मूल्यवर्धित (D) इनमें से कोई नहीं

22. 2023 के मूल्य सूचकांक के लिए चालू वर्ष कौन होगा ?
(A) 2020 (B) 2021
(C) 2022 (D) 2023

23. थोक मूल्य सूचकांक में किस वस्तु के मूल्य को शामिल किया जाता है ?
(A) उपभोक्ता वस्तुएँ
(B) खुदरा बाजार में बिकने वाली वस्तुएँ
(C) थोक बाजा में बिकने वाली वस्तुएँ
(D) इनमें से कोई नहीं

24. घरेलू सीमा के अंतर्गत सृजित सभी अंतिम वस्तु एवं सेवाओं के मूल्य का योग क्या कहलाता है ?
(A) निवल घरेलू उत्पाद (B) सकल राष्ट्रीय उत्पाद
(C) निवल राष्ट्रीय उत्पाद (D) सकल घरेलू उत्पाद

25. मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद एवं वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात क्या कहलाता है ?
(A) मुद्रा स्फीति
(B) सकल घरेलू उत्पाद अवस्फीतिक
(C) उपभोक्ता कीमत सूचकांक
(D) इनमें से कोई नहीं

26. यदि वैयक्तिक आय में वैयक्तिक कर एवं गैर–कर अदायगी (जैसे आयकर) को घटा देते हैं तो हमें क्या प्राप्त होगा ?
(A) जी॰ एस॰ टी॰ (B) वैयक्तिक प्रायोज्य आय
(C) निवल राष्ट्रीय उत्पाद (D) इनमें से कोई नहीं

27. यदि किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं की कीमत दोगुनी हो जाती है और उत्पादन स्थिर रहता है तो वास्तविक आय में क्या परिवर्तन होगा ?
(A) दोगुना (B) चौगुना
(C) कोई परिवर्तन नहीं (D) इनमें कोई नहीं

28. यदि किसी देश का वर्ष 2020 में सकल घरेलू उत्पाद 1400 करोड़ था जो वर्ष 2023 में बढ़कर 1850 करोड़ हो गया तो सकल घरेलू उत्पाद अवस्फीतिक क्या होगा?
(A) 100 (B) 130
(C) 139.28 (लगभग) (D) इनमें से कोई नहीं

29. यदि मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद Y हो और वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद Y हो तो सकल राष्ट्रीय उत्पाद अवस्फीतिक क्या होगा?
(A) $\frac{y}{y}\times 100$ (B) $\frac{y}{y}\times 100$
(C) $\frac{y+y}{2}\times 100$ (D) इनमें कोई नहीं

30. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में कैसे मूल्य शामिल किए जाते हैं?
(A) खुदरा मूल्य (B) थोक मूल्य
(C) उत्पादक मूल्य (D) इनमें कोई नहीं

31. मुद्रा के माध्यम के बिना आर्थिक विनिमय क्या कहलाता है?
(A) मौद्रिक विनिमय (B) वस्तु विनिमय
(C) सौदायकरना (D) अदला–बदली

32. लेन–देन के उद्देश्य से मुद्रा की माँग किसपर निर्भर करती है?
(A) आय पर (B) औसत मूल्य स्तर पर
(C) ब्याज दर पर (D) इनमें केवल (A) एवं (B)

33. सट्टा के लिए मुद्रा की माँग किस स्थान पर सर्वाधिक होती है?
(A) न्यूनतम ब्याज दर $r_{min}$ पर (B) सर्वाधिक ब्या दर $r_{max}$ पर
(C) $r_{max} - r_{min}$ के अंतर पर (D) इनमें कोई नहीं

34. $M_1$ + डाकघर बचत बैंकों में बचत जमाएँ, किसकी परिभाषा है?
(A) $M_1$ (B) $M_2$
(C) $M_3$ (D) $M_4$

35. किस जमा की परिपक्वता की अवधि निश्चित होती है?
(A) माँग जमा (B) अवधि जमा
(C) बचत जमा (D) इनमें कोई नहीं

36. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मौद्रिक पूर्ति की परिभाषा में कौ सबसे तरल है?
(A) M4 (B) M3
(C) M2 (D) M1

37. किसी देश के मौद्रिक प्राधिकरण की संपूर्ण देयता को क्या कहते हैं?
(A) मौद्रिक आधार (B) उच्च शक्तिशाली मुद्रा
(C) कुल मुद्रा पूर्ति (D) केवल A एवं B

38. अतिरिक्त उपभोग और अतिरिक्त आय का अनुपात क्या कहलाता है?
(A) औसत उपभोग प्रवृत्ति (B) अतिरिक्त उपभोग प्रवृत्ति
(C) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (D) इनमें कोई नहीं

39. उपभोग फलन $C = \bar{C} + cY$ में $\bar{C}$ के विषय में क्या सही है?
(A) $\bar{C} > 0$ (B) $\bar{C}$ को स्थिर माना जाता है
(C) यह जीवनयापन के लिए निश्चित उपभोग है
(D) इनमें सभी

**40.** निवेश को स्थिरांक $I = \bar{T}$ क्यों माना जाता है?
(A) क्योंकि यह बहिर्जात कारक है
(B) यह अर्थव्यस्था के स्वायत्त निवेश को प्रदर्शित करता है
(C) यह सकल घरेलू उत्पाद में परिवर्तन पर नहीं निर्भर करता है
(D) इनमें सभी

**41.** यदि सार्वजनिक ऋण भविष्य में निर्गत की वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव डालता है तो इसे क्या कहेंगे?
(A) संपत्ति की बर्बादी (B) बोझ
(C) नुकसान (D) इनमें कोई नहीं

**42.** शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों को रोकने से आय पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
(A) सकारात्मक (B) प्रतिकूल
(C) अस्पष्ट प्रभाव (D) इनमें सभी

**43.** इनमें कौन सार्वजनिक वस्तु है?
(A) स्वच्छ वायु (B) लोक शिक्षा
(C) राष्ट्रीय सुरक्षा (D) इनमें सभी

**44.** मंदी के दौरान कल्याणगत अदायगी से क्या धारित करने में मदद मिलती है?
(A) निवेश (B) उपभोग
(C) निर्यात (D) इनमें कोई नहीं

**45.** यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति $c = 0.75$ हो तो सरकार अंतरण गुणक का मान क्या होगा?
(A) 4 (B) 3
(C) 2 (D) 1

**46.** उत्पाद के विदेशी व्यापार में, व्यापार घाटा क्या होगा?
(A) निर्यात – आयत $< 0$ (B) निर्यात – आयत $> 0$
(C) निर्यात – आयात $= 0$ (D) इनमें कोई नहीं

**47.** खुली अर्थव्यवस्था के लिए संतलुन की शर्त क्या है?
(A) $Y = C + I + G + X - M$ (B) $Y = C + I + G$
(C) $Y = C + I + G + NX$ (D) केवल (A) एवं (C)

**48.** किस विदेशी विनिमय दर व्यवस्था में केन्द्रीय बैंक हस्तक्षेप करता है?
(A) स्वच्छ तिरती (B) प्रतिबधित तिरती
(C) नम्य विनिमय दर (D) इनमें कोई नहीं

**49.** इनमें से कौन विनिमय दर को नहीं दर्शाता है?
(A) Rs. 0.56 = 1¥ (B) Rs. 82.95 1$
(C) 1.T K = Rs. 0.76 (D) Rs. 50 = 1 Kg आलू

**50.** नम्य विनिमय दर का निर्धारण किससे होता है?
(A) विदेशी मुद्रा की माँग से (B) विदेशी मुद्रा की पूर्ति से
(C) विदेशी कीमत स्तर से (D) केवल A एवं B

**51.** इनमें से कौन वस्तुओं की श्रेणी में नहीं आता है?
(A) खाद्य पदार्थ (B) वस्त्र
(C) मोबाइल (D) चिकित्सा

**52.** 'अच्छी शिक्षा चाहिए तो विलासिताओं का त्याग करना पड़ेगा।' यह कथन किसका उदाहरण है?
(A) संसाधनों के बचत का (B) संसाधनों के अपव्यय का
(C) समझदारी का (D) अवसर लागत का

**53.** इनमें कौन अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या नहीं है?
(A) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए?
(B) कितनी मात्रा में वस्तुओं का उत्पादन किया जाए?
(C) वस्तुओं का उत्पादन कै किया जाए?
(D) पैसा कैसे बचाया जाए?

**54.** उत्पादन संभावना वक्र क्या दर्शाता है?
(A) उत्पादन संभावना सेट को (B) देश के संसाधन की मात्रा को
(C) अवर लागत को (D) इनमें सभी

**55.** इनमें कौन व्यष्टि अर्थशास्त्र का विषय वस्तु है?
(A) कुल निर्गत (B) कुल रोजगार
(C) पूर्ण प्रतियोगिता बाजार (D) अर्थव्यवस्था में मूल्य स्तर

**56.** इनमें कौन मिश्रित अर्थव्यवस्था के गुण हैं?
(A) आर्थिक नियोजन
(B) मूल्य तंत्र
(C) निजी क्षेत्रक एवं सरकारी क्षेत्रक का सहअस्तित्व
(D) इनमें सभी

**57.** 'बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ सभी लोगों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएँ।' यह अर्थव्यवस्था की कौन सी केंद्रीय समस्या है?
(A) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए?
(B) इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे किया जाए?
(C) इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?
(D) इनमें कोई नहीं

**58.** मिश्रित अर्थव्यवस्था के आर्थिक क्रियाकलापों के दिशा का निर्धारण कौन करता है?
(A) उपभोक्ता (B) सरकार
(C) उद्यमी (D) इनमें सभी

**59.** पिछले दो दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका:
(A) कम हुई है
(B) बढ़ी है
(C) स्थिर है
(D) समय-समय पर परिवर्तित हुई है

**60.** अर्थशास् में व्यक्तियों के व्यवहार का अध्ययन किस शाखा द्वारा किया जाता है?
(A) व्यष्टि अर्थशास्त्र (B) समष्टि अर्थशास्त्र
(C) लोक वित्त (D) इनमें कोई नहीं

**61.** इनमें कौन बजट सेट की सही परिभाषा है?
(A) $p_1x_1 + p_2x_2 \leq M$ (B) $p_1x_1 + p_2x_2 = M$
(C) $p_1x_1 + p_2x_2 \geq M$ (D) इनमें कोई नहीं

**62.** बजट रेखा $x_2 = \frac{M}{p^2} - \frac{p^1}{p^2}x_1$ में $\frac{M}{p^2}$ क्या है?
(A) X-प्रतिच्छेद (B) Y-प्रतिच्छेद
(C) उपभोक्ता आय (D) इनमें कोई नहीं

**63.** यदि केवल वस्तु $x_1$ के मूल्य में परिवत्रन होता है, तो बजट रेखा को क्या होगा?
(A) बजट रेखा Y-अक्ष पर स्थिर रहेगी
(B) बजट रेखा मूल्य घटने पर बायें जायेगी
(C) बजट रेखा मूल्य बढ़ने पर दाहिने गमन करेगी
(D) इनमें कोई नहीं

**64.** अनधिमान वक्र अक्ष-मूल के प्रति उन्नतोदर होता है क्योंकि सीमांत प्रतिस्थापना दर है?
(A) स्थिर (B) वृद्धिमान
(C) ह्रासमान (D) इनमें कोई नहीं

**65.** वस्तु की कीमत और उसकी माँग की गई मात्रा को कौन वक्र दर्शाता है?
(A) माँग वक्र (B) अनधिमान वक्र
(C) बजट रेखा (D) इनमें कोई नहीं

**66.** एक रैखिक माँग वक्र है $d(p) = a - bp$ जहाँ $d$ = माँग की मात्रा और $p$ = मूल्य है। किस कीमत पर माँग शून्य होगा?
(A) शून्य (B) $\frac{a}{b}$
(C) $\frac{b}{a}$ (D) $a$

**67.** चाय की कीमत घटने से कॉफी का माँग वक्र किस ओर शिफ्ट होगा?
(A) दायीं ओर
(B) बायीं ओर
(C) कभी दायीं ओर पुनः बायीं ओर
(D) वक्र स्थिर रहेगा

**68.** लम्बवत माँग वक्र के मूल्य माँग की लोच क्या होगी?
(A) शून्य (B) असीम
(C) $0 < e_p \leq 1$ (D) इनमें कोई नहीं

**69.** एक आयताकार अतिपरवलय माँग वक्र $p \cdot q = e$ के हर बिन्दु पर माँग की लोच का मान क्या होगा?
(A) $e = 1$ (B) $e > 1$
(C) $0 \leq e \leq 1$ (D) इनमें कोई नहीं

**70.** उपभोक्ता आय में वृद्धि से किस तरह के वस्तुओं के माँग में गिरावट होती है?
(A) सामान्य वस्तु (B) विलासिता वस्तु
(C) निम्नस्तरीय वस्तु (D) इनमें सभी

**71.** इनमें कौन परिवर्ती आगत नहीं है?
(A) श्रम (B) मशीन
(C) कच्चा माल (D) बिजली

**72.** अल्पकाल में किस आगत में परिवर्तन किया जा सकता है?
(A) परिवर्ती आगत (B) स्थिर आगत
(C) मशीन (D) B एवं C दोनों

**73.** यदि आगत की मात्रा 100 है और निर्गत की मात्रा 10000, तो औसत उत्पाद क्या होगा?
(A) 100 (B) 10000
(C) 1000 (D) इनमें कोई नहीं

**74.** यदि कारक 1 की $x_1$ इकाइयाँ निर्गत की 40 इकाइयाँ उत्पादन करती है और $x_1 - 1$ इकाइयाँ निर्गत की 30 इकाइयाँ उत्पादन करती है तो $x_1$वीं इकाई का सीमांत उत्पादन क्या होगा?
(A) 40 इकाई (B) 30 इकाई
(C) 10 इकाई (D) 70 इकाई

**75.** औसत स्थिर लागत वक्र का क्या आकार होता है?
(A) आयताकार अतिपरवलय (B) 'U' आकार
(C) 'L' आकार (D) इनमें कोई नहीं

**76.** परिवर्ती अनुपात के नियम में क्या होता है?
(A) सीमांत और औसत उत्पाद शुरू से घटते हैं
(B) सीमांत और औसत उत्पाद एक सीमा तक बढ़ते हैं फिर घटते हैं
(C) सीमांत और औसत उत्पाद एक सीमा तक घटते हैं फिर बढ़ते हैं
(D) इनमें कोई नहीं

**77.** पैमाने का प्रतिफल में किसमें एक साथ अनुपातिक परिवर्तन किया जाता है?
(A) सभी संसाधनों में (B) परिवर्ती संसाधनों में
(C) स्थिर संसाधनों में (D) इनमें कोई नहीं

**78.** कुल स्थिर लागत वक्र $x$-अक्ष के सापेक्षिक क्या होता है?
(A) समानांतर (B) लंबवत
(C) पास जाने वाला (D) इनमें कोई नहीं

**79.** औसत स्थिर लागत वक्र की ढाल क्या होती है?
(A) धनात्मक (B) शून्य
(C) ऋणात्मक (D) इनमें कोई नहीं

**80.** पूर्ण प्रतिस्पर्धी फर्म की कीमत रेखा की उर्ध्वस्तरीय ऊँचाई किसके बराबर होगी?
(A) मूल्य p के बराबर (B) निर्गत q के बराबर
(C) लागत $\pi$ के बराबर (D) इनमें कोई नहीं

**81.** पूर्ण प्रतिस्पर्धी फर्म के लिए सीमांत आगम = औसत आगम = ?
(A) लाभ (B) कीमत
(C) कुल लागत (D) इनमें कोई नहीं

**82.** किसी प्रतिस्पर्धी फर्म के प्रति इकाई लाभ की गणना किस चर से की जाती है? जहाँ AR – सीमांत आगम, AC – औसत लागत MC – सीमांत लागत एवं MR – सीमांत आगम है।
(A) संतुलन पर AR – AC से (B) संतुलन पर AC – AR से
(C) संतुलन पर MR – MC से (D) इनमें कोई नहीं

**83.** इनमे कौन अल्पकाल के उत्पादन बंदी बिंदु है?
(A) औसत लागत वक्र की न्यूनतम बिंदु
(B) औसत परिवर्ती लागत की न्यूनतम बिंदु
(C) सीमांत लागत वक्र की न्यूनतम बिंदु
(D) इनमें कोई नहीं

**84.** सामान्य लाभ की स्थिति में फर्म को कितना लाभ होगा?
(A) शून्य आर्थिक लाभ
(B) लाभ–अलाभ की स्थिति
(C) त्यागे गए प्रतिफल के बराबर
(D) इनमें सभी

**85.** किसी प्रतिस्पर्धी फर्म को अल्प काल में हानि हो रही है। यह कब संभव है?
(A) जब AR > AC (B) जब AR > MC
(C) जब AR > AVC (D) जब AR < AC

**86.** किसी फर्म का अल्पकालीन पूर्ति वक्र क्या होता है?
(A) औसत परिवर्ती लागत वक्र के न्यूनतम बिंदु से उपर सीमांत लागत वक्र
(B) सीमांत लागत वक्र
(C) औसत लागत वक्र
(D) इनमें कोई नहीं

**87.** यदि औसत लागत वक्र संतुलन की बिन्दु पर औसत आगम वक्र के नीचे हो तो फर्म को क्या होगा?
(A) सामान्य लाभ (B) अधिसामान्य लाभ
(C) घाटा (D) इनमें कोई नहीं

**88.** पूर्ति की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन ÷ मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन = ?
(A) माँग की कीमत लोच
(B) पूर्ति की कीमत लोच
(C) पूर्ति वक्र की संवेदनशीलता का नाम
(D) B एवं C दोनों

89. असमता $p_1x_1 + p_2x_2 \leq M$ को क्या कहा जाता है?
(A) बजट रेखा (B) मूल्य रेखा
(C) बजट सेट (D) इनमें कोई नहीं

90. बजट रेखा की प्रवणता (ढाल) किससे परिभाषित होती है?
(A) $-p_1 / p_2$ (B) $-p_2 / p_1$
(C) $+p_1 / p_2$ (D) इनमें कोई नहीं

91. एक एकाधिकारी फर्म के लिए वस्तु की कीमत किस पर निर्भर करती है?
(A) वस्तु की बेची गई मात्रा पर
(B) यह कीमत स्वीकारकर्त्ता है
(C) विज्ञापन पर
(D) इनमें कोई नहीं

92. बाजार संतुलन में किन दो चरों का निर्धारण होता है?
(A) मूल्य, मात्रा (B) मूल्य, लागत
(C) मूल्य, लाभ (D) इनमें कोई नहीं

93. 'अदृश्य हाथ' का बाजार में क्या भूमिका है?
(A) अदृश्य हाथ कीमत में परिवर्तन कर देता है
(B) संतुलन स्थापित करता है
(C) अधिपूर्ति की स्थिति में कीमतों में कमी करता है
(D) इनमें सभी

94. संतुलन मूल्य (pe) से कम मूल्य पर क्या होगा?
(A) अधिमाँग
(B) अधिपूर्ति
(C) कोई परिवर्तन नहीं
(D) इनमें कोई नहीं

95. यदि माँग वक्र स्थिर हो और पूर्ति वक्र दाहिने शिफ्ट करता है तो वस्तु के मूल्य में क्या परिवर्तन होगा?
(A) मूल्य स्थिर होगा (B) मूल्य वृद्धि होगी
(C) मूल्य घटेगा (D) इनमें कोई नहीं

96. यदि प्रतिस्पर्धी फर्मों की कीमतें न्यूनतम औसत लागत के बराबर हो तो क्या होगा?
(A) फर्मों का बहिर्गमन
(B) फर्मों का प्रवेश
(C) न फर्मों का प्रवेश और न फर्मों का बहिर्गमन
(D) इनमें कोई नहीं

97. कालाबाजारी की समस्या कब उत्पन्न होती है, यदि $p_e$ = संतुलन मूल्य है और $p_1$ = कोई उच्चतम निर्धारित कीमत है?
(A) $p_e > p_1$ (B) $p_e = p_1$
(C) $p_e < p_1$ (D) इनमें कोई नहीं

98. एकाधिकारी का औसत संप्राप्ति वक्र उसका क्या कहलाता है?
(A) पूर्ति वक्र (B) माँग वक्र
(C) लाभ रेखा (D) इनमें कोई नहीं

99. एकाधिकारी फर्म का वृहत मात्रा में बेचने का निर्णय किस कीमत पर संभव है?
(A) उच्च कीमत पर (B) कम कीमत पर
(C) किसी भी कीमत पर (D) इनमें कोई नहीं

100. जब सीमांत संप्राप्ति शून्य होती है तो कुल संप्राप्ति क्या होती है?
(A) न्यूनतम (B) सर्वाधिक
(C) शून्य (D) इनमें कोई नहीं

## खण्ड 'ब' : गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 30 लघु उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 15 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित है।**

**15 × 2 = 30**

1. उदाहरण सहित सेवा को परिभाषित करें।
2. अर्थव्यवस्था की दो केन्द्रीय समस्या लिखें।
3. उत्पादन संभावना वक्र चित्रित करें।
4. एक बजट रेखा की ढाल क्या दर्शाती है ?
5. $x$-अश पर दर्शायी गई वस्तु की कीमत में कमी से बजट रेखा को क्या होता है ?
6. सीमांत प्रतिस्थापना दर को परिभाषित करें।
7. माँग का नियम उदाहरण सहित निरूपित करें।
8. किस वस्तु के कीमत माँग की लोच शून्य होगी ? उदाहरण दें।
9. उपयुक्त उदाहरण द्वारा परिवर्ती आगत की अवधारणा को संक्षेप में समझायें।
10. औसत उत्पाद की गणना का सूत्र लिखें।
11. अल्पकालीन कुल लागत क्या है ? इसके कौन से घटक है ?
12. कुल संप्राप्ति क्या है ? इसकी गणना कैसे करते हैं ?
13. सामान्य लाभ को परिभाषित करें।
14. अधिपूर्ति की स्थिति को चित्र द्वारा दर्शायें।
15. सीमांत संप्राति और कुल संप्राप्ति के बीच क्या संबंध है ?
16. अनैच्छिक बेरोजगारी क्या है ?
17. प्रवाह चर/परिवर्त क्या होते हैं ?
18. पूँजीगत वस्तुओं का चार उदाहरण दें।
19. मध्यवर्ती वस्तु से आप क्या समझते हैं ?
20. मूल्यवर्धित कैसे मापा जाता है ? उदाहरण के द्वारा स्पष्ट करें।
21. वस्तु विनियम प्रणाली की दो कमियों को लिखें।
22. मुद्रा के दो कार्यों का संक्षेप में वर्णन करें।
23. मुद्रा की पूर्ति की सरलतम परिभाषा लिखें।
24. किसी व्यक्ति के साख से आप क्या समझते हैं ? यह किसपर निर्भर करती है ?
25. भारतीय रिजर्व बैंक को अंतिम ऋणदाता क्यों कहा जाता है?
26. उपभोग फल को परिभाषित करें।
27. स्वायत्त व्यय गुणक क्या है ?
28. सार्वजनिक वस्तु के दो लाख लिखें।
29. सरकारी घाटे किस प्रकार कटौती की जा सकती है ?
30. व्यापार घाटा क्या है ?

■ **निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 38 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित है।**

**4 × 5 = 20**

31. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए।
32. यदि उपभोक्ता की आय और वस्तुओं की कीमत दोगुनी हो जाए तो नया बजट सेट कैसा होगा? चित्र द्वारा समझायें।
33. कुल लागत, सीमांत लागत एवं औसत लागत की व्याख्या कीजिए।
34. उच्चतम निर्धारित कीमत की व्याख्या उपर्युक्त उदाहरण द्वारा कीजिए।
35. व्यावसायिक बैंक के कार्यों का वर्णन करें।
36. क्या सार्वजनिक ऋण बोझ बन गया है ? व्याख्या कीजिए।
37. नम्य विनियम दर व्यवस्था में विनियम दर का निर्धारण कैसे होता है ?
38. एक द्वी क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय का निर्धारण कैसे होता है ? चित्र से दर्शायें।

## व्याख्यासहित उत्तर

### खण्ड – अ

### OMR ANSWER–SHEET

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 71. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 72. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 73. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 74. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 75. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 76. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 77. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 78. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 79. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 80. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 81. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 82. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 83. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 84. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 85. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 86. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 87. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 88. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 89. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 90. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 91. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 92. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 93. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 94. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 95. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 96. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 97. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 98. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 99. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 100. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

### ANSWERS

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (A) | 2. (D) | 3. (A) | 4. (D) | 5. (C) |
| 6. (D) | 7. (C) | 8. (D) | 9. (D) | 10. (C) |
| 11. (D) | 12. (A) | 13. (D) | 14. (A) | 15. (D) |
| 16. (A) | 17. (C) | 18. (B) | 19. (A) | 20. (A) |
| 21. (A) | 22. (D) | 23. (C) | 24. (D) | 25. (B) |
| 26. (B) | 27. (C) | 28. (C) | 29. (A) | 30. (A) |
| 31. (B) | 32. (D) | 33. (A) | 34. (B) | 35. (B) |
| 36. (D) | 37. (D) | 38. (C) | 39. (D) | 40. (A) |
| 41. (B) | 42. (B) | 43. (D) | 44. (B) | 45. (B) |
| 46. (A) | 47. (D) | 48. (C) | 49. (D) | 50. (D) |
| 51. (D) | 52. (D) | 53. (D) | 54. (D) | 55. (C) |
| 56. (D) | 57. (C) | 58. (D) | 59. (A) | 60. (A) |
| 61. (A) | 62. (A) | 63. (C) | 64. (C) | 65. (A) |
| 66. (D) | 67. (A) | 68. (B) | 69. (A) | 70. (C) |
| 71. (B) | 72. (A) | 73. (C) | 74. (C) | 75. (A) |
| 76. (B) | 77. (A) | 78. (A) | 79. (B) | 80. (A) |
| 81. (B) | 82. (A) | 83. (B) | 84. (A) | 85. (D) |
| 86. (A) | 87. (B) | 88. (B) | 89. (C) | 90. (A) |
| 91. (A) | 92. (A) | 93. (D) | 94. (A) | 95. (C) |
| 96. (C) | 97. (A) | 98. (B) | 99. (B) | 100. (B) |

## खण्ड 'ब' : गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न

**1.** सेवाएँ ऐसे कार्य होते हैं जो भैतिक उत्पाद के बजाय ग्राहकों को लाभ या संतुष्टि प्रदान करते हैं। ये अमूर्त होती है। अर्थात इन्हें छू या देख नहीं सकते, लेकिन इनका अनुभव किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए शिक्षा सेवाएँ–जैसे कि स्कूल ट्यूशन क्लासेज–जहाँ शिक्षक छात्रों को ज्ञान प्रदान करते हैं। यहाँ भौतिक उत्पाद कुछ नहीं होता लेकिन शिक्षा की सेवा से छात्रों को ज्ञान और सीखने का अनुभव प्राप्त होता है।

अन्य उदाहरण में चिकित्सा सेवाएँ, बैंकिंग सेवाएँ और परिवहन सेवाएँ शामिल हैं। इन सभी में, किसी भौतिक उत्पाद का विनिमय नहीं होता बल्कि ग्राहक को एक विशेष प्रकार की सेवा प्रदान की जाती है।

**2.** अर्थव्यवस्था की दो मुख्य समस्याएँ निम्नलिखित हैं—

**(i) क्या उत्पादन किया जाए?** *(What to Produce?)*—इस समस्या में यह निर्णय शामिल होता है कि अर्थव्यवस्था में कौन से सामान और सेवाएँ उत्पादित की जानी चाहिए। यह निर्णय उपलब्ध संसाधनों और बाजारी माँग के आधार पर किया जाता है। इसमें यह तय करना शामिल होता है कि कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में से किस क्षेत्र में अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

**(ii) कैसे उत्पादन किया जाए?** *(How to Produce?)*—इस समस्या में तय करना होता है कि चुने गए सामानों और सेवाओं का उत्पादन कैसे किया जाए। इसमें यह निर्णय शामिल है कि कौन–सी उत्पादन प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जाए, श्रम–प्रधन तकनीकी का इस्तेमाल किया जाए या पूँजीजी–प्रधान तकनीकी का। इसमें संसाधनों के सबसे कुशल और प्रभावी उपयोग पर विचार किया जाता है।

**3. उत्पादन संभावना वक्र** *(Production Possibility Cure–PPC)*—अर्थशास्त्र में उपयोग किया जाने वाला एक ग्राफ है जो दो सामानों या सेवाओं के उत्पादन की अधिकतम संभावनाओं को दर्शाता है। यह वक्र

दिखाता है कि किसी दिए गए संसाधनों के सेट के साथ कितना उत्पादन संभव है और यह भी एक सामान के उत्पादन में वृद्धि के लिए दूसरे सामान के उत्पादन में कितनी कमी करनी पड़ती है। यह अवसर लगत की अवधारणा को भी दर्शाता है।

मैं इसे आपके लिए चित्रित करता हूँ।

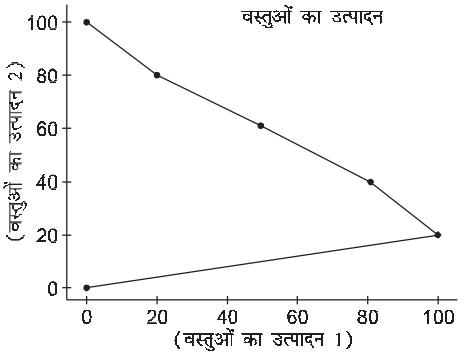


यहाँ उत्पादन संभावना वक्र (Production Possibility Curve–PPC) दिखाया गया है। यह वक्र दो सामानों या सेवाओं के उत्पादन की अधिकतम संभावनाओं को दर्शाता है, जो किसी दिए गए संसाधनों के सेट के साथ संभव है। इस ग्राफ में एक सामान के उत्पादन में वृद्धि के लिए दूसरे सामान के उत्पादन में कमी करनी पड़ती है, जो अवसर लागत की अवधारणा को दर्शाता है। यह वक्र दर्शाता है कि संसाधनों का किस तरह से सर्वोत्तम उपयोग किया जा सकता है।

**4. बजट रेखा का ढाल** (slope) अर्थव्यवस्था में दो वस्तुओं के बीच सीमांत विनिमय अनुपात (Marginal Rate of Substitution–MRS) को दर्शाता है। यह बताता है कि उपभोक्ता एक अतिरिक्त इकाई वस्तु 'A' के लिए कितनी मात्रा में वस्तु 'B' का त्याग करने को तैयार है। इसे आमतौर पर प्राइस ऑफ गुड A/प्राइम ऑफ गुड B के रूप में व्यक्त किया जाता है। यदि ढाल स्थिर है, तो यह बताता है कि विनिमय दर भी स्थिर है। यह उपभोक्ता की पसंद और बजट सीमाओं के बीच संबंध को भी दर्शाता है।

**5.** जब *x*-अक्ष पर दिखाए गए सामान की कीमत में कमी आती है, तो बजट रेखा का ढाल बदल जाता है। इस स्थिति में उपभोक्ता उसी बजट के साथ उस वस्तु की अधिक मात्रा खरीद सकता है। इसलिए, बजट रेखा *x*-अक्ष के साथ दाएं की ओर स्थानांतरित हो जाती है, जिससे यह दर्शाता है कि उपभोक्ता उस वस्तु की अधिक मात्रा को उसी बजट में खरीद सकता है। यह स्थिति उपभोक्ता की खरीदने की क्षमता में वृद्धि को दर्शाती है और उपभोक्ता के लिए अधिक खरीद विकल्प उपलब्ध कराती है।

**6. सीमांत प्रतिस्थापना दर** *(Marginal Rate of Substitution–MRS)*—उपभोक्ता सिद्धांत में एक महत्त्वपूर्ण अवधारणा है जो दर्शाती है कि उपभोक्ता एक वस्तु के बदले में किसी अन्य वस्तु की कितनी मात्रा का त्याग करने के लिए तैयार होता है। यह उस दर को मापता है जिस पर उपभोक्ता एक वस्तु (उदाहरण के लिए 'A' की अतिरिक्त इकाई के बदले में दूसरी वस्तु (उदाहरण के लिए 'B') की कुछ मात्रा को छोड़ने को तैयार होता है, ताकि उसका कुल उपयोगिता स्तर अपरिवर्तित रहे।

MRS अमतौर पर इंडिफरेंस कर्व (Indifference Curve) पर दो बिंदुओं के बीच की ढाल के रूप में गणना की जाती है। यह दर्शाता है कि उपभोक्ता कितनी लचीलापन के साथ एक वस्तु से दूसरी वस्तु में स्थानांतरित हो सकता है। MRS कम होने का अर्थ है कि उपभोक्ता एक वस्तु के लिए दूसरी वस्तु की कम मात्रा कात्याग करने को तैयार होता है।

**7.** माँग का नियम (Law of Demand) कहता है कि जब अन्य सभी कारक समान रहते हैं, तो किसी वस्तु की कीमत और उसकी माँग के बीच एक विपरीत संबंध होता है। यानी, यदि वस्तु की कीमत बढ़ती है, तो उसकी माँग में कमी आती है, और यदि कीमत घटती है, तो इसकी माँग बढ़ जाती है।

उदाहरण के लिए मान लीजिए कि एक मोबाइल फोन की कीमत रु॰ 20,000 से घटकर रु॰ 15,000 हो जाती है। इस कीमत में कमी के कारण, अधिक लोग इसे खरीदने के इच्छुक होंगे, क्योंकि अब वह अधिक सस्ता हो गया है। इस प्रकार, मोबाइल फोन की माँग में वृद्धि होगी । इसके विपरीत यदि कीमत बढ़कर रु॰ 25,000 हो जाती है, तो कम लोग इसे खरीदने के इचछुक होंगे और इस प्रकार माँग में कमी आएगी।

यह नियम उपभोक्ताओं की कीमत संवेदनशीलता और खरीदने की क्षमता पर आधारित है।

**8.** जिन सामानों के लिए माँग की कीमत लोच (rice Elasticity of Demand) शून्य होती है, उन्हें पूर्णतया अलोचनीय सामान (Perfectly Inelastic Goods) कहा जाता है। इसका अर्थ है कि इन सामानों की माँग कीमत में परिवर्तन के प्रति असंवेदनशील होती है, यानी कीमत में बदलाव होने पर भी इनकी माँग में कोई बदलाव नहीं होता है।

उदाहरण के लिए, आवश्यक दवाएँ या जीवन–रक्षक दवाएँ। मरीजों के लिए ये दवाएँ अत्यंत आवश्यक होती हैं और उनके लिए इन दवाओं का कोई विकल्प नहीं होता। इसलिए, चाहे इन दवाओं की कीमत बढ़े या घटे, मरीजों को ये खरीदनी ही पड़ती है। इस स्थिति में, इन दवाओं की माँग की कीमत लोच शून्य होती है।

इसी तरह, कुछ अन्य आवश्यक सामान, जैसे अनाज या पानी, की माँग की भी कुछ हद तक असोचनीय हो सकती क्योंकि इनकी आवश्यकता बुनियादी होती है और उभोक्ता इनके बिना रह नहीं सकते।

**9.** परिवर्ती आगत (Varible Cost) वह लागत होती है जो उत्पादन की मात्रा के साथ बदलती है। अर्थात, जब उत्पादन बढ़ता है, तो परिवर्ती आयात भी बढ़ती है और जब उत्पादन घटता है, तो यह लागत कम हो जाती है।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए एक कंपनी टी–शर्ट बनाती है। टी–शर्ट बनाने के लिए कपड़ा, धागा और प्रिटिंग सामग्री जैसे रॉ मटेरियल की आवश्यकता होती है। जैसे–जैसे कंपनी अधिक टी–शर्ट उत्पादति करती है, उसे अधिक कपड़ा और अन्य सामग्री खरीदनी पड़ती है, जिससे उसकी परिवर्ती आगत बढती है। इसी तरह, यदि उत्पादन कम होता है, तो इन सामग्रियों की खपत कम होती है और परिवर्ती आगत घट जाती है।

इसी प्रकार, एक रेस्तरां में, खाना पकाने के लिए आवश्यक सामग्री जैसे कि सब्जियाँ, माँस और मसाले, चर लगाने के उदाहरण हैं। जितना अधिक खाना बनाया जाता है, उतनी ही अधिक सामग्री की जरूरत होती है, और इसलिए परिवर्ती आगत बढ़ जाती है।

**10.** औसत उत्पादन की गणना का सूत्र:

औसत उत्पादन = कुल उत्पादन / इकाई संख्या

यहाँ, 'औसत उत्पाद' का प्रतिनिधित्व करता है, 'कुल उत्पाद' कुल उत्पाद का प्रतिनिधित्व करता है, और 'इकाई संख्या' इकाइयों या अवलोकनों की संख्या का प्रतिनिधित्व करता है। औसत उत्पादन ज्ञात करने के लिए, आप बस कुल उत्पाद को इकाइयों की संख्या से विभाजित करें।

**11.** अल्पकालिक कुल लागत वह लागत होती है जो निर्माण की अवधि के दौरान उत्पादन को संभव बनाने के लिए की जाती है जब कम से कम एक उत्पादन कारक अपरिवर्तित रहता है। इसमें दो प्रमुख घटक होते हैं—

(i) **स्थिर लागत** *(Fixed Cost)*—यह वह लागत है जो उत्पादन की मात्रा के अनुसार नहीं बदलती, जैसे कि बीमा और संपत्ति का।

(ii) **परिवर्तनीय लागत** *(Variable Cost)*—यह वह लागत है जो उत्पादन की मात्रा के अनुसार बदलती है, जैसे कि कच्चा माल, ऊर्जा खपत और श्रमिकों का वेतन।

अल्पकालिक कुल लागत = स्थिर लागत + परिवर्तनीय लागत।

**12.** कुल संप्राप्ति वह पूरी राशि होती है जो व्यवसाय अपने बेचे गए सामान या सेवाओं से कमाता है। इसे मापने का सूत्र है—

कुल संप्राप्ति + बिक्री की मात्रा × प्रति इकाई कीमत

यह बिक्री की गई इकाइयों की संख्या और प्रत्येक इकाई के लिए प्राप्त कीमत के गुणनफल के द्वारा निर्धारित होता है। यह व्यवसाय की वित्तीय सफलता का एक महत्त्वपूर्ण मापदंड है।

**13.** सामान्य लाभ वह न्यूनतम लाभ होता है जिसे एक व्यवसाय को अपने संसाधनों को उसी उद्योग में या किसी अन्य उद्योग में लगाने के लिए प्राप्त करना आवश्यक है ताकि व्यवसाय को चालू रखा जा सके। इसे व्यवसाय के वैकल्पिक लागत के बराबर माना जाता है, जिसमें उद्यमी के समय और प्रयास की लागत भी शामिल है।

सामान्य लाभ तब होता है जब कुल राजस्व कुल अवसर लागत (विस्तारित स्थिर लागत सहित) के बराबर होता है। यदि एक व्यवसाय सामान्य लाभ से अधिक कमाई करता है, तो उसे अतिरिक्त लाभ या असामान्य लाभ कहा जाता है।

संक्षेप में, सामान्य लाभ उद्यमी के लिए बाजार में अपनी सेवाओं का न्यूनतम मूल्यांकन है।

**14.** यहाँ एक अतिरिक्त आपूर्ति आरेख है। $x$-अक्ष किसी वस्तु या सेवा की मात्रा को दर्शाता है और $y$-अक्ष कीमत को दर्शाता है। आपूर्ति वक्र किसी वस्तु या सेवा की मात्रा को दर्शाता है जिसे आपूर्तिकर्ता एक निश्चित कीमत पर बेचने के इच्छुक और सक्षम है। माँग वक्र किसी वस्तु या सेवा की मात्रा को दर्शाता है जिसे उपभोक्ता किसी निश्चित कीमत पर खरीदने के इच्छुक और सक्षम हैं।

आरेख में, संतुलन कीमत वह कीमत है जिस पर आपूर्ति की गई मात्रा माँग की मात्रा के बराबर होती है। इस कीमत पर, कोई अतिरिक्त आपूर्ति या अतिरिक्त माँग नहीं है।

यदि कीमत संतुलन कीमत से ऊपर है, तो आपूर्ति की अधिकता होती है। इसका मतलब यह है कि आपूर्तिकर्ता किसी वस्तु या सेवा को उपभोक्ताओं की तुलना में अधिक बेने कमे इच्छुक और सक्षम हैं। इस मामले में, कुछ आपूर्तिकर्ताओं को अपना सामान या सेवाएँ बेचने के लिए अपनी कीमतें कम करनी होंगी।

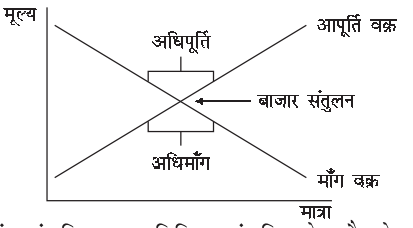


**15.** सीमांत संप्राप्ति वह अतिरिक्त संप्राप्ति होता है जो एक अतिरिक्त इकाई उत्पाद की बिक्री से उत्पन्न होता है। यदि कुल संप्राप्ति में वृद्धि एक समान दर से हो रही है तो सीमांत संप्राप्ति स्थिर रहेगा। हालांकि, यदि कुल संप्राप्ति में वृद्धि की दर घट रही है, तो सीमांत संप्राप्ति घटेगा। इसी तरह, यदि कुल संप्राप्ति में कमी होती हे, तो सीमांत संप्राप्ति नकारात्मक हो जाएगा।

कुल संप्राप्ति की गणना करते समय, हम सभी इकाइयों की बिक्री से प्राप्त संप्राप्ति को जोड़ते हैं, जब कि सीमांत संप्राप्ति हमें प्रति इकाई ब्रिकी से उत्पन्न संप्राप्ति की अतिरिक्त मात्रा बताता है।

इस प्रकार, कुल संप्राप्ति और सीमांत संप्राप्ति के बीच संबंध यह है कि सीमांत संप्राप्ति कुल संप्राप्ति की वृद्धि दर को मापता है। जब एक फर्म पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में काम करती है, तो सीमांत संप्राप्ति स्थिर होता है और प्रति इकाई कीमत के बराबर होता है। विपरीत स्थिति में, जैसे कि अधिकारपूर्ण बाजार में, सीमांत संप्राप्ति कुल संप्राप्ति के बढ़ाने के साथ घट सकता है।

संक्षेप में, सीमांत संप्राप्ति कुल संप्राप्ति की वृद्धि को नियंत्रित करता है और यह उत्पादन और बिक्री के निर्णयों के महत्वपूर्ण होता है।

**16.** उत्पादन के दो संसाधनों की परिभाषा इस प्रकार से है—

**(a) भूमि** *(Land)*—उत्पादन के कारकों में भूमि सबसे पहला कारक है। इसका अर्थ उत्पादन में प्रयोग होने वाले प्राकृतिक संसाधनों से है, जैसे की जमीन, जल, वायु और खनिज। भूमि एक प्राकृतिक संसाधन है जो मानव निर्मित नहीं है और इसकी उपलब्धता सीमित है। भूमि से प्राप्त आय को किराया कहा जाता है।

**(b) श्रम** *(Labour)*—श्रम उत्पादन का दूसरा महत्त्वपूर्ण कारक है। इसमें मानव द्वारा की गई शारीरिक और मानसिक मेहनत शामिल है जिसका उपयोग उत्पादन प्रक्रिया में किया जाता है। श्रमिकों की योग्यता, कौशल और अनुभव श्रम की गुणवत्ता को निर्धारित करते हैं और इसके बदले में उन्हें मजदूरी प्राप्त होती है।

**17.** प्रवाह चर/परिवर्त (Fow Variables) वे आर्थिक राशियाँ होती है जिनकी गणना निर्धारित समयावधि में की जाती है। ये समय के साथ परिवर्तनशील होती है और उनका मापन एक निश्चित अवधि के दौरान किया जाता है, जैसे कि प्रति घंटा, प्रति दिन, प्रति माह या प्रति वर्ष। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय आय, निवेश, बचत और व्यापार घाटा प्रवाह चर/परिवर्त के उदाहरण हैं क्योंकि ये सभी समय के साथ परिवर्तनशील होते हैं और उनकी गणना समय की एक निर्धारित अवधि में की जाती है।

प्रवाह चर/परिवर्त को समझने के लिए एक आसान उपमा यह है कि उन्हें पानी की नदी के प्रवाह की तरह समझा जा सकता है जहाँ पानी का प्रवाह समय के साथ बदलता रहता है। इसी तरह, प्रवाह चर/परिवर्तन आर्थिक गतिविधियों का प्रवाह होता है जो समय के साथ बदलता रहता है।

**18.** यहाँ पूंजीगत वस्तुओं के चार उदाहरण दिए गए हैं—

**(i) मशीनरी** *(Machinery)*—विभिन्न प्रकार की मशीनें जैसे कि उत्पादन लाइनों में इस्तेमाल होने वाली असेंबली मशीनें, टक्सटाइल मिलों की मशीनें या प्रिंटिंग प्रेस।

**(ii) उपकरण** *(Tools and Equipment)*—विभिन्न प्रकार के उपकरण जैसे कि हाथ से चलाने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और निर्माण स्थल पर प्रयोग किए जाने वाले भारी उपकरण।

**(iii) वाहन** *(Vehicles)*—व्यापारिक उपयोग के लिए वहान जैसे कि ट्रक, वैन और अन्य परिवहन वाहन जा माल और सेवाओं के परिवहन में सहायक होते हैं।

**(iv) भवन और संरचनाएँ** *(Buildings and Structures)*—कारखाने, गोदाम, कार्यालय भवन और अन्य व्यावसायिक संरचनाएँ और व्यापार और उत्पादन गतिविधियों के लिए आवश्यक होती हैं।

ये सभी पूँजीगत वस्तुएँ उत्पादन प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण योगदन देती है और अर्थव्यवस्था में उत्पादकता और क्षमता को बढ़ाती है।

**19. मध्यवर्ती वस्तु** *(Intermediate Goods)*—उन वस्तुओं और सामग्रियों को कहा जाता है जिनका उपयोग अन्य वस्तओं के निर्माण में किया जाता है, लेकिन जो स्वयं उपभोक्ता बाजार में सीधे नहीं बेची जाती। ये वस्तु अंतिम उत्पाद के निर्माण प्रक्रिया में एक मध्यवर्ती चरण का हिस्सा होते है और अंतिम उत्पाद में सम्मिलित हो जाते हैं।

उदाहरण के लिए एक कार के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले टायर, बैटरी और ग्लास जैसे पुर्जे मध्यवर्ती वस्तु के उदाहरण हैं। ये पुर्जे स्वयं एक पूर्ण उत्पाद नहीं होते, लेकिन वे कार के निर्माण के लिए आवश्यक होते हैं। इसी प्रकार, बिस्कुट बनाने के लिए आटा, चीनी और मक्खन मध्यवर्ती वस्तु के उदाहरण हैं।

**20.** मूल्य वर्धित (Value Added) को मापने का अर्थ है किसी उत्पाद या सेवा में हुई कुल मूल्य वृद्धि की गणना करना, जो उसके निर्माण या प्रदान की प्रक्रिया के दौरान जोड़ी गई हो। इसे आमतौर पर बिक्री की कुल आय से कच्च माल और अन्य इनपुट्स की लागत को घटाकर मापा जाता है।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए एक फर्नीचर निर्माता लकड़ी खरीदता है और उसे टेबल में परिवर्तित करता है। यदि लकड़ी की लागत ₹ 5000 है और तैयार टेबल को ₹5000 में बेच जाता है, तो मूल्य वर्धित होगा—

मूल्य वर्धित = बिक्री की कुल आय – कच्चे माल की लागत

मूल्य वर्धित = ₹ 8000 – ₹ 5000

मूल्य वर्धित = ₹ 3000

इस प्रकार, फर्नीचर निर्माता ने टेबल बनाने में ₹ 3000 का मूल्य जोड़ा है।

यह संख्या उस मूल्य को दर्शाती है जो निर्माता ने उत्पादन प्रक्रिया के माध्यम से उत्पाद में जोड़ा है। यह व्यवसायी, उद्योगों और अर्थव्यवस्था के मूल्य सृजन को मापने के लिए एक महत्त्वपूर्ण मापदंड है।

**21. वस्तु विनिमय प्रणाली** (Barter System) की दो प्रमुख कमियाँ निम्नलिखित हैं—

**(i) अभाव द्वैत समस्या** *(Lack of Double Coincidence of Wants)*—वस्तु विनिमय प्रणाली में, दो पक्षों को उनकी जरूरतों के अनुसार सटीक रूप से मेल खाना चाहिए, यानी एक व्यक्ति जो वस्तु बेचना चाहता है, उसे कोई ऐसा व्यक्ति ढूंढ़ना होगा जो उस वस्तु को खरीदना चाहता हो और साथ-ही-साथ उसके पास विक्रेता जो वस्तु चाहता है वह भी हो।

**(ii) भंडारण समस्या** *(Storage Problem)*—कुछ वस्तुएँ जैसे खाद्य पदार्थ, नष्ट हो सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक भंडारित नहीं किया जा सकता है। इस प्रणाली में वस्तुओं का संरक्षण करना कठिन होता है, और इससे मूल्य की हानि हो सकती है।

**22.** मुद्रा के दो मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं—

**(i) मूल्य का मानक** *(Standard of Value)*—मुद्रा वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को मापने का एक मानक प्रदान करती है, जिससे विभिन्न वस्तुओं का मूल्य तुलना करना संभव हो जाता है।

**(ii) विनिमय का माध्यम** *(Medium of Exchange)*—मुद्रा विनिमय का एक माध्यम प्रदान करती है, जिससे वस्तु विनिमय प्रणाली की द्वैत समस्या से बचा जा सकता है और लेन-देन को सरल और तीव्र बनाया जा सकता है।

ये कार्य आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में मुद्रा की महत्त्वपूर्ण भूमिका को दर्शाते हैं।

**23.** मुद्रा की पूर्ति की सरल परिभाषा यह है कि यह एक अर्थव्यवस्था में चलन में मौजूद कुल मुद्रा की मात्रा जिसमें हाथ में नकदी, बैंक खातों में जमा धन और अन्य रूपों में मुद्रा शामिल होती है।

**24.** व्यक्ति की साख क्षमता से आशय उस व्यक्ति की उधार लेने की योग्यता और विश्वसनीयता से है। यह तय करता है कि व्यक्ति को कितना ऋण मिल सकता है और किन शर्तों पर। इस पर निर्भर करने वाले कारक हैं—

**(i) आय और वित्ती स्थिरता**—वयक्ति की आय और उनकी वित्तीय स्थिरता उसकी साख क्षमता का आकलन करने में महत्त्वपूर्ण है।

**(ii) साख की इतिहास**—व्यक्ति का पिछला ऋण भुगतान इतिहास और साख स्कोर भी महत्त्वपूर्ण होते हैं।

**(iii) संपत्ति और देनदारियाँ**—व्यक्ति की संपत्ति और उसके विरुद्ध चल रही देनदारियाँ भी उसकी साख क्षमता को प्रभावित करती है।

ये कारक निर्धारित करते हैं कि व्यक्ति को कितना ऋण दिया जा सकता है और किस ब्याज दर पर।

**25.** भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को अंतिम ऋणदाता (Lender of Last Resort) कहा जाता है क्योंकि यह उस स्थिति में वित्तीय सहायता प्रदान करता है जब अन्य बैंक और वित्तीय संस्थान बाजार में ऋण प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और बैंकिंग प्रणाली में विश्वास को कायम रखना है। वित्तीय संकट के समय, RBI बैंकों को अत्यावश्यक नकदी प्रदान करके उन्हें सकट से उबारता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली और अर्थव्यवस्था में धारावाहिक विफलता को रोका जा सके।

**26.** उपभोग फलन वह संबंध होता है जो उपभोक्तों द्वारा कुल उपभोग व्यय और उनकी आय के बीच होता है। यह बताता है कि किसी व्यक्ति या घरेलू की आय में परिवर्तन कैसे उनके उपभोग व्यय में परिवर्तन लाता है। आमतौर पर, उपभोग फलन का रूप इसप्रकार होता है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, उपभोग भी बढ़ता है, लेकिन आय के प्रत्येक अतिरिक्त इकाई पर उपभोग की दर धीरे-धीरे कम होती जाती है।

उपभोग फलन को आम तौर पर इस प्रकार दर्शाया जाता है—

$C_f = C(V)$

यहाँ C उपभोग व्यय का प्रतिनिधित्व करता है। Y आय के स्तर को दर्शाता है।

**27.** स्वायत्त व्यय गुणक वह सिद्धांत है जो बताता है कि अर्थव्यवस्था में स्वायत्त व्यय (जैसे सरकारी खर्च, निवेश आदि) में किए गए बदलाव का कुल आउटपुट पर कैसे गुणात्मक प्रभाव पड़ता है। यह गुणक प्रभाव बताता है कि प्रारंभिक व्यय में वृद्धि से उत्पादन और आय में कितनी बढ़ोतरी होती है, जो बदले में उपभोग और निवेश में वृद्धि करती है, जिससे आगे और आर्थिक गतिविधि उत्पन्न होती है।

**28. सार्वजनिक वस्तुओं** (Public Goods) के दो मुख्य लाभ निम्नलिखित हैं—

**(i) गैर-प्रतिस्पर्धीता** *(Non-Rivalry)*—सार्वजनिक वस्तुओं का उपभोग एक व्यक्ति द्वारा किए जाने से दूसरे व्यक्ति के लिए उस वस्तु की उपलब्धता कम नहीं होती है। उदाहरण के लिए, एक सार्वजनिक पार्क में एक व्यक्ति के टहलने से दूसरे व्यक्ति के टहलने की क्षमता प्रभावित नहीं होती।

**(ii) गैर-बहिष्कार्यरता** *(Non-Excludability)*—सार्वजनिक वस्तुओं

से किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं किया जा सकता, यानी ये वस्तुएँ सभी के लिए उपलब्ध होती हैं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय रक्षा सेवाओं का लाभ सभी नागरिकों को समान रूप से मिलता है, चाहे वे इसके लिए भुगतान करें या नहीं।

ये लाभ सार्वजनिक वस्तुओं को समाज के लिए महत्त्वपूर्ण बनाते हैं और उन्हें निजी वस्तुओं से अलग करते हैं।

**29. सरकारी घाटे** *(Government Deficit)* में कटौती के लिए विभिन्न उपाय किए जा सकते हैं, जैसे कि—

**(i) राजस्व वृद्धि**—सरकावर अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए करों में वृद्धि, नए करों का सृजन, या कर वसूलों में सुधार कर सकती है।

**(ii) व्यय में कटौती**—सरकार अपने खर्चों में कमी कर सकती है, जैसे कि सब्सिडी में कटौती, सार्वजनिक क्षेत्र की लागत में कमी और अक्षम या कम प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में खर्चे को सीमित करना।

**(iii) कर्ज प्रबंधन**—सरकार कर्ज की लागत को कम करने के लिए अपने ऋण पोर्टफोलियो का प्रबंधन सुधार सकती है, जैसे कि कम ब्याज दरों पर ऋण लेना और पुराने उच्च-ब्याज वाले कर्ज को पुनर्वित करना।

**(iv) संरचनात्मक सुधार**—आर्थिक संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से दीर्घकालिक विकास को प्रोत्साहित करना, जिससे राजस्व वृद्धि और व्यय में स्थिरता आती है।

**(v) भ्रष्टाचार और अपव्यय में कमी**—सरकारी खर्चों में पारदर्शिता बढ़ाकर और भ्रष्टाचार तथा अपव्यय पर नियंत्रण करके घाटे को कम किया जा सकता है।

ये उपाय सरकारी घाटे को कम करने के लिए अपनाए जा सकते हैं, हालांकि, इनका प्रभाव और क्रियान्वयन संबंधित देश की आर्थिक स्थिति और नीतियों पर निर्भर करता है।

**30.** व्यापार घाटा तब होता है जब किसी देश का कुल आयात (अन्य देशों से खरीदे गए सामान और सेवाएँ) उसके कुल निर्यात (अन्य देशों को बेचे गए सामान और सेवाएँ) से अधिक होता है। इस स्थिति में, देश अधिक सामान और सेवाएँ खरीद रहा है जितना वह दूसरे देशों को बेच रहा है। व्यापार घाटा आर्थिक संतुलन, मुद्रा मूल्य और देश की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डाल सकता है।

व्यापार घाटा = कुल आयात – कुल निर्यात

**31.** अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्या संसाधनों की कमी है। संसाधनों का अभाव इसलिए होता है क्योंकि मानवीय आवश्यकताएँ और इच्छाएँ अनंत हैं, लेकिन संसाधन सीमित होते हैं। इसलिए, अर्थशास्त्रियां को यह निर्णय लेना पड़ता है कि किस संसाधन का उपयोग कब, कहाँ और कैसे किया जाए। इस समस्या के तीन प्रमुख पहलू हैं; 'क्या उत्पादित किया जाए', 'कैसे उत्पादित किया जाए' और 'किसके लिए उत्पादित किया जाए'। पहला पहलू, क्या उत्पादित किया जाए', यह निर्धारित करता है कि कौन से उत्पाद या सेवाएँ उत्पादित की जाएँ। दूसरा पहलू, कैसे उत्पादित किया जाए, यह तय करता है कि संसाधनों का उपयोग किस प्रकार से किया जाए ताकि अधिकतम दक्षता प्राप्त हो। आखिरी पहलू, किसके लिए उत्पादित किया जाए, यह निर्णय लेता है कि उत्पादित सामग्री का वितरण किस प्रकार से हो इसका सामना करने के लिए, अर्थव्यवस्थाएँ विभिन्न आर्थिक प्रणालियों जैसे कि पूँजिवाद, समाजवाद और मिश्रित अर्थव्यवस्था का उपयोग करती हैं। प्रत्येक प्रणाली इन समस्याओं का सामना अलग तरीक से करती है, जिससे विभिन्न आर्थिक परिणाम सामने आते हैं।

**32.** यदि उपभोक्ता की आय और वस्तुओं की कीमत दोनों दुगनी हो जाएं, तो बजट सेट और उपभोक्ता की खरीदारी क्षमता में महत्त्वपूर्ण बदलाव आएगा। इस स्थिति को समझने के लिए, हम बजट रेखा के सिद्धांत का उपयोग कर सकते हैं। बजट रेखा यह दर्शाती है कि उपभोक्ता किसी दिए गए बजट के साथ किन-किन वस्तुओं की खरीद कर सकता है। आम तौर पर, यदि आय बढ़ती है तो बजट रेखा दाहिनी ओर खिसक जाती है, जिससे पभोक्ता अधिक महंगी या अधिक मात्रा में वस्तुएँ खरीद सकता है। हालांकि, इस मामले में, वस्तुओं की कीमत भी दुगनी हो गई है, इसलिए बजट रेखा की स्थिति में बहुत अधिक परिवर्तन नहीं होगा। यदि हम दो वस्तुओं X और Y को लेते हैं, तो बजट रेखा का ढाल (slope) इन वस्तुओं के मूल्यानुपात (price ratio) को दर्शाता है। चूंकि दोनों वस्तुओं की कीमत दुगनी हे गई है, इसलिए इनके मूल्यानुपात में बदलाव नहीं होगा और बजट रेखा काढाल समान रहेगा। इस प्रकार, बजट रेखा की स्थिति और ढाल में परिवर्तन नहीं होने के कारण, उपभोक्ता की खरीदारी क्षमता लगभग समान रहेगी। अब, इसे चित्र द्वारा समझते हैं।

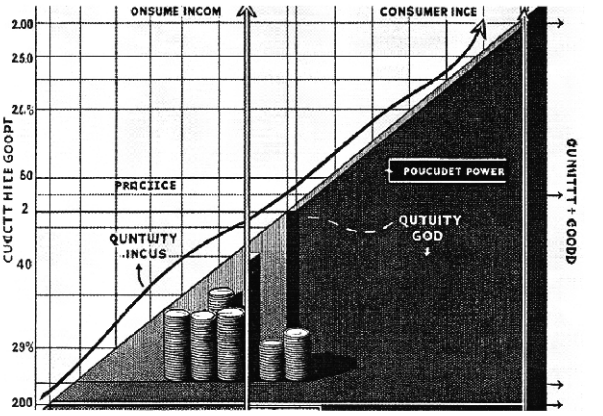


यहाँ बजट रेखाओं का क ग्राफिकल प्रतिनिधित्व दिखाया गया है। इस चित्र में दो बजट रेखाएँ हैं, पहली रेखा आरंभिक स्थिति को दर्शाती है जहाँ उपभोक्ता की आय और वस्तुओं की कीमतें सरामान्य स्तर पर है। दूसरी रेखा, जो पहली रेखा के समानांतर और उसके ऊपर है, उस स्थिति को दर्शाती है जहाँ उपभोक्ता की आय और वस्तुओं की कीमतें दोनों दुगनी हो गई हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि बजट रेखा के ढाल और स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, जिसका अर्थ है कि उपभोक्ता की खरीदारी क्षमता अपरिवर्तित रही है।

**33.** कुल लागत (Total Cost) उत्पादन के लिए आवश्यक सभी लागतों का योग होती है। इसमें स्थिर लागत (Fixed Costs) जो उत्पादन की मात्रा से प्रभावित नहीं होती, और परिवर्तनशील लागत (Variable Costs) जो उत्पादन की मात्रा के साथ बदलती है, शामिल होती है। सीमांत लागत (Marginal Cost) एक अतिरिक्त इकाई उत्पादन करने की लागत है। यह उत्पादन की मात्रा में वृद्धि से होने वाली कुल लागत में वृद्धि को दर्शाती है। सीमांत लागत का महत्त्व इसमें है कि यह उत्पादन की अधिकतम दक्षता को निर्धारित करने में मदद करती है। औसत लागत (Average Cost) या औसत कुल लागत (Average Total Cost), उत्पादित हर इकाई पर अने वाली लागत का औसत है। इसे कुल लागत को कुल उत्पादन से विभाजित करके निकाला जाता है। यह उत्पादन की प्रक्रिया की कुशलता का संकेतक होता है, क्योंकि यह दर्शाता है कि प्रत्येक इकाई उत्पादन करने के लिए औसतन कितनी लागत आ रही है। इन तीनों-कुल लागत, सीमांत लागत और औसत लागत की अवधारणाओं का उपयोग उत्पादन की योजना मूल्य निर्धारण और

वित्तीय निर्णय लेने में किया जाता है। इनका गहन विश्लेषण व्यसायों को अधिक दक्षता और लाभप्रदता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

**34.** उच्चतम निर्धारित कीमत (Price Celling) एक सरकारी नियंत्रण है जो विशेष वस्तु या सेवा के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करता है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को अत्यधिक ऊंची कीमतों से बचाना होता है। एक सामान्य उदाहरण है किराए का नियंत्रण। मान लीजिए, की शहर में किराए की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ रही है। इससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए आवास उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है। इस स्थिति में, सरकार एक उच्चतम निर्धारित कीमत लागू कर सकती है, जिससे किराये की अधिकतम सीमा तय हो जाती है। यह सुनिश्चित करता है कि आवास किफायती बना रहे। हालांकि, उच्चतम निर्धारित कीमत के कुछ नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। जैसे, किराए की निर्धारित सीमा के कारण, मकान मालिकों को कम लाभ हो सकता है, जिससे वे आवास की मरम्मत और रखरखाव में कम निवेश कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह किराये के बाजार में आपूर्ति की कमी का कारण भी बन सकता है, क्योंकि निर्माण कंपनियाँ अधिक लाभप्रद विकल्पों की ओर मुड़ सकती है।

**35. व्यावसायिक बैंक या व्यापारिक बैंक**—सामान्य बैंकिंग कार्य करने वाले बैंकों को व्यावसायिक या व्यापारिक बैंक कहते हैं। इन बैंकों का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक संस्थाओं की अल्पकालीन वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्त्ति करना है। व्यापारिक बैंक धन जमा करने, ऋण देने, चेकों का संग्रहण एवं भुगतान करने तथा एजेन्सी सम्बन्धी अनेक काम करते हैं।

भारतीय बैंकिंग नियमन अधिनियम के अनुसार—"बैंकिंग से तात्पर्य ऋण देने अथवा विनियोजन के लिए जनता से धन जमा करना है जो माँग करने पर लौटाया जा सकता है तथा चेक, ड्राफ्ट अथवा अन्य प्रकार की आज्ञा द्वारा निकाला जा सकता है।

**हॉरेस ह्वाइट** के अनुसार, "बैंक साख का एक निर्माता और विनिमय को सुविधाजनक बनाने वाला यन्त्र है।"

व्यावसायिक बैंकों के कार्य—

**A. प्राथमिक कार्य**—(i) जमाएँ स्वीकार करना, (ii) ऋण देना, (iii) साख निर्माण करना।

**B. गोण कार्य**—(i) एजेण्ट के रूप में कार्य करना, (ii) सामान्य उपयोगिता के कार्य, जैसे—ATM एवं क्रेडिट कार्ड, लॉकर, चेक, आदि प्रदान करना।

**36.** सार्वजनिक ऋण का मुद्दा अक्सर बहस का विषय रहता है। सार्वजनिक ऋण तब बढ़ता है जब सरकारें अपनी खर्च की जरूरतों को पूरा करने के लिए धन उधार लेती है। इसे बोझ माना जा सकता है यदि यह विकास और आर्थिक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। सार्वजनिक ऋण तब बोझ बन जाता है जब यह अत्यधिक ऊँचा हो जाता है और इसका प्रबंधन कठिन हो जाता है। उच्च ऋण स्तर वित्तीय संसाधनों को ब्याज भुगतान और ऋण पुनर्भुगतान में निवेश करने की ओर मोड़ देता है, जो कि शिक्षा वास्थ्य देखभाल और अन्य सामाजिक सेवाओं जैसे जरूरी क्षेत्रों में खर्च करने के लिए उपलब्ध धन को कम करता है। इसके अलावा अगर ऋण से प्राप्त धन का उपयोग उत्पादकता बढ़ाने वाले निवेश में नहीं किया जाता है, तो यह आर्थिक विकास को धीमा कर सकता है। अधिक ऋण का मतलब है अधिक ब्याज भुगतान, जिससे भविष्य के बजट पर दबाव पड़ता है।

यदि ऋण का सही ढंग से प्रबंधन किया जाता है और इसे ऐसे परियोजनाओं में लगाया जाता है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं, तो यह समग्र रूप से देश के लिए लाभदायक हो सकता है। इसके विपरीत, यदि ऋण का उपयोग अप्रभावी ढंग से किया जाता है या यदि यह अत्यधिक बढ़ जाता है, तो इससे आर्थिक संकट और स्थिरता में कमी आ सकती है। ऋण के प्रबंधन में विफलता अंततः कर बढ़ोतरी, खर्च में कटौती और मुद्रास्फीति जैसी समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़; सकता है।

**37.** एक लचीली विनिमय दर प्रणाली में विनिमय दर का निर्धारण बाजार की माँग और आपूर्ति के सिद्धांतों द्वारा होता है। यहाँ, मुद्राओं की कीमतें विदेशी मुद्रा बाजार में खरीदारों (आयातकों, निवेशकों और स्पेकुलेटर्स) और विक्रेताओं (निर्यातकों, निवेशकों और अन्य विदेशी मुद्रा विक्रेताओं) के बीच की बातचीत के आधार पर निर्धारित होती है।

**1. 'माँग'**—यदि किसी देश की मुद्रा की माँग बढ़ती है (उदाहरण के लिए, उस देश में निवेश करने के लिए या उस देश के माल आयात करने के लिए), तो उस मुद्रा की विनिमय दर बढ़ सकती है।

**2. 'आपूर्ति'**—इसके विपरीत, अगर किसी मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि होती है (जैसे कि जब निवासी विदेशी माल खरीदते हैं या विदेश में निवेश करते हैं), तो उस मुद्रा की विनिमय दर कम हो सकती है।

इस प्रकार, लचीली विनिमय दर प्रणाली में, विनिमय दरें विश्व बाजार में आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ, मौद्रिक नीतियाँ, ब्याज दरों और अन्य कारकों के प्रभाव में उतार-चढ़ाव करती है।

**38.** एक दो-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में, आय का निर्धारण आमतौर पर दो मुख्य क्षेत्रों-उत्पादन (या फर्म्स) और घरेलू (या उपभोक्ता) के बीच आर्थिक लेन-देन पर आधारित होता है। इसे समझाने के लिए, हम दो सरल चित्रों की सहायता ले सकते हैं—

**(i)** उत्पादन और आय का प्रवाह—इस चित्र में दिखाया जाएगा कि किस प्रकार फर्म्स उत्पाद और सेवाएँ बनाते हैं और उन्हें घरेलू (उपभोक्ताओं) को बेचते हैं। इसके बदले में, घरेलू फर्म्स को भुगतान करते हैं, जो फर्म्स की आय बनती है।

**(ii)** संसाधन और मजदूरी का प्रवाह—इस चित्र में यह दर्शाया जाएगा कि कैसे घरेलू अपने संसाधन (जैसे श्रम और पूंजी) फर्म्स को प्रदान करते हैं। बदले में, फर्म्स इन संसाधनों के लिए घरेलू को मजदूरी, ब्याज और लाभ (यानी आय) देते हैं।

इन चित्र के माध्यम से, हम देख सकते हैं कि एक दो-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में आय कैसे पैदा होती है और प्रवाहित होती है। के माध्यम से समझा जा सकता है ।

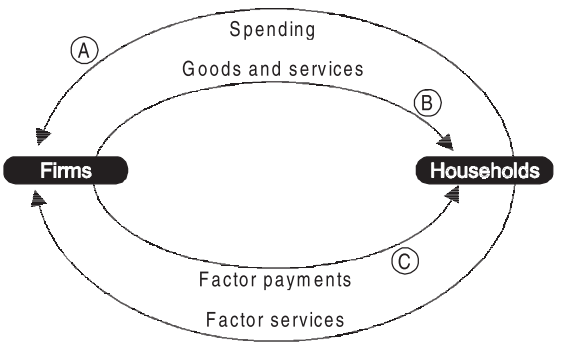


■■■

# हिन्दी (100 अंक)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

समय : 3 घंटा 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :**

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है, खण्ड-अ एवं खण्ड-ब।
6. **खण्ड-अ** में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने पर प्रथम 50 प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जायगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर-पत्रक में दिये गये सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर-पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
7. **खण्ड-ब** में कुल 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

## खण्ड-अ
## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

❑ **प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR उत्तर-पत्रक पर चिह्नित करें।** 50 × 1 = 50

**1.** 'उसने कहा था'-शीर्षक कहानी में सूबेदारनी ने युद्ध भूमि में अपने पति और पुत्र को बचाने के लिए किससे कहा था ?
(A) लहना सिंह से (B) वजीरा सिंह से
(C) कीरत सिंह से (D) बोध सिंह से

**2.** 'संपूर्ण क्रांति भाषण' निम्न में से किसने दिया था ?
(A) जयप्रकाश नारायण (B) नामवर सिंह
(C) भगत सिंह (D) जे॰ कृष्णमूर्ति

**3.** 'ओ सदानीरा' शीर्षक निबंध निम्न में से किस रचनाकार का है ?
(A) मोहन राकेश (B) जगदीशचंद्र माथुर
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) मलयज

**4.** 'जूठन' शीर्षक आत्मकथा निम्न में से किनकी रचना है ?
(A) ओमप्रकाश वाल्मीकि (B) उदय प्रकाश
(C) नामवर सिंह (D) जे॰ कृष्णमूर्ति

**5.** 'शिक्षा' निम्न में से किनकी रचना है ?
(A) नामवर सिंह (B) जे॰ कृष्णमूर्ति
(C) उदय प्रकाश (D) मलयज

**6.** 'जायसी' की रचना निम्न में से कौन है ?
(A) पद्मावत (B) उर्वशी
(C) बीजक (D) अधिनायक

**7.** 'जहाँ भय है, वहाँ मेधा नहीं हो सकती'-यह कथन किस लेखक का है ?
(A) जे॰ कृष्णमूर्ति (B) उदयप्रकाश
(C) मोहन राकेश (D) मलयज

**8.** 'सूरदास' के पद में कौन रस नहीं पाया जाता है ?
(A) वीर रस (B) वात्सल्य रस
(C) भक्ति रस (D) शृंगार रस

**9.** 'हिन्दी साहित्य का सूर्य' किसे कहा जाता है ?
(A) तुलसीदास को (B) कबीरदास को
(C) सूरदास को (D) जायसी को

**10.** पठित पाठ के आधार पर 'पंचायती राज' में क्या खो गया है ?
(A) ईमानदारी (B) पंचपरमेश्वर
(C) ग्राम पंचायत (D) विश्व-बंधुत्व

**11.** 'एक लेख और एक पत्र' में भगत सिंह ने निम्न में से किसको पत्र लिखा था ?
(A) सुखदेव (B) चन्द्रशेखर आजाद
(C) राजगुरू (D) बिस्मिल

**12.** जयशंकर प्रसाद की नाट्यकृति निम्न में से कौन है ?
(A) ध्रुवस्वामिनी (B) कोणार्क
(C) आधे-अधूरे (D) आषाढ़ का एक दिन

**13.** 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है :
(A) 1943 (B) 1940
(C) 1945 (D) 1942

**14.** सुभद्रा कुमारी चौहान के पिता निम्न में से कौन हैं ?
(A) ठाकुर हरिनाथ सिंह (B) ठाकुर रामनाथ सिंह
(C) ठाकुर जगमोहन सिंह (D) ठाकुर नामवर सिंह

**15.** 'सेकसरिया पुरस्कार' निम्न में से किनको मिला है ?
(A) सुभद्रा कुमारी चौहान (B) सरोजनी नायडू
(C) मीराबाई (D) महादेवी वर्मा

**16.** 'अर्द्धनारीश्वर' हिन्दी साहित्य की कौन विधा है ?
(A) निबंध (B) कहानी
(C) नाटक (D) आलोचना

**17.** 'सरोज-स्मृति' शीर्षक रचना की कौन विधा है ?
(A) देशभक्ति गीत (B) लोकगीत
(C) शोकगीत (D) भक्तिगीत

**18.** चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का जन्म-स्थान कहाँ है ?
(A) जयपुर (B) पटना
(C) वाराणसी (D) देहरादून

**19.** रामधारी सिंह दिनकर का जन्म-स्थान है ?
(A) सिमरिया, बेगूसराय (B) लमही, वाराणसी
(C) गुलेर, काँगड़ा (D) सिरही, उत्तर प्रदेश

**20.** 'संस्कृति के चार अध्याय' के रचयिता निम्न में से कौन हैं ?
(A) नामवर सिंह (B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) रामधारी सिंह दिनकर (D) जयशंकर प्रसाद

**21.** 'अज्ञेय' का जन्म-स्थान कहाँ है ?
(A) कुशीनगर, उत्तर प्रदेश (B) लमही, वाराणसी
(C) जयपुर, राजस्थान (D) बेगूसराय, बिहार

**22.** जगदीश चंद्र माथुर का जन्म-स्थान है :
(A) शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश (B) जयपुर, राजस्थान
(C) बेगूसराय, बिहार (D) कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

**23.** 'मोहन राकेश' के बचपन का नाम क्या था ?
(A) मदन मोहन गुगलानी (B) राधामोहन गुगलानी
(C) कृष्ण गुगलानी (D) राकेश गुगलानी

**24.** रामधारी सिंह दिनकर को उनकी किस कृति पर 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला था ?
(A) उर्वशी (B) रश्मिरथी
(C) कुरूक्षेत्र (D) रेणुका

**25.** हिन्दी कहानी के विकास में 'मील का पत्थर' निम्न में से कौन कहानी है ?
(A) शिक्षा (B) उसने कहा था
(C) तिरिछ (D) रोज

**26.** 'हजारा सिंह' किस कहानी का पात्र है ?
(A) तिरिछ (B) रोज
(C) जूठन (D) उसने कहा था

**27.** 'कल, देखते नहीं यह रेशम से कढ़ा हुआ सालू'-यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है ?
(A) उसने कहा था (B) ओ सदानीरा
(C) तिरिछ (D) जूठन

**28.** 'महेश्वर' किस कहानी के पात्र हैं ?
(A) रोज (B) जूठन
(C) तिरिछ (D) ओ सदानीरा

**29.** 'कुंती' किस एकांकी की पात्र है ?
(A) सिपाही की माँ (B) आधे-अधूरे
(C) लहरों के राजहंस (D) आषाढ़ का एक दिन

**30.** 'कविता के नये प्रतिमान' के रचयिता निम्न में से कौन हैं ?
(A) मलयज (B) उदय प्रकाश
(C) नामवर सिंह (D) ओमप्रकाश वाल्मीकि

**31.** 'सच है, जब तक मनुष्य बोलता नहीं तब तक उसका गुण-दोष प्रकट नहीं होता'- यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है ?
(A) बातचीत (B) रोज
(C) तिरिछ (D) जूठन

**32.** 'डॉ॰ अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार' निम्नलिखित में से किनको मिला है ?
(A) ओमप्रकाश वाल्मीकि (B) नामवर सिंह
(C) मलयज (D) जे॰ कृष्णमूर्ति

**33.** 'इनसे ये न कराओ ... भूखे रह लेगें ... इन्हें इस गंदगी में ना घसीटो' - यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है ?
(A) रोज (B) जूठन
(C) तिरिछ (D) शिक्षा

**34.** पंडित राम औतार वैद्य एवं पिताजी किस कहानी के पात्र हैं ?
(A) तिरिछ (B) रोज
(C) जूठन (D) ओ सदानीरा

**35.** 'जसवीर और जनेसर' किस आत्मकथा के पात्र हैं ?
(A) जूठन (B) रोज
(C) शिक्षा (D) बातचीत

**36.** 'प्रेमाख्यानक काव्य-धारा' के कवि निम्न में से कौन हैं ?
(A) सूरदास (B) कबीरदास
(C) जायसी (D) तुलसीदास

**37.** 'गाढ़ी प्रीति नैन जल भेई' - यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से है ?
(A) सूर के पद (B) कड़बक
(C) तुलसी के पद (D) छप्पय

**38.** 'कलि कराल दुकाल दारून, सब कुभाँति कुसाजु' - यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से है?
(A) तुलसी के पद (B) छप्पय
(C) हार-जीत (D) पुत्रा-वियोग

**39.** 'डरा हुआ मन बेमन जिसका बाजा रोज बजाता है' - यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से है?
(A) पुत्र-वियोग (B) हार-जीत
(C) अधिनायक (D) उषा

**40.** 'कि जिन बुलौओं से, गाँव के घर की रीढ़ झुरझुराती है' - यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से है ?
(A) अधिनायक (B) गाँव का घर
(C) उषा (D) हार-जीत

**41.** 'जिस पुरुष में नारीत्व नहीं, अपूर्ण है' - यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है ?
(A) अर्धनारीश्वर (B) रोज
(C) तिरिछ (D) ओ सदानीरा

**42.** 'ओ सदानीरा' शीर्षक पाठ में किस नदी की चर्चा है ?
(A) गंगा नदी (B) यमुना नदी
(C) गंडक नदी (D) कोशी नदी

**43.** 'आज तक तो सुना नहीं था कि काँटों के चुभने से मर जाते हैं ...' - किस शीर्षक पाठ की पंक्ति है ?
(A) हँसते हुए मेरा अकेलापन (B) रोज
(C) तिरिछ (D) जूठन

**44.** 'तिरिछ' कहानी किस प्रकार की रचना है ?
(A) मनोवैज्ञानिक (B) आदर्शवादी
(C) आध्यात्मिक (D) जादुई यथार्थवादी

**45.** 'ग्रेंग्रीन' शीर्षक रचना के रचयिता निम्न में से कौन हैं ?
(A) अज्ञेय (B) मुक्तिबोध
(C) मलयज (D) उदय प्रकाश

**46.** 'तिरिछ' शीर्षक पाठ में तिरिछ क्या है ?
(A) विषैला कीड़ा (B) खिलौना
(C) सिपाही (D) नदी

**47.** 'दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्रा' के रचयिता निम्न में से कौन हैं ?
(A) ओमप्रकाश वाल्मीकि (B) मुक्तिबोध
(C) नामवर सिंह (D) जे॰ कृष्णमूर्ति

**48.** पुंडलीकजी का संबंध निम्न में से किस रचना से है?
(A) रोज (B) ओ सदानीरा
(C) तिरिछ (D) बातचीत

**49.** 'सिपाही की माँ' एकांकी में निम्न में से कौन पात्र नहीं है ?
(A) कुंती (B) मुन्नी
(C) बिशनी (D) मालती

**50.** 'उन दिनों गाँव में मरने वाले पशुओं को उठाने का काम भी चूहड़ों के जिम्मे था' – यह पंक्ति किस पाठ से है ?
(A) रोज (B) उसने कहा था
(C) तिरिछ (D) जूठन

**51.** 'बिना वेतन के' – के लिए एक शब्द क्या है ?
(A) अवैतनिक (B) वैतनिक
(C) मानदेय (D) प्रतिमान

**52.** 'कलम की कमाई खाने वाला' के लिए एक शब्द क्या है ?
(A) मसिजीवी (B) दीर्घजीवी
(C) अल्पजीवी (D) इनमें से कोई नहीं

**53.** 'जहाँ पुस्तकें छपती हों' – के लिए एक शब्द क्या है ?
(A) टंकणालय (B) गौशाला
(C) निर्माणशाला (D) मधुशाला

**54.** 'जल में रहने वाली सेना' के लिए एक शब्द क्या है ?
(A) नौसेना (B) भू सेना
(C) वीर सेना (D) हवाई सेना

**55.** 'जो फल आहार करता है'–के लिए एक शब्द क्या है ?
(A) फलाहारी (B) शाकाहारी
(C) माँसाहारी (D) सर्वाहारी

**56.** 'छात्रों के रहने का स्थान' के लिए एक शब्द क्या है ?
(A) छात्रावास (B) धर्मशाला
(C) कोचिंग संस्थान (D) महाविद्यालय

**57.** 'राजदूत' शब्द कौन समास है ?
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) द्विगु

**58.** 'यथाशक्ति' शब्द कौन समास है ?
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

**59.** 'भला–बुरा' शब्द कौन समास है ?
(A) कर्मधारय (B) द्वन्द्व
(C) द्विगु (D) बहुव्रीहि

**60.** 'दोपहर' शब्द कौन समास है ?
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

**61.** 'माँ–बाप' शब्द कौन समास है ?
(A) द्वन्द्व (B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

**62.** 'चतुरानन' शब्द कौन समास है ?
(A) बहुव्रीहि (B) द्वन्द्व
(C) नञ् (D) तत्पुरुष

**63.** 'बुढ़ापा' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) भाववाचक (B) व्यक्तिवाचक
(C) समूहवाचक (D) द्रव्यवाचक

**64.** 'पाटलिपुत्र' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक
(C) द्रव्यवाचक (D) समूहवाचक

**65.** 'गुच्छा' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) समूहवाचक (B) जातिवाचक
(C) व्यक्तिवाचक (D) भाववाचक

**66.** 'चीनी' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक (B) व्यक्तिवाचक
(C) द्रव्यवाचक (D) समूहवाचक

**67.** निम्न में से शुद्ध शब्द कौन है ?
(A) आशीर्वाद (B) आर्शीवाद
(C) आर्सीवाद (D) अशीर्वाद

**68.** निम्न में से शुद्ध शब्द कौन है ?
(A) प्रशंसा (B) प्रशाद
(C) प्रनाम (D) समीती

**69.** 'इतिहास' शब्द का विशेषण क्या है ?
(A) ऐतिहासिक (B) इतिहासिक
(C) एतिहासिक (D) इतिहासक

**70.** 'लोक' शब्द का विशेषण क्या है ?
(A) लोकपरक (B) लौकिक
(C) लोकिक (D) लालिमा

**71.** 'भारत' का विशेषण क्या है ?
(A) भारती (B) भारतीय
(C) भरतीया (D) भारतिय

**72.** 'खून–पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?
(A) बहुत परिश्रम करना (B) युद्ध करना
(C) उल्टा काम करना (D) क्रोधित होना

**73.** 'ईंट से ईंट बजाना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?
(A) विकास करना (B) मदद करना
(C) लड़ाई करना (D) अनहोनी होना

**74.** 'गाल बजाना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?
(A) डींग हाँकना (B) उदास होना
(C) चाल चलना (D) शर्म करना

**75.** 'अग्नि' शब्द का पर्यायवाची क्या है ?
(A) पावक (B) हय
(C) व्योम (D) बाजि

**76.** 'कपड़ा' शब्द का पर्यायवाची क्या है ?
(A) वस्त्र (B) पद्मान
(C) सिलाई (D) कमीज

**77.** 'काजल' शब्द क्या है ?
(A) पुंलिंग (B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

**78.** 'आत्मा' शब्द क्या है ?
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंलिंग
(C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

**79.** 'प्राण' शब्द क्या है ?
(A) पुंलिंग (B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

**80.** 'पुरस्कार' शब्द का विलोम क्या है ?
(A) सम्मान (B) दंड
(C) आदर (D) पारिश्रमिक

**81.** 'अनुराग' शब्द का विलोम क्या है ?
(A) विराग (B) प्रहार
(C) प्रेम (D) समाहार

**82.** 'कृपा' शब्द का विलोम क्या है ?
(A) करूणा (B) दया
(C) कोप (D) आशीर्वाद

**83.** 'गणतंत्र' शब्द का विलोम क्या है ?
(A) राजतंत्र (B) वितंत्र
(C) परतंत्र (D) गुलामी

**84.** 'साकार' शब्द का विलोम क्या है ?
(A) निराकार (B) अतिकार
(C) बेकार (D) इनमें से कोई नहीं

**85.** 'दक्षिण' शब्द का विलोम क्या है ?
(A) उत्तर (B) पूर्व
(C) पश्चिम (D) दिशा

**86.** 'नीलकमल' शब्द कौन समास है ?
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) कर्मधारय

**87.** 'थोड़ा पानी' किस विशेषण का उदाहरण है ?
(A) सार्वनामिक (B) प्रविशेषण
(C) परिमाणबोधक (D) गुणवाचक

**88.** 'जगन्नाथ' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है ?
(A) जगत् + नाथ (B) जग + नाथ
(C) जग + अनाथ (D) जगत + नाथ

**89.** 'विद्यार्थी' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है ?
(A) विद्या + अर्थी (B) विद्या + र्थी
(C) विदा + आथी (D) इनमें से कोई नहीं

**90.** 'दिगम्बर' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है ?
(A) दिक + अंबर (B) दिक् + अम्बर
(C) दिगम् + बार (D) दिक + अंबार

**91.** 'मदिरालय' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है ?
(A) मंदिर + आलय (B) मदिरा + आलय
(C) मदिर + आलय (D) मद + आलय

**92.** 'अनजान' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) अ (B) अन
(C) अन् (D) अनज

**93.** 'पुरातन' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) पु (B) पुरा
(C) उ (D) पुर

**94.** 'प्रतिनिधि' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) प्रति (B) प्रतिनि
(C) प्रत (D) धि

**95.** 'उपभाषा' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) उ (B) उप
(C) उपमा (D) उपभा

**96.** 'विशेष' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) विष (B) विश
(C) वि (D) बीस

**97.** 'सुकर्म' शब्द में उपसर्ग क्या है?
(A) सु (B) सू
(C) सुक (D) सुकम

**98.** 'मैं स्वयं खा लूँगा' - यह किस सर्वनाम का उदाहरण है ?
(A) निश्चयवाचक (B) संबंधवाचक
(C) निजवाचक (D) अनिश्चयवाचक

**99.** 'बेईमान' शब्द है ?
(A) देशज (B) विदेशज
(C) तत्सम (D) तद्भव

**100.** 'लिंग' के हिन्दी में कितने प्रकार है ?
(A) दस (B) चार
(C) दो (D) पाँच

## खण्ड-ब
## विषयनिष्ठ प्रश्न

**1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :** **1 × 8 = 8**

(i) हमारे प्रिय उत्सव
(ii) मेरे प्रिय कवि
(iii) विज्ञान के चमत्कार
(iv) वन-संरक्षण
(v) आरक्षण-नीति
(vi) मोबाइल और विद्यार्थी

**2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करें :** **2 × 4 = 8**

(i) ''आदमी यथार्थ को जीता ही नहीं, यथार्थ को रचता भी है।''

(ii) ''कितने क्रूर समाज में रह रहे हैं हम, जहाँ श्रम का कोई मोल नहीं, बल्कि निर्धनता को बरकरार रखने का षडयंत्र ही था यह सब।''

(iii) ''फिर भी कोई कुछ न कर सका
छिन ही गया खिलौना मेरा
मैं असहाय विवश बैठी ही
रही उठ गया छौना मेरा।''

(iv) ''आशामयी लाल - लाल किरणों से अंधकार
चीरता सा मित्र का स्वर्ग एक :
जन-जन का मित्र एक।''

**3. अपने प्रधानाचार्य के पास एक आवेदन-पत्र लिखें जिसमें किसी पर्यटन स्थल पर घूमने जाने का अनुरोध हो।** $1 \times 5 = 5$

अथवा,

**एं॰टी॰एम॰ कार्ड हेतु बैंक-प्रबंधक के पास एक आवेदन-पत्र लिखें।**

**4. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दें :** $5 \times 2 = 10$

(i) मानक स्वयं को वहशी और जानवर से भी बढ़कर क्यों कहता है ?

(ii) जहाँ भय है वहाँ मेधा नहीं हो सकती। क्यों ?

(iii) 'धरती का क्षण' से क्या आशय है ?

(iv) प्यार का इशारा और क्रोध का दुधारा से क्या तात्पर्य है ?

(v) हृदय की बात का क्या अर्थ है ?

(vi) तुलसी ने अपने किन-किन दुर्गुणों का बखान किया है ?

(vii) भगत सिंह ने कैसी मृत्यु को 'सुंदर' कहा है ?

(viii) कबीर विषयक छप्पय में नाभादास ने कबीर के बारे में क्या कहा है ?

(ix) सुभद्रा जी के पति के व्यक्तित्व के बारे में बताएँ।

(x) नदियों की वेदना का क्या कारण है ?

**5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर दें :** $3 \times 5 = 15$

(i) 'बातचीत' के संबंध में बेन जॉनसन और एडीसन के क्या विचार हैं ?

(ii) 'संपूर्ण क्रांति' पाठ का सारांश लिखिए।

(iii) 'रोज' कहानी में कहानीकार ने किस प्रकार मालती की अंत:स्थिति व बाह्य स्थिति का वर्णन किया है ?

(iv) सूरदास के प्रथम पद का भावार्थ लिखिए।

(v) 'उषा' शीर्षक कविता का भाव स्पष्ट करें।

(vi) 'क्लर्क की मौत' शीर्षक कहानी का सारांश लिखें।

**6. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का संक्षेपण कीजिए :** $1 \times 4 = 4$

(i) अँग्रेजी पढ़ना खराब नहीं है, पर अँग्रेजी पढ़कर अँग्रेज हो जाना खराब है। अँग्रेजी पढ़कर अपने देश को, अपनी भाषा को अपनी संस्कृति को भूल जाना खराब है। यह बात इसलिए कह रहा हूँ कि आज के अधिकतर अँग्रेजी पढ़े-लिखे सज्जन अपने देश की प्रत्येक चीज को हीन दृष्टि से देखते हैं। उसकी आलोचना करते हैं और उसे अपनाने में अपनी मान-हानि समझते हैं। पर्व को ही लीजिए। पढ़े-लिखे लोग कहते हैं कि यह, स्त्रियों का ढोंग है, यह पंडितों का पोंग है। पर्व बेकार है, पर्व फिजूल खर्ची है। पर्व-त्योहार अंध भक्तों का पेशा है। अंध-भक्ति इंसानों के विकास-पथ का रोड़ा है। अंध-भक्ति से मनुष्य का विकास गति रूक जाती है।

(ii) राजनीतिक दाँव-पेंच के इस युग में चुनाव व्यवसाय बना है। चुनाव में मतदाताओं को ठगने एवं उनको मायाजाल में फँसाने के लिए रंग-बिरंगे, लोभ-लुभावन वायदे किये जाते हैं। गरीबी हटाने, बेरोजगारी मिटाने, सड़क बनवाने, विद्यालय खुलवाने, नौकरी दिलवाने, आरक्षण लागू करवाने आदि अनेक प्रकार के झूठे वायदे चुनाव के समय किये जाते हैं। गरीबी हटाने और बेरोजगारी को हटाने के लिए उद्योगों की स्थापना करनी होगी। वायदों और जुमलेबाजी की रंगीन परिकल्पनाओं से मतदाता की आस्था धीरे-धीरे समाप्त होने लगी है।

## व्याख्यासहित उत्तर

### खण्ड – अ

### OMR ANSWER-SHEET

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 71. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 72. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 73. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 74. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 75. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 76. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 77. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 78. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 79. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 80. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 81. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 82. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 83. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 84. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 85. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 86. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 87. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 88. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 89. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 90. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 91. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 92. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 93. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 94. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 95. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 96. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 97. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 98. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 99. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 100. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

## ANSWER

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **1.** (A) | **2.** (A) | **3.** (D) | **4.** (A) | **5.** (B) |
| **6.** (A) | **7.** (A) | **8.** (A) | **9.** (C) | **10.** (A) |
| **11.** (A) | **12.** (A) | **13.** (A) | **14.** (A) | **15.** (D) |
| **16.** (A) | **17.** (C) | **18.** (C) | **19.** (A) | **20.** (A) |
| **21.** (D) | **22.** (B) | **23.** (B) | **24.** (A) | **25.** (B) |
| **26.** (D) | **27.** (A) | **28.** (B) | **29.** (A) | **30.** (C) |
| **31.** (A) | **32.** (A) | **33.** (A) | **34.** (D) | **35.** (A) |
| **36.** (C) | **37.** (A) | **38.** (B) | **39.** (D) | **40.** (B) |
| **41.** (A) | **42.** (A) | **43.** (C) | **44.** (D) | **45.** (D) |
| **46.** (B) | **47.** (A) | **48.** (B) | **49.** (D) | **50.** (D) |
| **51.** (A) | **52.** (A) | **53.** (A) | **54.** (A) | **55.** (A) |
| **56.** (A) | **57.** (C) | **58.** (A) | **59.** (B) | **60.** (A) |
| **61.** (A) | **62.** (A) | **63.** (A) | **64.** (A) | **65.** (A) |
| **66.** (C) | **67.** (A) | **68.** (A) | **69.** (A) | **70.** (B) |
| **71.** (B) | **72.** (A) | **73.** (D) | **74.** (A) | **75.** (A) |
| **76.** (A) | **77.** (B) | **78.** (B) | **79.** (A) | **80.** (B) |
| **81.** (A) | **82.** (C) | **83.** (A) | **84.** (A) | **85.** (A) |
| **86.** (A) | **87.** (C) | **88.** (A) | **89.** (A) | **90.** (B) |
| **91.** (B) | **92.** (B) | **93.** (D) | **94.** (A) | **95.** (B) |
| **96.** (C) | **97.** (A) | **98.** (C) | **99.** (B) | **100.** (C) |

## खण्ड – ब

**1. (i) हमारे प्रिय उत्सव ( होली )**

**भूमिका**—भारत उत्सवों का देश है। होली सबसे अधिक रंगीन और मस्ती भरा उत्सव है। इस दिन भारतवर्ष में सभी फक्कड़ता और मस्ती की भँग में मस्त रहते हैं।

**होली**—होली वाले दिन लोग छोटे-बड़े, ऊँच-नीच, गरीब-अमीर, ग्रामीण-शहरी का भेद भूलकर एक-दूसरे से गले मिलते हैं तथा परस्पर गुलाल लगाते हैं।

**पौराणिक कथा**—होली के मूल में हिरण्यकश्यप के पुत्र प्रह्लाद और होलिका का प्रसंग आता है। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मार डालने के लिए होलिका को नियुक्त किया था। होलिका के पास एक ऐसी चादर थी, जिसे ओढ़ने पर व्यक्ति आग के प्रभाव से बच सकता था। होलिका ने उस चादर को ओढ़कर प्रह्लाद को गोद में ले लिया और अग्नि में कूद पड़ी, वहाँ दैवी चमत्कार हुआ। होलिका आग में जलकर भस्म हो गई, परंतु प्रह्लाद का बाल भी बाँका न हुआ। तब से लेकर आज तक होलिका-दहन की स्मृति में होली का पर्व मनाया जाता है।

**होली की विशेषता**—होली का उत्सव दो प्रकार से मनाया जाता है। होली के एक या दो दिन पहले रात्रि में लकड़ी, झाड़-झंखाड़ एकत्र कर उसमें आग लगा देते है और समूह में इकट्ठे होकर गीत गाते हैं। आग जलाने की यह प्रथा होलिका-दहन की याद दिलाती है। ये लोग रात को आतिशबाजी आदि जलाकर भी अपनी खुशी प्रकट करते हैं।

**उपसंहार**—इस दिन गली-मुहल्लों में ढोल-मजीरे बजते सुनाई देते हैं। कोई नीले-पीले वस्त्र पहने घूमता है, तो कोई जोकर की मुद्रा में मस्त है। बच्चे पानी के रंगों में एक-दूसरे को नहलाने का आनंद लेते हैं। बच्चे पिचकारियों से भी रंग की वर्षा करते दिखाई देते हैं। परिवारों में इस दिन लड़के-लड़कियाँ, बच्चे-बूढ़े, तरूण-तरूणियाँ सभी मस्त होते हैं। प्रौढ़ महिलाओं की रंगबाजी रोचक बन पड़ती है। इस प्रकार यह उत्सव मस्ती और आनंद से भरपूर है।

**(ii) मेरे प्रिय कवि**

मेरे प्रिय कवि सूरदास हैं। हिन्दी साहित्य के इस अमर कलाकार सूरदास का जन्म 1478 ई० में वैशाख शुक्ल 5 को अलीगढ़ के निकट सीही नामक ग्राम में हुआ था। ये जाति के ब्राह्मण थे। इनके वंश एवं परिवार के बारे में ठोस प्रमाणों का अभाव है। इनकी कृति 'साहित्य लहरी' से पता चलता है कि ब्रजवासी बाबा रामदास के सात पुत्रों में ये सबसे छोटे पुत्र थे। इनका प्रारम्भिक जीवन अत्यन्त कष्टपूर्ण बीता, इसी से ये आध्यात्म की ओर प्रवृत्त होकर भजन-कीर्त्तन करने में रम गये। ये संगीत प्रेमी तो थे ही सुकण्ठ भी थे। कालान्तर में ये अपने ग्राम सीही से मथुरा आये और वहाँ से गऊ घाट। यह आगरा से 22 मील दूर स्थित है। यहाँ सूरदास 22 वर्षों तक आध्यात्मिक साधना में रत रहे। यहाँ महाप्रभु बल्लभाचार्य से इनकी भेंट हुई। सुकण्ठ सूरदास के भजनों को सुनकर बल्लभाचार्य ने इनकी संगीतकला और साहित्य रचना की मुक्त-कंठ से प्रशंसा की और इन्हें अपने सम्प्रदाय में दीक्षित कर लिया। इसके बाद गोवर्द्धन चले गये, जहाँ श्रीनाथ जी मन्दिर के प्रधान गायक के रूप में नियुक्त हुए। यहाँ उनकी आध्यात्मिक साधना काफी पुष्ट हुई। और ये पुष्टिमार्ग के जहाज ही माने जाने लगे। इनका यह काल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है। संवत् 1638 में इन्होंने अपना शरीर त्याग किया।

सूरदास सगुणोपासक भक्त थे। श्रीकृष्ण इनके आराध्य थे। महाप्रभु बल्लभाचार्य के पुष्टिमार्ग में दीक्षित होने के कारण सूरदास ने श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया है; क्योंकि पुष्टिमार्ग के अनुसार श्रवण, कीर्तण और स्मरण के माध्यम से ही भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त हो सकती है। फलत: सूरदास ने श्रीकृष्ण की भक्ति दासभाव और सखाभाव से की हैं। दासभाव वाले पदों में आत्म निवेदन और आत्म-समर्पण के भाव मुखर हुए; सखाभाव वाले पदों में बालकृष्ण के साथ ग्वालवालों की बालसुलभ चेष्टाएँ तथा राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंगों का हृदयग्राही वर्णन हुआ है। सूरदास के अनुसार श्रीकृष्ण अलौकिक परब्रह्म ईश्वर स्वरूप विष्णु के अवतार हैं। श्रीकृष्ण आदि पुरूष हैं और राधा आदि प्रकृति। दोनों दो शरीर और एक प्राण ईश्वर स्वरूप हैं। अत: अनुग्रह-प्राप्ति के लिए सूरदास ने श्रीकृष्ण और राधा की सगुण-भक्ति तन्मय होकर की है।

वे मूलत: ब्रजभाषा के कवि हैं। इनकी काव्य भाषा साहित्यिक सरस और सरल है। भाव के अनुरूप भाषा में प्रवाह और लालित्य दोनों हैं। चूँकि इन्हें संगीत शास्त्र का पूरा ज्ञान था इसलिए इनके पद विभिन्न राग-रागिनियों से बँधे हैं। कम शब्दों में विपुल भावाभिव्यंजन इनकी अप्रतिम दक्षता है। इनका अलंकार विधान भी उच्चकोटि का है। इनकी रचित पाँच कृतियाँ बतायी जाती हैं—(1) सूर-सागर (2) सूर-सारावली (3) साहित्य-लहरी (4) नल-दमयन्ती और (5) ब्याहली। परन्तु इन सब में प्रारम्भ के तीन की ही, प्रामाणिकता निस्संदिग्ध है, हालाँकि इनको महाकवि सिद्ध करने के लिए 'सूर-सागर' में जीवन लीला से संबंधित चार हजार पदों की रचना ही पर्याप्त है।

**(iii) विज्ञान के चमत्कार**

**प्रस्तावना**—आज विज्ञान का युग है। विज्ञान ने विश्व के सभी क्षेत्रों में अपनी विजय पताका फहरा रखी है। यह अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के युग को यदि हम वैज्ञानिक युग का नाम दे दें। प्राचीन और आधुनिक काल में पूर्णत: विपरीतता आ गई है। रहन-सहन, वस्त्र पहनावा, यातायात तथा जीवन प्रणाली पूर्णत: परिवर्तित हो गई है। उसमें नवीनता का समावेश हो चुका है। आज की दुनिया प्रतिक्षण बदलती दिखती है। परिवर्तन ही विकास है।

**विज्ञान के चमत्कार**—किसी भी वस्तु के बारे में जानकारी प्राप्त कराना और जानकारी को सही तरीके से लागू करना किसी भी वस्तु का सही अवलोकन अथवा विश्लेषण करना ही विज्ञान है। 'वि' का अर्थ है विकास करना, इससे तात्पर्य है कि विकास करने वाले ज्ञान को ही विज्ञान कहते हैं। आज विज्ञान के चमत्कार के माध्यम से ही मानव जाति इतनी समृद्ध हो पाई है। यदि प्राचीन काल की बात करें, तो मानव विकास उसकी चेतना के जागृत होने तथा उसकी जिज्ञासा का समुद्र की तरह विशाल होने के कारण

ही हो पाया है। सबसे पहले मानव ने अपनी कमजोरियों को समझ और उसके बाद अपनी सीमाओं को, फिर मानव ने अपने दृढ़ निश्चय से अपनी कमजोरियों को दूर करने तथा अपनी सीमाओं को पार करने का अथक प्रयास किया।

मानव द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किए गए अथक प्रयासों की वजह से और विज्ञान के चमत्कार से ही ऐसा संभव हो पाया है। मानव ने हर क्षेत्र में अपना विकास किया, पृथ्वी से लेकर ब्रह्मांड तक मानव ने विज्ञान के चमत्कार के माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया। हमारे वैज्ञानिकों ने ऐसे प्रयोगों को सफल बनाया।

यातायात के क्षेत्र में विज्ञान के ऐसे बहुत से विज्ञान के चमत्कार हैं जो अकल्पनीय हैं, जैसे पानी के बड़े-बड़े जहाज, बुलेट ट्रेन, मेट्रा ट्रेन, हवाई जहाज, अंतरिक्ष में पहुँचने के लिए स्पेस क्राफ्ट आदि जो आज इस समाज के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

**आवागमन के साधन**—आज आवगमन के साधन भी विज्ञान की कृपा से सर्वसुलभ हो गये हैं। रेल, मोटर साइकिल, स्कूटर तथा वायुयान इस क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौती दे रहे हैं। राष्ट्रीय पर्वों एवं शोक के अवसर पर समस्त राष्ट्र के राष्ट्राध्यक्षों का एक मंच पर उपस्थित होना इस बात का ज्वलन्त उदाहरण है।

**बिजली वरदान स्वरूप**—बिजली प्रतिपल एक दासी की भाँति सेवा में जुटी रहती है। कारखाने, रेडियो, टेलीविजन बिजली की सहायता से चलते हैं। बिजली से चलने वाले पंखे दुपहरी में निरन्तर चलकर मानव को परम शान्ति प्रदान कर रहे हैं।

**कृषि में योगदान**—कृषि के लिए नये यंत्र विज्ञान से आविष्कृत किये हैं। विज्ञान द्वारा उपलब्ध रासायनिक खाद एवं बीज से उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है।

**चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान**—एक्स-रे शरीर का आन्तरिक फोटो लेकर अनेक बीमारियों का पता लगा रहा है। कैंसर तथा एड्स जैसे रोगों पर निरन्तर शोध जारी है। परमाणु शक्ति भी विज्ञान की ही देन है।

**श्रम की बचत**—विज्ञान के द्वारा आविष्कृत मशीनों के माध्यम से पूरे देश का कार्य मनुष्य कुछ घंटों में समाप्त कर लेता है। बचे हुए समय को मनुष्य मनोरंजन या स्वाध्याय में व्यतीत करता है।

**अन्तरिक्ष के क्षेत्र में योगदान**—अन्तरिक्ष के क्षेत्र में भी आज मनु पुत्र अपने कदम बढ़ा चुका है। जो चन्दा मामा कभी बालकों के लिए अगम बना हुआ था, आज वैज्ञानिक उसके तल पर पहुँचने में सक्षम हुए हैं।

**विज्ञान से हानि**—हर अच्छाई के पीछे बुराई छिपी है। जहाँ विज्ञान ने मनुष्य को अनेक सुख सुविधाएँ प्रदत्त की हैं, वहाँ अशान्ति तथा दुःख का भी सृजन किया है। अगर हम सावधानीपूर्वक विचार करें तो विदित होता है कि इसमें विज्ञान का इतना दोष नहीं है जितनी कि मानव की कुत्सित प्रवृत्तियाँ दोषी हैं।

**उपसंहार**—विज्ञान स्वयं में अच्छा-बुरा नहीं है। यह मानव के प्रयोग पर निर्भर है। आज विज्ञान के गलत प्रयोग के फलस्वरूप ही दुनिया में विनाशकारी दृश्य नजर आ रहा है। अतः आज हमें विज्ञान को मानव के कल्याण के निमित्त प्रयोग करके सुख एवं समृद्धि का साधन बनाना है। इसी में सबका हित सन्निहित है।

### (iv) वन संरक्षण

वन संरक्षण का अर्थ वनों को विभिन्न कारकों द्वारा नष्ट होने से बचाना है। आबादी बढ़ने के साथ लोग वनों पर ज्यादा आश्रित हो रहे हैं, नगरीकरण और बस्ती बसाने के लिए पेड़ काटे जा रहे हैं फलतः विशाल वन क्षेत्रफल घटता जा रहा है, वन बचाव के उपाय अपनाते हुए जंगलों के पेड़ की निर्दयता से कटाव को रोककर तथा वृक्षारोपण के जरिये वन संपदा के क्षय को रोका जा सकता है।

वन ही जीवन है क्योंकि विश्व के समस्त प्राणी कई जरूरतों के लिए वनों पर ही निर्भर है, जंगलों से वन्यप्राणी को आश्रय और मानव को औषधि प्राप्त होता है। वन में तरह-तरह के वृक्षों का विशाल आवरण जहाँ रंग बिरंगे फूल, लाभप्रद औषधियाँ, आहार रूप में कंदमूल और स्वादिष्ट फल मिलते हैं।

धरती पर उपस्थित सभी वृक्ष-पौधे साँस लेने के लिए शुद्ध हवा देकर मानव जाति को अनुकूलित वातावरण प्रदान करते हैं। अनेकों उद्योग वन संसाधन पर पूरी तरह आश्रित हैं, दरवाजा, फर्नीचर, टेबल, सोफे, पेंसिल व खेलों के लिए आवश्यक सामग्री जैसे हॉकी, स्टंप, बल्ला आदि बनाने वाले उद्योगों में लकड़ी की अधिक माँग है।

बहुत से उद्योगों में कच्चे माल की आपूर्ति वनों से हो पाती है, वनों पर निर्भर उद्योगों द्वारा कई चीजें बनाकर देशभर में पहुँचाया जाता है, वन संसाधनों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मनुष्य को लाभ मिलता ही है। जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा वनों से ईमारती लकड़ी वनस्पति व जलाऊ लकड़ी प्राप्त करता है।

वन बादलों को अपनी ओर खींचते हैं और वन्य क्षेत्रों में अच्छी वर्षा कराते हैं। वृक्षों के जड़ें मिट्टी को जकड़े रखते हैं इस कारण धरती के जिन हिस्सों में वन पाए जाते हैं वहाँ भूमि क्षरण नहीं होता। यह ग्रीनहाउस गैस को अवशोषित करके वातावरण संतुलित रखते हैं।

पहाड़ों से गिरने वाले झरनों का प्रवाह बनाए रखने में वन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके छाया से छोटे-बड़े जलकुंड सूखते नहीं उनमें जल संरक्षित रहता है। जहाँ घने जंगल हो वहाँ जल की उपलब्धता अधिक होती है। वृक्ष गर्मी के दिनों में ठंडक महसूस कराते हैं। भारत में तो पेड़-पौधों की सदियों से पूजा होती है।

**वन संसाधनों का प्रयोग**—मनुष्यों द्वारा वन संसाधनों का जीवनपर्यंत उपयोग किया जाता है, प्रत्येक मनुष्य वन संपदा/संसाधनों का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से उपयोग करता है। सदियों से लेकर अब तक मानव धीरे-धीरे करके वन का विनाश करने में लगा है लेकिन फिर भी निरंतर जरूरत के सामाना मिलते रहते हैं, अगर जंगलें नष्ट होती रही तो दिन दूर नहीं जब शुद्ध वायु के लिए लोग तरसेंगे, जंगलों पर मात्र मनुष्य नहीं अपितु समस्त वन्य प्राणी पूर्णतया आश्रित हैं, यह प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करते हैं।

**वन संरक्षण के उपाय**—वन संरक्षण का सबसे अच्छा तरीका वृक्षारोपण अथवा पौधरोपण करना है। जंगलों का क्षेत्रफल घटने लगा है इसलिए वहाँ अब पेड़ लगाने होंगे। आसपास के पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण करते रहना होगा। वन कटौती में कमी तथा वृक्षरोपण अधिक करना होगा। गर्मी के दिनों में जंगलों में आग लग जाती है, प्राकृतिक या मानवों द्वारा वनों में आग लगने पर रोक लगाना आवश्यक है। पक्की सड़कें बनाने में वन क्षेत्र प्रभावित न हो इसका ध्यान रखना होगा। पेड़-पौधों का विस्तार करने हेतु शहर और गाँवों के लोगों को जागरूक करके उन्हें वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करना होगा। वनों की कटाई से क्या दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं इसके बारे में आम जनता को बताना जरूरी है। वन धरती का शृंगार है जो विशेष स्थान में स्थित रहकर अपना सकारात्मक प्रभाव प्रकृति पर डालकर उसे प्राणियों के रहने लायक बनाते हैं अतः मनुष्य का भी परमकर्त्तव्य है की वह अपना महत्त्वपूर्ण योगदान वनों का विस्तार करने में दे। प्राणी जगत को वनों से मिलने वाले फायदे सर्वकालिक मिलते रहे इसके लिए हर साल हर व्यक्ति द्वारा वृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

### (v) आरक्षण-नीति

भारत में आरक्षण एक सरकारी नीति हैं, जो भारतीय संविधान द्वारा समर्थित है। भारत में आरक्षण सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों, और यहाँ

तक कि आबादी के कुछ वर्गों के लिए सीटों तक पहुँच के बारे में है। भारत में आरक्षण अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अल्पसंख्यकों और सभी वर्गों की महिलाओं को भी प्रदान की जाती है। 2019 से पहले आरक्षण मुख्य रूप से सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर प्रदान किया गया था। हालांकि 2019 में 103वें संविधान संशोधन के बाद, आर्थिक पिछड़ेपन पर भी विचार किया गया है। आज सामान्य वर्ग के लिए आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है। आरक्षण प्रदान करने का उद्देश्य समुदायों से संबंधित व्यक्तियों को नौकरी देना नहीं है। यह मूल रूप से उन्हें सशक्त बनाने और राज्य की निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है।

### (vi) मोबाइल और विद्यार्थी

आज का विद्यार्थी, मोबाइल का उपयोग करता है, और उसकी सहायता से पढ़ाई को और बेहतर बनाने का प्रयास करता है, यदि उसे किसी सवाल का जवाब जानना हो, तो वह ऑनलाइन सर्च करके, जवाब पा सकता है। वह अपने दोस्तों को वीडियो कॉल करके अध्ययन से संबंधित बातचीत कर सकता है।

यदि विद्यार्थी मोबाइल का उचित उपयोग करें, तो मोबाइल उसके जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, उसे हर दिन नई जानकारी, नई कल सीखने में मदद कर सकता है।

**विद्यार्थियों द्वारा मोबाइल का उचित उपयोग**—विद्यार्थी देश के गौरव होते हैं और वे आगे चलकर समाज के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। शिक्षा न केवल मनुष्य को ज्ञान देता है, अपितु जीवन को अनुशासन के साथ जीने का तरीका भी सिखाता है, सभ्य समाज के लिए उचित शिक्षा प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

समय के साथ अध्ययन का तरीका भी बदला है, हर जमाने के साथ छात्रों ने भी उसे अपनाया है, और ऑनलाइन क्लास अटेंड किया है। मोबाइल फोन मात्र कम्युनिकेट करने का नहीं बल्कि अब ज्ञान का खजाना बन गया है।

अगर, छात्र उसका सही उपयोग करें, तो बहुत कुछ सीख सकता है। छात्रों को मोबाइल पर महान् व्यक्तियों के बारे में जीवनी पढ़ना चाहिए। इससे हम उनके जीवन से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकते हैं। हर सवालों का जवाब वेबसाइटों पर उपलब्ध है, जहाँ पर जाकर आर्टिकल पढ़कर विद्यार्थी, जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं।

मोबाइल का सदुपयोग करने के लिए, विद्यार्थी इंटरनेट पर वही जानकारी खोजे जो उसके ज्ञान को विकसित कर सकती है, देर तक फोन चलाने से हेल्थ प्रोब्लम हो सकते हैं। सिर दर्द भी हो सकता है, इसलिए छात्रों को फोन का कम उपयोग करना चाहिए। विद्यार्थियों को हमेशा मोबाइल का सदुपयोग करने की ओर विचार करना चाहिए। एजुकेशनल उद्देश्य से यदि छात्र फोन का इस्तेमाल करेंगे तो वह हर रोज कुछ सीख सकते हैं और उससे भी अपने अध्ययन को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लास से जुड़े और शिक्षकों से सवालों का जवाब पाए। अनुपयुक्त चीजों में समय न व्यतीत करें, बल्कि मोबाइल का इस्तेमाल शिक्षात्मक उद्देश्य से करें, जो आपके परीक्षा की तैयारी को और अच्छे से करने में मदद करेगा।

**2. (क)** प्रस्तुत पंक्ति ''हँसते हुए मेरा अकेलापन'' डायरी से ली गयी है। इस पंक्ति में लेखक मलयज ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि व्यक्ति यथार्थ में जीता भी है और यथार्थ को रचता भी है। यथार्थ मनुष्य जीवन का कटु सत्य है। वास्तविकता से परे मनुष्य का जीवन एकांकी एवं व्यर्थ होता है। इस पंक्ति में लेखक ने संकेत दिया है कि उनके बच्चे उनकी रचना है और वे यथार्थ हैं। उनकी चिन्ता उसके स्वयं की है। लेखक पारिवारिक बोझ के बंधन से बंधे हैं जबकि उनका परिवार बंधन एवं चिन्तामुक्त है। यही जीवन का यथार्थ है। अत: व्यक्ति की रचना एवं उसके जीवन का यथार्थ दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

**(ख)** प्रस्तुत गद्यांश सुप्रसिद्ध दलित आन्दोलन के नामवर लेखक ओमप्रकाश वाल्मीकि रचित आत्मकथात्मक 'जूठन' शीर्षक से लिया गया है।

प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक ने समाज की विद्रूपताओं पर कटाक्ष किया है।

लेखक के परिवार द्वारा श्रमसाध्य कर्म किए जाने के बावजूद दो जून की रोटी भी नसीब न होती थी। रोटी की बात कौन कहे जूठन नसीब होना भी कम मुश्किल न था। विद्यालय का हेडमास्टर चूहड़े के बेटे को विद्यालय में पढ़ाना नहीं चाहता है, उसका खानदानी काम ही उसके लिए है। चूहड़े का बेटा है लेखक, इसलिए पत्तलों का जूठन ही उसका निवाला है।

इस समाज में शोषण का तंत्र इतना मजबूत है कि शोषक बिना पैसे का काम करवाता है अर्थात् बेगार लेता है। श्रम साध्य के बदले मिलती हैं गालियाँ। लेखक अपनी आत्मकथा में समाज की क्रूरता को दिखाता है कि लेखक के गाँव में पशु मरता है तो उसे ले जाने का काम चूहड़ों का ही है। ये काम बिना मूल्य के हैं। यह तंत्र का चक्र है जिसमे निर्धनता को बरकरार रखा गया है।

**(ग)** प्रस्तुत गद्यांश लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान के द्वारा रचित पुत्र-वियोग शीर्षक से लिया गया है। प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से कवयित्री कहना चाहती है उसने अपने बेटे कि देख-भाल तथा उसके लालन-पालन पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया। अपनी सुविधा असुविधा का कभी विचार नहीं किया। बेटा को ठंढ न लग जाए, बीमार न पड़ जाए इसके लिए सदैव गोदी में रखा। इन सारी सावधानियों तथा मंदिर में पूजा-अर्चना से भी वह अपने बेटे की असमय मृत्यु नहीं टाल सकी। नियति के आगे किसी का वश नहीं चलता।

**(घ)** आशा से परिपूर्ण लाल-लाल किरणों से अंधकार को चीरता हुआ मित्र का एक स्वर्ग है। वह जन-जन का मित्र है। कवि के कहने का अर्थ यह है कि सूर्य की लाल किरणें अंधकार का नाश करते हुए मित्र के स्वर्ग के समान है। समस्त मानव-समुदाय का वह मित्र है।

विशेष अर्थ यह प्रतीत होता है कि विश्व के तमाम देशों में सघर्षरत जनता जो अपने अधिकारों की प्राप्ति, न्याय, शांति एवं बंधुत्व के लिए प्रयत्नशील है, उसे आशा की मनोहारी किरणें स्वर्ग के आनन्द के समान दृष्टिगोचर हो रही हैं।

**3.** सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
वीर कुँवर सिंह महाविद्यालय आरा
विषय : पर्यटन स्थल पर जाने के संबंध में।
महाशय,

सविनय निवेदन है कि मैं राकेश सिंह आपके महाविद्यालय के वर्ग 10+2 के Arts विभाग का छात्र हूँ। मैं और मेरे साथी लोग राजगीर घूमने जाना चाहते हैं, इसके लिए आपके अनुमति की आवश्यकता है।

अत: श्रीमान् से निवेदन है कि हम सब साथी को घूमने जाने की अनुमति दे, इसके लिए हमसब साथी आपका सदा आभारी रहेंगे।

आपका आज्ञाकारी छात्र
राकेश कुमार सिंह
वग-12, क्रमांक-6

**अथवा,**

सेवा में,

श्रीमान् शाखा प्रबन्धक महोदय

भारतीय स्टेट बैंक, पकड़ी, आरा (बिहार)

विषय : A.T.M. कार्ड निर्गत करवाने हेतु

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मैं शान्तनु कुमार दूबे पिता श्री राजेन्द्र दूबे, आपके शाखा का ग्राहक हूँ। मुझे आवश्यक कार्य से A.T.M. की आवश्यकता है।

अतः श्रीमान् से निवेदन है कि मुझे A.T.M. कार्ड निर्गत करने की कृपा करें।

इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

**आपका विश्वासी ग्राहक**

नाम : शान्तनु दूबे

दिनांक : 04.02.2024 पिता : राजेन्द्र दूबे

खाता नं॰ 0009888488

ग्राम+पो॰ पकड़ी

**4. (i)** 'सिपाही की माँ' शीर्षक एकांकी में मानक एक फौजी है। वह बर्मा में हिन्दु फौज की ओर से जापानी सेना से युद्ध कर रहा है। मानक और दुश्मन सिपाही एक-दूसरे से लड़ते हुए वहाँ पहुँच जाता है। मानक की माँ मानक को बचाना चाहती है। इसपर दुश्मन सिपाही मानक को बहशी और जानवर पुकारता है। मानक का पौरुष जाग उठता है तो अस्वस्थता में भी वह खड़ा होकर सिपाही को मारने का प्रयास करता है और क्रोध की स्थिति में वह स्वयं को बहशी और जानवर से भी बढ़कर कहता है। मानक का ऐसा कहना अति नहीं है। समय और परिस्थिति के अनुसार उसका यह कहना यथार्थ है।

**(ii)** मेधा वह शक्ति है जिससे मनुष्य सिद्धांतों की अनुपस्थिति में निर्भयतापूर्वक सोचता है ताकि वह सत्य और यथार्थ को समझ सकें यदि मनुष्य भयभीत रहता है तो कभी मेधावी नहीं हो सकता। किसी भी प्रकार की महत्त्वाकांक्षा चाहे आध्यात्मिक हो या सांसारिक चिन्ता और भय का निर्माण करती है। जबकि निर्भीक वातावरण में मेधा का जन्म होता है। इसलिए जहाँ भय है वहाँ मेधा नहीं हो सकती।

**(iii)** लेखक कविता के मूड में जब डायरी लिखते हैं तो शब्द और अर्थ के मध्य की दूरी अनिर्धारित हो जाती है। शब्द अर्थ में और अर्थ शब्द में बदलते चले जाते हैं, एक-दूसरे को पकड़ते-छोड़ते हुए। शब्द और अर्थ का जब साथ नहीं होता तो वह आकाश होता है जिसमें रचनाएँ बिजली के फूल की तरह खिल उठती हैं। किन्तु जब इनका साथ होता है तो वह धरती का क्षण होती है और उसमें रचनाएँ जड़ पा लेती हैं। प्रस्फुटन का आदि स्रोत पा जाती हैं। अतः यह कहना उचित है कि शब्द और अर्थ दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

**(iv)** प्यार का इशारा और क्रोध का दुधारा से कवि का तात्पर्य यह है कि चाहे वह यानी जनता जिस देश में निवास करती हो, उनके प्यार की इशारा यानी मानवतावादी दृष्टिकोण एक होता है, उसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं होता, ठीक उसी प्रकार जब शोषक वर्ग के खिलाफ क्रोध की धारा उबल पड़ती है तो वह दो नहीं, बल्कि एक समान नजर आती है।

**(v)** घनघोर कोलाहल, अशांति और कलह के बीच हृदय की बात का कार्य मस्तिष्क को शांति पहुँचाना, उसे आराम देना है। मस्तिष्क जब विचारों के कोलाहल से घिर जाता है तो हृदय की बात उसे आराम देती है। हृदय कोमल भावनाओं का प्रतीक है जो मस्तिष्क को विचारों के कोलाहल से दूर करता है। इस प्रकार कवि को अशांतिपूर्ण वातावरण में भी उज्ज्वल भविष्य सहज ही दृष्टिगोचर होता है।

**(vi)** तुलसीदास जी ने अपने ग्रंथ 'विनयपत्रिका' में अपने दुर्गुणों का वर्णन किया है। इस ग्रंथ में उन्होंने अपनी विनम्रता और आत्म-निंदा के भाव को प्रकट करते हुए अपने अहंकार, मोह, लोभ और अज्ञानता जैसे दुर्गुणों का उल्लेख किया है। वे इन दुर्गुणों को त्यागने और भगवान की भक्ति में लीन होने की प्रार्थना करते हैं। तुलसीदास जी का आत्म-निरीक्षण और विनम्रता उनकी आध्यात्मिक गहराई और भक्ति को दर्शाता है।

**(vii)** भगत सिंह के अनुसार कष्ट सहकर एक विशिष्ट और सर्वव्यापी आन्दोलन करना महान कार्य है। विवृत्तियों, दुःखों, कष्टों और चिन्ताओं का सहन करते हुए देश के लिए शहीद हो जाना अर्थात् मृत्यु को वरण करना एक 'सुन्दर मृत्यु' है।

विपत्तियाँ मनुष्य को पूर्ण बनाने वाली होती हैं। उससे विचलित नहीं होना चाहिए। उन्हें धैर्यपूर्वक उस दिन की प्रतीक्षा करनी चाहिए जिस दिन हमारी कुर्बानी फलीभूत होगी। हमें शहादत को गले लगाना चाहिए। वह दिन हमारे लिए अत्यन्त गौरवशाली एवं महत्वपूर्ण होगा जिस दिन हमें मृत्युदण्ड दिया जाएगा। ऐसी 'मृत्यु' सुन्दर होगी।

आत्महत्या पलायनवाद है। यदि हम अपने संकल्प से विचलित हो जाते हैं अपने असफलताओं से निराश हो जाते हैं तथा आत्महत्या कर लेते हैं, तो यह हमारी कायरता कही जाएगी। भगत सिंह सदैव यही समझते थे कि वह बहुत कम समय के भीतर मर जाएँगे, क्योंकि स्वतंत्रता-संग्राम के संघर्ष में उन्होंने अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा झोंक दी थी, राष्ट्रभक्ति का जज्बा उनकी रग-रग में व्याप्त था। अतः उनका यह सोचना स्वाभाविक था कि उनकी मृत्यु कम समय में ही हो जायेगी। वे आत्महत्या कायर व्यक्तियों का कार्य मानते रहे। अतः उनके विचार में यदि हम मरने से डरते नहीं तो हँसते-हँसते देश-सेवा में शूली पर चढ़कर मृत्यु का वरण करना चाहिए, यही हमारा आदर्श आत्मोसर्ग होगा। भगत सिंह के शब्दों में—"विपत्तियों से बचने के लिए आत्महत्या कर लेने से जनता का मार्गदर्शन नहीं होगा। वरन् यह तो एक प्रतिक्रियावादी कार्य होगा।"

**(viii)** कबीर विषयक छप्पय में नाभादास ने कबीर के बारे में कहा कि भक्ति विमुख तथाकथित धर्मों की धज्जी उड़ा दी है। उन्होंने वास्तविक धर्म को स्पष्ट करते हुए योग, यज्ञ, व्रत, दन और भजन के महत्त्व का बार-बार प्रतिपादन किया है। उन्होंने अपनी सबदी साखियों और रैमनी में क्या हिन्दू और क्या तुर्क सबके प्रति आदर भाव व्यक्त किया है। कबीर के वचनों में पक्षपात नहीं है। उनमें

लोक मंगल की भावना है। कबीर मुँह देखली बात नहीं करते। उन्होंने वर्णाश्रम के पोषक षट-दर्शनों की दुर्बलताओं को तार-तार करके दिखा दिया है।

(ix) लेखिका के पति अंग्रेजी सरकार द्वारा जब्त 'कुली प्रथा और गुलामी का नशा' नामक नाटकों के लेखक एक प्रसिद्ध पत्रकार, अच्छे स्वतंत्रता सेनानी और कांग्रेस के सक्रिय नेता थे।

(x) 'नदियों की वेदना' जिंदगी की धारा के प्रतीक के रूप में प्रयुक्त हुआ है। नदी की धारा स्वच्छ, निर्मल, कलख करती हुई प्रवाहित होती है, वह अपने साथ नये जीवन संचार को प्रवाहित करती चलती है। लेकिन जन-शोषक अर्थात् पूँजीवादी व्यवस्था के कारण सामान्य जनता में स्वच्छ निर्मल, कोमल जीवन का संचार नहीं हो पा रहा है। जनता इस व्यवस्था से आक्रांत है, त्रस्त है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि नदियों की वेदना का कारण सामान्य जनता का दु:ख दर्द एवं संताप है।

5. (i) बेन जॉनसन के अनुसार बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है। वास्तव में जबकि मनुष्य बोलता नहीं तबतक उसका गुण-दोष प्रकट नहीं होता।

एडीसन के अनुसार असल बातचीत केवल दो व्यक्तियों में हो सकती है। कहने का तात्पर्य यह है कि जब दो आदमी होते हैं तभी अपना दिल एक-दूसरे के सामने खोलते हैं।

तीसरे व्यक्ति की उपस्थिति मात्र से ही बातचीत की धारा बदल जाती है। जब चार आदमी हुए तो बेतकल्लुफी का स्थान फॉर्मलिटी ले लेती है। अर्थात् बातचीत सारगर्भित न होकर मात्र रस्म अदायगी भर रह जाती है।

(ii) **'सम्पूर्ण क्रांति'** शीर्षक अंश 5 जून 1974 के पटना के गाँधी मैदान में दिये गए जयप्रकाश नारायण के भाषण का एक अंश है। सम्पूर्ण भाषण स्वतंत्र पुस्तिका के रूप में 'जन्ममुक्ति' पटना से प्रकाशित है। इनका भाषण सम्पूर्ण जनता मंत्रमुग्ध होकर सुनती रही। भाषण के बाद लोगों के हृदय में क्रांतिकारी विचार धधक उठे और आंदोलन ने विराट रूप धारण कर लिया। पटना के गाँधी मैदान में फिर न वैसी भीड़ इकट्ठी हुई और न वैसा कोई प्रेरक भाषण हुआ।

अपने भाषण के प्रारम्भ में जयप्रकाश नारायण ने युवाओं को संकेत देते हुए कहा है कि हमें स्वराज तो मिल गया है, लेकिन सुशासन के लिए हमें अभी काफी संघर्ष करने होंगे। भाषण के क्रम में उन्होंने नेहरू जी का उदाहरण दिया। नेहरूजी कहते थे कि सुशासन के लिए देश की जनता को अभी मीलों जाना है। कठिन परिश्रम करने हैं, त्याग करने हैं। जेपी ने कहा कि अभी समाज में भूख, महँगाई, भ्रष्टाचार जैसे दानव वर्तमान हैं। उनसे हमें लड़ना होगा, आन्दोलन करना होगा। इसके लिए जनता को तैयार रहना होगा।

आन्दोलन को सफल बनाने हेतु उन्होंने युवाओं को आगे आकर नेतृत्व करने की सलाह दी। उन्होंने **'यूथ फॉर डेमोक्रेसी'** का आह्वान किया। लोगों के आग्रह पर उन्होंने आन्दोलन के नेतृत्व का दायित्व अपने कंधे पर ले लिया। उन्होंने **जनसंघर्ष समितियों** का गठन किया।

जेपी ने अपने भाषण में अमेरिका प्रवास की बात कही है। अमेरिका में वे मजदूरी करके पढ़ते थे। पढ़ाई के क्रम में वे घोर कम्युनिस्ट बन गये। जमाना लेनिन का था। अत: वे लेनिन के विचारों से प्रभावित थे। लेनिन के मरने के बाद वे घोर मार्क्सवादी बन गये। अमेरिका से लौटकर वे कांग्रेस में दाखिल हो गये। वे कम्युनिस्ट पार्टी में क्यों नहीं गये, इसका कारण उन्होंने देश की गुलामी माना।

भाषण के क्रम में वे बापू एवं जवाहरलाल नेहरू की प्रशंसा करते थे। वे गाँधीजी का विरोध भी करते थे क्योंकि वे घोर कम्यूनिस्ट जो थे। नेहरू जी को वे 'भाई' कहा करते थे। अपने भाषण में वे नेहरू की विदेश नीति के विरोध की चर्चा करते हैं। राष्ट्रीय नीति पर उनका नेहरूजी से कोई मतभेद नहीं था। भाषण के क्रम में उन्होंने दल विहीन लोकतंत्र की चर्चा की है, लेकिन जेपी आन्दोलन में वे दलविहीन लोकतंत्र की घोषणा नहीं करना चाहते थे। वे जनता की भावनाओं के विरूद्ध जाना नहीं चाहते थे। भाषण के क्रम में केवल उन्होंने मार्क्सवाद की चर्चा की है।

अपने ऐतिहासिक भाषण में उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वे सम्पूर्ण क्रांति चाहते हैं। इस सम्पूर्ण क्रांति को लाने में जनसंघर्ष समितियों की भूमिका की चर्चा उन्होंने अपने भाषण में की है। ये संघर्ष समितियाँ स्थायी रूप से कार्य करेंगी। साथ ही ये समितियाँ केवल लोकतंत्र के लिए ही नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक एवं नैतिक क्रांति के लिए अथवा सम्पूर्ण क्रांति के लिए कार्य करेगी।

(iii) प्रस्तुत कहानी 'रोज' की मालती मुख्य पात्र तथा नायिका है। बचपन में यह बंधनों से परे उन्मुक्त और स्वच्छंद रहकर चंचल हिरणी के समान फुदकती रहती है। उसका रूप-लावण्य बरबस ही लोगों को आकर्षित करता है। महज चार-पाँच वर्षों के अन्तराल में ही विवाहिता है, एक बच्चे की माँ भी है। उसके जीवन में मूलभूत परिवर्तन सहज ही दृष्टिगोचर होता है। वह वक्त के साथ समझौता करनेवाली कुशल गृहिणी तथा वात्सल्य की वाटिका है। धर्मपरायण नारी के कर्तव्य को निभाते हुए वह पति के खाना खाने के बाद ही खाना खाती है। चार साल पहले मालती उद्धत और चंचल थी। विवाहोपरान्त उसने अपने जीवन को झंझावत बना लिया है। उसका शरीर जीर्ण-शीर्ण होकर कान्तिविहिन हो गया है। यह शांति और सीधी बन गई है। वह अपने जीवन को परिवार की धुरी पर नाचने के लिए छोड़ देती है। मालती भारतीय मध्यवर्गीय समाज की घरेलू स्त्री के जीवन और मनोदशा का सजीव प्रतीक है।

(iv) जागिए, ब्रजराज कुँवर, कँवल-कुसुम फूले।
कुमुद-वृंद संकुचित भए, भृंग लता भूले।
तुमचुर, खग-रोर सुनहु बोलत बनराई।
राँभति गो खरिकनि में बछरा हित धाई।
बिधु-मलीन रवि प्रकास गावत नर-नारी।
सूर-स्याम प्रात उठी, अंबुज-कर-धारी।।

**भावार्थ**—प्रस्तुत पद हमारी पाठ्य पुस्तक दिगंत-भाग 2 के 'पद' शीर्षक कविता से उद्धृत है। इसके रचयिता वात्सल्य रस के अनन्य कवि सूरदास है। नींद में सोए हुए बालक कृष्ण को जगाए जाने का रोचक वर्णन इस पद में है। उक्त पद में दुलार भरे कोमल-मधुर स्वर में सोए हुए बालक कृष्ण को भोर होने पर जगाया जा रहा है। -हे ब्रजराज् भोर हो रही है, जागिए-कमल के फूल खिल उठे हैं, कुमुद के पुष्पों ने अपनी पँखुड़ियों को समेट लिया है। भौंरे लताओं में छिप से गए हैं। मुर्गों एवं अन्य पक्षियों का कोलाहल सुनाई दे रहा है। वनराज! (वन के वृक्ष) आवाज दे रहे हैं। बाड़ों (गौशालाओं) में गाएँ बोल रही हैं तथा बछड़ों को दूध पिलाने के लिए दौड़ी

आ रही है। चन्द्रमा का प्रकाश क्षीण हो चुका है और सूर्य का प्रकाश (किरणें) फैला रहा है। नर और नारी भजन कीर्तन कर रहे हैं। हे कृष्ण! हे श्याम! अब जागिए, सबेरा हो गया है।

इस प्रकार उपर्युक्त 'पद' में कवि बालक कृष्ण को प्रात:काल के समय नींद से जगाने का अत्यंत रोचक वर्णन कर रहे हैं। प्रात:काल की रमणीक स्वाभाविक एवं सजीव वर्णन इन शक्तियों में वर्णित है। भोर हो रही है, कमल के फूल खिल उठे हैं, कुमुद के पुष्पों ने अपनी पंखुड़ियों को समेट लिया है। भौंरे लताओं में छिप से ग हैं, आदि वर्णन बालक कृष्ण को जगाने के क्रम में भक्तिधारा के महान कवि द्वारा अत्यन्त रोचक तथा मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। प्रकृति का स्वाभाविक तथा युक्तियुक्त चित्रण सराहनीय है। कविता में अलंकारों का पर्याप्त समावेश है।

**(v)** नई हिन्दी कविता के चर्चित कवि शमशेर बहादुर सिंह रचित एक बहुचर्चित प्राकृतिक सौन्दर्य-परक कविता है। इस कविता में कवि ने सूर्योदय के पूर्व के उषाकालीन आकाशीय स्वरूप और सौन्दर्य का बड़ा ही काव्यात्मक चित्रण विविध उपमानों के माध्यम से क्रिया है।

सूर्योदय के पूर्व का काल उषाकाल कहलाता है। उस समय आकाश बिलकुल नीला और स्वच्छ रहता है। उसकी नीलिमा के बीच आनेवाला उजाला हल्के रूप में झाँकता-सा नजर आता है। प्रात:काल की उस बेला में आकाश नीली राख सा लगता है। इसके अलंकार के आवरण में ढँके रहने के कारण संपूर्ण व्योमपट्ट राख से लीपे हुए गीले चौके के समान है। फिर, धीरे-धीरे बालारुण की हल्की लालिम की झलक उभरने लगती है। तब उसका स्वरूप कुछ बदल-सा जाता है और उस समय आकाश को देखकर ऐसा लगता है कि आकाश वह काली सिल हो जो जरा-सा लाल केसर से धुली हुई हो या वैसी स्लेट हो जिसपर खड़िया चाक मल दी गई हो। कविता में कवि ने उषाकालीन आकाश के प्राकृतिक सौन्दर्य का प्रभावपूर्ण रूप से प्रस्तुत करने के लिए अंतिम उपमान की चर्चा करते हुए कहा है कि इस समय आकाश के वक्ष पर उषाकालीन दृश्य नीले जल में झिलमिलाती गोरी काया के समान लगता है।

इसी परिवेश में सूर्योदय होता है। फिर, सूर्य की प्रकाश-किरणें विकीर्ण होने लगती है और आकाश की गोद में चल रहा उषा का यह जादू और उसका नजारा सब समाप्त हो जाता है।

कवि ने यहाँ प्रकृति-सौन्दर्य के चित्रण के लिए उपमानों का चयन किया है। इससे कवि की भाव-व्यंजना में नवनिखार एवं नवसौंदर्य आ गया है। कवि द्वारा प्रस्तुत यह कृति-सौन्दर्य-चित्र बड़ा ही प्रभावपूर्ण हो गया है।

**(vi)** 'क्लर्क की मौत' शीर्षक कहानी के रचयिता अंतोन चेखव (1860–1904) है। 'चेखव' एक अतुलनीय कलाकार है। निश्चित रूप से अद्वितीय है। वह जीवन के कलाकार हैं। उनकी रचनाओं का गुण यह है कि वह बोधगम्य और भावनाओं के निकट हैं, न केवल प्रत्येक रूसी के लिए बल्कि प्रत्येक मानव के लिए . ...।' 'क्लर्क की मौत' शीर्षक कहानी में छींक की घटना ने क्लर्क की जान ले ली। वह पश्चाताप के कारण मर गया। क्लर्क जिसका नाम इवान दमित्रिच मात्रिच चेख्यकोव था, एक खेल देख रहा था। वह अपने को सबसे सुखी मनुष्य समझ रहा था।

जिन्दगी अचम्भों से भरी है। उसे एकाएक छींक आ गयी। यूँ तो हर किसी को जहाँ चाहे छींकने का हक हैं हर कोई छींकता है। चेख्यकोव को इससे कोई झेप नहीं लगी, रूमाल से उसने अपनी नाक पोछी और एक शिष्ट व्यक्ति होते हुए अपने चारों तरफ देखा कि कहीं उसकी छींक से किसी को असुविधा तो नहीं हुई? और तभी वह सचमुच झेप गया क्योंकि उसने एक वृद्ध व्यक्ति को पहली पंक्ति में अपने ठीक आगे बैठा हुआ देखा जो अपनी गंजी खोपड़ी और गरदन को दस्ताने से पोंछ रहा था और कुछ बड़बड़ाता जा रहा था। चेख्यकोव ने उस बूढ़े को पहचान लिया कि वह यातायात मंत्रालय के सिविल जनरल ब्रिजालोव है। वह उसके अफसर नहीं है। यह सही है, किन्तु तब भी यह कितना भद्दा है। क्लर्क चेख्यकोव ने सोचा कि उसे माफी माँगनी चाहिए। चेख्यकोव ने ब्रिजालोव से काफी माँगी-'मै। क्षमाप्रार्थी हूँ, महानुभाव, मैं छींका था।'' ब्रिजालोव ने उत्तर दिया-''अजी कोई बात नहीं।'' फिर क्लर्क ने कहा-''कृपया मुझे क्षमा कर दें। मैं जान-बूझकर नहीं छींका।'' ब्रिजलोव कुछ नाराज हुए-''क्या तुम चुप नहीं रह सकते?''

कुछ घबड़ाया हुआ चेख्यकोव झेप में मुस्कुराया और खेल की तरफ मन लगाने की कोशिश की। वह खेल देख रहा था। किंतु उसे आनन्द नहीं आ रहा था। बेचैनी उसका पीछा नहीं छोड़ रही थी। मध्यांतर में वह ब्रिजालोव के पास पहुँचा, थोड़ी देर के लिए उनके आसपास घूमा-फिरा और फिर साहस बटोरकर भिनभिनाया-'हुजूर! मैंने आपके ऊपर छींक दिया। मुझे क्षमा करें।'' जनरल को थोड़ा गुस्सा आया-''अरे बस! मैं तो यह भूल भी गया था, छोड़ो अब इस बात को।''

चेख्यकोव ने जनरल की ओर संदेह की नजरों से देखते हुए सोचा-कहते हैं कि भूल गए हैं, लेकिन आँखों में विद्वेष भरा है और बात नहीं करना चाहते।

घर पहुँचकर क्लर्क चेख्यकोव ने अपनी पत्नी को अपने अभद्र व्यवहार के बारे में बताया। उसने भी इस घटना को गम्भीरता से नहीं लिया।

अगले दिन क्लर्क चेख्यकोव ने नई वर्दी पहनी, बाल कटवाए और जनरल ब्रिजालोव से माफी मांगने गया-''हुजूर, कल रात, ''आर्केडिया'' में मुझे छींक आ गई थी।'' जनरल ने कोई ध्यान नहीं दिया। फिर निजी कमरे में जब जनरल जा रहा था तो क्लर्क न कहा हुजूर मुझे माफ कर दें। हार्दिक पश्चाताप होने के कारण ही मैं आपको कष्ट देने का दुस्साहस कर पा रहा हूँ।''

जनरल ने रूऔंसा चेहरा बनाया, हाथ हिलाया और कहा—''तुम तो मेरा मजाक उड़ा रहे हो, जनाब!''

फिर भेंट होने पर जनरल ने क्लर्क को डाँटा—''निकल जाओ यहाँ से।''

क्लर्क चेख्यकोव को लगा जैसे उसके भीतर कुछ छुट सा गया हो लड़खड़ाते हुए पीछे चलकर वह दरवाजे तक पहुँचा, दरवाजे से बाहर आया और सड़क पर चलने लगा। वह न कुछ देख रहा था, न कुछ सुन रहा था। वह संज्ञाशून्य, यंत्रचालित-सा वह सड़क पर बढ़ता गया। घर पहुँचकर वह बिना वर्दी उतारे, जैसा का तैसा, सोफे पर लेट गया और मर गया। 'क्लर्क की मौत' क्लर्क की मौत के कारण एक अत्यन्त कारुणिक कहानी बन गयी है।

**6. (i) शीर्षक : अँग्रेजी पढ़ने का महत्त्व**

अंग्रेजी पढ़ना बुरा नहीं है, परन्तु इसके द्वारा अपनी संस्कृति, भाषा और देश को भुला देना गलत है। आलोचना का विषय यह है कि कुछ शिक्षित लोग अपने देश की संस्कृति और परंपराओं को हेय दृष्टि से देखते हैं। विशेषकार, पर्वों और त्योहारों को वे अंधविश्वास और फिजूलखर्जी मानते हैं, जो मानव विकास के लिए बाधक हैं।

मूल शब्द : 112 संक्षेपण : 57

**(ii) शीर्षक : चुनाव व्यवसाय और झूठे वादे**

आज चुनाव एक व्यापार बन गया है। आज राजनेता विभिन्न आकर्षक और अवास्तविक वादे करते हैं, जैसे कि गरीबी हटाना, बेरोजगारी खत्म करना, सड़कें और स्कूल बनवाना, नौकरियाँ दिलाना और आरक्षण लागू करना, लेकिन अक्सर ये वादे खोखले होते हैं। इन वादों की अवास्तविकता के कारण मतदाताओं की आस्था धीरे-धीरे कम हो रही है।

मूल शब्द : 81 संक्षेपण : 54

❑❑❑

# ENGLISH (100 MARKS)

# INTERNET MODEL PAPER – 1

**Time : 3 Hours 15 Min. ]** **[ Full Marks : 100**

**Instructions for the Candidates :**

1. Candidates must enter his/her Question Booklet Serial No. (10 Digits) in the OMR Answer Sheet.
2. Candidates are required to give answers in their own words as far as practicable.
3. Figures in the right hand margin indicate full marks.
4. 15 minutes of extra time has been allotted for the candidates to read the questions carefully.
5. This question booklet is divided into two sections—**Section-A** and **Section-B**.
6. In **Section-A**, there are 100 Objective Type Questions, out of which any 50 questions are to be answered. If more than 50 questions are answered, only the first 50 will be evaluated. Each question carries 1 mark. Darken the circle with blue/black ball pen against the correct option on OMR Answer Sheet provided to you. Do not use whitener / liquid / blade / nail etc. on OMR Answer Sheet, otherwise the result will be invalid.
7. In **Section-B**, there are 7 Descriptive Type Questions. While answering the questions, candidates should adhere to the word limit as far as practicable.
8. Use of any electronic appliances is strictly prohibited.

## SECTION – A
## OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

❑ **Question No. 1 to 100 have four options, out of which only one is correct. You have to mark your selected option on the OMR Sheet. You have to attempt only 50 questions.** **(50 × 1 = 50)**

**1. Choose the correctly spelt word.**
(A) Integration (B) Entigration
(C) Entegration (D) Intigrition

**2. A poor man lives from .....**
*(Choose the correct phrase)*
(A) Hand to mouth (B) In the air
(C) Eye to eye (D) In quest of

**3. ..... gold of South Africa is famous.**
*(Choose the correct option)*
(A) A (B) An
(C) The (D) No article

**4. Rohan is still dancing, ..... ?**
*(Choose the correct option)*
(A) is not he (B) isn't he
(C) wasn't he (D) shouldn't he

**5. Choose the correct antonym of 'gather'.**
(A) Decrease (B) Gentle
(C) Scatter (D) Separate

**6. Sita loves to ..... expensive clothes.**
*(Choose the correct option)*
(A) by (B) bi
(C) bye (D) buy

**7. The chairperson had to ..... the meeting.**
*(Choose the correct option)*
(A) defer (B) differ
(C) difference (D) different

**8. Choose the correct sentence :**
(A) He is fond to read novels.
(B) He is fond by reading novels.
(C) He is fond at reading novels.
(D) He is fond of reading novels.

**9. I ..... go out for a walk.**
*(Choose the correct option)*
(A) was not (B) should
(C) dare (D) need

**10. Has the train arrived ..... the station?**
*(Choose the correct option)*
(A) by (B) at
(C) in (D) for

**11. The wind ..... over the trees.**
*(Choose the correct option)*
(A) blow (B) blew
(C) flu (D) clue

**12. People speak Hindi in Bihar.**
*(Choose the correct passive voice)*
(A) Hindi is spoken in Bihar.
(B) Bihar speaks Hindi by people.
(C) People are spoken Hindi in Bihar.
(D) Hindi speaking is people in Bihar.

**13. You are ..... to help the poor.**
*(Choose the correct option)*
(A) requesting (B) request
(C) requests (D) requested

**14. The meeting was cancelled as ..... important members did not turn up.**
*(Choose the correct option)*
(A) little (B) few
(C) the little (D) some

**15. He killed the tiger ..... a gun.**
*(Choose the correct option)*
(A) at (B) to
(C) with (D) for

**16. The children ..... requested to sit down.**
*(Choose the correct option)*
(A) is (B) has
(C) are (D) have

**17. Somresh will always remember you.**
*(Choose the correct negative sentence)*
(A) Somresh will never forget you.
(B) Somresh does not remember you.
(C) Somresh did not have remember you.
(D) Somresh had not forgotten you.

**18. He said, "I am happy today."**
*(Choose the correct indirect narration)*
(A) He can say that he is happy today.
(B) He said that he was happy today.
(C) He says that he is happy this day.
(D) He said that he was happy that day.

**19. She is not ..... she looks.**
*(Choose the correct option)*
(A) so tall as (B) tall when
(C) as tall if (D) but tall as

**20. There were trees on ..... side of the road.**
*(Choose the correct option)*
(A) neither (B) nor
(C) either (D) or

**21. He ..... said this.**
*(Choose the correct option)*
(A) herself (B) theirself
(C) himself (D) itself

**22. Study hard, you will not pass.**
*(Choose the correct combination)*
(A) You will not pass and you will have to study hard.
(B) Pass you will not if you do not study hard.
(C) Hard study you otherwise you will not pass.
(D) Study hard otherwise you will not pass.

**23. The question of the last examination ..... out.**
*(Choose the correct option)*
(A) leak (B) leaking
(C) leaked (D) will leak

**24. He travelled all ..... the world.**
*(Choose the correct option)*
(A) in (B) over
(C) with (D) of

**25. She ..... hurt while crossing the road.**
*(Choose the correct option)*
(A) got (B) did
(C) had (D) were

**26. ..... the habit of smoking.**
*(Choose the correct option)*
(A) give into (B) give up
(C) gave off (D) give at

**27. Choose the correct spelling.**
(A) Improvement (B) Emprovement
(C) Imprevement (D) Emproevement

**28. He said, "He is playing tennis."**
*(Choose the correct indirect speech)*
(A) He said that he was playing tennis.
(B) He says that he is play tennis.
(C) He will say that he is playing tennis.
(D) He had said that he played tennis.

**29. We saw the tree ..... with fruits.**
*(Choose the correct option)*
(A) laden (B) lead
(C) leading (D) lade

**30. None but ..... brave deserve the fair.**
*(Choose the correct option)*
(A) the (B) a
(C) an (D) no article

**31. He dealt very politely ..... me.**
*(Choose the correct option)*
(A) with (B) at
(C) in (D) far

**32. Choose the correct meaning of :**
*'Once in a blue moon'*
(A) an event that happens infrequently
(B) an event that happens frequently
(C) the moon is blue
(D) the moon is seen once.

**33. Choose the odd one out.**
(A) Chair (B) Table
(C) Bed (D) Pool

**34. ..... is going to take the dog for a walk?**
(A) Which (B) Whose
(C) Who (D) Whom

**35. Choose the correct synonym of 'Delicious' :**
(A) Bland (B) Insipid
(C) Tasty (D) Sour

**36. The antonym of 'Clever' is :**
(A) Angry (B) Naughty
(C) Cunning (D) Stupid

**37. Choose the correct sentence.**
(A) She's married with a dentist.
(B) She's married by a dentist.
(C) She's married to a dentist.
(D) She's married of a dentist.

**38. The phone is ..... .**
*(Choose the correct option)*
(A) ringing (B) rings
(C) rangs (D) rung

**39. Birds can fly but dogs ..... .**
(A) will not (B) may not
(C) shouldn't (D) can't

**40. Choose the mis-spelt word :**
(A) Advice (B) Address
(C) Adiction (D) Adhere

**41. Choose the correctly spelt word :**
(A) Harmoeny (B) Harmony
(C) Harmany (D) Harmeny

**42. Choose the correct one word substitution of :**
*'A sound that cannot be heard'*
(A) Incomparable (B) Inaudible
(C) Impudent (D) Immune

**43. I don't want to go to Africa ..... I love my country.**
*(Choose the correct option)*
(A) either (B) and
(C) because (D) then

**44. Which of these two pens is ..... ?**
*(Choose the correct option)*
(A) good (B) better
(C) more good (D) more better

**45. Choose the odd one out**
(A) Boxing (C) Wrestling
(C) Karate (D) Long Jump

**46. These questions are very easy, ..... ?**
*(Choose the correct option)*
(A) are they (B) aren't they
(C) won't they (D) weren't they

**47. Choose the correct meaning of 'To break the ice".**
(A) A strong man
(B) To start a quarrel
(C) to break the awkward silence
(D) to become violent

**48. I am ..... a piece of cake.**
*(Choose the correct option)*
(A) has (B) have
(C) had (D) having

**49. Green chilly is very rich ..... Vitamin C.**
*(Choose the correct option)*
(A) of (B) about
(C) on (D) in

**50. He does not ..... any control over his anger.**
*(Choose the correct option)*
(A) has (B) have
(C) had (D) will have

**51. It is time for the shop to be opened.**
*(Choose the correct active voice)*
(A) Time to open the shop it is.
(B) It is time to open the shop.
(C) Open the shop on time it is.
(D) Shop to be opened on time.

**52. Girija was born in Hyderabad, but ..... mother was born in Bihar.**
*(Choose the correct option)*
(A) his (B) than
(C) her (D) whose

**53. My sister ..... go to work today.**
*(Choose the correct option)*
(A) doesn't have to (B) must had to
(C) hasn't (D) wasn't

**54. I refused to ..... the bribe offered to me.**
*(Choose the correct option)*
(A) accept (B) except
(C) acept (D) adept

**55. We arrived on ..... fourth of July.**
*(Choose the correct option)*
(A) a (B) an
(C) the (D) no article

**56. I ..... Shahbaaz's family.**
*(Choose the correct option)*
(A) am not know (B) does not
(C) not know (D) don't know

**57. Choose the correct sentence.**
(A) I congratulate you for your success.
(B) I congratulate you with your success.
(C) I congratulate you at yours success.
(D) I congratulate you on your success.

**58. We ..... arrive tomorrow.**
*(Choose the suitable option)*
(A) will (B) need
(C) can (D) lest

**59. The meeting has been ..... until next week.**
*(Choose the correct option)*
(A) put out (B) put in
(C) put off (D) none of these

**60. Were there ..... guests in the wedding ?**
*(Choose the correct option)*
(A) much (B) lot
(C) many (D) lots

❑ **Instruction :** *Questions from 61 to 100 are based on the prescribed texts.*

**61. Our ancestors were very happy with true ..... rule.**
(A) National (B) International
(C) Home (D) Society

**62. .....** was overwhelmed by the love and trust of Indian people.
(A) Mahatma Gandhi (B) Shiga Naoya
(C) Bertrand Russel (D) Dr Zakir Hussain

**63. Nanukaka visited Delhi to meet some .....**
(A) governors (B) relatives
(C) doctors (D) ministers

**64. 'A Marriage Proposal' ends with the :**
(A) fight between Natalie and her father
(B) debate over the Ok-Meadows
(C) marriage of Lomov and Natalia
(D) fight between Choobookov and Lomov

**65. ..... is what should be learned from Indian people.**
(A) Superstition (B) Illiteracy
(C) Humanity (D) Cruelly

**66. Benjy's parents did not like ..... .**
(A) Mary (B) Stella
(C) Martha (D) Florence

**67. Martin Luther King, Jr. wanted to see ..... as a developed state.**
(A) Alaska (B) Tennesse
(C) Texas (D) Alabama

**68. In ancient time, the ..... was a very rare species.**
(A) birds (B) animal
(C) homo-sapiens (D) natural vegetation

**69. The import of Western medicine in traditional societies is one of the most problematic areas of ..... .**
(A) industrialization (B) hospitalization
(C) modernization (D) realization

**70. Seibei was fascinated by ..... .**
(A) gourds (B) flower
(C) grass (D) birds

**71. The poet John Donne is not weary of ..... .**
(A) his wife (B) his girlfriend
(C) his sister (D) his mother

**72. 'I, now thirty-seven years old in perfect health begin', ..... is from:**
(A) Song of Myself (B) An Epitaph
(C) Ode to Autumn (D) The Soldier

**73. 'And the prams go rolling on' ..... is from:**
(A) Now the Leaves are Falling Fast
(B) An Epitaph
(C) The Soldier
(D) Ode to Autumn

**74. Rupert Brooke expresses his love for his ..... .**
(A) beloved (B) country
(C) war (D) nature

**75. Who wrote 'Ode to Autumn'?**
(A) John Keats (B) John Donne
(C) William Wordsworth (D) William Shakespeare

**76. 'However, rare ..... rare it be', is from :**
(A) The Soldier (B) Fire Hymn
(C) Song of Myself (D) An Epitaph

**77. The poet witnessed ..... left on the burning ghat.**
(A) grey ashes (B) leaves
(C) clothes (D) fruits

**78. 'He's the bafflement of Scotland Yard', ..... is from :**
(A) Macavity, the Mystery Cat
(B) Fire Hymn
(C) Song of Myself
(D) The Soldier

**79. The poetess got ..... from her grandmother.**
(A) property (B) jewellery
(C) books (D) love

**80. 'But must I confess how I liked him', ..... is from :**
(A) Snake (B) Song of Myself
(C) Ode to Autumn (D) The Soldier

**81. Who were together called the Anglo-Saxons ..... the Angles, the Saxons and the ..... .**
(A) Jutes (B) Romans
(C) Indians (D) Scandinavians

**82. In India and Pakistan, English is spoken as a ..... .**
(A) second language (B) foreign language
(C) mother- tongue (D) native language

**83. Macavity 'always has an .....'.**
(A) Alibi (B) Admiral
(C) Orange (D) Honest cat

**84. The Pharaohs were the rulers of ..... .**
(A) Greece (B) Egypt
(C) Rome (D) Japan

**85. Dr. Zakir Hussain was also the ..... of Bihar.**
(A) Chief Minister (B) Governor
(C) Home Minister (D) Finance Minister

**86. The basket handed over to the narrator by Nanukaka had ..... in it.**
(A) vegetables (B) fruits
(C) kitten (D) sweets

**87. "Let us not wallow in the valley of despair", was said by .....**
(A) Martin Luther King, Jr. (B) Dr. Zakir Hussain
(C) Mahatma Gandhi (D) Jawaharlal Nehru

**88. ..... has enabled us to get a variety of enjoyment.**
(A) Our ancestors (B) Our friends
(C) Our strength (D) Our intelligence

**89. Freedom of press is ..... during war.**
(A) utilized (B) restricted
(C) rewarded (D) sold

**90. Pearl S. Buck visited India to ..... .**
(A) see the Taj Mahal
(B) see poverty of India
(C) meet the young intellectuals and peasants of India
(D) see various temples

**91. John Donne wanted to go on a ..... .**
(A) space trip (B) voyage
(C) continental trip (D) cycle trip

**92. Autumn is the reason of mellow ..... .**
(A) fire (B) storm
(C) rain (D) fruitfulness

**93. 'In hearts at peace, under an English heaven' - is from :**
(A) Ode to Autumn (B) The Soldier
(C) An Epitaph (D) Fire-Hymn

**94. '..... pick an armful of darkness to bring it here to lie' is from :**
(A) My Grandmother's House
(B) Ode to Autumn
(C) An Epitaph
(D) Snake

**95. Who is 'Hoping to cease not till death' ?**
(A) Walter de la mare (B) Walt Whitman
(C) Rupert Brook (D) W. H. Auden

**96. 'Starving through the leafless wood' is from :**
(A) Now the Leaves are Falling Fast
(B) Ode to Autumn
(C) Snake
(D) Song of Myself

**97. Langland wrote during the ..... English Period.**
(A) Old (B) Modern
(C) Middle (D) Post-modern

**98. The early 18th Century is also known as the ..... age.**
(A) Jacobean (B) Classical
(C) Augustan (D) Romantic

**99. ..... scholars were known as the 'University Wits'.**
(A) Indian (B) Britisher
(C) Elizabethan (D) Greek

**100. ..... has enriched the English language.**
(A) Borrowing (B) Giving
(C) Withdrawing (D) Depositing

## SECTION – B
## DESCRIPTIVE TYPE QUESTIONS

**1. Write an essay on <u>any one</u> of the following in about 150-200 words : 1 × 8 = 8**
**(A)** Online Education
**(B)** National Security
**(C)** Pollution
**(D)** Global Warming
**(E)** Sense of cleanliness

**2. Explain any one of the following : 1 × 4 = 4**
**(A)** When the van had gone they stood alone on the pavement, looking at the ground.
**(B)** 'Mother was waiting on the doorstep, her face wreathed in smiles'.

**(C)** 'European civilization' is, no doubt, suited for the Europeans but it will mean ruin for India if we endeavour to copy it.'

**(D)** 'Yet gradually his father had begun to scold him for painting pictures.'

**3. Explain any one of the following :** **1 × 4 = 4**

**(A)** Whose white waterfall could bless
Travellers in their last distress.

**(B)** And still more, later flowers for the bees,
Until they think warm days never cease;

**(C)** Here lies a most beautiful lady,
Light of step and heart was she;

**(D)** Nor in the hope the world can show
A fitter love for mee;

**4. Write a letter to your uncle asking him for his blessings for your forthcoming examinations.** **5**

*Or,*

**Write an application to the Cultural Secretary of your school to allow you to organize a debate competition in your class.**

**5. Answer any five of the following in about 40-50 words :** **5 × 2 = 10**

**(A)** A pregnant woman in a traditional society does not feel that she is alone. Why ?

**(B)** What did Dr. Radhakrishnan bring to the Presidency ?

**(C)** What is civilization in the real sense of the term ?

**(D)** Why did the Indians always blame the Britishers for their suffering ?

**(E)** What did the fire-hymn say to him ?

**(F)** Why does the poet call Macavity a mystery cat ?

**(G)** What does Walter de la Mare say about 'beauty' ?

**(H)** What does T. S. Eliot say about the weaknesses of modern civilization in his early poems ?

**(I)** What is the differences between a short story and a novel ?

**(J)** Write a note on 'borrowings' in English ?

**6. Answer any three of the following in about 100-120 words :** **3 × 5 = 15**

**(A)** Write the summary of any one of the following poems :

(i) Sweetest Love, I Do Not Goe
(ii) Now The Leaves Are Falling Fast
(iii) An Epitaph

**(B)** Write the summary of any one of the following prose pieces :

(i) India Through a Traveller's Eyes
(ii) A Child is Born
(iii) I Have a Dream

**(C)** Write a note on English as the second language of India.

*Or,*

Discuss the importance of English as a world language.

*Or,*

Write a note on Middle English.

**(D)** Match the name of the poems given in List-A with their poets in List-B.

| List-A | List-B |
|---|---|
| (i) Now the Leaves are Falling Fast | (a) K. N. Daruwala |
| (ii) Fire-Hymn | (b) Rupert Brooke |
| (iii) Snake | (c) John Keats |
| (iv) The Soldier | (d) W.H. Auden |
| (v) To Autumn | (e) D. H. Lawrence |

**(E)** Translate any five into English:

(i) क्या तुम्हें अमरूद खाना पसंद है ?
(ii) मेरे चार भाई हैं।
(iii) मुझे पढ़ाई करना अच्छा लगता है।
(iv) गंगा एक पवित्र नदी है।
(v) महावीर एक महान पुरुष थे।
(vi) मेरे द्वार पर एक भिखारी खड़ा था।
(vii) राजा का स्वभाव बहुत विन्रम है।
(viii) हमें सब का आदर करना चाहिए।

**(F)** Match the name of the prose-pieces in List-A with their authors in List-B.

| List-A | List-B |
|---|---|
| (i) The Artist | (a) Germaine Greer |
| (ii) A Marriage Proposal | (b) H. E. Bates |
| (iii) A Child is Born | (c) Shiga Naoya |
| (iv) The Earth | (d) Dr. Zakir Hussain |
| (v) Bharat is My Home | (e) Anton P. Chekhov |

**7. Read the passage carefully and answer the questions that follow :** **4**

Fuel is a material that is burned in order to get heat and light and also to generate power. The process of burning is a chemical reaction. A material combines with oxygen from the air and gives out energy. The energy is given out in the form of heat and light. Fuels can also be classified as solid, liquid and gas. Wood was one of the first fuels used by man. It was the easiest and the cheapest form. After wood started becoming scarce, it was replaced by coal. Coal contains a high percentage of carbon. Carbon is the most important ingredient in most fuels. Fuels with a high percentage of carbon burn evenly and with a hot flame.

**Questions :**

**(a)** What is produced with the burning of the fuel ?

**(b)** Why was wood replaced by coal ?

**(c)** How does fuel with a high percentage of carbon burn ?

**(d)** What is the source of energy ?

*Or,*

**Write a precis of the following passage and give a suitable title to it :**

Meditation is a practice that focuses the mind on a specific object, thought or activity to train attention and awareness. It has been shown to have many benefits for physical and mental health, including reducing stress and anxiety, improving sleep, and increasing feelings of calmness and relaxation. Studies have also shown that meditation can have positive effects on the brain. It helps in learning, boosts memory and surely decreases stress. It is never too late to start meditation. To do that one can use a good app or join a meditation group.

# ANSWER WITH EXPLANATION

## SECTION – A

### OMR ANSWER-SHEET

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 51. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 2. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 52. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 3. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 53. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 4. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 54. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 5. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 55. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 6. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 56. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 7. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 57. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 8. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 58. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 9. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 59. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 10. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 60. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 11. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 61. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 12. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 62. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 13. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 63. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 14. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 64. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 15. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 65. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 16. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 66. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 17. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 67. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 18. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 68. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 19. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 69. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 20. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 70. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 21. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 71. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 22. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 72. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 23. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 73. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 24. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 74. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 25. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 75. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 26. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 76. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 27. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 77. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 28. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 78. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 29. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 79. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 30. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 80. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 31. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 81. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 32. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 82. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 33. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 83. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 34. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 84. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 35. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 85. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 36. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 86. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 37. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 87. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 38. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 88. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 39. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 89. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 40. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 90. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 41. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 91. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 42. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 92. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 43. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 93. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 44. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 94. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 45. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 95. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 46. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 96. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 47. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 97. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 48. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 98. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 49. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 99. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |
| 50. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ | 100. | Ⓐ | Ⓑ | Ⓒ | Ⓓ |

### ANSWER

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. (A) | 2. (A) | 3. (C) | 4. (B) | 5. (C) |
| 6. (D) | 7. (A) | 8. (D) | 9. (D) | 10. (B) |
| 11. (B) | 12. (A) | 13. (D) | 14. (B) | 15. (C) |
| 16. (C) | 17. (A) | 18. (B) | 19. (A) | 20. (C) |
| 21. (C) | 22. (D) | 23. (C) | 24. (B) | 25. (A) |
| 26. (C) | 27. (A) | 28. (A) | 29. (A) | 30. (A) |
| 31. (A) | 32. (A) | 33. (D) | 34. (C) | 35. (C) |
| 36. (D) | 37. (C) | 38. (A) | 39. (D) | 40. (C) |
| 41. (B) | 42. (B) | 43. (C) | 44. (B) | 45. (D) |
| 46. (B) | 47. (C) | 48. (D) | 49. (D) | 50. (B) |
| 51. (B) | 52. (C) | 53. (A) | 54. (A) | 55. (C) |
| 56. (D) | 57. (D) | 58. (A) | 59. (D) | 60. (C) |
| 61. (A) | 62. (B) | 63. (C) | 64. (C) | 65. (C) |
| 66. (D) | 67. (D) | 68. (C) | 69. (C) | 70. (B) |
| 71. (D) | 72. (A) | 73. (A) | 74. (B) | 75. (A) |
| 76. (D) | 77. (A) | 78. (A) | 79. (D) | 80. (A) |
| 81. (A) | 82. (A) | 83. (A) | 84. (B) | 85. (B) |
| 86. (D) | 87. (A) | 88. (D) | 89. (B) | 90. (C) |
| 91. (B) | 92. (D) | 93. (B) | 94. (A) | 95. (C) |
| 96. (A) | 97. (C) | 98. (C) | 99. (C) | 100. (A) |

## SECTION – B

**1.** **(A) Online Education**

The advent of online education has been a game-change in the realm of learning, especially highlighted during the COVID-19 pandemic. This digital approach to education transcends geographical barriers, making quality education accessible to a broader audience regardless of location. Students can access diverse courses offered by global institutions, fostering a rich, multicultural learning environment. One of the greatest advantages of online learning is its flexibility; students have the liberty to learn at their own pace, accommodating different learning styles and life commitments.

However, online education is not without its challenges. The digital divide poses a significant hurdle, with students in remote or underprivileged areas often lacking access to necessary technological resources. Additionally, the lack of physical interaction can impact the social aspects of learning and student engagement.

Despite these challenges, online education offers unparalleled opportunities for continuous learning and professional development. It promotes self-discipline and time management skills and incorporates the latest technological advancements, making education more interactive and engaging. As the world increasingly moves towards a digital future, online education stands as a testament to the adaptability and resilience of the education sector, offering a complementary approach to traditional classroom learning.

**(B) National Security**

National security remains a paramount concern for any nation, encompassing the protection of its citizens, economy, and institutions from external threats and fostering internal stability. The concept extends beyond military might to include economic strength, cyber security, and environmental resilience. In an era marked by global interconnectivity, national security

faces multifaceted challenges ranging from terrorism and cyber attacks to geopolitical tensions and pandemics.

Ensuring national security requires a holistic approach that balances defensive measures with proactive strategies. This includes maintaining a strong defense force, effective intelligence gathering, and robust cybersecurity systems. Equally important is the need to foster economic stability, as a strong economy underpins a nation's ability to defend itself and influence global affairs.

However, national security is not solely the government's responsibility. It requires the active participation of citizens in safeguarding their country's interests and values. Public awareness and cooperation in issues like cyber security and community resilience are vital.

In conclusion, national security is a comprehensive concept that demands a strategic blend of military preparedness, economic robustness, technological advancement, and public participation. It is essential for preserving a nation's sovereignty, ensuring its citizens' well-being, and maintaining its position on the global stage.

### (C) Pollution

Pollution, an unfortunate by product of modern civilization, poses a significant threat to the environment and human health. The rapid pace of industrialization and urbanization has exacerbated this issue, leading to various forms of pollution, including air, water, and soil contamination. The consequences are dire: air pollution causing respiratory diseases, water pollution affecting aquatic ecosystems and human health, and soil pollution degrading land and food quality.

Combatting pollution requires a multi-faceted approach. On a governmental level, it is crucial to implement and enforce stringent environmental regulations. Investment in green technologies and sustainable infrastructure can significantly reduce pollution levels. Encouraging industries to adopt environmentally friendly practices is also vital.

Individual actions, though seemingly small, can collectively make a significant impact. Simple practices like reducing vehicle use, conserving energy, and recycling can contribute to lowering pollution levels. Public awareness campaigns and education about the impact of pollution and sustainable practices are essential to foster a culture of environmental responsibility.

In conclusion, addressing pollution is a shared responsibility that calls for coordinated efforts from governments, industries, and individuals. It is a critical task that requires immediate action to protect our planet and ensure a sustainable future for coming generations.

### (D) Global Warming

Global warming, characterized by an increase in Earth's average surface temperature, presents one of the most pressing challenges of our time. Human activities, particularly the burning of fossil fuels and deforestation, have significantly contributed to this phenomenon, leading to a rise in greenhouse gas emissions. The impacts are far-reaching and devastating, including melting ice caps, rising sea levels, and extreme weather patterns, which pose a threat to ecosystems, biodiversity, and human livelihoods.

Combating global warming requires collective action on a global scale. Transitioning to renewable energy sources such as solar, wind, and hydroelectric power is crucial in reducing carbon emissions. Governments and international bodies must work together to enforce environmental regulations and promote sustainable development practices. Individual actions also play a crucial role. Simple changes in lifestyle, like using public transport, reducing energy consumption, and supporting sustainable products, can collectively make a significant difference. Public awareness and education about the causes and effects of global warming are essential in mobilizing collective action.

In conclusion, global warming is a crisis that demands immediate and sustained action from all sectors of society. The future of our planet depends on our ability to reduce greenhouse gas emissions and adopt sustainable practices to mitigate the impacts of climate change.

### (E) Sense of Cleanliness

A sense of cleanliness is integral to public health and environmental sustainability. It encompasses personal hygiene, clean living spaces, and maintaining a pollution-free environment. Cleanliness is not just a personal habit but a societal responsibility that demands collective effort and awareness. Effective waste management, recycling, and public cleanliness initiatives play a crucial role in achieving this goal.

Educational institutions have a pivotal role in instilling cleanliness habits from a young age. Incorporating hygiene and environmental care into curricula can foster a lifelong commitment to cleanliness. Community involvement in cleanliness drives and awareness programs can further reinforce these values.

On an individual level, simple practices like regular hand washing, proper waste disposal, and reducing pollution contribute to maintaining cleanliness. These practices not only prevent the spread of diseases but also promote environmental conservation.

In conclusion, a sense of cleanliness is essential for a healthy society and environment. It requires a concerted effort from individuals, communities, and governments to create and maintain clean and healthy surroundings. Cultivating and promoting cleanliness habits is crucial for societal well-being and environmental preservation.

**2. (A)** The line has been taken from the lesson 'The Earth' which has been beautifully written by H.E. Bates. This story shows that how the earth can change the life system.

The author has represented the life of a farmer Johnson, who has a few lands to grow crops. He does not work in the field. He says, "Everything is in the hands of God." He preaches in the streets while his crops are dying in the fields.

He has a simple minded son 'Benjy' on advice of Doctor

Johnson keeps Benjy engaged in hens, at first giving him ten or almost a dozen of hens on which Benjy works hard and becomes rich and buys some land in his own name. Even he marries Florence named lady against his parents.

At last, he banishes his parents in a town on the pavement. Now they are looking at the ground realizing that very this earth made this change a lot.

**(B)** The present line has been taken from the most reading lesson ''A Pinch of Snuff'' which has been written by Manohar Malgaonkar in comedian style.

In this story the maternal uncle of the narrator Nanukaka is arriving at the narrator's house to see some minister. The narrator was very sad to hear the purpose of arriving his maternal uncle. He knows that he vexes the narrator so much. So, first he tries to convince his mother to inform him that we are out of station but his mother says that nothing can happen he is at the station and you have to pick up him.

The mother is waiting on the doorstep, her face wreathed in smiles to see her own brother with her favourite kittens, but the narrator was tensed.

**(C)** This sentence offers a critical perspective on cultural emulation and the consequences of unreflective adoption of foreign ways of life. It acknowledges that while European civilization is aptly suited for Europeans, its replication in a country with a vastly different cultural heritage like India could lead to detrimental outcomes. The word "ruin" suggests catastrophic results, implying cultural, social, or economic degradation. This statement could be part of a larger discourse on the importance of preserving indigenous cultures and identities in the face of globalization. It points to the idea that blindly imitating another civilization, without considering local contexts and values, could lead to the erosion of one's cultural roots and identity. The sentence challenges the notion of the universality of Western civilization and underscores the need for cultural self-awareness and respect for diversity. It could be a call for introspection and the development of a cultural ethos that is reflective of one's own history and societal needs.

**(D)** This sentence reflects a change in the father-son relationship, possibly due to differing views on the son's interest in painting. The gradual onset of the father's scolding suggests a shift from initial tolerance or indifference to disapproval, indicating a deeper conflict beneath the surface. This could stem from practical concerns about the son's future, societal expectations, or the father's own values and aspirations for his child. The son's interest in painting might be seen as impractical or frivolous in the face of societal norms that favor more traditional career paths. This sentence encapsulates a common generational conflict, where the younger generation's passions and inspirations clash with the older generation's more conventional expectations. It touches upon themes of artistic expression, parental authority, and the struggle to balance personal desires with familial expectations. The phrase "for painting pictures" highlights the innocent and harmless nature of the son's activity, further emphasizing the father's harsh response as potentially unjustified or rooted in a misunderstanding of the son's artistic passion.

**3. (A)** This line paints a vivid image of *a* majestic white waterfall, positioned as a symbol of blessing and relief for weary travelers. The waterfall's whiteness might signify purity, peace, or a sense of serenity. The phrase "in their last distress" implies that the travelers are experiencing significant hardship or are at a critical point in their journey. The waterfall, in this context, becomes a source of spiritual or emotional solace, offering comfort and rejuvenation. The line encapsulates the power of nature to provide refuge and hope in times of difficulty, highlighting the deep connection between humans and the natural world. The imagery is evocative, suggesting a scene of both beauty and compassion, where the natural environment plays a crucial role in the healing and support of individuals.

**(B)** This line from a poem reflects an idyllic and harmonious natural scene where bees are surrounded by an abundance of flowers, even late in the season. The phrase suggests a continuous and plentiful supply of flowers, creating an environment where bees are led to believe in the perpetuity of warm days. This could symbolize an eternal summer or a Utopian state of endless abundance and beauty. The line also speaks to the symbiotic relationship between flowers and bees, emphasizing the importance of each in sustaining the other. The imagery here is one of tranquility, continuity, and a kind of optimistic illusion nurtured by the enduring presence of nature's gifts. It evokes a sense of timelessness and the cyclical nature of life, where the end of one phase seamlessly transitions into the beginning of another.

**(C)** This line likely refers to an epitaph, a tribute to a woman known for her beauty and light-hearted nature. The phrase "light of step and heart" suggests that she was graceful and cheerful, bringing joy and lightness wherever she went. The past tense "was she" indicates that she is no longer alive, and the speaker is reminiscing about her qualities with admiration and fondness. This line could evoke a sense of loss and nostalgia, as the speaker remembers the positive attributes of the deceased. It's a bittersweet reflection that celebrates the life and spirit of the woman, while also acknowledging her absence. The imagery is gentle and affectionate, painting a picture of someone who was beloved and cherished for her vivacity and kindness.

**(D)** This line expresses a deep sense of contentment and fulfillment in the love that the speaker has found. It suggests that no other love in the world could be more suitable or desirable. The speaker seems to have a profound conviction that the love they have is the best match for them, dismissing the need to seek love elsewhere. This line embodies the sentiment of rinding one's perfect counterpart and being entirely satisfied with that discovery. It conveys a strong sense of finality and certainty, indicating a deep and unwavering connection. The line is a testament to the power of love and the belief in a soulmate or an ideal partner, where no other love could compare or compete.

**4.**

Kankarbagh, Patna, Bihar
2nd January, 2024

Dear Uncle,

I hope this letter finds you in the best of health and spirits. I am writing to share some news and seek your blessings.

As you know, my final examinations are approaching next month. These exams are crucial for my academic progress and future aspirations. Over the past few months, I have been diligently preparing, trying to cover all the subjects comprehensively, I remember how you always emphasized the importance of education and hard work. Your guidance and support have been instrumental in my journey so far.

I am feeling a mix of nervousness and excitement. While I am confident in my preparation, the pressure to perform well is quite overwhelming. In these times, I often recall your words of wisdom and the stories of your own academic endeavors, which inspire me to give my best.

Uncle, your blessings have always been a source of strength for me. As I stand on the threshold of this significant phase, I seek your blessings and good wishes. Your encouragement means a lot to me and it gives me the confidence to face the challenges ahead.

Please convey my regards to Aunt and cousins. I am looking forward to visiting you after my exams and sharing my experiences.

Thanking you in anticipation of your blessings and support.

Warm regards,

Anand

Address :
.....
.....

**Or,**

To,
The Cultural Secretary,
Modern High School
Police Line, Patna

**Subject: Permission to Organize a Debate Competition**

Respected Sir,

1 am Anand, a student of class X at Modern High School. I am writing to seek your permission to organize a debate competition in our class. The proposed event is scheduled for 10.02.2023, during the 7th period.

Debate competitions play a crucial role in fostering critical thinking, public speaking skills, and healthy discussions among students. It is an excellent platform for students to express their views and learn to respect diverse opinions. Such activities also enhance our understanding of current affairs and social issues, thereby contributing to our overall intellectual development.

The topic for the debate is proposed to be 'Education for All'. This topic is relevant and will encourage students to engage with current societal issues, enhancing their awareness and understanding.

I have discussed this idea with our class teacher, R.K. Mishra, and my classmates, and have received an enthusiastic response. We plan to conduct the debate in an orderly and disciplined manner, ensuring active participation and adherence to the school's code of conduct.

We would be grateful if you could provide us with the necessary permissions and guidance to successfully organise this event. Your support in this endeavor would be highly appreciated.

Thank you for considering our request. I look forward to a positive response.

Yours sincerely
Anand
Class : X
Roll No. 1

Date : 02.01.2024

**5.** **(A)** In traditional societies, a pregnant woman is often surrounded by a strong support system comprising family, friends, and community members. This collective approach provides emotional, physical, and spiritual support, ensuring she never feels isolated. The communal culture prevalent in such societies plays a crucial role in nurturing and supporting expectant mothers.

**(B)** Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, a renowned philosopher and scholar, brought intellectual depth and a philosophical perspective to the Indian Presidency. His tenure was marked by his emphasis on education, moral values, and cultural unity. He was also a great advocate for peace and understanding, significantly influencing India's approach to internal and international affairs.

**(C)** Civilization, in its true essence, transcends beyond technological advancements or material prosperity. It encompasses the development of social, moral, and cultural values that promote harmony, empathy, and respect for diversity. A true civilization is characterized by its adherence to principles of justice, equality, and the collective welfare of its members.

**(D)** Indians often blamed the British colonizers for their suffering due to the oppressive and exploitative nature of British rule. Colonial policies led to economic hardships, cultural suppression, and social upheaval. The sense of national exploitation and the struggle for independence further fueled resentment towards the British.

**(E)** Without specific context, this question is open to interpretation. Generally, a fire-hymn could symbolize purification, transformation, or inspiration. It might convey messages of resilience, change, or the destruction of old ways to make way for the new. It could also be a call to action or a source of spiritual awakening.

**(F)** The poet calls Macavity a mystery cat due to his elusive nature. Macavity is portrayed as a .master criminal who is never caught, always one step ahead of the law. His

mysteriousness lies in his ability to vanish and evade capture, making him an enigmatic figure.

**(G)** Walter de la Mare often explores the transient and subjective nature of beauty. He suggests that beauty lies in perception and is often found in simple, everyday things. His work implies that beauty transcends physical appearances and is more about the emotional and spiritual connection one feels.

**(H)** T. S. Eliot's early poems often critique the alienation and spiritual barrenness of modern civilization. He points out the loss of meaning and purpose in the increasingly industrialized and fragmented world, highlighting the moral and cultural decay of society.

**(I)** A short story is a brief work of fiction that typically focuses on a single plot, a small set of characters, and a singular theme, often aiming to evoke a single emotional effect. A novel, on the other hand, is a longer work of fiction that explores complex plots, multiple characters, and various themes, allowing for greater depth and character development.

**(J)** English language has evolved significantly through borrowings from other languages. Words and phrases from Latin, Greek, French, and many other languages have been integrated into English, enriching its vocabulary, and making it a diverse and dynamic language. These borrowings reflect the historical and cultural interactions over centuries.

**6. (A) (i)** John Donne's poem "Sweetest Love I Do not Goe" is a passionate declaration of love and sorrow at parting. The speaker, likely Donne himself, addresses his beloved, explaining that his departure is not due to a lack of love but a necessity. He emphasizes the depth of his love and the pain of separation. The poem explores themes of love, separation, and the enduring emotional connection between lovers. Donne uses rich imagery and metaphors to express the intensity of his feelings, making the poem a powerful expression of love's paradox-the pain of leaving and the strength of the bond that remains,

**(ii)** W. H. Auden's "Now The Leaves Are Falling Fast" is a reflection on the passage of time and the approach of winter. The poem conveys a sense of urgency and a melancholic tone as it describes the changing season. Auden uses the imagery of falling leaves to symbolize the end of a cycle and the inevitable progression towards decay and death. The poem captures the transient nature of life and the fleeting moments of beauty and joy. It also touches on themes of nostalgia and the human response to the relentless march of time.

**(iii)** 'An Epitaph' by Walter de la Mare is a contemplative poem reflecting on the life and death of an individual. The poem serves as a tombstone inscription, succinctly summarizing the life of the deceased. It speaks to the transience of life and the universal nature of death. De la Mare uses simple but powerful language to evoke a sense of peace and acceptance. The poem's reflective and somber tone invites readers to consider their own mortality and the legacy they will leave behind. It's a poignant reminder of life's brevity and the enduring impact of one's deeds and character.

**(B) (i)** 'Indian Through a Traveller's Eyes' is an extract written by Pearl S. Buck. This prose piece is likely a travelogue or an account by a visitor to India, offering an outsider's perspective: on the country's diverse culture, history, and landscapes. The narrative may explore the contrasts and contradictions of India, from bustling cities to serene landscapes, ancient traditions to modern developments. The traveller's observations could include reflections on the social and economic aspects of Indian life, the challenges faced by the country, and the unique experiences that make India a fascinating destination.

**(ii)** 'A Child is Born' is written by Germaine Greer. "A Child is Born" could be a narrative focusing on the miracle of childbirth and the beginning of a new life. This prose piece might explore the emotions, challenges, and transformations associated with becoming a parent. It could delve into themes of hope, responsibility, and the profound impact of a child's birth on the family and community. The story might also touch on broader social and cultural attitudes towards childbirth and parenthood.

**(iii)** "I Have a Dream" is a famous speech by Martin Luther King Jr., delivered during the March on Washington for Jobs and Freedom in 1963. This powerful and inspiring speech calls for an end to racism and for civil and economic rights and an appeal for peace and equality in America. King eloquently expresses his vision of a future where people are judged not by the colour of their skin but by the content of their character. The speech is a seminal moment in the American Civil Rights Movement and a timeless message of hope and justice.

**(C)**English, as the second language in India, holds a unique and significant position.It serves as a bridge across the country's diverse linguistic landscape, linking people from different regions and backgrounds. Introduced during the British colonial era, English has since become deeply embedded in Indian society. It is widely used in government, business, education, and media, making it a crucial tool for communication and information.

In the realm of education, English is often the medium of instruction in schools and universities, especially in urban areas. This has implications for social mobility, as proficiency in English can open up greater opportunities in higher education and employment, both within India and globally.

Moreover, English in India has evolved into a distinct dialect, incorporating elements of Indian languages and culture, which is sometimes referred to as Indian English. This reflects the dynamic nature of language and how it adapts to local contexts.

However, the prominence of English also highlights issues of linguistic inequality. Those without access to English education may find themselves at a disadvantage in a society where English proficiency is increasingly equated with intelligence and capability. This has sparked debates about language policy and the importance of promoting multilingualism, where English is one of many languages valued and taught.

In conclusion, while English as a second language in India acts as a unifying force and a key to global integration, it also raises important questions about linguistic diversity and equity in the country. The challenge lies in balancing the benefits of English proficiency with the need to preserve and promote India's rich linguistic heritage.

**Or,**

English is read and spoken all over the world. It is used as a mother-tongue or first language in the U.K., U.S.A., Ireland, Canada, Australia, Newzealand and South Africa. These countries are generally known as the mother-tongues countries of English. It is used as a second official language in many Asian and African countries such as India, Singapore, Malaysia, Namibia etc. It is widely used and studied as a foreign language in China, Japan, France, Germany, Switzerland, Saudi Arabia, Egypt, Iraq etc. This language belongs to the whole world. It is now the main language of science and technology. It is used all over the world as a language of learning, communication, international trade and commerce, diplomacy, international sports etc. Thus, it can be said that English is an international language.

**Or,**

The second stage in the history of English is known as Middle English period. This period is from AD 1150 to AD 1500. During this period English was a mixture of dialects. There were five dialects in Middle English. They were Northern, Southern, East midland, West midland and Knetish. The introduction of printing technology and the 'Great Vowel Shift' are two significant events of this period. The most important feature of Middle English is its great variety in different part of England. The variety was not confined to English as it was spoken. It appears in the writing literature. The Middle English period was marked by intensive and fundamental changes in the phonological and grammatical systems of English. Chancer, Gower, Langland and Wyclif are important writers of this period.

**(D)** (i)–(d), (ii)–(a), (iii)–(e), (iv)–(b), (v)–(c)

**(E)** (i) Do you like to eat guava?
(ii) I have four brothers.
(iii) I like studying.
(iv) Ganga is a sacred river.
(v) Mahavir was a great person.
(vi) There was a beggar standing at my door.
(vii) The king's nature is very humble.
(viii) We should respect everyone.

**(F)** (i)–(b), (ii)–(e), (iii)–(a), (iv)–(c), (v)–(d)

**7. (i)** The burning of fuel produces energy in the form of heat and light.

**(ii)** Wood started becoming scarce and was subsequently replaced by coal.

**(iii)** Fuels with a high percentage of carbon burn evenly and with a hot flame. This makes them more efficient and effective as a source of energy.

**(iv)** The source of energy in the process of burning fuel is the chemical reaction that occurs when the fuel combines with oxygen. This reaction releases energy stored within the fuel, primarily in the form of heat and light.

***Or,***

**Title : 'The Transformative Power of Meditation'**

Meditation, a practice of focusing the mind, significantly enhances physical and mental well-being. It involves concentrating on a particular object, thought, or activity, training attention and awareness. This practice is known to alleviate stress and anxiety, promote better sleep, and foster feelings of calmness and relaxation.

Total words : 92 Precised words : 46

❑ ❑ ❑